THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-27 अंक : 295 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) माघ कृ.2 2079 रविवार, 8 जनवरी 2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये

श्रीराम के ननिहाल में आना मेरा सौभाग्य

अमित शाह बोले : 2024 में मोदी जी को प्रधानमंत्री बनाना है तो, छत्तीसगढ़ में बीजेपी की सरकार बनवाएं

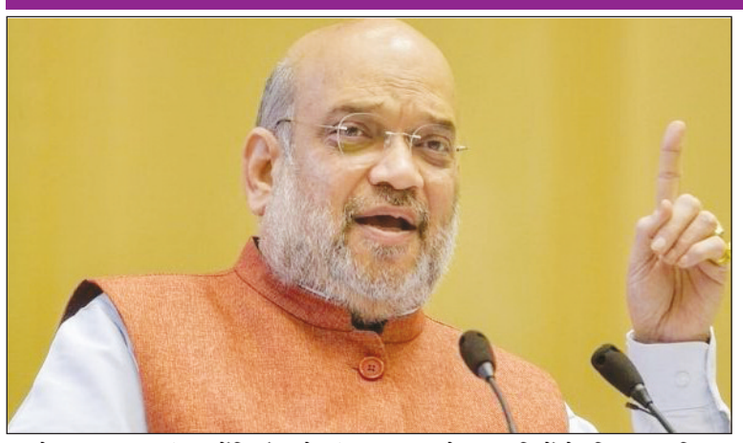

कोरबा, 7 जनवरी (एजेंसियां)। केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह के कोरबा पहुंचने पर बीजेपी कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया है। वे झारखंड के चाईबासा से सीधे कोरबा पहुंचे। पहले उन्हें राजधानी रायपुर होते हुए कोरबा पहुंचना था। लेकिन ऐन मौके पर उनके दौरे में बदलाव किया गया। कोरबा पहुंचने के बाद अमित शाह का बीजेपी नेताओं ने जोरदार स्वागत करते हुए हल भेंट किया गया।

जनसभा को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि, श्रीराम के ननिहाल छत्तीसगढ़ आना उनका सौभाग्य है। यहां की जनता ने बीजेपी को 15 साल शासन करने का मौका दिया, उसके लिए धन्यवाद। उन्होंने कहा कि पहले सभी छत्तीसगढ़ को बीमारू राज्य कहते थे, लेकिन बीजेपी ने इसे बीमारू से विकसित राज्य बनाने की ओर अग्रसर किया। अमित शाह ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि ये केवल झूठ बोलते हैं। कांग्रेस ने भ्रष्टाचार करने के अलावा कुछ नहीं किया। गृहमंत्री अमित शाह ने आगे कहा कि हमने 15 सालों में प्रदेश से नक्सलवाद को खत्म किया। कांग्रेस ने आदिवासियों के लिए क्या किया? कांग्रेस सरकार ने जनजातियों के लिए क्या किया? उन्होंने कहा कि बीजेपी ने आदिवासी बेटी द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति बनाया।

मंदिर दर्शन के बाद बैठक :

जनसभा के बाद अमित शाह सर्वमंगला मंदिर दर्शन के लिए गए। वहां से दर्शन करने के बाद शाह ने बीजेपी नेताओं की बैठक ली। इसके बाद वह हेलिकॉप्टर से बिलासपुर रवाना हो गए हैं।

कार्यक्रम में नहीं पहुंच पाए पूर्व सीएम रमन

उधर, शाह के संबोधन के दौरान मंच पर पूर्व सीएम रमन नजर नहीं आए। रमन सिंह शाह के कार्यक्रम के बाद कोरबा पहुंचे। कहा जा रहा है कि रमन सिंह रायपुर में ही उनका इंतजार कर रहे थे। दोनों को रायपुर से साथ में ही आना था। मगर शाह झारखंड से सीधे कोरबा पहुंच गए थे। यही वजह रही कि बाद में रमन सिंह कोरबा पहुंचे और बीजेपी की बैठक में शामिल हुए।

पिछले आमचुनाव में 2 सीटों पर हारी थी बीजेपी :

बीजेपी को पिछले आम चुनाव में छत्तीसगढ़ की दो लोकसभा सीटें कोरबा और बस्तर में हार का सामना करना पड़ा था। जिसको लेकर बीजेपी इस बार कोई गलती नहीं करना चाहेगी। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने कहा है कि चारों संगठनात्मक जिले के सभी मंडलों से बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और जन सामान्य शाह को सुनने के लिए आएंगे। यह कार्यक्रम ऊर्जा नगरी के इतिहास में दर्ज होगा।

ओम माथुर और नितिन नवीन भी पहुंचे

प्रदेश प्रभारी ओम माथुर तीन दिवसीय प्रवास पर शुक्रवार शाम रायपुर पहुंचे गए थे। इधर प्रदेश सह प्रभारी नितिन नवीन पहले ही रायपुर पहुंच में थे। शनिवार सुबह से भी बीजेपी के सभी बड़े नेता कोरबा पहुंच चुके थे। शाह के दौरे की तैयारियों के मद्देनजर क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल और पवन साय पहले से ही कोरबा में मौजूद थे।

मिशन 2024 में जुटी भाजपा ने देश में 160 उन लोकसभा सीटों को मजबूत करने के मिशन में जुटी है। जिनमें 2019 में हार मिली थी। हारी हुई लोकसभा सीटों को जीतने के लिए पार्टी ने लोकसभा प्रवास का कार्यक्रम शुरू किया है। इसके तहत केंद्रीय मंत्री इन सीटों का दौरा कर रहे हैं। साथ ही वहां के स्थानीय नेताओं के साथ मीटिंग कर सीट को जीतने के टिप्स दे रहे हैं।

मोदी के वादे कब पूरे होंगे? शाह बताएं

पीसीसी चीफ मोहन मरकाम ने केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह के दौरे पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि उनसे पहले केन्द्र के दर्जनों मंत्री छत्तीसगढ़ का दौरा कर चुके हैं लेकिन वे सभी यहां की जनता की उम्मीदों को पूरा करने में नाकाम रहे। मोहन मरकाम ने कहा कि मोदी सरकार में दूसरे नंबर के सबसे ताकतवर मंत्री हैं अमित शाह। हमें पूरा विश्वास है शाह अपने दौरे में राज्य सरकार की केंद्र के पास बकाया लगभग 55 हजार करोड रुपये का भुगतान करने के निर्देश छत्तीसगढ़ की धरती से देंगे।

दिल्ली में मेयर, डिप्टी मेयर पर विवाद बढ़ा

एलजी ऑफिस का सैकड़ों आप कार्यकर्ताओं ने घेराव किया

नई दिल्ली, 7 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली में एमसीडी के मेयर, डिप्टी मेयर का चुनाव शुक्रवार को नहीं हो पाया। भारी हंगामे के बाद सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी गई। अब आम आदमी पार्टी और भाजपा सड़कों पर उतर आई हैं और एक दूसरे के खिलाफ प्रदर्शन कर रही हैं। एलजी वीके सक्सेना के ऑफिस के बाहर आप के कार्यकर्ता प्रदर्शन कर रहे हैं। आप विधायक आतिशी ने मांग की है कि भाजपा और लेफ्टिनेंट गवर्नर (एलजी) वीके सक्सेना लिखित में स्टेटमेंट दें कि नॉमिनेटेड सदस्य वोट नहीं डालेंगे।

वहीं, भाजपा कार्यकर्त्ता राजघाट में धरना दे रहे हैं। उनका कहना है कि आप पार्षदों ने महिला पीठासीन अधिकारी के साथ गाली-गलौच की है। उनके ऊपर कुर्सी फेंकी है। बीजेपी ने एलजी से मांग की है कि ऐसे आप नेताओं पर कड़ी से कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। शुक्रवार सुबह 11 बजे पार्षदों का शपथ ग्रहण शुरू होना था, लेकिन प्रोटेम स्पीकर ने सबसे पहले मनोनीत सदस्यों को जैसे ही शपथ दिलानी शुरू की, आम आदमी पार्टी (आप) के सदस्यों ने विरोध शुरू कर दिया। इससे बीजेपी पार्षद भी इनके खिलाफ नारेबाजी करने लगे। दोनों पक्षों के बीच धक्का-मुक्की और हाथापाई होने लगी। आप के पार्षद प्रोटेम स्पीकर के आसन पर चढ़ गए। इस दौरान कुछ पार्षद कुर्सी उठाकर पटकते देखे गए। कुछ धक्का लगने से नीचे गिर गए। कुछ को चोटें आईं।

विवाद कहां से शुरू हुआ :

एलजी ने मेयर चुनाव के लिए बीजेपी की पार्षद सत्या शर्मा को प्रोटेम स्पीकर नियुक्त किया। इससे पहले आप ने मुकेश गोयल के नाम का प्रस्ताव रखा था। सत्या के नाम पर आप ने आपत्ति जताई। इसके बाद प्रोटेम स्पीकर सत्या ने जैसे ही एलजी के मनोनीत सदस्यों को शपथ दिलानी शुरू की तो आप ने विरोध और नारेबाजी शुरू कर दी।

आम आदमी पार्टी का कहना है कि मनोनीत सदस्यों की शपथ पहले नहीं होती है, लेकिन भाजपा परंपरा बदल रही है। भाजपा सांसद मीनाक्षी लेखी ने कहा कि आप नेताओं को नियमों की जानकारी नहीं है। इसलिए वह हंगामा कर रहे हैं। जब वे बहुमत में हैं, तो डरते क्यों हैं? यही काम आप सांसद राज्यसभा में भी करते हैं। उधर, कांग्रेस ने मेयर चुनाव में शामिल नहीं होने का फैसला किया। आप विधायक आतिशी ने चुनाव न लड़ने के फैसले के बाद कांग्रेस पर भाजपा को फायदा पहुंचाने का आरोप लगाया है। मेयर के चुनाव में 273 मेंबर्स वोट डालेंगे। बहुमत के लिए 133 का आंकड़ा चाहिए। आप के पास 150 तो बीजेपी के पास 113 वोट हैं।

ग्रेट निकोबार में खोलें अग्निवीर प्रशिक्षण केंद्र, अंडमान भाजपा का राजनाथ सिंह से अनुरोध

पोर्ट ब्लेयर, 7 जनवरी (एजेंसियां)। भाजपा की अंडमान निकोबार इकाई ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से ग्रेट निकोबार में 'अग्निवीर' प्रशिक्षण केंद्र खोलने का अनुरोध किया है।

अंडमान प्रदेश भाजपा के एक नेता ने यह जानकारी दी। अंडमान भाजपा के उपाध्यक्ष संजय कुमार सिंह के नेतृत्व में पार्टी नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने पांच जनवरी को द्वीपसमूह की अपनी दो दिनी यात्रा के दौरान रक्षा मंत्री से मुलाकात की थी। उनसे केंद्र शासित प्रदेश के दक्षिणी द्वीप में 'अग्निवीरों' के लिए प्रशिक्षण इकाई बनाने का आग्रह किया। भाजपा नेताओं ने कहा कि अंडमान से नियमित समुद्री परिवहन सेवा उपलब्ध नहीं होने के कारण दूरदराज के द्वीपों से पोर्ट ब्लेयर तक आने मे अग्निवीर उम्मीदवारों को कठिनाई होती है। रक्षा मंत्री को इनसे अवगत कराया।

अंडमान-निकोबार भाजपा के मीडिया संयोजक एम. विनोद ने कहा कि हम शुक्रवार को कैंपबेल बे में अपनी पार्टी के नेताओं के साथ बातचीत करने के लिए रक्षा मंत्री के आभारी हैं। संजय कुमार सिंह ने कहा कि कैंपबेल बे में अग्निवीरों के लिए ट्रेनिंग यूनिट की मांग की जाती रही है। हमने यह भी महसूस किया कि खराब कनेक्टिविटी के कारण उम्मीदवारों के लिए पोर्ट ब्लेयर की यात्रा करना मुश्किल है। हमने मंत्री से इसके लिए अनुरोध किया है और उम्मीद है कि वह आवश्यक कदम उठाएंगे। बता दें, रक्षा मंत्रालय ने जून 2022 में अग्निपथ योजना शुरू की थी। इसके जरिए सैनिकों, वायुसैनिकों और नौसैनिकों की देशभर में भर्ती की जाती है। योजना के तहत 17.5 से 21 वर्ष तक की उम्र के युवाओं को अग्निवीर के रूप में सेना में शामिल किया जाता है। चयन के बाद प्रशिक्षण अवधि समेत चार साल के लिएसैन्य सेवा का अवसर प्रदान किया जाता है।

भाजपा नेताओं ने रक्षा मंत्री सिंह को द्वीप समूह के विभिन्न मुद्दों से भी अवगत कराया। इनमें द्वीपसमूह के दूरस्थ स्थानों में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए 'उड़े देश का आम नागरिक योजना' के तहत अंतर-द्वीपीय हवाई सेवा शुरू करने की मांग शामिल है। ग्रेट निकोबार और कार निकोबार के बीच कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के लिए भाजपा नेताओं ने ग्रेट निकोबार द्वीप में मौजूदा हवाई अड्डे के रनवे के विस्तार की मांग की।

देश के बाहर गरजेगी भारत की नारी शक्ति

नई दिल्ली, 7 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय वायु सेना की महिला फाइटर पायलट पहली बार देश के बाहर होने वाले युद्धाभ्यास में भाग लेंगी।

वह जापान में होने वाले युद्धाभ्यास में भारतीय दल का हिस्सा होंगी। इससे पहले फ्रांसीसी वायु सेना के अलावा भारत आने वाली विदेशी सेनाओं के दलों के साथ इन महिला पायलटों ने युद्धाभ्यास में भाग लिया है। वायुसेना की पहली तीन महिला पायलटों में से एक स्क्वाड्रन लीडर अवनी चतुर्वेदी युद्धाभ्यास में प्रतिभाग करने के लिए जल्द ही जापान रवाना होंगी। अवनी एसयू-30एमकेआई की फाइटर पायलट हैं। >14

जोशीमठ में भू-धंसाव का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा, याचिका दाखिल

नई दिल्ली, 7 जनवरी (एजेंसियां)। जोशीमठ में भू-धंसावका मामला सुप्रीम कोर्ट पहुच गया है। ज्योतिष्पीठ के जगद्गुरु शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराज ने आज अपने अधिवक्ता के माध्यम से सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की है।

लगातार बिगड़ रही स्थिति :

उत्तराखंड के जोशीमठ में हो रहे भू-धंसाव से स्थिति लगातार बिगड़ रही है। भू-धंसाव ने क्षेत्र के सभी वार्डों को चपेट में ले लिया है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पीएमओ लगातार मामले की निगरानी कर रहा है। स्थिति को देखते हुए उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार शाम उच्च स्तरीय बैठक की। वह आज शनिवार को जोशीमठ ग्राउंड जीरो हालात का जायजा लेने पहुंचे। इस दौरान

उन्होंने यहां प्रभावितों से बातचीत की। कहा कि प्रभावितों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाना उनकी पहली प्राथामिकता है।

जोशीमठ में भू-धंसाव की स्थिति किस दिन सामने आई :

'गेटवे ऑफ हिमालय' के नाम से मशहूर जोशीमठ भू-धंसाव के कठिन दौर से गुजर रहा है। दिसंबर के महीने में क्षेत्र में कई जगहों पर भू-धंसाव की घटनाएं आई थीं। शहर के मनोहर बाग वार्ड, गांधी वार्ड और सिंधार वार्ड में लोगों ने घरों में दरार आने की बातें कही थी। नगर क्षेत्र में भू-धंसाव से मकानों के साथ कृषि भूमि के भी प्रभावित होने की घटनाएं आईं। यहां खेतों में बड़ी-बड़ी दरारें पड़ी और कई जगहों पर तो खेतों की दरारें एक फीट तक चौड़ी हो गईं।

इन घटनाओं के बाद प्रशासन भी हरकत में आया और चमोली जिला प्रशासन की ओर से संयुक्त टीम गठित की गई। टीम ने दो दिनों तक नगर में भू-धंसाव से प्रभावित मकानों के सर्वे किया।

तहसील प्रशासन, नगर पालिका, आपदा प्रबंधन और एसडीआरएफ की संयुक्त टीम ने घर-घर जाकर बारीकी से निरीक्षण किया। जोशीमठ नगर में करीब दो हजार मकान हैं। रविवार तक भू-धंसाव से 581 मकानों में दरारें आ चुकी थीं।

बीएसएफ टीम पर तस्करों का हमला

एक महिला सहित चार जवान जख्मी

कोलकाता, 7 जनवरी (एजेंसियां)। भारत-बांग्लादेश सीमा पर तस्करों ने बीएसएफ के जवानों पर हमला कर दिया, जिसमें एक महिला प्रहरी समेत चार जवानों के घायल होने की खबर है। घायलों को अस्पतालों में भर्ती कराया गया है और तस्करों को पकड़ने का अभियान तेज कर दिया है। तस्करों ने सीमा निगरानी में लगे सीसीटीवी कैमरे, रिकॉर्डर, कंप्यूटर और कंट्रोल रूम में तोड़फोड़ कर बीएसएफ की संपति को भारी हानि पहुंचाई। बीएसएफ ने तस्करों को पकड़ने के लिए तलाशी अभियान तेज कर दिया है।

दक्षिण बंगाल सीमांत के अंतर्गत 68वीं वाहिनी (जिला-उत्तर 24 परगना) की सीमा चौकी मामाभगिना के जवानों को शुक्रवार को गांव नवादापाड़ा के आलमगीर मंडल, सुखदेव मंडल, सुकुमार और पवित्रा के घर में भारी मात्रा में गांजा और फेंसेडिल है और तस्कर इसे बांग्लादेश भेजने वाले हैं। इसके बाद कंपनी कमांडर ने इसकी सूचना पुलिस थाना बगदाह को दी। इसके बाद रात 8.10 बजे, जवानों ने गांव के सदस्यों की उपस्थिति में बताए हुए संदिग्ध घरों में दबिश दी। तलाशी में आलमगीर मंडल को उसके घर से 43 किलो गांजा व 371 बोतल फेंसेडिल के साथ गिरफ्तार किया। पकड़े गए तस्कर की पहचान आलमगीर मंडल गांव नवादापाड़ा, जिला उत्तर 24 परगना के रूप में हुई।

तस्करों ने जवानों पर किया जानलेवा हमला :

बीएसएफ के जवान जब आलमगीर मंडल को पकड़कर ले जा रहे थे, तो उसके साथी तस्करों ने अचानक से जवानों पर लाठी-डंडों और पत्थरों से हमला कर दिया, जिसमें बीएसएफ के चार जवान गंभीर रूप से घायल हो गए। जवानों ने आत्मरक्षा में अघातकीय हथियार (पीएजी) का इस्तेमाल किया। इसके बाद बदमाश वहां से भाग खड़े हुए। >14

राहुल ने कबड्डी मैच देखा

इंटरनेशनल खिलाड़ी चल रहे साथ, विधायक को लगी चोट

करनाल, 7 जनवरी (एजेंसियां)। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा शनिवार यानी आज करनाल में चल रही है। यात्रा गांव कोहंड से सुबह सवा 2 घंटे की देरी से शुरू होकर कुटैल तक पहुंची। अब यात्रा लंच ब्रेक के बाद मधुबन के डीएवी स्कूल के सामने से शुरू हो चुकी है। यहां से राहुल गांधी सीधे गांव कंबोपुरा में पहुंचे, जहां हरियाणा और पंजाब के खिलाड़ियों के बीच चल रहे कबड्डी मैच को कुछ देर देखा और फिर आगे के लिए रवाना हो गए।

राहुल गांधी के साथ यात्रा में हरियाणा के खिलाड़ी इंटरनेशनल बॉक्सर विजेन्द्र सिंह, स्वीटी बूरा, दीपक निवास हुड्डा व प्रदीप नरवाल भी साथ है। आज सुबह से यात्रा में राहुल गांधी अपनी बहन प्रियंका गांधी वाड्रा के डॉगी (लूना) को साथ लेकर चल रहे है। राहुल गांधी की यह फोटो ट्वीटर पर काफी ट्रेंड कर रही है। यात्रा में उनके साथ

इंटरनेशनल बॉक्सर रहे बिजेन्द्र सिंह सुबह से ही साथ है। कुछ देर के लिए डॉगी की लगाम राहुल गांधी ने बॉक्सर स्वीटी बूरा के हाथ में भी थमाई। यात्रा में शामिल भिवानी जिले से कांग्रेस एमएलए किरण चौधरी को सुबह पैर में चोट लग गई। उन्हे आनन-फानन में निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया जहाँ उनका इलाज चल रहा है।

बसताड़ा टोल पर किसानों से मिले

राहुल गांधी ने यात्रा के दौरान बसताड़ा टोल प्लाजा पर पिछले कई दिनों से गन्ने के उचित भाव की मांग को लेकर धरने पर बैठे किसानों से मुलाकात की। करीब 2 मिनट तक राहुल किसानों के बीच रहे। इस दौरान उनसे किसानों से जुड़े मुद्दों पर बात की। किसान समय सिंह संधू ने बताया कि उन्होंने राहुल गांधी के सामने अपनी दो मांगे रखी है। इसमें एक गन्ने का उचित भाव व दूसरी एमएसपी की गारंटी। राहुल गांधी ने दोनों मांगों को पूरा कराने का आश्वासन दिया। किसानों ने बसताड़ा टोल प्लाजा पर पिछले साल हुए लाठीचार्ज की भी जानकारी राहुल गांधी को दी। राहुल ने यात्रा की शुरूआत बच्चों से मुलाकात के साथ की। पहले राहुल गांधी 6 बजे यात्रा शुरू कर देते थे, लेकिन पानीपत के बाद लगातार दूसरे दिन करनाल में भी देरी से यात्रा शुरू हुई है। असल में राहुल गांधी अपनी बीमार मां से मिलने कल रात को दिल्ली लौट गए थे। >14

संदीप सिंह से वापस लिया गया खेल विभाग

सीएम देखेंगे खेल और युवा मामलों का पोर्टफोलियो

चंडीगढ़, 7 जनवरी (एजेंसियां)। जूनियर महिला कोच के आरोपों से घिरे हरियाणा के मंत्री संदीप सिंह से खेल विभाग वापस ले लिया है। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने इसकी आधिकारिक अधिसूचना जारी कर दी है। अब राज्यपाल ने मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर को खेल और युवा मामलों का पोर्टफोलियो आवंटित किया है। नोटिफिकेशन के अनुसार राज्य मंत्री संदीप सिंह खेल और युवा मामलों के पोर्टफोलियो का संचालन नहीं करेंगे।

अभी भी संदीप सिंह मंत्री :

हरियाणा के पूर्व खेल मंत्री संदीप सिंह अभी भी मंत्री हैं। मुख्यमंत्री मनोहर लाल के द्वारा खेल और युवा मामले के विभाग वापस लिए जाने के बाद भी उनके पास दो विभाग बचे हुए हैं। संदीप सिंह अभी मंत्री पद पर बने रहेंगे। उनके पास अब प्रिंटिंग एवं स्टेशनरी विभाग बचा हुआ है। मुख्यमंत्री कह चुके हैं कि जब तक जांच पूरी नहीं हो जाती तब संदीप सिंह मंत्री बने रहेंगे।

अभी मुख्यमंत्री के पास ये हैं विभाग :

हरियाणा के मुख्यमंत्री के पास अब खेल एवं युवा मामले विभाग भी जुड़ गया है। अभी सीएम के पास वित्त, नगर एवं ग्राम आयोजन व शहरी सम्पदाजन, स्वास्थ्य अभियांत्रिकी, सिंचाई एवं जल संसाधन, सूचना प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स तथा संचार, सूचना लोक संपर्क एवं भाषा, योजना, न्याय प्रशासन, पर्यावरण तथा जलवायु परिवर्तन, वास्तुकला, सामान्य प्रशासन, गुप्तचर (सीआईडी) कार्मिक एवं प्रशिक्षण, राज भवन मामले तथा अन्य वो विभाग जो किसी अन्य मंत्री को आबंटित नहीं किए गए हैं।

एअर इंडिया के सीईओ ने पेशाब कांड पर माफी मांगी

नई दिल्ली, 7 जनवरी (एजेंसियां)। एअर इंडिया की फ्लाइट में बुजुर्ग महिला पर दूसरे यात्री के पेशाब करने के मामले में एयरलाइंस के सीईओ कैंपबेल विल्सन ने माफी मांगी है। शनिवार को बयान जारी करते हुए उन्होंने कहा, एअर इंडिया ऐसे मामलों को लेकर चिंतित है, जहां यात्रियों को उनके सहयात्रियों की बुरी हरकत के कारण परेशान होना पड़े। हमें इन घटनाओं पर पछतावा और दुख है।

बयान में यह भी बताया कि विल्सन ने फ्लाइट के 4 क्रू मेंमर्स और एक पायलट को ड्यूटी से हटा दिया है। इन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। एयरलाइंस अपनी शराब परोसने की पॉलिसी की भी समीक्षा कर रही है। एअर इंडिया ने स्वीकार किया कि इन मामलों को फ्लाइट और एयरपोर्ट दोनों जगहों पर बेहतर तरीके से संभाला जा सकता था।

न्यूयॉर्क से आ रही एअर इंडिया की फ्लाइट में महिला पर पेशाब करने वाले आरोपी को 42 दिन बाद गिरफ्तार कर लिया गया है। आईजीआई एयरपोर्ट के डीसीपी रवि सिंह ने बताया कि दिल्ली पुलिस ने आरोपी शंकर मिश्रा को बीती रात बेंगलुरू से पकड़ा गया।

रोहतक पीजीआई का सीएमओ रिश्वत लेते गिरफ्तार

रोहतक, 7 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के रोहतक स्थित पीजीआई के कैजुअल्टी मेडिकल ऑफिसर (सीएमओ) को रिश्वत लेते हुए शुक्रवार देर शाम को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपी डॉक्टर ने एमएलआर में जानलेवा हमले की धारा 307 हटवाने के एवज में 2 लाख 30 हजार रुपये की मांग की थी, लेकिन जब पीड़ित ने बातचीत की तो डेढ़ लाख में मान गया।

विजिलेंस के डीएसपी सुमित कुमार ने बताया कि सनसिटी निवासी मनदीप हुड्डा ने शिकायत दी थी कि एक जनवरी को दिल्ली बाईपास पर एक होटल में पार्टी करते समय उसका झगड़ा हो गया था। दूसरा पक्ष पीजीआई के डॉक्टर ही थे। दोनों तरफ से अर्बन एस्टेट थाना में लड़ाई झगड़े का मामला दर्ज करवाया।

विपक्षी पार्टी की चोटों को दिखाया जानलेवा :

इस लड़ाई झगड़े के दिन ट्रामा सेंटर में दूसरी पार्टी चोट लगने के कारण आई थी, जिसमें उस समय ड्यूटी पर तैनात सीएमओ डॉ. इमरान खान थे। उन्होंने दूसरी पार्टी के फेवर में चोटों को जानलेवा दिखाया, ताकि उनकी एफआईआर में धारा 307 जुड़ जाए और मामला गंभीर लगे।

डेढ़ लाख में हुआ सौदा :

वहीं शिकायतकर्ता से डॉक्टर ने धारा 307 हटाने के लिए पहले 2 लाख 30 हजार रुपये की डिमांड की थी। मगर बाद में डेढ़ लाख में सौदा तय हुआ। शिकायत पर विजिलेंस ने टीम बनाई। वहीं रोहतक पीजीआई के पीछे पार्किंग में पैसे लेने के लिए डॉक्टर पहुंचा। वहां से विजिलेंस ने आरोपी डॉक्टर को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया।

अन्य रिश्वतखोर डॉक्टरों का भी लगाया जा रहा पता :

विजिलेंस के डीएसपी सुमित कुमार ने कहा कि इस मामले में गहनता की जांच की जा रही है। यह पता लगाया जा रहा है कि पीजीआई में और कौन-कौन से डॉक्टर इस तरह का काम कर रहे हैं। जो रिश्वत के पैसे लेकर एमएलआर में गड़बड़ी करते हैं और धाराओं को घटाते व बढ़ाते हैं।

रोहतक पीजीआई से पास की थी एमबीबीएस :

आरोपी डॉक्टर इमरान खान ने रोहतक पीजीआई से ही एमबीबीएस की डिग्री पास की थी। 2009 बैच के एमबीबीएस रहे डॉ. इमरान खान पढ़ाई के बाद वर्ष 2018 में बतौर मेडिकल ऑफिसर रोहतक पीजीआई के ट्रामा सेंटर में ही तैनात हो गए।

मंदिर से महिला को घसीटकर बाहर निकाला, लातें-थप्पड़ मारे

महिला भगवान को पति बताकर बगल में बैठना चाहती थी

बेंगलुरू, 7 जनवरी (एजेंसियां)। बेंगलुरू के एक मंदिर से महिला को घसीटकर बाहर निकालने का वीडियो सामने आया है। वीडियो में दिख रहा है कि महिला को लात और थप्पड़ मारे जा रहे हैं और घसीटकर उसे मंदिर के बाहर निकाला जा रहा है। मंदिर के पुजारी ने पुलिस को बताया कि महिला भगवान को अपना पति बताकर गर्भगृह में उनके बगल में बैठने की जिद कर रही थी।

वायरल हो रहे एक मिनट 17 सेकेंड के इस वीडियो में दिख रहा है कि एक व्यक्ति खिड़की के पास खड़ी एक महिला से पहले बात करता है, फिर उसके बाल पकड़कर खींचता हुआ मंदिर के गेट तक ले जाता है। गेट के पास महिला उठकर खड़ी होकर अंदर आती है तो उसे थप्पड़ मारकर गिरा देता है, फिर दोबारा घसीटकर बाहर ले जाता है। मंदिर के बाहर ले जाकर वह उसे फिर पीटता है। इसके बावजूद वह उठकर मंदिर के अंदर जाने की कोशिश करती है तो गेट के पास खड़ा पुजारी उसे रोक देता है। तभी वह व्यक्ति डंडा लेकर आता है और उस महिला को खदेड़कर भगा देता है।

मंदिर में महिला से मारपीट की घटना 21 दिसंबर की है। जिसका वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस हरकत में आ गई है। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि पीड़ित हेमवती ने अमृतहल्ली थाने में शिकायत दर्ज कराई थी जिसमें कहा गया था कि अमृतहल्ली इलाके में लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी मंदिर के धर्मदर्शी मुनिकृष्णा ने उनके साथ मारपीट की। पुलिस ने मुनिकृष्णा के खिलाफ आईपीसी की धारा 354 के तहत मामला दर्ज कर लिया है। मंदिर के पुजारी मुनिकृष्णा ने पुलिस को बताया कि महिला ने दावा किया कि भगवान वेंकटेश्वर उसके पति थे और वह गर्भगृह में मूर्ति के बगल में बैठना चाहती थी। जब उसकी जिद नहीं मानी गई तो उसने पुजारी पर थूक दिया, जिसके बाद उसे जाने के लिए कहा गया।

'राजनीति में उंगली पकड़कर आने' वाले पीएम मोदी के बयान पर शरद पवार का कटाक्ष

कहा- सदन में जाने से लगता है डर

मुंबई, 7 जनवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) अध्यक्ष शरद पवार ने राजनीति में आने को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक पुराने बयान पर कटाक्ष करते हुए शुक्रवार को कहा कि इससे उन्हें संसद में जाने से थोड़ा डर लगता है। पवार ने प्रधानमंत्री का जिक्र किए बिना यह टिप्पणी की है। इससे पहले कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सुशील कुमार शिंदे ने एनसीपी प्रमुख के संरक्षण में राजनीति में ऊपर उठने की बात कही थी। पवार और शिंदे यहां पिंपरी में 18वें जगतिक मराठी सम्मेलन में बोल रहे थे।

'मैं बहुत डरा हुआ हूं'

शरद पवार ने कहा, ''सुशील कुमार शिंदे ने कहा कि राजनीति के क्षेत्र में उनका पालन-पोषण मेरे संरक्षण में हुआ है। हाल ही में, मैं (ऐसे बयानों से) बहुत डरा हुआ हूं क्योंकि किसी ने कहा था कि वह शरद पवार की उंगली पकड़कर राजनीति में आए हैं। तब से मुझे संसद जाने में भी थोड़ा डर लग रहा है। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2016 में एक कार्यक्रम में शरद पवार की मौजूदगी में कहा था कि वह राजनीति में पवार की उंगली पकड़कर आए हैं।

पेट्रोल भरवाकर बिना पैसे दिए गाड़ी दौड़ाने लगा शख्स

महिला को मारी टक्कर, अस्पताल में भर्ती

नई दिल्ली, 7 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली के ज्योति नगर में एक पेट्रोल पंप में महिला कर्मी से पेट्रोल भरवाकर पैसे न देने का मामला सामने आया है। महिला ने अपनी शिकायत में पुलिस को बताया कि नीरज नाम के एक व्यक्ति ने उससे तीन हजार रुपये का पेट्रोल डलवाया लेकिन जब उससे पैसे मांगे गए तो वह कार दौड़ाने लगा। इस दौरान महिला की सहकर्मी को भी इस व्यक्ति ने चोट पहुंचाई। महिला ने बताया कि वह दिल्ली में ही अपने परिवार के साथ रहती है और लोनी रोड पर कुंदन लाल पेट्रोल पंप पर काम करती है। यह पूरा मामला 3 दिसंबर का है।

देवेंद्र फडणवीस बोले

राहुल गांधी को दिया जाएगा अयोध्या के राम मंदिर में दर्शन का निमंत्रण

भोपाल, 7 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी को अयोध्या में बन रहे भव्य राम मंदिर में दर्शन के लिए न्यौता दिया जाएगा। भाजपा के वरिष्ठ नेता का यह बयान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा राहुल पर हमला करने और एक जनवरी 2024 तक भव्य राम मंदिर बनकर तैयार होने का ऐलान करने के एक दिन बाद आया है। अमित शाह के बयान से जुड़े सवाल के जवाब में फडणवीस ने भोपाल में संवाददाताओं से कहा, ''राहुल गांधी को राम मंदिर में दर्शन के लिए बुलाया जाएगा।'' उन्होंने कहा कि राम मंदिर का निर्माण तेजी से चल रहा है। केंद्रीय गृह मंत्री शाह के गुरुवार को त्रिपुरा के सबरूम में एक रैली को संबोधित करते हुए कन्याकुमारी से कश्मीर तक 3,500 किलोमीटर लंबी 'भारत जोड़ो यात्रा' निकाल रहे कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर हमला बोलते हुए कहा था, ''राहुल बाबा, सबरूम से सुनिये, एक जनवरी 2024 तक भव्य राम मंदिर बनकर तैयार हो जायेगा।''बता दें अमित शाह ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए ये बात कही थी, उन्होंने कहा था कि "2019 में राहुल गांधी कहा करते थे कि मंदिर वहीं बनाएंगे, तिथि नहीं बताएंगे। तो मैं उन्हें बता देता हूं कि 1 जनवरी 2024 को अयोध्या में भगवान राम का गगनचुंबी मंदिर बनकर तैयार हो जाएगा।"

श्रद्धालुओं के लिए जनवरी 2024 में ही खोल दिया जाएगा मंदिर

मंदिर निर्माण और प्रबंधन के लिए गठित ट्रस्ट ने बताया है कि मंदिर का निर्माण कार्य जोरों पर चल रहा है और यह 2024 में बनकर तैयार हो जाएगा। अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण कार्य प्रगति पर है और 2023 के अंत तक मूल गर्भगृह का निर्माण पूरा होने की उम्मीद है।" उन्होंने कहा, "हमने दिसंबर 2023 में मंदिर के निर्माण की समयसीमा तय की है और जनवरी, 2024 से इसे भक्तों के लिए खोल दिया जाएगा।"

दिल्ली में लगातार तीसरे दिन टूटा न्यूनतम तापमान का रिकॉर्ड

शिमला से ज्यादा ठंडी हुई राजधानी

नई दिल्ली, 7 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली-एनसीआर में कड़ाके की ठंड का कहर जारी है। ठंड लगातार रिकॉर्ड तोड़ रही है। कंपा देने वाली सर्दी से हालत यह हैं कि शनिवार को भी दिल्ली के तीन इलाकों में न्यूनतम तापमान चार डिग्री से भी कम रहा। आज दिल्ली रिज इलाके में न्यूनतम तापमान 1,5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं सफदरजंग में 2,2 और आयानगर में 3,4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दिल्ली में हाड़ कंपा देने वाली सर्दी ने लोगों को खूब परेशान किया हुआ है। अभी एक सप्ताह सुबह के समय घना कोहरा परेशान करता रहेगा। वहीं, शुक्रवार की तरह ही शनिवार को भी दिल्ली शिमला से ज्यादा ठंडी रही।

रविवार से ठंड से मिलनी शुरू होगी राहत

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार रविवार से ठंड से थोड़ी राहत मिलनी शुरू होगी। शनिवार को अधिकतम तापमान 18 डिग्री और न्यूनतम तापमान 5 डिग्री रहने की संभावना है। इसके बाद से रविवार से तापमान में और बढ़ोतरी होनी शुरू होगी। 12 जनवरी तक अधिकतम तापमान के 22 डिग्री और न्यूनतम तापमान 9 डिग्री तक पहुंचने की संभावना है। हालांकि अभी घना कोहरा अगले सप्ताह तक परेशान करता रहेगा।

मुंबई में कस्टम्स ने पकड़ी 30 लाख की सिगरेट

ठाणे में कार से नौ लाख का गांजा जब्त

मुंबई, 7 जनवरी (एजेंसियां)। महानगर मुंबई में मादक पदार्थों की धरपकड़ लगातार जारी है। मुंबई सीमा शुल्क विभाग की कूरियर शाखा के अधिकारियों ने 30 लाख रुपये मूल्य की चार लाख सिगरेट जब्त की हैं। वहीं, पुलिस ने ठाणे जिले के एक गांव से नौ लाख रुपये का गांजा जब्त किया है। मुंबई कस्टम्स ने गुरुवार को निर्यात खेप के बीच सिगरेट के 2000 कार्टन पकड़े। इन्हें लंदन निर्यात किए जाने वाले माल की खेप के बीच मिलाकर रखा गया था, ताकि पकड़ में न आ सकें। इनमें भरी सिगरेट का मूल्य 30 लाख रुपये बताया गया है। मामले में आगे जांच जारी है। उधर, पुलिस ने मुंबई के पड़ोसी ठाणे जिले के एक गांव में कार से नौ लाख रुपये का 90 किलो गांजा जब्त किया है। महाराष्ट्र पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि नारकोटिक्स विरोधी दस्ते (एएनसी) ने बालपाड़ा गांव में मुखबिर की सूचना पर यह कार्रवाई की। मामले में नार्कोटिक्स कानून के तहत केस दर्ज कर आगे जांच जारी है।

सामान्य ट्रेन का नाम 'वंदे भारत' रख दिया

हाई-स्पीड ट्रेन का किराया वसूल रहे', ममता के मंत्री का आरोप

कोलकाता, 7 जनवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल को जब से वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन की सौगात दी गई तब से राजनीति भी शुरू हो गई है। पहले ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार पर कई आरोप लगाए अब उनके मंत्री उदयन गुहा ने एक कदम बढ़कर आरोप लगाए हैं। गुहा ने कहा कि सामान्य ट्रेन का नाम बदलकर वंदे भारत ट्रेन कर दिया गया है और हाई-स्पीड ट्रेन का किराया वसूला जा रहा है। अगर हाई-स्पीड ट्रेन है तो हावड़ा से न्यू जलपाईगुड़ी जाने में 8 घंटे क्यों लग रहे हैं।

आम ट्रेन को वंदे भारत की तरह पेंट करने के लिए लोगों के पैसे का इस्तेमाल न करें। बता दें कि इससे पहले गुरुवार को ममता बनर्जी ने भी वंदे भारत को लेकर सवाल उठाए थे। ममता ने कहा था कि वंदे भारत में कुछ भी विशेष नहीं। यह बस एक पुरानी ट्रेन है, जिसमें नया इंजन लगाकर इसे नए जैसा बनाया गया है। उन्होंने वंदे भारत पर लगातार दो दिन हुई पत्थरबाजी के मामले में भी जवाब दिया था और कहा था कि गलत जानकारी फैलाने वालों पर उनकी सरकार कार्रवाई करेगी।

पश्चिम बंगाल में पिछले हफ्ते लगातार दो बार वंदे भारत एक्सप्रेस पर पथराव की खबरें सामने आई थीं। आरपीएफ के मुताबिक, दूसरी घटना में पथराव के कारण वंदे भारत एक्सप्रेस के कोच सी3 और सी6 के शीशे क्षतिग्रस्त हो गए। दावा किया गया था कि दार्जिलिंग जिले के फांसीदेवा क्षेत्र के पास ट्रेन के न्यू जलपाईगुड़ी की ओर बढ़ने के दौरान खिड़कियां क्षतिग्रस्त पाई गईं।

शिवमोगा आईएसआईएस केस

एनआईए ने दो आरोपियों को किया गिरफ्तार, एक इंजीनियरिंग का छात्र!

नई दिल्ली, 7 जनवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने शुक्रवार को शिवमोगा में आईएसआईएस साजिश मामले में कर्नाटक में 6 ठिकानों पर छापेमारी की। इस दौरान एनआईए ने आईएसआईएस से जुड़े दो संदिग्ध आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए युवकों में से एक इंजीनियरिंग का छात्र है। आरोपियों की पहचान उडुपी के रेशान ताजुद्दीन शेख और शिवमोगा जिले के हुजैर फरहान बेग के रूप में हुई है। जांच एजेंसियों को शक है कि दोनों युवक आईएसआईएस के ऑपरेटिव हैं। खबर के अनुसार, एनआईए ने कर्नाटक में दक्षिण कन्नड़, शिवमोगा, दावानागेरे और बेंगलुरू में छापेमारी की। इसी दौरान जांच में पता चला है कि शिवमोगा आईएसआईएस साजिश मामले में आरोपी माज मुनीर ने रेशान ताजुद्दीन और अन्य आरोपी युवक को कट्टरपंथी बनाया। जिसके बाद रेशान ताजुद्दीन शेख और हुजैर फरहान बेग को आईएसआईएस के आतंकियों ने फंडिंग की। यह फंडिंग क्रिप्टो वॉलेट के द्वारा राज्य में आतंकी गतिविधियों को बढ़ाने के लिए की गई थी। इस खुलासे के बाद एनआईए ने आईएसआईएस के संदिग्ध आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

7वीं मंजिल पर आग, जिंदा जली बेटी

25 मिनट तक बालकनी से बचाने के लिए चिल्लाती रही, नहीं बचा सका अहमदाबाद प्रशासन

अहमदाबाद, 7 जनवरी (एजेंसियां)। अहमदाबाद के शाहीबाग इलाके में शनिवार को एक 11 मंजिला बिल्डिंग की 7वीं फ्लोर पर भीषण आग लग गई। इस हादसे में 15 साल की लड़की मौत हो गई। सबसे हैरान करने वाली बात यह रही की बालकनी में वह 25 मिनट तक लोगों से बचाने की गुहार लगाती रही, लेकिन उसे बचाया नहीं जा सकता। इस घटना के वीडियो भी सामने आए हैं। वहीं, परिवार के चार लोगों को बचा लिया गया, उनका इलाज चल रहा है। अधिकारियों का कहना है कि आग लगने का कारण अभी पता नहीं चला है।

सुबह 7:28 बजे की है घटना

पुलिस के अनुसार, अहमदाबाद फायर ब्रिगेड को सुबह 7:28 बजे फोन मिला था। इसमें बताया गया कि शाहीबाग स्थित गिरधरनगर सर्किल के पास स्थित ऑर्किड ग्रीन फ्लैट्स की 7वीं मंजिल में आग लग गई। सूचना के बाद एम्बुलेंस समेत दमकल की 15 गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं और आग बुझाने का काम शुरू किया।

प्राची बालकनी में फंस गई, बाकी लोग अंदर फ्लैट में थे

आग लगने के वक्त फ्लैट में पांच लोग थे। चार बाहर निकलने में सफल रहे, जबकि 15 साल की प्राची कमरे में फंस गई, फिर बालकनी की तरफ चली गई। इस दौरान वह उसने खिड़की के पास आकर जाने बचाने की गुहार भी लगाई।

100% जल चुकी थी, अस्पताल में मौत

चश्मदीदों के मुताबिक, सुबह 8 बजे के करीब बचाव कार्य शुरू हुआ। दमकलकर्मियों की एक टीम 8वीं मंजिल पर पहुंची। वहां से रस्सी बांधकर दो लोग उस बालकनी तक पहुंचे। उन्होंने लड़की को बाहर निकाला, लेकिन तब तक वह 100% जख्मी हो चुकी थी। उसे फौरन सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई।

हिंदू लड़की के साथ घूमने पर 20 साल के युवक की पिटाई

इंस्टाग्राम पर हुई थी मुलाकात

बेंगलूरू, 7 जनवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक के सुब्रमण्या में कथित तौर पर एक नाबालिग हिंदू लड़की के साथ घूमने वाले एक मुस्लिम युवक की पिटाई का मामला सामने आया है। पुलिस ने शुक्रवार को कहा कि मंगलुरु जिला मुख्यालय से लगभग 100 किलोमीटर दूर कुक्के सुब्रमण्या में एक नाबालिग हिंदू लड़की के साथ घूमने वाले एक मुस्लिम व्यक्ति पर कथित रूप से हमला करने के अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, सुल्लिया के पास कल्लुगुंडी का रहने वाले युवक अफीद की उम्र 20 साल की है। वह गुरुवार को नाबालिग लड़की को लेकर कुक्के सुब्रमण्या मंदिर आया था। पुलिस ने कहा, जब वे कुमारधारा नदी के पास जा रहे थे, तब कुछ युवकों ने जोड़े को देखा और उनसे पूछताछ की थी। जब उन्हें पता चला कि लड़का और लड़की अलग-अलग समुदायों से हैं तो उन्होंने कथित तौर पर उनके साथ मारपीट की। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सुल्लिया के एक अस्पताल में अफीद का इलाज चल रहा है। वहीं, सुब्रमण्या पुलिस में शिकायत दर्ज की गई है। पुलिस ने 10-12 अज्ञात लोगों के खिलाफ आईपीसी की धारा 323 (मर्जी से चोट पहुंचाना), 324 (खतरनाक हथियारों से मर्जी से चोट पहुंचाना), 307 (हत्या का प्रयास) और 365 के तहत मामला दर्ज किया है।

'वो हमारे साथ भी गद्दारी कर सकता है'

कांग्रेस छोड़ आए सिंधिया समर्थक मंत्री का बयान वायरल

भोपाल, 7 जनवरी (एजेंसियां)। भोपाल इन दिनों केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के समर्थक मध्य प्रदेश के मंत्री महेन्द्र सिंह सिसोदिया का एक वीडियो जमकर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में वे कहते नजर आ रहे हैं कि 'भारतीय जनता पार्टी में जो पदों पर बैठे हैं वे पार्टी के वफादार नहीं हैं'। उन्होंने कहा, 'मैं पिछला चुनाव 53 हजार वोटों से जीता था। अब 60 हजार मतों से जीत हासिल करुंगा।' बताते चलें कि मध्य प्रदेश में जैसे-जैसे विधान सभा चुनावों का समय नजदीक आता जा रहा है, वैसे-वैसे आरोप-प्रत्यारोप का दौर भी शुरू हो गया है। कभी नेता विपक्षी पार्टी के नेताओं पर आरोप लगा रहे हैं तो कभी अपनी ही पार्टी के नेताओं को भी नहीं छोड़ रहे हैं। ऐसा ही एक वीडियो इन दिनों सिंधिया समर्थक मंत्री महेन्द्र सिंह सिसोदिया का वायरल हो रहा है। मंत्री सिसोदिया के अनुसार उनकी ही पार्टी में एक-दो नेता उनके खिलाफ माहौल बनाने में लगे हैं। इसकी भनक सिसोदिया को लगते ही उन्होंने अपनी ही पार्टी के नेताओं को नसीहत दे डाली। मंत्री महेंद्र सिंह सिसोदिया ने कहा कि अपनी ही पार्टी के नेताओं को धिक्कारते हुए कार्यकर्ताओं के से कहा कि जो पार्टी के पदों पर बैठे हैं वे पार्टी के वफादार नहीं है। ऐसे लोगों की बातों में नहीं आना है वे पार्टी के साथ गद्दारी कर सकते हैं तो वो हमारे साथ भी गद्दारी कर सकते हैं।

'ईश्वर के यहां वफादारी-ईमानदारी चलती है'

बता दें कि बीते दिन मंडल अध्यक्ष, पदाधिकारियों की बैठक और त्रिदेव सम्मेलन का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए ही मंत्री सिसोदिया पहुंचे थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री सिसोदिया ने कहा कि भाजपा के झंडे को नीचे नहीं गिरने देना है, उसको हिमालय की चोटी पर बिठाना है। भाजपा का यही लक्ष्य है। यही लक्ष्य हर भाजपा कार्यकर्ता का होना चाहिए। पार्टी में बैठे उन नेताओं को धिक्कारता हूं, जो पार्टी में पदों पर बैठे हैं। वे पार्टी के वफादार नहीं है। ऐसे लोगों के बहकावे में नहीं आना है, ईश्वर के यहां वफादारी, ईमानदारी चलती है, सच चलता है। मुझे टिकट मिले या चौकसे जी को मिले या पार्टी जिसे चाहे उसे टिकट दें, उसके लिए हमें जी जान से चुनाव का काम करना है। उन्होंने कहा कि पिछली बार 53 हजार से जीता था, इस बार 60 हजार वोटों से चुनाव जीतूंगा।

केरल में ऑनलाइन ऑर्डर कर मंगाई बिरयानी

खाने के बाद महिला की मौत, मंत्री ने दिए जांच के आदेश

कासरगोड, 7 जनवरी (एजेंसियां)। विषाक्त भोजन के संदिग्ध मामले में 20 वर्षीय एक युवती की कथित रूप से स्थानीय होटल से मंगाए गए बिरयानी की एक किस्म 'कुझिमंथी' के सेवन के बाद शनिवार को मृत्यु हो गई। पुलिस ने कहा कि पेरूंबाला निवासी अंजू श्रीपार्वती ने कुझिमंथी का सेवन किया था जिसे उसने 31 दिसंबर को कासरगोड में रोमांसिया नामक एक रेस्तरां से ऑनलाइन मंगाया था और उसके बाद उसका उपचार हो रहा था। पुलिस ने पीटीआई-भाषा से कहा, ''युवती के माता-पिता ने इस संबंध शिकायत की जिसके बाद मामला दर्ज किया गया। उन्होंने कहा कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। महिला का एक निजी अस्पताल में उपचार हो रहा था जहां से उसे कर्नाटक के मंगलुरु में एक अन्य अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। इस बीच, राज्य की स्वास्थ्य मंत्री वीणा जॉर्ज ने घटना के संबंध में जांच के आदेश दिए हैं। जॉर्ज ने पथनमथिट्टा में संवाददाताओं से कहा कि खाद्य सुरक्षा आयुक्त को घटना के संबंध में रिपोर्ट देने के निर्देश जारी किए गए हैं। उन्होंने कहा कि विषाक्त भोजन के आरोपी होटलों का लाइसेंस खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम (एफएसएसए) के तहत रद्द किया जाएगा।

कंझावला मामला: अंजलि की दोस्त निधि पर बड़ा खुलासा

दो साल पहले 10 किलो गांजे के साथ हुई थी गिरफ्तार

नई दिल्ली, 7 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली के कंझावला मामले में एक बहुत बड़ा खुलासा हुआ है। इस पूरे केस में एक मात्र चश्मदीद बताई जा रही और मृतक अंजलि की दोस्त निधि ड्रग्स केस में करीब दो साल पहले गिरफ्तार हुई थी। जानकारी सामने आई है कि साल 2020 में निधि ड्रग के केस (एनडीपीएस एक्ट) में आगरा में गिरफ्तार हुई थी। बता दें कि दिल्ली पुलिस ने कल कंझावला में कार से घसीटे जाने की घटना में जान गंवाने वाली अंजलि के साथ स्कूटी पर सवार उसकी सहेली निधि को मामले की जांच में शामिल होने के लिए बुलाया था।

2020 में तेलंगाना से ट्रेन से ला रही थी गांजा

चौंकाने वाले खुलासे में सामने आया है कि साल 2020 में निधि तेलंगाना से ट्रेन से गांजा लेकर आगरा रेलवे स्टेशन पर पहुंची थी, जहां 6 दिसंबर 2020 को उसे गिरफ्तार किया गया था। साल 2020 में निधि के साथ समीर और रवि नाम के लड़के भी गिरफ्तार हुए थे। पुलिस ने उस वक्त निधि के पास से गांजा बरामद किया था उसका वजन 10 किलो था। फिलहाल खुद को अंजलि की दोस्त बताने वाली निधि जमानत पर बाहर है। कंझावला मामले को लेकर युवती के साथ मौजूद उसकी सहेली निधि ने कहा था कि वह स्कूटी से गिरने के बाद डर के कारण मौके से भाग गई थी।

सीसीटीवी फुटेज से निधि का पता चला

गौरतलब है कि कंझावला मामले में पुलिस को सीसीटीवी फुटेज खंगालने के बाद निधि का पता चला था। उसने मंगलवार को पुलिस के सामने अपना बयान दर्ज करावाया था। हालांकि दिल्ली पुलिस आयुक्त (बाहरी) हरेन्द्र कुमार सिंह ने निधि को कंझावला मामले में गिरफ्तार किए जाने की बात का खंडन करते हुए कहा था कि उसे केवल जांच में शामिल होने के लिए बुलाया गया है।

निधि पर अंजलि के परिजनों ने लगाए बड़े आरोप

वहीं कंझावला मामले की मृतक अंजलि सिंह के परिवार ने बुधवार को कहा था कि निधि झूठ बोल रही है और उस पर हत्या का आरोप लगाया जाना चाहिए। अंजलि के परिवार ने साथ ही यह भी दावा किया कि उन्होंने उस 'सहेली' को ना तो पहले कभी देखा था और ना ही उसके बारे में पहले कभी सुना ही था जो अंजलि के साथ उस समय थी जब वह एक कार के नीचे घसीटी गई थी।

जम्मू-कश्मीर: 20 आईपीएस और 74 पुलिस अधिकारियों का तबादला

तीन रेंज के डीआईजी नियुक्त हुए शक्ति पाठक

जम्मू-कश्मीर, 7 जनवरी (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर में शुक्रवार को 20 आईपीएस अधिकारियों समेत 74 पुलिस अधिकारियों का तबादला कर दिया गया. इस कदम के तहत एक नए पुलिस प्रमुख और तीन रेंज के डीआईजी नियुक्त किए गए हैं. गृह विभाग की ओर से शुक्रवार शाम को जारी दो अलग-अलग आदेशों के अनुसार, 15 उप महानिरीक्षक (डीआईजी) और 59 पुलिस अधीक्षक (एसपी) का तबादला किया गया है. वर्ष 1997 बैच के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी गरीब दास को उधमपुर में शेर-ए-कश्मीर पुलिस अकादमी (एसकेपीए) का निदेशक नियुक्त किया गया है.

शक्ति पाठक बने जम्मू-सांबा-कठुआ रेंज के नए डीआईजी

आदेश में कहा गया है कि आईपीएस अधिकारी रईस मोहम्मद भट को दक्षिण कश्मीर रेंज कानया डीआईजी बनाया गया है. जबकि एक अन्य आईपीएस विवेक गुप्ता को उत्तरी कश्मीर रेंज का डीआईजी नियुक्त किया गया. शक्ति पाठक को जम्मू-सांबा-कठुआ रेंज का नया डीआईजी बनाया गया है.

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

रविवार, 8 जनवरी, 2023 3

सु वि चा र

लोगों से इस तरह मेल-जोल रखो कि अगर जिन्दा रहो तो तुमसे मिलना चाहे और अगर मर जाओ तो तुम्हारे लिए रोंए।

गुणवत्तापूर्ण नस्ल के पशुधन की आबादी बढ़ाने के लिए प्रयास : पुव्वाड़ा

खम्मम, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। परिवहन मंत्री पी. अजय कुमार ने कहा कि राज्य सरकार तेलंगाना में सर्वोत्तम गुणवत्ता वाली नस्ल के पशुधन की आबादी बढ़ाने के लिए उपाय कर रही है। मवेशियों की आनुवंशिक विशेषताओं को विकसित करने और दूध उत्पादन बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे थे। उन्होंने सुझाव दिया कि गोपाल मित्र के साथ पशु चिकित्सकों को जिले के पशुपालकों में जागरुकता पैदा करनी चाहिए। अजय कुमार शनिवार को जिले के वायरा में राष्ट्रीय कृत्रिम गर्भाधान-आधुनिक तकनीक-तकनीशियन सम्मेलन में बोल रहे थे। सरकार स्थानीय मवेशियों को क्रॉसब्रीड मवेशियों में बदलने के लिए कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम लागू कर रही है। ओंगोल, मुर्रा और जर्सी नस्ल के मवेशियों के वीर्य को एकत्र किया गया और सर्वश्रेष्ठ आनुवंशिक विशेषताओं वाले मवेशियों को विकसित करने के लिए स्थानीय गायों और भैंसों में पेश किया गया। उन्होंने कहा कि विशेषज्ञ डेयरी मवेशियों में आनुवंशिक विशेषताओं में सुधार के लिए मुख्य विधि के रूप में कृत्रिम गर्भाधान की सलाह देते हैं। सर्वोत्तम विशेषताओं वाले सांडों से वीर्य एकत्र करना और उन्हें तरल नाइट्रोजन कंटेनरों में संग्रहित करना और कृत्रिम गर्भाधान के लिए उनका उपयोग करना एक अच्छा अभ्यास था। इस तकनीक से मवेशियों में बीमारियों को फैलने से रोका जा सकता है। अजय कुमार ने कहा कि इससे किसानों को दुग्ध उत्पादन और कृषि में भी लाभ होगा।

इससे पहले दिन में, मंत्री ने येरुपलेम मंडल मुख्यालय में 1.54 करोड़ रुपये से निर्मित एक केजीबीवी का उद्घाटन किया, भीमावरम में एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की आधारशिला रखी और मंडल में बनिगंदलापाडु में निर्मित अतिरिक्त कक्षाओं का उद्घाटन किया। बाद में दिन में खम्मम में मंत्री के कैंप कार्यालय में, अजय कुमार ने 159 लाभार्थियों को 60.20 लाख रुपये के सीएमआरएफ चेक वितरित किए। उन्होंने बताया कि अब तक लाभार्थियों को 17.10 करोड़ रुपये के 4055 सीएमआरएफ चेक वितरित किए जा चुके हैं। इस अवसर पर सांसद नामा नागेश्वर राव, खम्मम बीआरएस जिला अध्यक्ष एमएलसी टाटा मधुसूदन, जिला परिषद अध्यक्ष एल कमल राज, विधायक भट्टी विक्रमार्क, बीज विकास निगम के अध्यक्ष के कोटेश्वर राव और अन्य उपस्थित थे।

जल्द ही पॉम ऑयल की रिकॉर्ड खेती दर्ज करेगा तेलंगाना : निरंजन

हैदराबाद, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कृषि मंत्री सिंगरेड्डी निरंजन रेड्डी ने सूचित किया है कि तेलंगाना आने वाले मार्च तक पूरे राज्य में फैले 1.20 लाख एकड़ में तेल ताड़ की खेती के साथ एक रिकॉर्ड दर्ज करने जा रहा है।

बागवानी विभाग द्वारा शनिवार को यहां आयोजित तेल ताड़ की खेती पर एक समीक्षा बैठक में बोलते हुए, मंत्री निरंजन रेड्डी ने कहा कि राज्य ने पहले ही 2022 में 52,000 तेल ताड़ के पौधे लगाए हैं और इसका लक्ष्य अगले तीन महीनों में 70,000 और पौधे लगाने का है। यह बताते हुए कि राज्य में विभिन्न स्थानों पर 1502 एकड़ में 38 ऑयल पाम नर्सरी स्थापित करने की व्यवस्था की जा रही है, मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ऑयल पाम प्रसंस्करण इकाइयों को भी प्रोत्साहित कर रही है और निर्मल, वनपर्ती और मंचेरियल जिले में 458 एकड़ भूमि का अधिग्रहण करने का भी निर्णय लिया है। उन्होंने बागवानी और कृषि विभाग के अधिकारियों को ताड़ के तेल की खेती पर अधिक जागरूकता कार्यक्रम चलाने और आने वाले दिनों में किसानों को बड़े पैमाने पर प्रोत्साहित करने के लिए भी कहा। निरंजन रेड्डी ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों के लिए प्रशिक्षण कक्षाएं आयोजित की जानी चाहिए। इसके अलावा, अधिकारियों को आने वाले दिनों में तेल ताड़ की खेती के लिए इस संबंध में एक रोड मैप तैयार करना चाहिए। गौरतलब है कि ऑयल पॉम की खेती में तेलंगाना का रिकॉर्ड बन गया है।

11 मार्च तक 1.2 लाख एकड़ में ऑयल पाम के पौधे लगाने वाली ऑयल पाम कंपनियों ने 1502 एकड़ में 38 ऑयल पाम प्लांट नर्सरी लगाईं। एक साल में ऑयल पाम के पौधे लगाने के लिए फंड उपलब्ध तेलंगाना ने तेलंगाना में ऑयल पाम के पौधे लगाने का रिकॉर्ड बनाया। अगले तीन महीने में 52 हजार एकड़ अगले तीन महीने में 70 हजार एकड़ में रोपे लगाने का काम 2023-24 में रोपण के लिए उपलब्ध है। ताड़ के तेल की खेती को बढ़ावा देने के लिए कंपनियां गांव-गांव जागरूकता बैठकें आयोजित करें, किसानों के मंचों पर प्रशिक्षण दिया जाए। जागरूकता पैदा करने की आवश्यकता पर नलगोंडा जिले के कामारेड्डी जिले के डिंडी कृषि क्षेत्र के बोप्पास पल्ली बीज क्षेत्र में तेल ताड़ अनुसंधान उद्यान स्थापित करने का निर्णय लिया है।

कामारेड्डी जिले के हैदराबाद रेड हिल्स हॉर्टिकल्चरल ट्रेनिंग सेंटर में ताड़ की खेती पर समीक्षा बैठक में कृषि मंत्री सिंगरेड्डी निरंजन रेड्डी ने बागवानी विभाग के नए साल के कैलेंडर का विमोचन किया। इस अवसर पर कृषि विभाग के सचिव रघुनंदन राव, बागवानी विभाग के निदेशक हनुमंत राव, तेल फेड सुरेंद्र, जेडी सरोजिनी, बागवानी विभाग के अधिकारी और देश भर में ऑयल पाम कंपनियों के प्रतिनिधि मौजूद थे। मंत्री ने केक काटकर राज्य में 50 हजार एकड़ ऑयल पाम प्लांटेशन का रिकॉर्ड बनाने के मौके पर अधिकारियों और कंपनियों को बधाई दी।

कंटी वेलुगु के लिए किया जा रहा है अतिरिक्त टीमों का गठन

हैदराबाद, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। 18 जनवरी से शुरू होने वाली राज्य सरकार की प्रमुख कंटी वेलुगु के दूसरे चरण के लिए बड़े पैमाने पर व्यवस्था की जा रही है। सरकार ने सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक होने वाले सामूहिक नेत्र जांच शिविरों के लिए 200 करोड़ रुपये की मंजूरी दी है। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के निर्देश के बाद, गांवों, ग्राम पंचायतों और नगरपालिका वार्डों में नेत्र जांच शिविर आयोजित किए जाएंगे और संबंधित अधिकारी पहल के लिए अतिरिक्त टीमों के गठन सहित व्यवस्था करने में लगे हुए हैं। जिलों में बैठकों का नेतृत्व करने वाले मंत्रियों और नगर पालिकाओं और मंडल परिषद् स्तर पर बैठकों के दौरान कार्यक्रम तैयार करने के लिए नेत्र शिविरों पर जागरूकता पैदा करने के लिए बड़े पैमाने पर पहुंच बनाई गई है। निर्वाचित प्रतिनिधियों, अधिकारियों, स्थानीय निकायों और हितधारकों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए निर्देश जारी किए गए हैं और सरकार ने निर्देश जारी किए हैं कि पहल के सकारात्मक कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए सभी प्रयास किए जाएं।

जबकि पहला चरण आठ महीने के लिए 827 स्वास्थ्य टीमों द्वारा आयोजित किया गया था, दूसरा चरण 100 कार्य दिवसों के लिए 1,500 चिकित्सा टीमों के साथ आयोजित किया जाएगा। कांटी वेलुगु शिविरों का नेतृत्व एक चिकित्सा अधिकारी करेगा, जबकि एक ऑप्टोमेट्रिस्ट, दो एएनएम, तीन आशा कार्यकर्ता और 1 डीईओ सहित आठ अन्य स्वास्थ्य कार्यकर्ता काउंटरों पर काम करेंगे। बांटे जाने वाले 55 लाख नि:शुल्क चश्में में से 30 लाख रीडिंग ग्लासेज और 25 लाख प्रिस्क्रिप्शन ग्लास होंगे। यह सुनिश्चित करने के प्रयास किए जा रहे थे कि शिविरों के शुरू होने से पहले जिलों को रेडी-टू-यूज़ चश्मा भेजा जाए। हालांकि, विशिष्ट नुस्खे वाले चश्मे एक महीने में वितरित किए जाएंगे। स्वास्थ्य कर्मियों की कोई कमी नहीं होगी और लगभग 1,500 ऑप्टोमेट्रिस्ट, 1,500 डेटा एंट्री ऑपरेटर और 969 पीएचसी के डॉक्टर कांटी वेलुगु के दूसरे चरण के लिए उपलब्ध होंगे।

बस चलाते समय आया हार्टअटैक, मरते-मरते ड्राइवर ने बचाई 40 यात्रियों की जान

हैदराबाद,7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुलुगु जिले में एक दर्दनाक हादसे में एक चालक की मौत हो गई। 40 यात्रियों को ले जा रहे वाहन को चलाते समय बस चालक को गंभीर दिल का दौरा पड़ा और उसकी मौत हो गयी। चौंकाने वाली घटना मुलुगु के वेंकटपुरम मंडल के वीरभद्रवरम गांव में हुई। सूत्रों के मुताबिक, आंध्र प्रदेश के चित्तूर के कनिपकम से भवानी श्रद्धालुओं को लेकर बस भद्राचलम के दर्शन कर यदाद्री के रास्ते जा रही थी। बस चालक को दिल का दौरा पड़ा और उसकी मौत हो गई और बस सड़क किनारे खेत में जा घुसी। घटना से यात्रियों व स्थानीय लोगों में अफरातफरी मच गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच की जा रही है।

नकली फिंगर प्रिंट बनाने के आरोप में दो जीएचएमसी कर्मचारी अंदर

हैदराबाद, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सिटी पुलिस कमिश्नर वेस्ट जोन टास्क फोर्स टीम ने 2 सेनेटरी फील्ड असिस्टेंट (जीएचएमसी) को बॉयोमैट्रिक अटेंडेंस मशीनों में सफाई कर्मचारियों की उपस्थिति दर्ज करने के लिए नकली फिंगर प्रिंट/अंगूठे के निशान तैयार करने में शामिल दो लोगों को गिरफ्तार किया है। विश्वसनीय सूचना पर कमिश्नर टास्क फोर्स, वेस्ट जोन टीम के अधिकारियों ने दो सेनेटरी फील्ड सहायकों को आसिफ नगर थाने की सीमा में गिरफ्तार किया। गिरफ्तार लोगों में खैरताबाद सर्कल XII में जीएचएमसी पर्यवेक्षक रुद्रोज प्रभाकर व जीएचएमसी खैरताबाद सर्कल XII, ठेका स्वच्छता कार्यकर्ता एम. राजेश शामिल है। इन लोगों के पास से 24 प्रिंट/अंगूठे के निशान, 1 बायो मेट्रिक अटेंडेंस मशीन, 2 सेलफोन बरामद हुआ है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार गिरफ्तार दोनों आरोपी बायोमेट्रिक मशीन में फर्जी फिंगर प्रिंट/अंगूठे के निशान (जो फेविगम और मोम द्वारा तैयार किए जाते हैं) का उपयोग करते थे। वे अपने अधीन काम करने वाले 20 सफाई कर्मचारियों के नकली फिंगर प्रिंट/अंगूठे के निशान को दर्ज करने के लिए नकली फिंगर प्रिंट/अंगूठे के निशान तैयार करने में लिप्त थे। गिरफ्तार आरोपियों के बयानों के अनुसार, यह ध्यान में आया कि प्रत्येक पाली में सफाई कार्य से प्रतिदिन 3 से 4 सफाई कर्मचारी अनुपस्थित रहेंगे। जिस पर वे बायोमीट्रिक मशीन पर नकली फिंगर प्रिंट लगाकर सफाई कर्मियों की हाजिरी दर्ज करा रहे थे और 3 साल से अपना वेतन ले रहे थे जिससे सरकार को नुकसान हो रहा था।

अभियुक्तों को जब्त सामग्री सहित आवश्यक कार्रवाई हेतु एसएचओ आसिफ नगर थाने को सुपुर्द किया गया। आरोपियों की गिरफ्तारी पुलिस आयुक्त (ओएसडी), आयुक्त टास्क फोर्स, पी राधाकिशन राव की देखरेख में पुलिस निरीक्षक वेस्ट जोन टीम, कमिश्नर टास्क फोर्स, हैदराबाद एमडी खलील पाशा ने अपने टीम के साथ की।

पूर्व फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला के संयुक्त निदेशक विजयवाड़ा के होटल में मृत पाए गए

हैदराबाद, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। विजयवाड़ा में एक दुखद घटना में, आंध्र प्रदेश फॉरेंसिक साइंसेज लेबोरेटरी के पूर्व संयुक्त निदेशक एककाराजू शिव कुमार शुक्रवार को विजयवाड़ा के एक होटल में रहस्यमय परिस्थितियों में मृत पाए गए। सूत्रों के अनुसार शिव कुमार (74) अपने परिवार के साथ कुकटपल्ली में रह रहे थे और एक निजी लैब में कार्यरत थे। ऐसा कहा जाता है कि वह एक अदालती मामले में भाग लेने के लिए विजयवाड़ा गए थे। दरवाजे की घंटी बजने पर भी कोई प्रतिक्रिया नहीं होने पर होटल के कर्मचारियों ने पुलिस को सूचित किया। पुलिस को होटल से शराब की बोतल व अन्य साक्ष्य मिले हैं। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

निर्माणाधीन इमारत का स्लैब गिरा, दो की मौत

हैदराबाद, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कुक्कटपल्ली में शनिवार दोपहर एक निर्माणाधीन इमारत का स्लैब गिरने से एक निर्माण मजदूर की मौत हो गई और कुछ अन्य घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, श्रमिकों का एक समूह उस समय साइट पर था जब चौथी मंजिल पर स्लैब अचानक गिर गया। पीड़ित मलबे के नीचे दब गए। काफी मशक्कत के बाद पुलिस व अन्य मजदूरों ने उन्हें बाहर निकाल कर अस्पताल पहुंचाया। जहां दो मजदूरों की मौत हो गई, वहीं एक अन्य मजदूर की हालत गंभीर बनी हुई है, जबकि कुछ अन्य मामूली रूप से घायल हो गए। सूचना पाते ही पुलिस और जीएचएमसी के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे।

महिलाओं को सुरक्षा प्रदान करने में शी टीमों की भूमिका अहम : चौहान

पुलिस ऑयुक्त ने राचकोंडा शी टीम कार्यालय का दौरा किया

हैदराबाद, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। रचाकोंडा सीपी डी.एस. चौहान, एलबी नगर में राचाकोंडा के शी टीम कार्यालय का दौरा किया। सीपी ने शी टीमों के काम और कामकाज को समझने के लिए कर्मचारियों के साथ बातचीत की और सीपी कैंप कार्यालय में उसी के बारे में चर्चा की। डीसीपी एलबी नगर सनप्रीत सिंह, डीसीपी शी टीमें, सलीमा, एसीपी शी टीमें, एस वेंकट रेड्डी, एसीपी एलबी नगर, श्रीधर रेड्डी और अन्य कर्मचारियों ने भाग लिया। सीपी ने शी टीम्स को ईव टीज़र के साथ सख्त कार्य करने और उनके प्रति शून्य सहिष्णुता का प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया। छेड़खानी करने वालों को पकड़ने और लड़कियों और महिलाओं को सुरक्षित वातावरण प्रदान करने के लिए निरंतर गश्त अभियान चलाया जाना चाहिए। साइबर स्टॉकिंग पर भी ध्यान देने की आवश्यकता है और साइबर स्टॉकिंग पर अंकुश लगाने के लिए एक व्यापक कार्य योजना बनाई जानी चाहिए। लड़कियों और महिलाओं के लिए कॉलेजों और कार्यस्थलों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए। जरूरत पड़ने पर पुलिस तक पहुंचने के लिए उन्हें विश्वास दिया जाना चाहिए। सीपी ने महिलाओं के लिए एक शांतिपूर्ण समाज बनाने के लिए शी टीम्स के प्रयासों की सराहना की।

बीआरएस ने रेवंत रेड्डी की शिकायत पर दी प्रतिक्रिया

कहा, भाजपा के निर्देश के बाद टीपीसीसी अध्यक्ष ने पुलिस में दर्ज कराई शिकायत

हैदराबाद, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। यह कहते हुए कि कांग्रेस पार्टी भाजपा की 'बी' टीम में बदल गई है, बीआरएस विधायक डी. सुधीर रेड्डी ने आरोप लगाया कि टीपीसीसी अध्यक्ष ए. रेवंत रेड्डी ने भाजपा के निर्देशों के बाद मोइनाबाद पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। टीपीसीसी अध्यक्ष ने शुक्रवार को बीआरएस (तत्कालीन टीआरएस) में शामिल होने वाले 12 कांग्रेस विधायकों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए शिकायत दर्ज कराई थी। सुधीर रेड्डी 12 में से एक हैं। एलबी नगर के बीआरएस विधायक ने राज्य कांग्रेस में दोष ढूंढते हुए कहा कि बसपा विधायक राजस्थान में कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए हैं। इसी तरह गोवा में कांग्रेस के विधायक बीजेपी में शामिल हुए थे और विधायक दल का विलय किया था। सुधीर रेड्डी ने शनिवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि दिलचस्प बात यह है कि रेवंत रेड्डी ने तब कोई आपत्ति नहीं जताई थी। क्या कांग्रेस प्रमुख सोनिया गांधी ने राजस्थान में कांग्रेस पार्टी में शामिल होने के लिए बसपा विधायकों के लिए कोई पैकेज पेश किया था? कांग्रेस पार्टी ने अतीत में लोकतांत्रिक रूप से चुनी हुई सरकारों को उखाड़ फेंका था और राज्यपाल शासन लाया था, उन्होंने याद दिलाया। अभिनेता से नेता बने चिरंजीवी की प्रजा राज्यम पार्टी का कांग्रेस में विलय कर दिया गया और उन्हें केंद्रीय मंत्री भी बनाया गया। क्या रेवंत रेड्डी इन हथकंडों के बारे में बताएंगे। हम अपने संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों में विकास सुनिश्चित करने के लिए बीआरएस में शामिल हुए। बुनियादी ढांचा विकास बीआरएस सरकार द्वारा किए गए अच्छे काम को दर्शाता है।

टीपीसीसी अध्यक्ष की शिकायत पर प्रकाश डालते हुए बीआरएस विधायक ने कहा कि इस संबंध में पहले ही अदालत में मामला दायर किया जा चुका है और वही शिकायत फिर से पुलिस में की गई है। सुधीर रेड्डी ने कहा कि यह अजीब है कि रेवंत रेड्डी, जो नोट के लिए वोट मामले में रंगे हाथ पकड़े गए थे, लोकतांत्रिक मूल्यों के बारे में बात कर रहे हैं और हमारे खिलाफ निराधार आरोप लगा रहे हैं।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Surisetty Rani, R/o. H.No.12-10-590/67, Warasiguda Sec' bad, Hyd, T.S. Changed My Name as "Penumati Hymavathi" W/o. Penumati Venkateshwarlu.

I, Service JC806111P, Rank NB Sub Name Mohinder Paul R/o Vill. Joh,PO-Chamboh,Teh-Bhoranj,Dist Hamirpur, State Himachal Pradesh,pin-177601. have Changed my Son's Name from *AAHAN* to *AAHAN SHARMA* due to erroneously entered in my Service Documents.Inbox

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

चाइनीज मांझे के खिलाफ जागरूकता फैला रहे हैं संगठन

हैदराबाद, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद सोसाइटी फॉर प्रिवेंशन ऑफ क्रुएल्टी टू एनिमल्स (जीएचएसपीसीए) की टीम ने शहर भर में चीनी माझे के उलझने के कारण 500 से अधिक पक्षियों को घायल पाया है।

पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986 की धारा 5 के तहत चीनी मांझा पर प्रतिबंध जनवरी 2016 में घोषित किया गया था। नियमों का उल्लंघन करने वाला कोई भी व्यक्ति 5 साल तक के कारावास या 1 लाख रुपये तक के जुर्माने या दोनों के लिए उत्तरदायी है। हालांकि, पूरे शहर में नायलॉन और कांच की परत वाले धागों की बिक्री जारी है, जीएचएसपीसीएका कहना है, जो अब ऐसे मांजों के इस्तेमाल के खिलाफ जागरूकता बढ़ाने के लिए एनिमल रेस्क्यू संगठन के साथ आए हैं।

संगठन के मुताबिक, शहर में ज्यादातर पतंग उड़ाने वाले मांझा या कांच से लिपटे धागे का इस्तेमाल करते हैं। इस प्रक्रिया में धागे का एक बड़ा हिस्सा पेड़ों पर उलझ जाता है जो पक्षियों और जानवरों के लिए घातक साबित होता है। हम पूरे शहर में चक्कर लगा रहे हैं, घायल पक्षियों की तलाश कर रहे हैं या पतंग मांजा में फंस गए हैं। जीएचएसपीसीए के सौधर्म भंडारी ने कहा कि हम त्योहार सप्ताह के अंत तक ऐसा करते रहेंगे। शीशे की चोट से उबरने में पक्षियों को हफ्तों लग जाते हैं और यह उनकी उड़ने की क्षमता को प्रभावित करता है। पिछले साल 65 से अधिक पक्षियों को बचाया गया था और उनमें से 50 प्रतिशत की इलाज के दौरान मौत हो गई थी। वर्ष 2017 में 106 पक्षियों को बचाया गया, जबकि 2018 में 156, 2019 में 57, 2020 में 46, 2021 में 56, 2022 में 67 और 12 को इस 7 जनवरी तक बचाया गया। इस बीच, शहर स्थित विश्व पेट क्लिनिक इस साल मुफ्त सर्जरी करने और बचाए गए पक्षियों का इलाज करने के लिए आगे आया है। श्री भंडारी ने कहा कि आपातकालीन स्थितियों के लिए लोग फोन: 8886743881/9949602074 पर संपर्क कर सकते हैं।

किसान विरोधी रवैया केसीआर सरकार के पतन का संकेत : चुघ

हैदराबाद, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव और तेलंगाना राज्य के प्रभारी तरुण चुघ ने शुक्रवार को कामारेड्डी में अपनी उपजाऊ भूमि पर जबरन कब्जा करने के खिलाफ आंदोलन कर रहे किसानों पर लाठीचार्ज की कड़ी निंदा की। उन्होंने रामुलु के शोक संतप्त परिवार के दुख को साझा करने के लिए गए सांसद और राज्य भाजपा अध्यक्ष बंडी संजय कुमार की गिरफ्तारी की भी कड़ी निंदा की, जिन्होंने राज्य सरकार द्वारा अपनी जमीन पर जबरन कब्जा करने के कारण आत्महत्या कर ली थी। भाजपा नेता ने कहा कि पूरे प्रकरण से केसीआर सरकार के तानाशाही रवैये का पता चलता है, जो भ्रष्ट और वंशवादी है। चुघ ने कहा कि किसान विरोधी रवैया स्पष्ट रूप से इस तथ्य को इंगित करता है कि केसीआर सरकार तेलंगाना में अपने रास्ते से बाहर हो रही है, क्योंकि स्वतंत्र भारत के इतिहास में ऐसी कोई सरकार नहीं बची है, जिसने किसानों को दुर्गम समस्याओं का सामना करना पड़ा हो। उन्होंने आरोप लगाया कि सीएम केसीआर ने किसान विरोधी रवैया अपनाया और उनका धरनी पोर्टल उनके गुर्गों के लिए किसानों की जमीन छीनने का औजार बन गया है। केसीआर प्रत्येक किसान को 1 लाख रुपये तक की एकमुश्त कृषि ऋण माफी को पूरा करने में विफल रहे, जिसके परिणामस्वरूप किसानों के बैंक खातों में जमा वैध धन रोक दिया गया।

छात्राओं को परेशान करने के आरोप में चार गिरफ्तार

हैदराबाद,7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा की घटकेसर पुलिस ने एक निजी कॉलेज की छात्राओं को कथित रूप से अपमानजनक और अश्लील संदेश भेजकर परेशान करने वाले चार लोगों को गिरफ्तार किया है।

राचकोंडा के पुलिस आयुक्त, डीएस चौहान ने कहा कि चार लोगों ने पीड़ित लड़कियों के फोन नंबर एकत्र किए थे, जो घाटकेसर के एक कॉलेज की छात्रा हैं, और अलग-अलग व्हाट्सएप ग्रुपों में नंबर जोड़े। पीड़ितों के फेसबुक और इंस्टाग्राम प्रोफाइल से उनके द्वारा प्राप्त फोन नंबर गणेश और उसके तीन दोस्त व्हाट्सएप ग्रुपों में नियमित रूप से अपमानजनक संदेश भेज रहे थे और लड़की को परेशान कर रहे थे। एक शिकायत पर, एक मामला दर्ज किया गया और चारों को गिरफ्तार कर लिया गया।

व्यवसायी से दो करोड़ की लूट

हैदराबाद, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। वनस्थलीपुरम में शुक्रवार रात बदमाशों ने एक व्यवसायी से भारी मात्रा में नकदी लूट ली।

व्यक्ति वेंकट रेड्डी ने एक बार और कुछ शराब की दुकानों से नकदी एकत्र की और आगे बढ़ रहे थे जब अज्ञात व्यक्तियों ने उन्हें धमकाया और वनस्थलीपुरम चौराहे पर नकदी छीन ली। रिपोर्ट्स के मुताबिक, बदमाशों ने उनसे 2 करोड़ रुपये लूट लिए। पुलिस को संदेह है कि रेड्डी को जानने वाले कुछ लोग इसमें शामिल हो सकते हैं। पुलिस टीमें अपराधियों की तलाश कर रही हैं।

'कार्टूनिस्ट का सिर कलम करो 51 करोड़ ले जाओ'

नफरत के कारोबारी याकूब कुरैशी का काला चिट्ठा

मेरठ, 7 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के इनामी याकूब कुरैशी को उसके बेटे के साथ गिरफ्तार कर लिया गया है। गैंगस्टर एक्ट लगने के बाद से मेरठ पुलिस याकूब कुरैशी और उसके बेटे की तलाश में जुटी हुई थी। याकूब की संपत्तियों पर भी नोटिस चस्पा किए गए थे। याकूब कुरैशी के लगातार लोकेशन बदलने का मामला सामने आ रहा था। हालांकि, दिल्ली पुलिस की मदद से 50 हजार के इनामी याकूब कुरैशी और उसके बेटे इमरान को यूपी पुलिस ने शुक्रवार- शनिवार रात 2:00 बजे दिल्ली के चांदनी महल इलाके स्थित फ्लैट से गिरफ्तार किया। बाप और बेटे किराए का फ्लैट लेकर साथ रह रहे थे। यूपी पुलिस की टीम दोनों की गिरफ्तारी के बाद दिल्ली से मेरठ पहुंची है। याकूब कुरैशी की गिरफ्तारी के बारे में एसपी क्राइम अमित कुमार ने पुष्टि की है। उन्होंने कहा है कि चांदनी महल थाना क्षेत्र के एक फ्लैट के अंदर याकूब कुरैशी और उसके बेटे इमरान कुरैशी को गिरफ्तार किया गया है। दोनों पर करीब एक सप्ताह पहले यूपी पुलिस ने 50 हजार का इनाम घोषित किया था। इनामी बनने के बाद याकूब कुरैशी और उसके बेटों की तलाश पुलिस के अलावा एसटीएफ कर रही थी। अमित कुमार ने कहा कि रात 2:00 बजे गिरफ्तारी हुई है। मेरठ लाया गया है। यहां पूछताछ होगी। याकूब कुरैशी की गिरफ्तारी के बाद उसके नफरत के कारोबार की चर्चा सियासी महकमे में तैरने लगी है। कभी डेनमार्क के कार्टूनिस्ट का सिर कलम करने पर 51 करोड़ का इनाम देने की घोषणा करने वाला याकूब कुरैशी आज पुलिस की गिरफ्त में है। याकूब ने पेरिस के शार्ली एबदो मैग्जीन के दफ्तर पर हमले को भी सही ठहराया था।

कार्टूनिस्ट का सिर कलम करने पर घोषित किया था 51 करोड़ का इनाम

याकूब कुरैशी ने डेनमार्क के कार्टूनिस्ट का सिर कलम करने पर 51 करोड़ का इनाम देने की घोषणा की थी। वर्ष 2006 में पैगंबर मुहम्मद का विवादित कार्टून बनाने का मामला खूब गरमाया था। इस मामले में याकूब कुरैशी ने कार्टूनिस्ट का सिर कलम करने पर 51 करोड़ के इनाम की घोषणा की थी। मेरठ में उसने विवादित कार्टून से धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचने की बात कही थी। उस समय हाजी कुरैशी ने कहा था कि जो कोई पैगंबर का कार्टून बनाने वाले कार्टूनिस्ट का सिर कलम करके लाएगा, वह उसे एक 51 करोड़ का इनाम देगा। हाजी याकूब अपने इस प्रकार के विवादित बयानों के लिए खासा मशहूर रहा है।

शार्ली एबदो हमले को ठहराया था सही

हाजी याकूब ने पेरिस के शार्ली एबदो मैगजीन के कार्यालय पर हमले को भी सही ठहराया था। उसने कहा था कि इस्लाम धर्म और पैगंबर-ए-इस्लाम मोहम्मद साहब की शान में गुस्ताखी किसी भी सूरत में माफ नहीं की जा सकती है। हाजी याकूब ने आरोप लगाया था कि फ्रांसीसी पत्रिका शार्ली एबदो लगातार पैगंबर मोहम्मद की शान में गुस्ताखी कर रही थी। इसीलिए, हमलावरों ने पत्रिका के दफ्तर को निशाना बनाया। पेरिस में मैगजीन के दफ्तर पर हमला करने वालों को भी उसने 51 करोड़ रुपए देने की घोषणा की थी।

सपा, बसपा से रहा है जुड़ाव

हाजी याकूब कुरैशी का विपक्ष के तमाम राजनीतिक दलों में आना-जाना लगा रहा है। हाजी याकूब ने सबसे पहले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट नाम से पार्टी बनाई। यूपी चुनाव 2002 में खरखौदा विधानसभा सीट से वह चुनावी मैदान में उतरा और जीत दर्ज कर विधानसभा पहुंचा। बाद में वह बहुजन समाज पार्टी में शामिल हो गया। इसके बाद यूडीएफ की कमान अपने भाई हाजी यूसुफ को थमा दी। बाद में हाजी यूसुफ कांग्रेस में शामिल हो गया। वर्ष 2007 में हाजी याकूब कुरैशी ने बसपा के टिकट पर मेरठ शहर विधानसभा सीट से चुनावी ताल ठोंकी और दूसरी बार जीत दर्ज करने में कामयाब रहा। बसपा की मायावती सरकार में उसे राज्य मंत्री का दर्जा देकर मंत्री बनाया गया। वर्ष 2012 के चुनाव में बसपा ने उसका टिकट काट दिया। इसके बाद वह आरएलडी में शामिल हो गया। फिर कुछ दिन सपा में रहा। बाद में दोबारा बीएसपी में उसकी वापसी हुई। इस प्रकार कुरैशी परिवार का तमाम विपक्षी दलों से संबंध रहा है।

अवैध मीट पैकिंग केस में फंसा याकूब

हाजी याकूब कुरैशी अवैध मीट पैकिंग के मामले में फंसा और पुलिस का शिकंजा उस पर कसता चला गया। मेरठ के खरखौदा थाना और किठौर थाना पुलिस ने 31 मार्च 2022 को हापुर रोड पर याकूब कुरैशी के बेटे इमरान की मीट फैक्ट्री पर रेड मारा। अवैध मीट पैकिंग का खुलासा किया। याकूब, उसकी पत्नी संजीदा बेगम, बेटे फिरोज, इमरान, मैनेजर मोहित त्यागी समेत 17 लोगों को इस मामले में नामजद आरोपी बनाया गया। इस मामले में पुलिस पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की है।

याकूब कुरैशी और उसके परिवार के कोर्ट में हाजिर नहीं होने के कारण पहले ही शिकंज कस गया था। पुलिस ने पूर्व मंत्री और उसके परिवार पर 25 हजार का इनाम घोषित किया था। पिछले माह याकूब और उसके परिवार पर गैंगस्टर एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। इसके बाद मेरठ पुलिस ने याकूब के छोटे बेटे फिरोज को गाजियाबाद के एक कॉलोनी से गिरफ्तार किया। वहीं, याकूब और उसका बेटा इमरान फरार चल रहे थे। पुलिस ने इन पर इनाम बढ़ाकर 50 हजार रुपये कर दिया।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने भी हाजी याकूब की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी। इसके बाद यूपी पुलिस ने याकूब और उसके बेटे इमरान को दिल्ली के चांदनी महल थाना क्षेत्र के एक फ्लैट से गिरफ्तार कर लिया है। दोनों आरोपियों को मेरठ पुलिस ने खरखौदा थाने में लाकर रखा गया है। शनिवार को उन्हें कोर्ट में पेश किए जाने की तैयारी की गई है।

माघ मेला शुरू, प्रयागराज संगम तट पर 5 डिग्री ठंड में श्रद्धालुओं ने लगाई डुबकी

प्रयागराज, 7 जनवरी (एजेंसियां)। प्रयागराज के संगम तट पर बसी आध्यात्मिक नगरी माघ मेला में प्रथम स्नान पर्व पौष पूर्णिमा पर 5 लाख 10 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने गंगा यमुना के संगम में आस्था की डुबकी लगाई। इसमें साधु संतों ,श्रद्धालुओं,स्नानार्थियों और कल्पवासी शामिल हैं। प्रयागराज में पिछले 10 साल के रिकार्ड को तोड़ती हुई कड़ाके की ठंड पड़ रही। शीतलहर के साथ लगातार तापमान 5 डिग्री से नीचे रहा है। ऐसे में जप, तप, ध्यान करते हुए आस्था की डुबकी लगाने वालों की संख्या लाखों में पहुंचना बड़ी बात है।

माघ मेला क्षेत्र के अरैल, झूंसी के अलावा रामघाट, काली घाट, दशाश्वमेध घाट के अलावा मेला क्षेत्र में सेक्टरवाइज बने 14 घाटों पर पौष पूर्णिमा पर स्नानार्थी श्रद्धालु कल्पवासी ब्रह्म महूर्त से ही श्रद्धा की डुबकी लगते रहे।

प्रयागराज प्रशासन का कहना है कि 5 लाख 10 हजार लोगों ने मेला क्षेत्र में आस्था की डुबकी लगाई है। इस अवसर पर श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा ना हो इसके दृष्टिगत सभी वरिष्ठ अधिकारियों ने देर रात से ही मेला क्षेत्र में घूमते निरीक्षण करते रहे। श्रद्धालुओं को ठंड के प्रकोप से बचाने के लिए पूरे मेला क्षेत्र के विभिन्न स्थानों में अलाव की भी व्यवस्था कराई गई थी। पूरे स्नान की अवधि में किसी भी तरह की अप्रिय घटना नहीं हुई। पुलिस टीम के साथ प्रशासन की टीम भी संगम स्थल पर दौरा करती रही। अब माघ मेला का दूसरा स्नान पर्व मकर संक्रांति 14 और 15 जनवरी को पड़ेगा। जिसमें श्रद्धालुओं की संख्या बहुत अधिक होती हैं, जबकि तीसरा प्रमुख स्नान पर्व मौनी अमावस्या 21 जनवरी को पड़ रही है।

माघ मेला के दौरान अलग-अलग घाटों और तिराहों, चौराहों पर पुलिस, पीएसी, एटीएस, आरएएफ के अलावा घुड़सवार पुलिस, महिला पुलिस के जवानों के साथ अग्निशमन दस्ते को तैनात थे। गंगा की धारा में स्नानार्थियों की सुरक्षा के लिए काफी संख्या में गोताखोर भी लगाए गए थे।

26 जनवरी को माघ मेला का चौथा स्नान पर्व वसंत पंचमी और पांचवां स्नान पर्व 5 फरवरी को माघी पूर्णिमा का रहेगा। वहीं माघी पूर्णिमा के स्नान के बाद माघ मेला से कल्पवासियों का एक माह पूरा हो जाएगा। 18 फरवरी 2023 को महाशिवरात्रि के स्नान के बाद माघ मेला का समापन हो जाएगा।

दुष्कर्म के आरोपी युवक को आजीवन कारावास की सजा

बहराइच, 7 जनवरी (एजेंसियां)। बहराइच जिले में कोतवाली मुर्तिहा क्षेत्र में एक नाबालिक बालिका से दुष्कर्म मामले में शनिवार को पोक्सो एक्ट के स्पेशल जज वरुण मोहित निगम ने सुनवाई करते हुए आरोपी युवक को दोष सिद्ध करार देकर आजीवन कारावास की सजा सुनाई। इसके साथ एक लाख रुपये अर्थदंड से भी दंडित किया है। यह फैसला चार्जशीट दाखिल होने के 27 दिन के अंदर हुआ। जबकि घटना के 67वें दिन पीड़िता को न्याय मिल गया है। कोतवाली मुर्तिहा अंतर्गत एक गांव निवासी एक पिता ने 30 अक्टूबर को कोतवाली मुर्तिहा में तहरीर देकर धर्मापुर बेझा गांव निवासी 18 वर्षीय मुक्कू पर सात वर्षीय बेटी के साथ दुष्कर्म करने का आरोप लगाया था।

वन विभाग के दफ्तर पर हमला

भड़के आदिवासियों का बवाल

रोहतास, 7 जनवरी (एजेंसियां)। शुक्रवार की रात रोहतास थाना के अकबरपुर में वन विभाग के कार्यालय पर आदिवासी जनजातीय समूह के लोगों ने जमकर उत्पात मचाया। उन्होंने पहले पुलिस टीम पर हमला बोला, उन पर पथराव किया, लाठी डंडों तक से हमला किया। आक्रोशित लोगों ने वन विभाग के दफ्तर में जमकर तोड़फोड़ की। जिसके बाद पूरा वन विभाग का दफ्तर परिसर कबाड़े में तब्दील कर दिया। जनजाति समूह के लोगों ने अकबरपुर के वन विभाग के रेंजर के साथ मारपीट की। कार्यालय के तमाम सामान को तोड़ दिया गया।

क्यों की तोड़फोड़

महिला का शव बरामद होने के बाद आदिवासी समुदाय के लोग आक्रोषित हो गए। आरोप है की महिला की हत्या वन विभाग के कर्मी ने की है। महिला का नाम राज कालो देवी बताया जा रहा है। घटना रोहतास थाना के नगर टोली के पास की है। जहां महिला का शव बरामद हुआ है। जिसके बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने रोहतास के अकबरपुर में आगजनी और तोड़फोड़ की। वन विभाग के परिसर में लगी तमाम ट्रक, मोटरसाइकिल और अन्य गाड़ियों के शीशे चकनाचूर कर दिए गए।

केस वापस लो वरना जान से मार देंगे

रामपुर बीजेपी सांसद घनश्याम सिंह लोधी को मिली लश्कर ए खालसा से धमकी

रामपुर, 7 जनवरी (एजेंसियां)। यूपी में रामपुर से बीजेपी सांसद घनश्याम सिंह लोधी को जान से मारने की धमकी दी जा रही है। हाल में उन्होंने इस मामले में केस दर्ज कराया था। अब उन्हें केस वापस न लेने पर हत्या करने की धमकी दी गई है। इस मामले में सिविल लाइन्स पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। रामपुर के सांसद घनश्याम सिंह लोधी को पांच जनवरी को व्हाट्सऐप के जरिए मैसेज आया था। धमकी देने वाले ने अपना नाम संदीप सिंह बताया था, जिसने खुद को लश्कर ए खालसा नाम के संगठन का प्रवक्ता बताया था। मैसेज में बीजेपी, आरएसएस नेता और सेना के लोगों को निशाना बनाने की धमकी दी गई थी।

सांसद घनश्याम सिंह लोधी ने बताया था कि उन्हें परिवार सहित जान से मारने की दी गई थी। इसके बाद उन्होंने एसपी से शिकायत की थी। एसपी के आदेश पर सिविल लाइन्स पुलिस ने देर रात रिपोर्ट दर्ज कर ली थी। रिपोर्ट दर्ज होने के बाद छह जनवरी की रात 10:50 बजे फिर से सांसद के मोबाइल पर धमकी आई। इसमें लिखा था कि केस वापस ले लो, वरना तुम्हें जान से मार दिया जाएगा। बहुत जल्दी आप को निशाना बनाएंगे, अगर आपने केस वापस नहीं लिया तो। वहीं, पुलिस ने मामले की जांच तेज कर दी है।

जेडीयू विधायक की मां की मौत

जमुई, 7 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार सरकार के पूर्व मंत्री एवं वर्तमान झाँझा जदयू विधायक दामोदर रावत की मां मैना देवी की इलाज के दौरान शुक्रवार की देर रात पटना के एक निजी क्लिनिक में मौत हो गई। जानकारी के बाद गिद्धौर प्रखंड क्षेत्र स्थित आवास इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है। बता दें कि शुक्रवार की सुबह झाझा विधानसभा के जदयू विधायक एवं पूर्व मंत्री दामोदर रावत की मां मैना देवी शुक्रवार की सुबह ठंड से बचाव के लिए अपने घर में बोरसी से आग सेक रही थी। तभी उससे निकली चिंगारी की चपेट में आने से वह बुरी तरह से झुलस गई थी। जिसे इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया था। जहां इलाज कर रहे चिकित्सकों ने उसकी हालत गंभीर होता देख उसे बेहतर इलाज के लिए पीएमसीएच पटना रेफर कर दिया गया था।

नीतीश की समाधान यात्रा के दौरान बेरोजगारों को नजरबंद रखा गया: सुशील मोदी

पटना, 7 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार बीजेपी के राज्यसभा सांसद सुशील कुमार मोदी ने आरोप लगाया है कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की क्षेत्र में चल रही समाधान यात्रा के दौरान चंपारण में नौकरी के इच्छुक लोगों को नजरबंद रखा गया था। सुशील मोदी ने दावा किया कि नीतीश कुमार राज्य में सचिवालय सहायक और शिक्षक पदों के उम्मीदवारों के विरोध से डरते हैं। मोदी ने कहा, पूर्वी और पश्चिमी चंपारण जिलों के अधिकारी सचिवालय सहायक और शिक्षक उम्मीदवारों के घरों में गए और उन्हें घर के अंदर रहने या परिणाम भुगतने की धमकी दी। इन दोनों जिलों के प्रशासन ने नीतीश कुमार को नौकरी चाहने वालों के विरोध से बचाने के लिए गंदी चाल चली। सुशील मोदी ने कहा, अगर नीतीश कुमार सोच रहे हैं कि इससे मसले सुलझ जाएंगे तो यह उनकी गलतफहमी है। बीजेपी नेता ने 3 जनवरी को नौकरी चाहने वालों पर लाठीचार्ज के लिए भी नीतीश कुमार की खिंचाई की। उन्होंने कहा, नीतीश कुमार, जो गृह मंत्री का पद भी संभाल रहे हैं, लाठीचार्ज से अनजान हैं। या तो नीतीश कुमार नाटक कर रहे या नौकरशाह उन्हें गुमराह कर रहे हैं। यह एक गंभीर मुद्दा है। सुशील मोदी ने जोर देकर कहा,बिहार में प्रश्नपत्र लीक होना आम बात हो गई है। आठ साल बाद सचिवालय सहायक की परीक्षा होती है और परीक्षा के दिन ही उसके प्रश्नपत्र लीक हो जाते हैं।

'नीतीश को पीएम बनने से कोई नहीं रोक सकता'

पटना, 7 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जब से महागठबंधन के साथ सरकार बनाई है। उसके बाद से गाहे-बगाहे राजद नेता भी उनके लिए सलाह-मशविरा जारी करते रहते हैं। राजद के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह पहले भी नीतीश कुमार को बिहार की गद्दी छोड़कर राष्ट्रीय स्तर की राजनीति में एंट्री लेने की सलाह दी है। एक बार फिर जगदानंद सिंह ने नीतीश को देशव्यापी यात्रा पर निकलने की सलाह दी है। जगदानंद सिंह के इस बयान के मायने तलाशे जा रहे हैं। सियासी जानकार कहते हैं कि हाल में सुधाकर सिंह की ओर से किये गये डैमेज कंट्रोल को जगदानंद संभालने में जुटे हैं। जानकारों का कहना है कि लालू की ओर से सख्त संदेश जगदानंद और बेटे सुधाकर के लिए आया है। उसके बाद से ही जगदानंद से मुंह से सियासी शहद टपकनी शुरू हो गई है।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जहां बिहार में समाधान यात्रा कर रहे हैं, वहीं आरजेडी के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह ने दावा किया कि विपक्षी दलों का प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनने के अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए नीतीश कुमार को देश का दौरा करना होगा। सिंह ने पटना में पत्रकारों से बातचीत में कहा- राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने नीतीश कुमार को आशीर्वाद दिया है और वह प्रधानमंत्री बनेंगे। लालू जी में प्रधानमंत्री बनाने की क्षमता है। उन्होंने एचडी देवेगौड़ा और इंद्र कुमार गुजराल को देश का प्रधानमंत्री बनाया था और वह नीतीश कुमार के लिए भी ऐसा कर सकते हैं। इसे हासिल करने के लिए नीतीश कुमार को देश भर में दौरा करना चाहिए।

जगदानंद का बड़ा बयान

सियासी जानकार जगदानंद के इस बयान को अलग नजरिये से नहीं देखते हैं। जानकारों का मानना है कि ये तो होना ही था। लालू तक महागठबंधन में हाल के दिनों में हुई बवाल की खबरें पहुंच चूंकी हैं। उसके बाद से गठबंधन के अंदर जारी सियासी हलचल को समेटने की कवायद हो रही है। इसीलिए जगदानंद सिंह नीतीश और लालू को पसंद आने वाले बयान दे रहे हैं। जगदानंद सिंह ने हाल में सुधाकर सिंह को भी बयानबाजी करने से परहेज करने को कहा था। अब जगदानंद का नीतीश के पक्ष में बयान आना इसी को दर्शाता है। हालांकि, जानकार मानते हैं कि जगदानंद ने इसमें भी ये ख्याल रखा है कि लालू को ही ऊपर रखें।

बुआ-भतीजे का प्यार चढ़ा परवान

अवैध संबंध में फूफा बन रहा था रुकावट, मिलकर मार डाला

फिरोजाबाद, 7 जनवरी (एजेंसियां)। जिले में एक जनवरी को खाली पड़े प्लॉट में शव पड़ा मिला था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। मामले की जांच कर रही थी। जांच के दौरान अवैध संबंधों में युवक की हत्या किए जाने की बात निकल कर सामने आई। इसके बाद पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। दूसरे की तलाश जारी है।

एसपी ग्रामीण रणविजय सिंह ने बताया कि बीती एक जनवरी को दोपहर के समय मलिखानपुर रोड के समीप पवन भट्टा के पास प्लाट में एक शव मिला था। इसकी शिनाख्त नईम निवासी मोहल्ला शीशगर बिजली घर के पीछे मडैया, थाना-सिकंदराराऊ, जिला हाथरस के रूप में हुई थी।

राजद के प्रदेशाध्यक्ष बोले- नफरत की जमीन पर बन रहा राम मंदिर भगवान आलीशान इमारत में बंद नहीं रह सकते

पटना, 7 जनवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह ने कहा कि भारत की भूमि राम और कृष्णमय मानी जाती थी। अब सब खत्म हो गया है। अब राम रामायण से भाग जाएंगे। कण-कण से हट जाएंगे। यह भारत राम का नहीं रहेगा। केवल एक मंदिर राम का रहेगा। नफरत की जमीन पर राम के मंदिर का निर्माण हो रहा है। राम उसी एक मंदिर में बैठ जाएंगे। पत्थरों के बीच रहेंगे, हृदय के बीच में नहीं रहेंगे। आरएसएस वाले यही कर रहे हैं। हम तो हे राम वाले हैं, जय श्री राम वाले नहीं। हमारे राम तो भारत के राम भारत के कण-कण में रहेंगे, आरएसएस वालों के राम जहां-जहां बैठें!

कण-कण के राम को मंदिर में कैद कर रहा आरएसएस

अयोध्या के निर्माणाधीन राम मंदिर निर्माण में भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर उन्होंने कहा- भारत के कण-कण से सिमट कर पत्थरों की चारदीवारी में राम को कैद किया जा रहा है। क्योंकि इंसानियत से बड़ा इस भारत में उन्मादियों के राम बचे हैं। बाकी सब जगह से राम खत्म हो गए। वह अपने राम को कैद कर लेंगे, यहां तो राम का असली वास शबरी की झोपड़ी में है। वह जब खुद थे, तब न अयोध्या में कैद हुए, न रावण को हराने के बाद लंका में उनका वास हुआ। जगदानंद सिंह ने कहा- भारत की जनता तो सदियों से रामायण को लेकर बैठी है, सुबह से शाम तक जपती है, क्योंकि उसे वहां राम मिलते हैं। आरएसएस वालों को पता नहीं कि लोगों के हृदय से छीनकर राम को पत्थर के आलीशान भवन में नहीं कैद किया जा सकता है।

यूपी के 33 हजार से ज्यादा किसानों का कर्ज माफ

वाराणसी, 7 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के 19 जिलों के 33 हजार से ज्यादा किसानों को नए साल में बड़ी खुशखबरी मिली है। किसानों का 190 करोड़ रुपए कर्ज माफ किया जा रहा है। शनिवार वाराणसी पहुंचे कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने ये घोषणा की। सर्किट हाउस में पत्रकारों से बातचीत में कृषि मंत्री ने कहा कि बकाए बिजली बिल में यूपी के किसानों को अब जेल नहीं भेजा जाएगा।

कार में फंसकर 1 किमी. तक घिसटता रहा

लोग बचाने के लिए पीछे दौड़ते रहे, कार में तोड़फोड़, जलाने की कोशिश की

हरदोई, 7 जनवरी (एजेंसियां)। हरदोई में दिल्ली जैसी घटना हुई है। ट्यूशन पढ़कर लौट रहे साइकिल सवार छात्र का पैर एक कार में फंस गया। ड्राइवर कार रोकने की जगह छात्र को करीब 1 किलोमीटर तक घसीटता ले गया। पीछा कर लोगों ने कार को आगे से घेरकर रोक लिया और ड्राइवर की पिटाई कर दी। कार में तोड़-फोड़ कर जलाने की कोशिश की।

घटना कोतवाली शहर इलाके में शुक्रवार शाम करीब 5 बजे की है। दरअसल, सीडीओ आवास के पीछे स्थित मोहल्ला झबरा पुरवा में रहने वाला केतन (16) अपने साथी अंश और कुणाल के साथ अलग-अलग साइकिल से कोचिंग जा रहा था। ये तीनों छात्र सोल्जर बोर्ड चौराहे पर पहुंचे थे। तभी नघेटा रोड की ओर से तेज रफ्तार में आ रही वैगरआर कार ने केतन की साइकिल में टक्कर मार दी। इससे केतन का पैर कार में फंस गया। यह देखकर साथी कुणाल और अंश ने शोर मचाया। इससे कार ड्राइवर जितेंद्र निवासी मढ़िया शुक्ला ने कार को की स्पीड और तेज कर दी। इसके चलते कार छात्र को घसीटते घंटाघर मार्ग से होते हुए अशरफ टोला वाली गली से सिनेमा रोड पर पहुंच गई। वहीं पास में पुलिस पिकेट भी थी। यह देख दो सिपाहियों ने कार के पीछे दौड़ लगा दी। इसी बीच सिनेमा रोड पर मुख्य बाजार में कार जाम में फंस गई। इसके बाद भीड़ ने पहले तो फंसे हुए छात्र को बाहर निकाला। उसे मेडिकल कॉलेज भिजवाया। इसके बाद ड्राइवर की जमकर पिटाई कर दी। भीड़ इतने में ही नहीं मानी, उसने कार के शीशे तोड़ दिए। गाड़ी को पलट दिया और फूंकने की कोशिश की।

चोरी में बंद बेटे से मिलने नकली पिस्टल और असली कारतूस लेकर पहुंचा पिता गिरफ्तार

मुजफ्फरपुर, 7 जनवरी (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर के सिकंदरपुर स्थित पर्यवेक्षण गृह मे बाइक चोरी के आरोप मे बंद बेटे से मिलने उसका पिता आया। मिलने से पहले जब वहां मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने उसकी तलाशी ली तो उस पिता के पास से एक पिस्टल और एक कारतूस बरामद हुआ। कट्टा और गोली मिलते ही वहां अफरातफरी का माहौल बन गया। आनन- फानन में सुरक्षाकर्मियों ने उसे पकड़ लिया। फिर, इस बात की जानकारी उनलोगों ने पर्यवेक्षण गृह के अधीक्षक के साथ साथ सिकंदरपुर ओपी को भी दी गई। सूचना मिलते ही सिकंदरपुर ओपी पुलिस मौके पर पहुंचकर हथियार की जांच की। जांच के दौरान पिस्टल की तरह दिखने वाला एक लाइटर निकला लेकिन कारतूस असली था।

हालांकि, पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान सिवाईपट्टी थाना क्षेत्र इलाके के सुनील सिंह के रूप मे की गयी है।

नक्सल प्रभावित इलाके से निकले खिलाड़ी

गया, 7 जनवरी (एजेंसियां)। जिले के नक्सल प्रभावित इमामगंज प्रखंड क्षेत्र से अब नक्सली नहीं, बल्कि खिलाड़ी उभर कर सामने लगे हैं। खिलाड़ी ऐसे वैसे नहीं बल्कि जिले के लेकर राज्य और फिर विदेश में नाम रोशन करने वाले। एक समय ऐसा था, जहां नक्सलियों की बंदूकें गरजतीं थी और लाल सलाम की गूंजें सुनाई देती थीं। लेकिन समय अब बदल रहा है। अब यहां के बच्चे शिक्षा के साथ-साथ खेल-कूद में भी दमखम दिखाने लगे हैं। कुश्ती प्रतियोगिता और अन्य खेलों से जुड़ कर विदेशों में अपने देश का लोहा मनवा रहे हैं। गोल्ड मेडल विजेता बन रहे हैं। पहलवान अविनाश कुमार और आयुष पांडे अपनी पहलवानी से कई लोगों को धूल चटा चुके हैं। अब वे दोनों अपनी पहलवानी का जौहार नेपाल में दिखाएंगे। आयुष पांडे को 80 किलो का भार वर्ग में, तो अविनाश कुमार का 65 किलो का भार वर्ग में चयन हुआ है। यही नहीं नेपाल में होने वाली कबड्डी प्रतियोगिता में भी प्रखंड के सात खिलाड़ी जा रहे हैं।

कबड्डी के लिए सत्यम कुमार, आशीष कुमार, ऋषभ कुमार, अनुराग सोलंकी, पीयूष कुमार, आशीष कुमार और ध्रूव कुमार का चयन हुआ है। वही चयनित सभी प्रतिभागियों को इमामगंज से सुरक्षित वाहन द्वारा नेपाल के लिए रवाना किया गया हैं।

मंत्री फौजा सिंह सरारी ने निजी कारणों से दिया इस्तीफा

चंडीगढ़, 7 जनवरी (एजेंसियां)। पंजाब के मंत्री फौजा सिंह सरारी ने अपने निजी कारण बताते हुए इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने कहा कि मैं पार्टी का वफादार सिपाही हूं और रहूंगा। अब पंजाब के कैबिनेट में बड़े फेरबदल की संभावना है। कई मंत्रियों के विभाग बदले जा सकते हैं और नए चेहरों को मौका मिल सकता है। शनिवार शाम पांच बजे से पहले राज्यपाल निवास में एक सादे प्रोग्राम में नए मंत्री को शपथ दिलाई जा सकती है। सूत्रों के हवाले से माइनिंग और जेल विभाग मंत्रालय मीत हेयर को दिया जा सकता है। हरजोत बैंस को बदला जा सकता है। अनमोल गगन मान के विभाग बदलने की भी चर्चा है।

अलर्ट: गणतंत्र दिवस पर पंजाब व जम्मू में हमले की फिराक में जैश आतंकी

एलओसी के नजदीक बंकरों में जमाया डेरा

जम्मू, 7 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान का आतंकी संगठन जैश ए मोहम्मद गणतंत्र दिवस पर बड़ी आतंकी साजिश रच रहा है। जम्मू कश्मीर और पंजाब में बड़ा हमला करने की फिराक में है। इसके लिए पंजाब और सांबा व कठुआ बॉर्डर के नजदीक आतंकियों ने डेरा जमा लिया है। जो धुंध और खराब मौसम का लाभ उठाकर बॉर्डर से घुसपैठ करने की कोशिश में हैं, क्योंकि इस समय कश्मीर में एलओसी पर बर्फबारी की वजह से घुसपैठ के रूट बंद हो गए हैं। इसलिए आतंकियों के लिए घुसपैठ करने का सबसे मुफीद रास्ता पंजाब बॉर्डर और जम्मू संभाग का कठुआ एवं सांबा बॉर्डर है। यहां से पहले भी घुसपैठ हो चुकी है। सूत्रों का कहना है कि सांबा और कठुआ बॉर्डर के उस पार 7 जगहों पर जैश ए मोहम्मद के 3 से 4 आतंकियों के प्रशिक्षित दल घुसपैठ की फिराक में बैठे हुए हैं। यह आतंकी सीमा के नजदीक पाकिस्तानी रेंजरों के बंकरों में मौजूद हैं। कुछ आतंकी बॉर्डर से सटी मस्जिदों और गांवों में मौजूद हैं, जिन्हें पाकिस्तानी रेंजर और पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के लोग पूरी मदद कर रहे हैं। गणतंत्र दिवस तक हर हाल में आतंकियों को घुसपैठ कर बड़ा हमला करने का आईएसआई की ओर से दबाव बनाया गया है।

पंजाब को पहले भी दहला चुका जैश

पठानकोट एयरबेस पर जैश ए मोहम्मद के आतंकी पहले भी हमला कर चुके हैं, जबकि गुरदासपुर के दीनानगर पुलिस स्टेशन पर भी हमला हो चुका है। पंजाब में एक अन्य बड़ा हमला भी जैश ए मोहम्मद द्वारा किया गया है।

जम्मू में भी बड़े हमलों के पीछे जैश

जम्मू के सुंजवां सैन्य कैंप, सुंजवां पुलिस एवं सीआईएसएफ संयुक्त नाके, नगरोटा सैन्य कैंप, बन टोल प्लाजा, झज्जर कोटली और कश्मीर में पुलवामा जैसा बड़ा हमला जैश ए मोहम्मद द्वारा किया जा चुका है। इन सभी हमलों के पीछे जैश के पाकिस्तानी आतंकी ही थे।

राजोरी नरसंहार के बाद सतर्क

कुछ ही दिन पहले आतंकियों ने राजोरी जिले के ढांगरी में 6 हिंदुओं की हत्या कर दी। इस वारदात के बाद तमाम सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हैं, लेकिन चुनौती गणतंत्र दिवस तक बरकरार है।

पंजाब, जम्मू पुलिस, बीएसएफ, सेना ने बनाया सुरक्षा ग्रिड

सूत्रों का कहना है कि मौजूदा स्थिति को देखते हुए पंजाब पुलिस, जम्मू पुलिस, बीएसएफ और सेना ने मिलकर सुरक्षा ग्रिड तैयार किया है। इसके तहत बॉर्डर से लेकर आंतरिक सुरक्षा को लेकर एक दूसरे के साथ इनपुट सांझा करने पर जोर दिया गया है। खासकर माधोपुर पुलिस नाके और लखनपुर पुलिस नाके के बीच तालमेल पर जोर दिया गया है। यहां दोनों तरफ के आने जाने वाले वाहनों की गहन जांच होगी। इसके अलावा बॉर्डर पर थोड़ी सी भी हलचल होने पर एक दूसरे से संपर्क कर सतर्क किया जाएगा।

एसबीआई का एटीएम तोड़ने का प्रयास

मुंबई हेडक्वार्टर से बजा अलार्म तो सामान छोड़ भागे चोर

फतेहाबाद (हरियाणा), 7 जनवरी (एजेंसियां)। फतेहाबाद के गांव धांगड़ में रात दो चोरों ने एसबीआई का एटीएम तोड़ने का प्रयास किया। बैंक का अलार्म बजने पर चोर डर कर भाग गए, जिस कारण लाखों रुपये की बड़ी चोरी होने से बच गई। एटीएम तोड़ने के लिए आए चोर गैस सिलेंडर व अन्य सामान मौके पर ही छोड़ गए। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार गांव धांगड़ में मोहम्मदपुर रोही रोड पर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की शाखा है, जिसके बाहर एटीएम है। रात करीब 12 बजे दो युवक आए और एटीएम के सीसीटीवी की तार काट गए। इसके बाद करीब पौने 2 बजे फिर युवक गैस कटर और सिलेंडर लेकर एटीएम पहुंचे। जैसे ही उन्होंने एटीएम मशीन तोड़ने और काटने का प्रयास किया, बैंक के मुम्बई हेड क्वार्टर पर इसकी सूचना पहुंच गई। जहां से बैंक मैनेजर को फोन पर सूचना दी गई। बताया जा रहा है कि इसी दौरान एटीएम में भी अलार्म बज गया और चोर मौके पर सामान छोड़ फुर्र हो गए। बैंक मैनेजर की सूचना पर रात को ही पुलिस मौके पर पहुंची और पड़ताल शुरू की। सीसीटीवी में करीब 12 बजे दो युवक आते दिखते हैं, जिसके बाद तार कट हो जाती है। वहीं पता चला है कि पिछले साल भी बैंक के एटीएम में चोरी का प्रयास किया गया था।

सबसे बड़े ऑर्केस्ट्रा बार में से एक सांटाक्रूज स्थित लक्षद्वीप बार पर छापा

69 हिरासत में लिए गए

मुंबई, 7 जनवरी (एजेंसियां)। मुंबई के सबसे बड़े ऑर्केस्ट्रा बार में से एक सांटाक्रूज स्तिथ लक्षद्वीप बार पर रेड मारी गई है। शुक्रवार देर रात प्रवर्तन (एसएस शाखा) ने ये कार्रवाई की है। एसएस शाखा ने पीएस/धाराएं सीआर No 25/23, यू/एस 188, 34 आईपीसीआर /डब्ल्यू 3, 8(1),(2), (4) के तहत होटल, रेस्टोरेंट और बार रूम में अश्लील डांस पर रोक और महिलाओं की गरिमा की सुरक्षा (उनमें कार्यरत) अधिनियम 2016 के तहत धाराएं लगाई हैं। कार्रवाई के दौरान एसएस ब्रांच ने 3,48,670 रुपये नकद, एक लैपटॉप, 01 स्पीकर (करीब-8000 का), 1 एम्पलीफायर (23,000 रुपये का), 1 केबल (500 रुपये), 1 मेमोरी कार्ड कुल राशि 4,05,170 संपत्ति को ज़ब्त किया है।

69 लोगों को हिरासत में लिया गया

वहीं, रेड में कुल 69 आरोपियों को हिरासत में लिया है। (1 कंडक्टर, 2 मैनेजर, 1 कैशियर, 16 स्टीवर्ड/वेटर, 4 ऑर्केस्ट्रा आर्टिस्ट, 44 ग्राहक, 14 पीड़ित लड़कियों को छुड़ाया।) 1 लाइसेंस धारक वांटेड हैं

रात 12,40 पर छापा पड़ा

दरअसल, 6 जनवरी को प्रवर्तन दल को सूचना मिली कि पहले से हिरासत में लिए गए आरोपी एक अवैध आर्केस्ट्रा बार (डांस बार) चला रहे हैं। 7/01/2023 को 00:40 बजे लक्षदीप रेस्टोरेंट एंड बार, गजधर बांध रोड, सांताक्रुज, मुंबई में छापेमारी की गई। ये छापा, एसीपी चंद्रकांत जाधव, एपीआई कनवाडे, पीएसआई कनेरकर और स्टाफ ने मारा।

मोबाइल से सेल्फी ले रहा युवक पहाड़ से गिरा, 200 फीट खाई से जिंदा निकाला

उमरिया, 7 जनवरी (एजेंसियां)। उमरिया में पहाड़ पर सेल्फी लेने की कोशिश कर रहे एक युवक की जान पर बन आई। वह 200 फीट गहरी खाई में गिर गया। वहां मौजूद लोगों ने जैसे-तैसे उसे बचाया और अस्पताल पहुंचाया। अब जिला अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है। उमरिया और अनूपपुर जिले में तुम्मी पहाड़ आता है, जो काफी रमणीक है। दूर-दूर से लोग इस पहाड़ पर घूमने आते हैं यहां का नजारा ही कुछ अलग दिखाई देता है। पहाड़ की चोटी से सेल्फी लेने की कोशिश एक युवक के लिए परेशानी का सबब बन गई। वह 200 फीट गहरी खाई में गिर गया। उस समय और भी लोग मौजूद थे। उन्होंने देखा और उस युवक को खाई से निकाला।

तिरुवनंतपुरम के अस्पताल में एक दिन में पांच अंग प्रत्यारोपण

मरीजों को मिला जीवनदान

तिरुवनंतपुरम, 7 जनवरी (एजेंसियां)। केरल के तिरुवनंतपुरम स्थित मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल में 24 घंटे में पांच मरीजों को जीवनदान मिला। एक ही दिन में पांच अंगों का प्रत्यारोपण किया गया। पांचों सर्जरी को एक साथ अंजाम दिया गया। अंग प्रत्यारोपण सर्जरी तिरुवनंतपुरम के अस्पताल किम्स हेल्थ में हुआ। सर्जरी का समन्वय करने वाले अस्पताल के किडनी रोग विशेषज्ञ डॉ। प्रवीण मुरलीधरन ने बताया कि यह एक टीम वर्क था। इस दौरान लिवर, किडनी व पैनक्रियाज का प्रत्यारोपण किया गया। सरकार ने हमें इनके प्रत्यारोपण की इजाजत दी थी। उसी के अनुरूप सर्जरी की गई। डॉ। मुरलीधरन ने बताया कि बड़ी संख्या में डॉक्टरों, नर्सों और सहायक कर्मचारियों के प्रयासों के साथ-साथ विभिन्न सरकारी एजेंसियों के सहयोग और किम्स अस्पताल प्रशासन की मदद से इस समूची प्रक्रिया को पूरा किया गया। डॉ। मुरलीधरन ने बताया कि एक लड़की की किडनियां व लिवर दोनों खराब थे, इसलिए उसे इन दोनों अंगों की जरूरत थी। 24 साल के एक व्यक्ति से मिला लिवर चूंकि बड़ा था, इसलिए हमने उसके टुकड़े कर के दो मरीजों में प्रत्यारोपित किया। एक टुकड़ा इस लड़की को प्रत्यारोपित किया गया, जिसकी जान आफत में थी। इसलिए एक लिवर से दो मरीजों की जान बचाई गई। इसी तरह दूसरा साझा प्रत्यारोपण पैनक्रियाज और किडनी का था। यह एक पुरुष मरीज का किया गया। सभी मरीज शल्य क्रिया के बाद स्वस्थ हैं। अंग प्रत्यारोपण में 18 से 24 घंटे का वक्त लगा। बता दें, किम्स हेल्थ अस्पताल मूल रूप से ट्रांसप्लांट हास्पिटल है।

झगड़े में साथ न देने की कीमत जिंदगी देकर चुकाई

मफलर से गला घोंट उतार दिया युवक को मौत के घाट

देहरादून, 7 जनवरी (एजेंसियां)। मायाकुंड ऋषिकेश में मिले मृत मिले युवक की हत्या की गई थी। पुलिस ने हत्यारोपी को गिरफ्तार कर लिया है। हत्यारोपी उसे नए साल की पार्टी के बाद दो युवकों से झगड़ा करने के लिए साथ ले जाना चाह रहा था। युवक ने मना किया तो पहले पीटा और फिर मफलर से गला घोंटकर हत्या कर दी। न्यायालय के आदेश पर आरोपी को जेल भेज दिया गया है। एसपी देहात कमलेश उपाध्याय ने बताया कि एक जनवरी को एक युवक अचेत अवस्था में मायाकुंड में पड़ा हुआ था।परिजनों ने उसे अस्पताल पहुंचाया तो वहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

बच्चों से पहले कलेक्टर करेंगे मध्याहन भोजन

गड़बड़ी मिलने पर होगी दंडात्मक कार्रवाई

कटनी, 7 जनवरी (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के कटनी कलेक्टर अवि प्रसाद इन दिनों सुर्खियों में हैं। इसके पीछे की वजह उनके द्वारा जारी किया हुआ एक आदेश है जिसमें उन्होंने मध्याहन भोजन बनाने वाली समिति को पत्र लिखकर निर्देश दिए हैं कि जो मध्याहन भोजन बच्चों को परोसा जाता है, उसे बच्चो से पहले कलेक्टर स्वयं चखेंगे। उनकी गैर-मौजूदगी में जिले के वरिष्ठ अधिकारी उसकी गुणवत्ता की परीक्षण करेंगे। हाल ही में कटनी कलेक्टर अवि प्रसाद माधवनगर के कैरिन लाइन स्थित सरकारी स्कूल के दौरे पर गए थे। जहां बच्चों के साथ सम्मिलित होकर कलेक्टर ने भी मध्याहन भोजन किया था। उस दौरान भोजन की गुणवत्ता शासन की गाइडलाइन के अनुरूप नहीं थी। इससे नाराज होकर कलेक्टर ने आदर्श धार्मिक पारमार्थिक एवं शैक्षणिक सेवा समिति को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया था। जारी नोटिस पर संस्था ने भी गलती मानी और भविष्य में सुधार करने का आश्वासन दिया है। कलेक्टर अवि प्रसाद ने आदेश जारी किया है। मध्याहन भोजन बनाने वाली सभी समितियों को कहा गया है।

हरियाणा के गृह मंत्री को मिली वॉल्वो गाड़ी

गुरुग्राम में हादसे के बाद हुआ मर्सिडीज से मोह भंग; मुख्य सचिव को लिखा था पत्र

अंबाला, 7 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के गृह मंत्री अनिल विज अब वॉल्वो एस90 बी-5 में सफर करेंगे। उन्हें मर्सिडीज की जगह वोल्वो गाड़ी मिली है। गृह मंत्री की मर्सिडीज का गुरुग्राम कुंडली, मानेसर-पलवल (केएमपी) हाईवे पर हादसे में शॉटर टूट गया था, जिसके बाद मर्सिडीज से मोह भंग होने पर गृह मंत्री ने मुख्य सचिव संजीव कौशल को पत्र लिख दूसरी गाड़ी देने की मांग की थी। हालांकि, मर्सिडीज के शॉकर टूटने के मामले में सरकार द्वारा गठित एसआईटी जांच कर रही है।

मंत्री ने ट्वीट करके दी थी जानकारी

गृह मंत्री अनिल विज ने 19 दिसंबर को हुए हादसे की ट्वीट करके जानकारी दी थी। कहा था कि वे इस हादसे में चमत्कारी तरीके से बचे हैं। कार की रफ्तार धीमी होने के कारण वह बाल-बाल गए।

वॉल्वो में क्या-क्या फीचर

वॉल्वो गाड़ी में सुरक्षा को लेकर खास बंदोबस्त है। इसमें एंटी लॉक ब्रेकिंग सिस्टम, ब्रेक असिस्ट, सेंट्रल लॉकिंग, पावर डोर लॉक्स, चाइल्ड सेफ्टी लॉक, एंटी-थेफ्ट अलार्म, एयरबैग की संख्या 7, ड्राइवर एयरबैग, पैसेंजर एयर बैग, साइड एयर बैग, फ्रंटसाइड एयरबैग, रियर डे एंड नाइट रियर व्यू मिरर की सुविधा है। इसके साथ ही गाड़ी में पैसेंजर साइड रियर व्यू मिरर, रियर सीट बेल्ट, सीट बेल्ट वार्निंग, डोर अजार वार्निंग, साइड इंपेक्ट बीम, फ्रंट इंपेक्ट बीम, ट्रैक्शन कंट्रोल, टायर प्रेशर मॉनिटर, व्हीकल स्टेबिलिटी कंट्रोल सिस्टम, इंजन इम्मोबिलाइजर, सेंट्रली माउंटेड फ्यूल टैंक, इंजन चेक वॉर्निंग, ऑटोमेटिक हेडलैंप्स, क्लच लॉकई, बीडी इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी कंट्रोल शामिल है।

बच्चा अपहरण करने के मामले में आंगनबाड़ी और आशा कार्यकर्ता की सेवाएं समाप्त

50 हजार में बेचा था

हरिद्वार, 7 जनवरी (एजेंसियां)। आठ महीने के मासूम के अपहरण की आरोपी गिरफ्तार आंगनबाड़ी और आशा कार्यकर्ता की सेवाएं समाप्त कर दी गई हैं। स्वास्थ्य विभाग और बाल विकास विभाग की ओर से यह कार्रवाई की गई है। दस दिसंबर को ज्वालापुर कोतवाली क्षेत्र के कड़च्छ मोहल्ले से आठ महीने के बच्चे का अपहरण कर लिया गया था। बच्चा लापता होने की सूचना से पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया था। हालांकि, पुलिस की ओर से 11 दिसंबर को बच्चा बरामद कर मामले का खुलासा कर दिया था। बच्चे के अपहरण के मामले में आंगनबाड़ी और आशा कार्यकर्ता का नाम सामने आया था। बच्चे का ढाई लाख में सौदा तय कर लिया था। आशा कार्यकर्ता ने 50 हजार रुपये लेकर निसंतान व्यापारी को सौंप दिया था। इसके बाद हरिद्वार शहर की सीडीपीओ संगीता गोयल की ओर से आरोपी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता को नोटिस जारी किया गया था, पर किसी ने नोटिस रिसीव नहीं किया था। अब अहबाबनगर ज्वालापुर की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता आशा रानी की सेवाएं समाप्त कर दी गई हैं। उधर, प्रभारी सीएमओ डा। आरके सिंह ने बताया कि आशा कार्यकर्ता रुबी की सेवाएं भी समाप्त कर दी गई हैं।

दिल्ली की सभी जेलों में छापेमारी:पिछले 15 दिनों में 117 मोबाइल बरामद

मंडोली जेल के 5 अधिकारी सस्पेंड

नई दिल्ली, 7 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली की तिहाड़, रोहिणी और मंडोली जेल में छापेमारी की कार्रवाई की गई। इस दौरान 117 मोबाइल बरामद किए गए। इसके बाद कारागार विभाग ने मंडोली जेल के पांच अधिकारियों को सस्पेंड कर दिया। डीजी जेल संजय बेनीवाल पहले ही साफ कर चुके हैं कि जेलों में इस तरह की गतिविधियां पाए जाने पर न सिर्फ कैदी, बल्कि संबंधित जेल अधिकारियों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। निलंबित अधिकारियों की पहचान डिप्टी सुपरिनटैंडैंट प्रदीप शर्मा, डिप्टी सुपरिनटैंडैंट धर्मेंद्र मौर्य, असिस्टेंट सुपरिनटैंडैंट सनी चंद्रा, हेड वार्डर लोकेश धामा हेड वार्डर और वार्डर हंसराज मीणा के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, पिछले 15 दिनों से सभी जेलों में तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान जेल कर्मचारियों की ओर से 117 मोबाइल फोन बरामद किए गए। इसके अलावा चाकू, पेन ड्राइव और कुछ केवल भी मिले हैं। डीजी जल संजय बेनीवाल ने सभी जेल अधीक्षकों को निर्देश दिया है कि वे अपनी जेलों में तलाशी दल बनाकर मोबाइल फोन और अन्य प्रतिबंधित चीजों का पता लगाएं। जेल अधिकारियों ने बताया कि डीजी जेल ने निर्देश दिए हैं कि जेलों में प्रतिबंधित चीजों को नियंत्रित करने के लिए आगे भी तलाशी अभियान जारी रहेगा। इससे पहले भी डीजी बेनीवाल ने जेल मुख्यालय में विशेष सतर्कता दल का गठन किया था । इस दल ने 18 दिसंबर, 2022 को तमिलनाडु विशेष पुलिस बल के साथ मिलकर मंडोली जेल में छापामारी की थी।

रोहतक में ज्वेलरी शॉप से 22 ग्राम सोना चोरी

रोहतक, 7 जनवरी (एजेंसियां)। रोहतक के लाखनमाजरा चौक स्थित ज्वेलर्स की दुकान से चोर 22 ग्राम सोना, 1 किलो 710 ग्राम चांदी व 2.30 लाख रुपये नकदी चुरा ले गए। पडोसी ने दुकान के ताले खुले होने की सूचना दी तो घटना का पता लगा। पुलिस मामले की जांच कर रहीं है। पुलिस को दी शिकायत में लाखनमाजरा निवासी मनोज ने कहा है कि उसकी गिरिराज ज्वैलर्स के नाम से महम रोड लाखनमाजरा चौक पर दुकान है।

भगवान से की गई प्रार्थना नहीं हुई पूरी

गुस्साए युवक ने मंदिरों में कर डाली तोड़फोड़, गिरफ्तार

इंदौर, 7 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर में एक व्यक्ति की भगवान से की गई प्रार्थना के बाद जब उसकी इच्छा पूरी नहीं हुई तो वह नाराज हो गया। उसने दो मंदिरों में तोड़फोड़ कर डाली और एक दो मूर्तियों को खंडित कर दिया। मंदिरों में तोड़फोड़ की सूचना से पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया। पुलिस ने इस मामले में प्रारंभिक जांच पड़ताल के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ में आरोपी ने पुलिस को बताया कि उसकी मांगी गई मन्नत पूरी नहीं होने वह नाराज था। इसलिए उसने मंदिरों में तोड़फोड़ की। बहरहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ में जुटी है। इंदौर के एसीपी एसकेएस तोमर ने बताया घटना गुरुवार को इंदौर के छतरीपुरा थाना इलाके और चंदन नगर थाना क्षेत्र में हुई थी। वहां एक के बाद एक दो मंदिरों में तोड़फोड़ किए जाने की सूचना पुलिस को मिली थी। इस पर तत्काल स्थानीय थाना पुलिस मौके पर पहुंची। बाद में

उच्चाधिकारी भी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी को चिन्हित कर लिया। बाद में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। पकड़े गए आरोपी का नाम शुभम कैथवास है। इन घटनाओं के बाद मंदिरों के बाद लोगों का जमावड़ा लग गया और वहां नारेबाजी होने लगी।

आरोपी का रिकॉर्ड को खंगाल रही है पुलिस

आरोपी ने पुलिस को बताया कि उसकी एक आंख खराब है। उसने भगवान से आंख ठीक करने के लिए प्रार्थना की थी। लेकिन जब उसकी प्रार्थना भगवान ने नहीं सुनी तो उसे गुस्सा आ गया। उसके बाद उसने मंदिरों में तोड़फोड़ की घटना को अंजाम दिया। आरोपी के तर्क सुनकर पुलिस भी चकरा गई। पुलिस पकड़े गए आरोपी का रिकॉर्ड को खंगालने में जुटी हुई है।

आसपास के लोगों से भी पूछताछ की जा रही है

पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच में भी पर यही बात सामने आ रही है कि आरोपी ने भगवान से ठीक होने की मन्नत मांगी थी। लेकिन जब काफी दिन हो गए तो उसने नाराजगी व्यक्त करते हुए मंदिरों में रखी भगवान की प्रतिमाओं को तोड़कर नाराजगी व्यक्त की है। फिर भी पुलिस पूरे मामले की सभी एंगल से गंभीरता से जांच कर रही है। आसपास के लोगों से भी पूछताछ की जा रही है।

बड़ी उम्र के व्यक्ति से शादी से इनकार पर मां ने बेटी को जहर देकर मारा

रोहतक, 7 जनवरी (एजेंसियां)। रोहतक के सांपला थाने के गांव बलियाना में एक युवती को जहर देकर मारने का मामला सामने आया है। पिता ने पत्नी, सास और साले के खिलाफ बेटी को मारने का आरोप लगाते हुए केस दर्ज कराया है। सहायक पुलिस अधीक्षक सांपला को दी शिकायत में लाखनमाजरा निवासी अशोक ने कहा है कि उसकी बेटी को जबरन जहर देकर मारा गया है। इसमें सास बेदो, साला संदीप कुमार और पत्नी सुशीला शामिल हैं। उसने बताया कि वर्ष 2004 में सुशीला से शादी के बाद दो बेटियों व एक बेटे का जन्म हुआ। बड़ी बेटी खुशी 17 साल की है। छोटी बेटी 15 साल व सबसे छोटा बेटा 12 साल का दीपक है। पत्नी सुशीला करीब 6 साल पहले अशोक को छोड़ कर बच्चों के साथ मायके चली गई। उसने कभी बच्चों से बात तक नहीं करने दी। घरेलू हिंसा व खर्चे का मुकदमा दर्ज कर दिया।

तेज रफ्तार कार की चपेट में आने से तीन प्रवासी मजदूरों की मौत, कोहरे के कारण हादसा

मुक्तसर (पंजाब), 7 जनवरी (एजेंसियां)। मुक्तसर के गांव भुल्लर के पास सड़क हादसे में तीन प्रवासी मजदूरों की मौत हो गई है। तेज रफ्तार कार ने भुल्लर पैलेस से काम से लौट रहे पांच प्रवासी मजदूरों को चपेट में ले लिया जिसमें से तीन की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि दो अन्य प्रवासी मजदूर व कार चालक सहित उसका साथी भी जख्मी हो गए। जिन्हें अस्पताल में दाखिल कराया गया है। जानकारी के अनुसार मूल रुप से नेपाल के रहने वाले पांच प्रवासी मजदूर शुक्रवार की देर रात गांव भुल्लर के अर्जुन पैलेस से काम से घर लौट रहे थे। बताते हैं कि सभी मजदूर पैलेस में वेटर के तौर पर काम करते हैं और देर रात काम से घर जा रहे थे। ये पांचों लोग पैदल ही मुक्तसर की ओर से गांव भुल्लर के पास नहरों के पास चले जा रहे थे कि बठिंडा की ओर से आ रही एक तेज रफ्तार कार ने कोहरे के कारण इन्हें अपनी चपेट में ले लिया। जिस से मौके पर रोहित आचार्य, दिलहन थापा व संतोष थापा नामक तीन मजदूरों की मौत हो गई। जबकि अन्य दो मजदूर जख्मी हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसा इतना भयावह था कि तेज रफ्तार कार तीनों को कुचलते हुए सड़क किनारे बने एक (कोठे) कमरे को तोड़ते हुए सफेदे के पेड़ से जा टकराई।

366 करोड़ नेटवर्थ के साथ दीपिका पति से आगे

दीपिका वो एक्ट्रेस हैं जिन्हें उनके पिता प्रकाश पादुकोण बैडमिंटन प्लेयर बनाना चाहते थे लेकिन उन्होंने अपना रास्ता खुद चुना और मॉडलिंग में करियर बनाया। 2007 में रिलीज हुई फिल्म ओम शांति ओम में मलाइका अरोड़ा की सलाह पर फराह खान ने उन्हें शाहरुख खान के अपोजिट कास्ट किया। तब से अब तक 15 सालों के करियर में दीपिका ने 37 फिल्मों में काम किया है और वह 52 अवॉर्ड्स अपने नाम कर चुकी हैं। इस समय दीपिका फिल्म पठान के गाने बेशरम रंग में पहनी गई भगवा बिकिनी की वजह से विवादों में हैं। इससे पहले 2018 में फिल्म पद्मावत में रानी पद्मावती के रोल की वजह से उन्हें जान से मारने और नाक काटने की धमकी मिल चुकी है लेकिन इससे उनकी पॉपुलैरिटी पर कोई असर नहीं पड़ा। आज दीपिका की ब्रांड वैल्यू 400 करोड़ की है और वह 366 करोड़ नेटवर्थ के साथ पति रणवीर सिंह से कमाई में भी आगे हैं।

दीपिका की टॉप एक्ट्रेस बनने की कहानी

कॉन्फिडेंस की कमी के चलते बचपन में नहीं बनाए दोस्त

दीपिका पादुकोण को बचपन में दोस्त बनाने में झिझक होती थी। आत्मविश्वास की कमी के चलते उनके बचपन में कोई दोस्त नहीं बन पाए। हालांकि उन्हें मन ही मन एक हॉलीवुड एक्टर से बेहद प्यार था। दीपिका पादुकोण ने एक इंटरव्यू में बताया कि उन्हें हॉलीवुड एक्टर लियोनार्डो डिकैप्रियो पर क्रश था। वो रोज सोने से पहले लियोनार्डो की तस्वीर को किस किया करती थीं।

पिता के दबाव में बैडमिंटन प्रैक्टिस के लिए सुबह 5 बजे उठती थीं दीपिका

दीपिका के पिता प्रकाश पादुकोण इंटरनेशनल बैडमिंटन प्लेयर थे और दादाजी रमेश मैसूर बैडमिंटन एसोसिएशन के सेक्रेटरी थे। ऐसे में प्रकाश चाहते थे कि उनकी बेटी भी बड़ी होकर एक नामी बैडमिंटन प्लेयर बने। दीपिका पिता की बात मानते हुए रोजाना प्रैक्टिस करने लगीं, हालांकि इसमें उनकी रुचि नहीं थी। इस दौरान दीपिका कई नेशनल चैंपियनशिप का हिस्सा रहीं, वहीं कुछ सालों तक इन्होंने बेसबॉल भी खेला।

10वीं में लिया बैडमिंटन छोड़कर मॉडलिंग करने का फैसला

पिता के कहे अनुसार उन्हें रोजाना सुबह 5 बजे उठकर बैडमिंटन प्रैक्टिस पर जाना होता था और उसके बाद स्कूल। स्कूल से आकर दीपिका दोबारा प्रैक्टिस में लग जाती थीं। 10वीं तक आते-आते दीपिका समझ चुकी थीं कि वो बैडमिंटन सिर्फ पिता के दबाव में खेलती हैं और उन्हें इसमें करियर नहीं बनाना है।

मॉडलिंग के लिए छोड़नी पड़ी पढ़ाई

2004 में दीपिका ने मॉडलिंग करनी शुरू की। शुरुआत में दीपिका फैशन स्टाइलिस्ट और कोरियोग्राफर प्रसाद बिड़ापा के साथ मॉडलिंग करती थीं। इसी दौरान उन्होंने सोशियोलॉजी की पढ़ाई के लिए इंदिरा गांधी नेशनल यूनिवर्सिटी में दाखिला लिया, लेकिन जब मॉडलिंग के चलते वो पढ़ाई में ध्यान नहीं दे सकीं तो उन्हें पढ़ाई छोड़नी पड़ी।

साबुन के एड से मिली थी पहचान

लिरिल साबुन के एड में नजर आईं दीपिका पादुकोण को खूब तारीफें और पहचान मिली। साथ ही उन्होंने कई एड फिल्म में काम किया। इन एड की बदौलत दीपिका ने साल 2005 में लैक्मे फैशन वीक में जगह बनाई। डिजाइनर सुनीत वर्मा के लिए रनवे वॉक करने पर दीपिका को मॉडल ऑफ द ईयर का अवॉर्ड मिला था।

किंगफिशर कैलेंडर से मिली पॉपुलैरिटी

2006 में दीपिका को किंगफिशर कैलेंडर के प्रिंट कैंपेन में जगह मिली। पॉपुलर डिजाइनर वैंडेल रॉडरिक ने दीपिका को गंजम जूलरी क्लास में देखा था, जहां उन्होंने दीपिका को अपनी मैट्रिक्स मॉडलिंग एजेंसी से जुड़ने का ऑफर दिया था। मैडरिक ने उन्हें देखकर कहा था- ऐश्वर्या राय के बाद हमें आज तक इतना फ्रेश और खूबसूरत चेहरा नहीं मिला था।

21 साल की उम्र में मुंबई पहुंची थीं दीपिका

लगातार मॉडलिंग प्रोजेक्ट मिलने पर दीपिका बैंगलोर से मुंबई आ गईं। शुरुआत में दीपिका अपनी आंटी के साथ रहती थीं। 21 साल की उम्र में दीपिका पादुकोण को हिमेश रेशमिया ने अपने गाने, नाम है तेरा में जगह दी। ये गाना चार्टबस्टर रहा और दीपिका को देशभर में पहचान मिलने लगी।

कैसे मिली पहली हिंदी फिल्म ओम शांति ओम?

दीपिका के मॉडलिंग मेंटॉर वैंडल रॉड्रिक थे, जो मलाइका अरोड़ा के करीबी दोस्त थे। जब फराह खान फिल्म है प्पी न्यू

ईयर के लिए एक फ्रेश चेहरे की तलाश में थीं तो उन्होंने मलाइका से सुझाव मांगा। जब मलाइका की इस सिलसिले में अपने दोस्त रॉड्रिक से बात हुई तो उन्होंने दीपिका के नाम का सुझाव दिया। मलाइका ने ये नाम फराह खान तक पहुंचाया और बात बन गई।

साल 2006 में जब फराह खान की फिल्म हैप्पी न्यू ईयर बंद होने की कगार पर आई तो उन्होंने दीपिका को ही ओम शांति ओम फिल्म में शाहरुख के साथ कास्ट कर लिया। ये फिल्म दीपिका के लिए बड़ा ब्रेक साबित हुई। रोल की तैयारी के लिए दीपिका ने हेमा मालिनी और हेलन की कई फिल्में देखी थीं। वहीं सालों बाद जब फराह ने हैप्पी न्यू ईयर बनाई तो इसमें उन्होंने दीपिका को ही साइन किया था।

15 साल के करियर में कीं 37 फिल्में

ओम शांति ओम फिल्म के लिए दीपिका को बेस्ट फीमेल डेब्यू फिल्मफेयर अवॉर्ड मिला था, वहीं उन्हें बेस्ट एक्ट्रेस का नॉमिनेशन भी मिला था। फिल्म में दीपिका की आवाज डबिंग आर्टिस्ट मोना घोष शेट्टी ने डब की थी। 2007 से लेकर अब तक दीपिका करीब 37 फिल्मों में नजर आ चुकी हैं और उनके पास पठान, जवान, फाइटर जैसी अपकमिंग बड़ी फिल्में हैं।

विवादों और नाकाम रिश्तों से भी सुर्खियों में रहीं हैं दीपिका

रणबीर कपूर से रिश्ता, टैटू और ब्रेकअप- 2008 में बचना ए हसीनों फिल्म की शूटिंग करते हुए दीपिका पादुकोण रणबीर कपूर के साथ रिलेशन में आ गई थीं। चंद महीनों में ही दीपिका ने रिलेशन पब्लिक कर दिया और अपनी गर्दन पर रणबीर कपूर के नाम पर RK टैटू भी बनवा लिया। एक साल बाद ही रणबीर , कटरीना कैफ के साथ रिलेशन में आ गए और दीपिका ने इस बारे में पता चलते ही उनसे दूरियां बना लीं। कई मौकों पर दीपिका ने रणबीर पर धोखा देने का आरोप लगाया था। सालों बाद ये जवानी है दीवानी की शूटिंग के दौरान दोनों की फिर दोस्ती हो गई।

बोल्ड गाने पर हुआ था केस- 2011 में दीपिका पादुकोण फिल्म दम मारो दम के आइटम सॉन्ग में नजर आईं, जो बेहद बोल्ड था। ये गाना खूब विवादों में रहा था और दीपिका पर न्यूडिटी और भावनाएं आहत करने पर केस भी दर्ज हुआ था।

रामलीला टाइटल विवाद- 2013 की फिल्म गोलियों की रासलीलाः राम-लीला रिलीज से पहले ही विवादों में थी। फिल्म का टाइटल पहले रामलीला रखा गया था। इस टाइटल में बोल्ड लव स्टोरी दिखाए जाने पर हिंदू संगठनों ने इसका खूब विरोध किया। सड़कों पर रैलियां निकाली गईं और फिल्म बैन करने की मांग हुई। विवाद के बीच दीपिका पादुकोण, डायरेक्टर संजय लीला भंसाली और रणवीर सिंह के खिलाफ जालंधर में शिकायत तक दर्ज हुई थी। विवादों से बचने के लिए मेकर्स ने टाइटल रामलीला से बदलकर गोलियों की रासलीलाः राम-लीला कर दिया।

रानी पद्मावती बनने पर मिली थीं नाक काटने और जान से मारने की धमकियां- 2018 की फिल्म पद्मावत में दीपिका ने रानी पद्मावती का किरदार निभाया था। जोधपुर में शूटिंग के दौरान धार्मिक संगठनों ने सेट पर तोड़फोड़ की और शूटिंग करने वालों को जान से मारने की धमकी दी थी। इस दौरान डायरेक्टर संजय लीला भंसाली का चेहरा काला कर उनके साथ मारपीट की गई थी। कारण था फिल्म का टाइटल पद्मावती होना।

मेकर्स को विवादों से बचने के लिए टाइटल पद्मावती से बदलकर पद्मावत करना पड़ा। जैसे ही फिल्म का गाना घूमर रिलीज हुआ तो विवाद और बढ़ गए। गाने में रानी पद्मावती बनीं दीपिका का आदमियों के सामने डांस करना और कमर दिखाना लोगों को बर्दाश्त नहीं हुआ। लिहाजा भीड़ ने सड़कों पर खूब प्रदर्शन किया और एक्ट्रेस को जान से मारने तक की धमकी मिली।

करणी सेना के लोगों ने दीपिका की नाक काटने की भी धमकी दी थी। वहीं ये खबर भी फैलाई गई कि दीपिका की नाक काटने वाले को इनाम मिलेगा। ऐसे में दीपिका को सिक्योरिटी दी गई थी। आखिरकार सेंसरबोर्ड के निर्देश पर एडिटिंग से दीपिका का पेट छिपाया गया।

सोशल वर्क में भी आगे हैं दीपिका

2010 में दीपिका ने महाराष्ट्र का अंबेगांव गोद लिया।

2015 में दीपिका ने अपनी डिप्रेशन जर्नी पब्लिकली शेयर की थी। इसके बाद दीपिका ने इसी साल द लिव लव लाफ फाउंडेशन शुरू किया जो मेंटल हेल्थ की फील्ड में काम करता है।

लिव लव लाफ फाउंडेशन में फंड रेज करने के लिए दीपिका अपने पर्सनल कपड़े और एक्सेसरीज नीलाम करती हैं।

2016 से दीपिका फेसबुक और आसरा ऑर्गेनाइजेशन के साथ मिलकर मल्टीलिंगुअल टूल और एजुकेशनल सोर्स पर काम कर रही हैं, जिससे सुसाइड के बारे में सोचने वालों को सही दिशा दे सकें।

दीपिका इंडियन साइकायट्रिक सोसाइटी की ब्रांड एंबेसेडर भी हैं।

मेंटल हेल्थ अवेयरनेस फैलाने के लिए दीपिका को साल 2020 में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की तरफ से क्रिस्टल अवॉर्ड मिल चुका है।

काव्य कुंज

देश विभाजन का दर्द

कमलेश झा

आजादी के उस उल्लास में
देश ने झेला था बड़ा दंश।
अखण्ड भारत के परिकल्पना में खंड हुआ भारत का अंश।।
कुछ अपनों के दोहरे चरित्र तो कुछ बहसी की मंशा मात्र।
निज स्वार्थ के खातिर अपनों ने देश धर्म पर किया घात।।
लकुटी वाले कि नियत और चाचा का वो सत्ता प्यार।
आर्यावर्त को खंड किया सत्ता सुख के चाहत में आप।।
उस जिन्ना के जीन के अंदर बैठा था एक शैतान।
टोपी दाढ़ी के चक्कर मे बाँट दिया उसने हिदुस्तान।।
कुछ बहसी उसके साथ खड़े थे गीदड़ भावकी को लिए हाथ।
अपने भी कुछ जालिम नही चुपके चुपके दे रहे थे साथ।।
खंड हुआ अखंड का सपना चूर हुआ भरत का ख्वाब।
इतने सालों बाद आज भी साल रहा दिया वो घाव ।।
घाव दिया जो सीने पर कुरेद रहा है बारंबार।
कभी गोल तो कभी घुसपैठ कर दगा दे रहा बारंबार।।
कुछ साँप बैठा है आस्तीन में सपोले चक्कर काटे चारो ओर।
अब इसको ढूंढ ढूंढ कर फन मर्दन की जरूरत हीं और।।
कदम उठे अब कदम ताल संग मर्दन हो बहसी का ख्वाब।
एकल और अखण्ड भारत का सपना फिर से हो अब साकार।।

अंतर्मन को संवारते जा

-डॉ. माधवी बोरसे!
रावतभाटा कोटा

जाने वाले को बार-बार रोका नहीं करते,
अकेले जीने से डरा नहीं करते,
टूट गया जो बर्तन टूटना था,
टूटे हुए बर्तन को भरा नहीं करते।
जाने दो जो आपका है नहीं,
वक्त पर मिलेगा जो आपके लिए है सही,
माना बहुत वक्त निकल चुका है,
पर विश्वास बाकी अभी हे कहीं।
क्यों किसी की राह को रोके हम,
क्यों समझे खुद को कम,
हर चीज बस में होती नहीं,
क्यों रखना किसी बात का वहम।
खुद को समझने में वक्त तो लगता है,
अपनों से जुदा होने का दर्द
कोई अपना समझता है,
धैर्य के साथ स्वयं का धीरज बांधों
किसी भी दर्द को जाने में
थोड़ा वक्त तो लगता है।
तू निडर बन, तू लहर बन,
आगे बढ़ और गदर बन,
अपनी लड़ाई कभी-कभी होती है खुद से,
अपनी कमजोरियों को हटाकर
एक नया सफर बन।
जीवन में आना जाना लगा रहता है,
हर वक्त तुमसे बस यही कहता है,
आगे बढ़ तू चलता जा,अपनी कमजोरियों को हटाकर
सवरता जा, अपनी कमजोरियों को हटाकर
सवरता जा।

"अलविदा"

हेमंत सुराना

कुछ सपने पूरे हुए,
कुछ अधूरे रह गए
किसी से मिला दिया,
किसी से जुदा किया
कई यादें बिखेर कर,
यह साल भी चला गया
खामोशी से अलविदा कहा,
शोर दिल में कर गया
माना की साल का अंत हुआ,
नई सुबह का जन्म हुआ
नव वर्ष, नई पहल,
नया सवेरा, नई उमंग
नई चेतना, नई आभा,
स्वागत है नववर्ष तुम्हारा
कर पाए सपनों को सच
रंग नया, रूप नया

अनसुलझी जो रही पहेली,
उसको भी तुम सुलझा लेना
चलता रहेगा यू जिंदगी का कारवाँ
उदास लम्हों को भूल तुम जाना,
उदास लम्हों को भूल तुम जाना ।

संस्कृति

टी तारासिंह
हैदराबाद

हमारी संस्कृति हमारी सभ्यता
हम सबके कण कण में बसी है
हमारे देश का रहन सहन सादगी पूर्ण
हम सबके दिलों को जोडते प्रित बढाते
गौ गंगा जल है देश के हिन्दूत्व का प्रतिक
गीता गायत्री मंत्र सनातन धर्म का धर्म मंत्र
ना चाहे सोना ना मांगे चांदी कोई आभूषण
चाहे बस सुबह करे गौ माता की पूजा
खिलाये हरी घास ओर रोटी तत्पश्चात
फिर पिये गंगा जल श्रध्दा से
ये अमृत है रोगो का निवारण करती
हिन्दूत्व मे है भाईचार्या ओर एकता
सब मिलझुल कर मनाते अपने त्योहार
करे गरिबों की मदद बूढो की सेवा
सब धर्मों से बड़ा है मानव धर्म
हमें सिखाये एक दूसरे की सहायता करते रहे ।।

सबक

डॉ. डी. डी. डी.
देसाई

शमशान घाट पड़े हैं घायल.. बेसुध..
हर मोहल्ले में हो हल्ला मचा हैं।
न जाने कौन कहाँ से धावा बोल दे,
अपनों की खाल में भेड़िये छिपे हैं।
इनको तुम सबक सीखा दे हे जिंदगी।
आसमान की आजादी हैं सपना जिनका,
बेड़ियों में कैद परिंदे मिलेंगे।
घर से बाहर निकली बहन बेटियाँ,
ताक में बैठे दरिंदे मिलेंगे।
इन को सबक सीखा दे हे जिंदगी।
किसी घर की बिटिया राणी,
ससुराल में जा के तरसती मिलेंगी।
क्रोध.... हवस...लालच के चुल्हों में,
जिन्दा बहुएँ धधकती मिलेंगी।
इन को तुम सबक सीखा दे हे जिंदगी।
माता पिता ने की देखभाल जिनकी,
उन्ही को बेदखल करते कपूत मिलेंगे।
ताउम्र मशकत कर आशियाना बनाया जिसने,
उन्ही को आश्रम में धकेलते संतान मिलेंगे।
इन को तुम सबक सीखना हे जिंदगी।

चंदा मेरा गोल-गोल...

ओमकार सर्डिवाल

चंदा मेरा गोल-गोल,
संग मेरे चलता वो।
मेरे भीतर जाने पर खड़ा रहता,
बहार आने पर हस्ता वो।।
चंदा मेरा गोल-गोल,
जब मैं उस तक जाऊंगा।
उस के संग बातें करूंगा, मां को संग ले जाऊंगा।।
चंदा मेरा गोल-गोल, घूमने फिरने जाएंगे।
तारों को चुन-चुन लाएंगे, मां की गोदी में डालेंगे।।
चंदा मेरा गोल-गोल, सारी रात रहता वो।
लाइट मैं लगाऊंगा, चंदा के भय को भगा ऊंगा।।
चंदा मेरा गोल-गोल, ठंडी-ठंडी हवा को सहेता वो।
जब बाजार मैं जाऊंगा, उसके लिए भी स्वेटर लाऊंगा।
चंदा मेरा गोल-गोल, पैयां-पैयां चलता वो।
मेरी साइकिल ले जाएगा, सफर अपना पूरा करेगा।।
चंदा मेरा गोल-गोल, मेरे घर भी आएगा।
मेरे संग दूध रोटी खाएगा, मां की लोरी सुनेगा।।

कैदी - जीवन

कल मैं स्वतंत्र था खुले आकाश में
खूब दौड लगाता, अपने साथियों संग
हंसता - मुस्कुराता, मधुर गीत गाता था ।

बच्चे मेरी बोली को
कान लगाकर सुनते
बडे भी मुझे देखने को
आकाश की ओर ताकते थे ।
अब तो वे यादें मेरा सहारा है
इस कैद में ही मेरा गुजारा है ।
स्वतंत्रता में सुख है
पराधीनता में दुख ही दुख है
यह मैं समझ पाया हूं ।
खुद के स्वार्थ में, मानव ने मुझे बंदी बनाया है
एक बेसहारा प्राणी पर जुल्म ढाया है ।

गजानन पाण्डेय

कृष्ण कन्हैया

रेणुका अग्रवाल

माँ की गोद से झूले में आये।
कान्हा सबसे लाड़ लड़ाये।
गुडलियाँ चलते मिट्टी खाये।
मुँह भीतर ब्रह्माण्ड दिखाये।
पांच बरस के हुए जब कृष्ण।
गिरी गोवर्धन ऊँगली पे उठाये।
इंद्र का अहँकार यूँ तोड़ दिया, जैसे सिंह हिरण को खाये।
सात दिन गोवर्धन थामे रखा।
सबके सँग ख़ुदको भूखा रखा।
दिवाली के दूसरे दिन हम सब।
इसलिये छप्पन भोग लगाये।
बड़े हुए तो प्रेम पाठ पढ़ाये। राधा सँग प्रेम किया।
तब प्यार का मर्म समझाये। गोपियों को भी प्रेम सिखाये।
रोज़ गायों को चारा खिलाकर।
कदम्ब तले माखन खाये।
सुदामा श्रीदामा सब मित्रों के संग,
शाम को कृष्ण लौट घर को आये।
नित नई नई लीला कर के।
योगेश्वर नटखट कहलाये।
कालयवन के यूद्ध से भागे।
तब रणछोड़ भी कहलाये।
धर्म का साथ देते हरदम।
पांडवों को युद्ध जिताये।
हस्तिनापुर दिला पांडव को।
राजसूय यज्ञ कराये।
बने द्वारकाधीश अपने बलपर।
फ़िर द्वारकाधीश कहलाये।
राधा नज़र नहीं आती मन्दिर में,
ये कैसा कृष्ण मंदिर कहलाये।

हस्ताक्षर ईश्वर के

गीता अग्रवाल
हैदराबाद

हमें ईश्वर ने हस्ताक्षर
कर भेज दिया संसार में।
जीवन में जो भरना चाहो
भर दो अपने विचार से।।
जन्म बाद परवरिश का होता तो है असर,
और हर रोज नया पाठ सिखाती हर सहर,
बस विवेक से अंतर्मन की सुननी है बात
संस्कारों से सुशोभित बढ़ता रहे जीवन सफर।
अनमोल जीवन भर दो अनुपम संस्कार से।
हमें ईश्वर ने हस्ताक्षर कर भेज दिया संसार में।।
यह प्यारी दुनिया ईश्वर ने बड़े प्रेम से बनाई है,
इस दुनिया में हर इंसान की अपनी अलग कमाई है,
कोई प्रेम से सरोबार कोई रखे नफरत दीवार
सबने अपनी सोच अपनी करणी से दुनिया सजाई है।
दिव्य आत्मा भौतिक देह मन भर दो प्यार से।
हमें ईश्वर ने हस्ताक्षर कर भेज दिया संसार में।।
परीक्षा बिन न चले जीवन परीक्षा तो देनी है,
दुआओं से भरा रहे जीवन दुआएं भी लेनी है,
ठोकर भी लगेगी गिर कर उठेंगे भी कभी
अपने कर्मों को सुंदर सजग गति भी देनी है।
कर्मो से हो बस मतलब न कि जीत हार से।
ईश्वर ने हस्ताक्षर कर भेज दिया संसार में ।।

न जाने क्योंकर...

गरीब को कागज़ पर उतार अमीर बन.. हैं लोग
स्तब्ध,दर्द नहीं दर्द की तस्वीर खरीद लेते हैं लोग
क्या करें, किधर जाएं,थक गया,बस और नहीं

दर्शन सिंह
हैदराबाद

हास्यास्पद, ईमान को
दांव पर लगा देते हैं लोग
है भिज्ञ, चार दिन की
जिंदगी फिर अंधेरी रात
तथाकथित
दीन ए इलाही स्वयं.. घोषित.. लोग
समझता समझाता है,हूँ वीर परमवीर महावीर
छोटी लकीर सामने बड़ी लकीर खींच देते..लोग
यह भी मेरा वह भी मेरा जो दिखे सब मेरा
साम दाम दंड...,जीवित मज़ार बना देते..लोग
है तो वाकिफ सिकन्दर की कहानियों से
जुबां हर इक खामोश कर देना चाहते हैं लोग
चिंतन,कले आवे नानका सदे उठ जाए रे बंधु
फिर भी सितारों से आशियाना सजाते हैं लोग
धर्मराय जब लेखा मांगे क्या मुख लेकर जाएगा
न जाने क्योंकर दहशत,नफ़रत फैलाते हैं लोग
जिधर देखो सांप सीढ़ी विद्यालय खुले मिलेंगे
सभ्यता संस्कृति मूल्य जैसे..भुला बैठे हैं लोग।।

हम जिए जा रहे थे, वो मरे जा रहे थे

डॉ. शंकर सुवन सिंह

हम जिए जा रहे थे,
वो मरे जा रहे थे।
वो अपना काम किये जा रहे थे,
हम अपना काम कर रहे थे।।
वक़्त की आँधियों ने
बदला रुख हवाओं का।
अब वो अपना काम कर रहे थे
और हम अपना काम किये जा रहे थे।।
मैंने बतला दिया उन्हें कि
मैं मर भी गया तो मिटूँगा नहीं।
और मान लो मिट भी गया तो मरूंगा नहीं ।।
हम जिए जा रहे थे और वो मरे जा रहे थे।।

फिर से कोरोना को हराना होगा

कुमुद बाला,
हैदराबाद

फिर से आ गया , ज़िद्दी कोरोना
विश्व में पसार रहा , अपने पैर
धीरे - धीरे और चुपके - चुपके
लोगों को डरा , अपनी आहट से
कोरोना को हराकर ,
विश्वास का दीप जलाना होगा
नयी सोच , अनुभव से ,
शाखों पे फूल खिलाना होगा
आओ जुट जाँय मिलकर दंभी दुश्मन को हराना होगा
कभी प्रकृति स्तब्ध कभी व्योम निःशब्द
धरती पर हाहाकार प्रतिबद्ध
आँसू , आहें , कातर निगाहें
मनुष्यता विवश अब हुई करबद्ध
इस भयावह मातम पर से,अब पर्दा गिराना होगा
आओ जुट जाँय मिलकर दंभी दुश्मन को हराना होगा
जलती चिताएँ और सियासत
हम कर तो लें पहले हिफाज़त
हर श्वास पर पूरा हक़ अपना
दूर रहे बाजों की अदावत
अदृश्य है रावण तो क्या कर हुँकार तीर चलाना होगा
बुझती साँसों के जीवन को आज हमें बचाना होगा
आओ जुट जाँय मिलकर दंभी दुश्मन को हराना होगा
सियासत छोड़ राजनीति छोड़
मर रही मनुष्यता नाता जोड़
नफ़रत की चदरिया हटा देख
कबीर बन,न कोई रिश्ता तोड़
बीज प्रेम के चुन इंसानियत के अंकुर उगाना होगा
घर-घर बगिया सूख रही तुलसी पे जल चढ़ाना होगा
आओ जुट जाँय मिलकर दंभी दुश्मन को हराना होगा
है विचलित मन धधकती चिताएँ
रक्त की बूँदें बन गयीं शिलाएँ
अब उखड़ गयीं धरती की साँसें
रे मूढ़ समझ समय की शिराएँ
अग्निज्वाल के तांडव पर विश्वास का दीप जलाना होगा
नयी सोच , अनुभव से शाखों पे फूल खिलाना होगा

आओ जुट जाँय मिलकर दंभी दुश्मन को हराना होगा

जिंदगी के लम्हे

डॉ टी महादेव राव

नया ढूंढने जब निकला सारा कुछ पुराना लगा
खुद के भीतर झांका थोड़ा कुछ अनजाना लगा
जिंदगी का फलसफा कुछ समझ में आता मगर
गुजर रहा था जिस रास्ते पे जाना पहचाना लगा
याद हैं दोस्तों की यारियां दुश्मनों की मक्कारियां
रिश्तों की तीमारदारियों का नया अफसाना लगा
किन किन लम्हों का गुनाह था वक्त ने बयां किया
सच बोलता हर शक्स जहां को क्यों दीवाना लगा
अजीबो गरीब हैं माने इस खामोशी औ सन्नाटे के
परेशान चुप सा इंसान हालातों का निशाना लगा।।

अपना नया जहाँ बसाऊंगी

लवली आनंद,
बिहार

मैं अपना स्वाभिमान
नही खोना चाहूँगी
न अपनी स्वतंत्रता
पर अंकुश लगाऊंगी।
बेड़ियों से जकड़ी पिजड़े को भी
अब तोड़ कर उड़ जाउंगी ।
अब ना सीता बन अग्नि
परीक्षा देना चाहूँगी
ना गंगा बन तुम्हारी
पापो का बोझ उठाऊंगी।
गिर कर उठना उठ कर अब दौड़ना चाहूँगी
पंख लगा कर निल गगन में मिलो तक उड़ जाऊंगी।
छोर चूल्हा चौका घर का कलमों की बाण चलाना चाहूँगी
कागजो को रॉकेट बना कर अंतरिक्ष में विचर जाऊंगी।
इन्द्रधनुष से रंग चुरा कर अपने दामन को सजाना चाहूँगी
बादलो का काजल बना अपनी नजर उतारूंगी।
लाख कोशिश कर लो मैं पिजरबन्ध न होना चाहूँगी
मुट्ठी भर ही उम्मीद से अपना नया जहाँ
बसाउंगी।।

चूहे

डॉ. संतोष पटेल
नई दिल्ली

घर में छुपे होते हैं चूहे
बना कर बिल जगह जगह
देखते ही खतरा घुस जाते हैं इस बिल में
उनका घरों में रहना ठीक नहीं
क्योंकि बीमारियों के बनते हैं वे कारण ।
काले चूहे, भूरे चूहे , कांटे वाले चूहे
जंगली चूहे, घरेलू चूहे, झाऊ चूहे
सफेद चूहे, विलायती चूहे, बुलडॉग चूहे
इधर पाएं जाने वाले चूहों में हैं एक विशेष प्रजाति
उसको कहते हैं नॉन सेंस चूहे।
भारत त्रस्त हैं यूरेशिया के चूहों से
संस्कृत में भले कहते हैं उनको मूषक
पर इनका काम ही है छेद करना
जहां रहना खाना वहीं छेद करना
जान पर आए तो बिल में दुबक जाना
है इनकी सबसे बड़ी कलाकारी।
जरूरी हैं ऐसे चूहों की पहचान करना
क्योंकि ये हैं हर तरह के संक्रमण के वाहक
सामाजिक, राजनीतिक या हो शारीरिक
इन चूहों का खात्मा करेगा
अनेकानेक बीमारियों का अंत
ताकि स्थापित हो सके इंसानियत निडरता से।

स्वतंत्र वार्ता
काव्य कुंज ब्लॉग
AGA, Publications, Ltd,
396, Lower Tankbund,
Hyderabad-500080

स्वतंत्र वार्ता साप्ताहिकी
हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम

दुनिया में जलीकट्टू से भी ज्यादा खतरनाक खेल

बैल नहीं, मगरमच्छ से लड़ते हैं कुश्ती, पैंट के अंदर रखते हैं चूहे से पैने दांतों वाला फेरेट

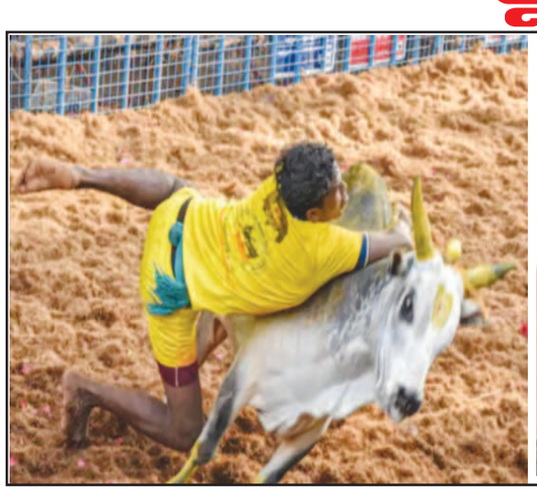

जलीकटटू का नाम तो आप सबने सुना है। तमिलनाडु में जान दांव पर लगाकर बैल को पकड़ने के लिए उमड़ने वाली भीड़ का शोर सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच चुका है। लेकिन जलीकटटू अकेला ऐसा इवेंट नहीं है जहां आस्था और रोमांच की हद जानलेवा तक हो जाती है। कभी आप पर किसी ने जलता पटाखा फेंका है? या फिर कभी आपने जलती गेंद से फुटबॉल खेला है, या कभी मगरमच्छ से कुश्ती लड़ी है?

ये ऐसे खेल हैं जो दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में परंपरा का हिस्सा बन चुके हैं। इन खतरनाक खेलों में हर साल कई लोग घायल होते हैं। इनमें से कई खेलों को रोकने के लिए आवाज भी उठ चुकी है, लेकिन परंपरा के नाम पर ये अब तक जारी हैं।

कौन से हैं वो खेल जो परंपरा के नाम पर खतरे की हद पार कर जाते हैं। कौन सी हैं वो परंपराएं जो इतने खतरनाक खेलों को जन्म देती हैं। आज यही जानते हैं। मध्य प्रदेश के खतरनाक पारंपरिक खेल हिंगोट की कहानी

हिंगोट युद्ध: देसी फल से बने पटाखे जलाकर एक-दूसरे पर फेंकते हैं लोग

मध्य प्रदेश के इंदौर के करीब गौतमपुरा और रुणजी गांवों में हिंगोट युद्ध नाम का खेल होता है। दीपावली के आस-पास होने वाले इस त्योहार में लोग हिंगोट नाम के फल को खोखला कर उसमें बारूद भरते हैं और एक लकड़ी लगा इसे रॉकेट जैसी शक्ल देते हैं। फिर इसे जलाकर एक-दूसरे पर फेंकते हैं। कभी मुगलों और मराठों के युद्ध में थे ये हथियार अब दो गांव निभाते हैं युद्ध की परंपरा।

स्थानीय लोगों के मुताबिक हिंगोट युद्ध की परंपरा 200 साल से भी ज्यादा पुरानी है। मान्यता है कि किसी जमाने में जब मुगल सेना मराठाओं की जमीन पर कब्जा करने लगी थी तो मराठाओं ने गोरिल्ला युद्ध में हिंगोट के फलों में बारूद भरकर बम की तरह इस्तेमाल किया था। आज गौतमपुरा और रुणजी गांव इस खेल में एक दूसरे से युद्ध करते हैं। दोनों तरफ की टीमें एक दूसरे पर हिंगोट से बने रॉकेट और बम फेंकती हैं और ढालों से खुद को बचाती हैं। हर साल इस खेल में दोनों टीमों के कई लोग घायल भी होते हैं। खतरनाक होने की वजह से इसे बंद करने की मांग भी उठती रही है, मगर संस्कृति का हिस्सा बताते हुए ये दोनों ही गांव इसे जारी रखे हुए हैं।

दुनिया के अनूठे और खतरनाक खेल

फ्लेमिंग बॉल्स: मध्य अमेरिका के देश ग्वाटेमाला की राजधानी ग्वाटेमाला सिटी से करीब 200 किमी. दूर बसे सैन क्रिस्टोबल वेरापाज शहर में एक अनूठा खेल खेला जाता है। हर साल 8 दिसंबर को मनाए जाने वाले एक त्योहार के दौरान लोग कपड़े की गेंद बनाकर उसे केरोसिन से भिगोते हैं। फिर इसे जलाकर ये जलती हुई गेंदें एक-दूसरे पर फेंकते हैं। ये त्योहार सैन क्रिस्टोबल वेरापाज के पोकोमची मायन में सबसे बड़े पैमाने पर मनाया जाता है। हर साल 8 दिसंबर को इस इलाके को पुलिस बैरिकेड्स से घेर देती है ताकि कोई गाड़ी अंदर न जा पाए। इन जलती हुई गेंदों की वजह से गाड़ियों के आग पकड़ने की घटनाएं आम हैं। मदर मेरी के पापों से मुक्ति के पहले समारोह से शुरू हुई थी परंपरा। साई मान्यताओं के मुताबिक ईसा मसीह की मां यानी मदर मेरी सभी तरह के पापों यानी ओरिजिनल सिन्स से मुक्त थीं। उनके इन पापों से मुक्ति को इमैक्युलेट कंसेप्शन कहा जाता है। इसी को याद करने के लिए 8 दिसंबर को जुलूस निकाले जाते हैं।

सैन क्रिस्टोबल वेरापाज में ये मान्यता है कि इस जुलूस के आगे चलने वाले रास्ते से बुरी आत्माओं को मिटाने के लिए आग के गोले फेंकते हैं। इसी परंपरा ने अब कपड़े की जलती हुई गेंदों का रूप ले लिया है। ये खेल इतना खतरनाक है कि खुद यहां की म्युनिसिपल अथॉरिटी ने इसे बंद करवाने की कोशिश की है, लेकिन धार्मिक मान्यताओं के चलते लोग इसे बंद नहीं करते हैं।

फायरबॉल फुटबॉल: फीफा वर्ल्ड कप का मजा तो आप सबने लिया होगा, लेकिन क्या आपने कभी जलती हुई गेंद से फुटबॉल खेला है। इंडोनेशिया में एक ऐसा ही खेल होता है। इस खेल में नारियल को केरोसिन में भिगोया जाता है और फिर इसमें आग लगा दी जाती है। इस जलते हुए नारियल से फुटबॉल खेला जाता है। खास बात ये है कि ये खेल नंगे पैर खेला जाता है। यहां तक कि गोलकीपर भी बिना ग्लव्स के नंगे हाथों से ही गेंद रोकता है। मार्शल आर्ट से उपजा ये खेलआग से बचने के लिए नमक इस्तेमाल करते हैं प्लेयर। इंडोनेशिया, ब्रुनेई समेत पूरे दक्षिण-पूर्व एशिया में सिलट मार्शल आर्ट सिखाया जाता है। यह मार्शल आर्ट खिलाड़ी की फुर्ती पर बहुत ज्यादा जोर देता है। फुर्ती दिखाने के तरीके के तौर पर ही छोटी गेंद को हाई किक्स से रोकने और मारने की परंपरा शुरू हुई थी। इससे कई तरह के खेल निकले। एशियन गेम्स में शामिल किया गया दक्षिण-पूर्व एशिया का खेल सेपक टकरा (फुट वॉलीबॉल) भी इसी परंपरा से शुरू हुआ था। जलती हुई गेंद से फुटबॉल खेलने को सेपक बोला अपी कहा जाता है। मुस्लिम बहुल देश इंडोनेशिया में रमजान के स्वागत में होने वाले समारोह में इस तरह के प्रदर्शन शुरू हुए जो बाद में खेल में बदल गए। इस खेल में 4 प्लेयर और एक गोल कीपर होता है और 10-10 मिनट के 2 हाफ में इसे खेला जाता है। गेम खेलने से पहले सभी प्लेयर आग से बचने के लिए नमक जैसी चीजों से नहाते या हाथ-मुंह धोते हैं।

एलिगेटर रेसलिंग: मगरमच्छ से कुश्ती भी है खेल अगर आपको पता चले कि पानी में मगरमच्छ है तो क्या आप उस पानी में उतरना चाहेंगे। मगर अमेरिका के फ्लोरिडा प्रांत में ऐसे लोग भी हैं जो न सिर्फ इस पानी में उतरते हैं बल्कि एलिगेटर यानी मगरमच्छ से कुश्ती लड़ उसे काबू में करते हैं। यहां एलिगेटर रेसलिंग की प्रतियोगिताएं भी आयोजित होती हैं। पारंपरिक रूप से ये खेल नेटिव अमेरिकन जनजाति सेमिनोल की संस्कृति का हिस्सा रहा है। मगर अब इसमें कई उत्साही टूरिस्ट और स्थानीय श्वेत आबादी भी शामिल होती है। सेमिनोल जनजाति ने अभाव के दिनों में शुरू की थी ये परंपराअब कमाई का जरिया बनी है। एक समय पूरे फ्लोरिडा में सेमिनोल जनजाति बसती थी। मगर 19वीं सदी में श्वेत आबादी के साथ इस जनजाति के तीन सिविल वॉर हुए। उस वक्त ये जनजाति सिर्फ एवरग्लेड्स इलाके में सिमट गई। ये इलाका बहुत पिछड़ा हुआ था। मगरमच्छ का मांस और चमड़ा ही यहां का मेन रिसोर्स था।

मगर मगरमच्छ का मांस बहुत जल्दी खराब होता था इसलिए सेमिनोल लोग जिंदा मगरमच्छ पकड़कर ही बेचते थे। मगरमच्छ को पकड़ने की इस जनजाति की परंपरा उसी दौर में शुरू हुई। समय के साथ एवरग्लेड्स में भी विकास हुआ। जब श्वेत आबादी ने जनजाति के लोगों का ये खतरनाक खेल देखा तो उन्हें कमाई का जरिया भी नजर आया।

श्वेतों ने ही सेमिनोल लोगों को फ्लोरिडा के दूसरे हिस्सों में बसाया और वहां भी एलिगेटर रेसलिंग के शो दिखाने लगे। अब सेमिनोल जनजाति के लोग खुद ही ऐसे शो और प्रतियोगिताओं का आयोजन करते हैं। इससे उनकी कमाई इतनी बढ़ी है कि हाल ही में इस ट्राइब ने हार्ड रॉक क्लब चेन को खरीद लिया है। एनिमल राइट्स वालों ने कई बार इस खेल का विरोध करते हुए बंद करने की मांग की है। हालांकि सेमिनोल जनजाति के लोगों का कहना है कि वे सिर्फ अपनी संस्कृति को बचा रहे हैं और इसमें मगरमच्छ को नुकसान नहीं पहुंचाया जाता है।

फेरेट लेगिंग: पैंट में चूहे से भी तेज दांतों वाले फेरेट को रखने का खेल

फेरेट, चूहे के परिवार का यानी रोडेन्ट फैमिली का एक जानवर होता है। मगर इसका आकार चूहे से काफी बड़ा होता है और दांत भी काफी पैने होते हैं। इस जानवर को ज्यादा से ज्यादा देर अपनी पैंट में रखने का खेल इंग्लैंड से शुरू हुआ था जो आज अमेरिका में भी खेला जाता है।

खिलाड़ी को फेरेट अपनी पैंट के अंदर रखना होता है। शर्त ये होती है कि पैंट नीचे से पैक रहे ताकि फेरेट नीचे से न निकल पाए। लगातार इस बात का खतरा बना रहता है कि फेरेट अपने दांतों और नाखूनों से खिलाड़ी को घायल कर सकता है। इस खेल को मर्दानगी साबित करने का तरीका माना जाता है। 2010 में एक खिलाड़ी ने 5.30 घंटे तक फेरेट को पैंट रखकर नया रिकॉर्ड बनाया था।

शिकारियों ने जांच से बचने के लिए शुरू किया था ये काम अब खेल बन गया। फेरेट लेगिंग खेल की शुरुआत इंग्लैंड के यॉर्कशायर से हुई थी। दरअसल, सूंघने की अद्भुत क्षमता की वजह से पुराने समय में शिकारी अपने साथ फेरेट रखते थे। बाद में फेरेट का भी शिकार शुरू हो गया। इसे रोकने के लिए शिकारियों की सख्त जांच हुआ करती थी।

उस समय कई शिकारी अथॉरिटी से छुपाने के लिए फेरेट को अपनी पैंट के अंदर रख लेते थे। क्योंकि ये माना जाता था कि कोई भी फेरेट जैसे जानवर को पैंट में रखने का खतरा नहीं मोल लेगा। समय के साथ ये मर्दानगी का साबित करने का तरीका और फिर एक खेल बन गया। कोयले की खदानों में काम करने वाले खाली समय बिताने के लिए ऐसे खेल खेलते थे। खेल का सबसे पहला रिकॉर्ड 1972 में बना, जब एक व्यक्ति ने 40 सेकेंड के लिए फेरेट को पेंट में रखा। 2003 से ये खेल अमेरिका के वर्जीनिया में राष्ट्रीय स्तर पर होने लगा।

स्कूलों में बदलाव की जरूरत

हमें सोचना होगा बच्चा जीवन के 14 साल स्कूल में क्यों बिताए

हमारी सभ्यता में स्कूलों का अस्तित्व सदियों से है। और अब यह हमारे सामाजिक तंत्र का एक अहम हिस्सा बन गए हैं। स्कूल वो जगह है जहां बच्चों को सिर्फ नई चीजें सीखने के लिए ही नहीं, जीवन के बारे में सीखने के लिए भेजा जाता है। अब इंटरनेट के दौर में स्कूलों को बदलने की जरूरत है, मगर बदकिस्मती से बदलाव का दौर स्कूलों में सबसे बाद में आता है। कहा जाता है कि अगर एक देश को बदलना हो तो सबसे पहले प्राथमिक स्तर की स्कूलिंग में बदलाव जरूरी हैं। क्योंकि स्कूल में ही एक पीढ़ी की नींव तैयार होती है, स्कूल ही विचारों के इन्क्यूबेशन सेंटर होते हैं जहां नए आइडिया पनपते हैं। जिस दिन आप अपने देश के स्कूलों में बदलाव शुरू करते हैं, उसी दिन से आपका पूरा देश बदलने लगता है। किसी भी देश को बदलने का यही सबसे आसान तरीका है। अगर आप छात्रों के सोचने का तरीका बदलते हैं तो यही छात्र आगे जाकर देश का जिम्मेदार और प्रोडक्टिव नागरिक बनता है। दुर्भाग्य से, कई मायनों में स्कूल अब पहचान खो चुके हैं और इंटरनेट की वजह से समाज में आने वाले बदलावों से पिछड़ गए हैं। स्कूलों को अब पूरी तरह से अपनी पहचान बदलनी होगी और हमें भी इस बात पर सोचना होगा कि किसी बच्चे का जीवन के 14 साल स्कूल में बिताना कितना सही है।

भारत में 15 लाख स्कूल, 85 लाख टीचर्स और 25 करोड़ छात्र हैं। यह दुनिया के सबसे बड़े स्कूल सिस्टम्स में से एक है, लेकिन अब सवाल ये उठने लगे हैं कि इस शिक्षा प्रणाली से स्किल डेवलप हो रहे हैं या नहीं।

जब मैं एक स्टूडेंट था तो हम एक टर्म इस्तेमाल करते थे- 'रट्टाफिकेशन'। यानी हम किसी भी कॉन्सेप्ट को समझने के बजाय सिर्फ रट लेते थे ताकि एग्जाम की कॉपी में उसे हू-ब-हू उतार सकें।

हमें उस करिकुलम की सामयिकता को समझना होगा जो हम अपने छात्रों को पढ़ा रहे हैं। हमेशा सोचता था कि मेरे लिए ये जानना क्यों जरूरी है कि बाबर कब पैदा हुआ था। या अशोक कब पैदा हुआ था। मैं ये क्यों नहीं पढ़ सकता कि उनकी सोच क्या थी जिसने भारत का नेतृत्व करने में उनकी मदद की। अपनी सोच में 'क्या' से 'क्यों' का यही परिवर्तन स्कूलों को करना होगा। अब जब मैं एक आंत्रप्रेन्योर हूं तो मुझे ये समझ में आता है कि स्कूल में मैंने जो कुछ भी पढ़ा उसका 95% अपने रोजमर्रा के जीवन में मैंने कभी इस्तेमाल ही नहीं किया। यही हमारी शिक्षा प्रणाली का दुखद पहलू है।

मुझे नई शिक्षा नीति से बहुत उम्मीद है, लेकिन इसे लागू करना बहुत जरूरी है। इसे कैसे लागू किया जाता है इसी बात से ये तय होगा कि ये पॉलिसी कैसे चलती है। मुझे ये भी लगता है कि स्कूलों में हमें छात्रों को सही विषयों के बारे में सही जानकारी देनी होगी। हम स्कूल में हेल्थ केयर या सेल्फ केयर की बात ही नहीं करते हैं। हम स्कूल में रिश्तों और विश्वास स्थापित करने के बारे में बात नहीं करते। हम पर्सनल फाइनेंस के बारे में बात नहीं करते हैं।

स्कूल में हम जो पढ़ाते हैं उसके अलावा इन तीन चीजों के बारे में बात करना बहुत जरूरी है-

पहली चीज है- सेहत। अगर हम डब्ल्यूएचओ की सेहत की परिभाषा को देखें तो इसका अर्थ है शारीरिक, मानसिक और सामाजिक रूप से स्वस्थ जीवन। इसका अर्थ सिर्फ निरोग होना नहीं है। जब एक बच्चा छोटा होता है तो वह वाकई में इन बातों के बारे में जानकर फायदा उठा सकता है। उसे पता होना चाहिए कि वह अपनी सेहत का ख्याल कैसे रख सकता है। क्यों उसे जंक फूड या कोल्ड ड्रिंक से दूर रहना चाहिए। पहले दिन से हमें बच्चों को यह समझने में मदद करनी चाहिए कि खुद का ख्याल रखने के लिए हेल्थ केयर को समझना कितना जरूरी है। जैसे-जैसे इंटरनेट हमारे समाज का महत्वपूर्ण हिस्सा बनता जाएगा, वैसे ही पूरी मानवजाति के लिए भविष्य में मेंटल हेल्थ सबसे महत्वपूर्ण होगा। हमें छात्रों को हेल्थ केयर के बेसिक कॉन्सेप्ट समझाने होंगे।

दूसरी चीज जो बच्चों को सिखाना जरूरी है, वो है- ट्रस्ट बिल्डिंग। वैल्यू सिस्टम और झूठ न बोलना। ये ऐसे कॉन्सेप्ट हैं जिन पर हमें ज्यादा करिकुलम प्लान करना चाहिए और उदाहरणों के जरिये छात्रों को समझाना चाहिए कि समाज में क्या गलत है, जो उन्हें नहीं मानना चाहिए। बच्चों को सिर्फ गणित और विज्ञान पढ़ाने के बजाय उन्हें वैल्यूज के बारे में सिखाना चाहिए। स्कूल में यही सबसे महत्वपूर्ण विषय होना चाहिए।

तीसरी महत्वपूर्ण चीज है- पर्सनल फाइनेंस, टैक्स चुकाना और ये कैलकुलेट करना कि कितना टैक्स चुकाना है। हर छात्र को पर्सनल फाइनेंस के बारे में जानना चाहिए। कहां निवेश करना चाहिए, फिक्स्ड डिपॉजिट क्या है, कंपाउंडिंग क्या है, ये सब छात्रों को समझाना चाहिए।

जब तक स्कूलों में हर स्ट्रीम के स्टूडेंट को हम ये कॉन्सेप्ट नहीं सिखाते तब तक हम अपने देश के लिए स्मार्ट नागरिक तैयार नहीं कर सकते। मैं पॉलिसीमेकर्स से ये भी अनुरोध करना चाहूंगा कि अपनी बेसिक शिक्षा प्रणाली में ज्यादा से ज्यादा टेक्नोलॉजी को शुमार किया जाए। छात्रों को कोडिंग के बेसिक्स सिखाए जाने चाहिए, क्योंकि भविष्य में टेक्नोलॉजी ही पूरी दुनिया पर छा जाएगी। अब वो वक्त चला गया जब टेक्नोलॉजिकल और नॉन-टेक्नोलॉजिकल कंपनियां अलग हुआ करती थीं। अब हर कंपनी टेक्नोलॉजी कंपनी होने वाली है।

आज आपको डिस्ट्रीब्यूशन के लिए भी टेक्नोलॉजी कंपनी बनना होगा। कस्टमर्स तक पहुंचने के लिए फेसबुक या इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया को जरिया बनाना होगा। इसीलिए बहुत जरूरी है कि हम छात्रों को भविष्य के लिए आज ही इंटरनेट के बेसिक्स सिखाएं। और अंत में हमें छात्रों को योग, मेडिटेशन के साथ ही शांत रहना सिखाना होगा। हमें अपने देश के समृद्ध भविष्य के लिए अपनी शिक्षा प्रणाली से छात्रों को तैयार करने के तरीके में क्रांति लानी होगी।

ज़मींदोज़ होता आदिगुरू शंकराचार्य का ज्योतिर्मठ

सामरिक, धार्मिक, पर्यटन और पर्यावरण की दृष्टि से देश का अति महत्वपूर्ण नगर जोशीमठ के धंसने से उत्पन्न आपदा की स्थिति देखते हुये सरकार में बैठे भूविज्ञानी तो चिन्तित हैं ही लेकिन कुछ स्वतंत्र विज्ञानियों और पर्यावरणविदों का मानना है कि अगर तत्काल जोशीमठ को बचाने के लिये बहुत बड़े पैमाने पर प्रयास नहीं किये गये तो उत्तरी सीमा पर भारत का यह पहला शहर केदारनाथ की जैसी बहुत बड़ी आपदा का कारण बन सकता है।लेखकों को कभी यह लिखने का मौका भी मिल सकता है कि 'एक था जोशीमठ'। कुछ भूविज्ञानियों ने लगभग 20 हजार की आबादी वाले जोशीमठ को तत्काल खाली करने की सलाह दी है।जोशीमठ के सैकड़ों घर, अस्पताल सेना के भवन, मंदिर, सड़कें, प्रतिदिन धंसाव की जद में हैं। जोशीमठ के लोग दो-दो मुसीबतें एक साथ झेल रहे हैं।दरकते घर तो दहशत का कारण हैं ही, सर्द रातें भी लोगों को परेशान कर रही हैं।उच्च हिमालय का करीबी क्षेत्र होने के कारण रात को यहां तापमान बेहद नीचे चला जा रहा है।शहर के साथ ही ज्योतिर्पीठ और सेना तथा अर्धसैन्य छावनियां भी जमीन नीचे खिसकने की जद में आ चुकी हैं।हैरानी का विषय तो यह है कि जोशी मठ बरबादी की कगार पर आ गया है और शासन-प्रशासन की तन्द्रा अब टूट रही है जबकि यह खतरा 1970 के दशक में ही सामने आ चुका था।

विख्यात स्विश भूवैज्ञानिक अर्नोल्ड हीम और सहयोगी आगस्टो गैस्टर ने सन् 1936 में मध्य हिमालय की भूगर्भीय संरचना पर जब पहला अभियान चलाया था तो उन्होंने अपने यात्रा वृतान्त 'द थ्रोन आफ द गाड (1938) और शोध ग्रन्थ 'सेन्ट्रल हिमालयाः जियालाजिकल आबजर्वेशन्स आफ द स्विश एस्पीडिशन 1936 (1939) मेंटैक्टोनिक दरार, मुख्य केन्द्रीय भ्रंश (एमसीटी) की मौजूदगी को चिन्हित करने के साथ ही चमोली गढ़वाल के हेलंग से ले कर तपोवन तक के क्षेत्र को भूगर्भीय दृष्टि से संवेदनशील बताया था।

उत्तराखण्ड सरकार द्वारा वरिष्ठ भूविज्ञानी एवं राज्य आपदा न्यूनीकरण एवं प्रबन्धन केन्द्र के निदेशक डा0 पियूष रौतेला की अध्यक्षता में गठित विशेषज्ञ समिति ने जोशीमठ की ताजा स्थिति की रिपोर्ट गत जुलाई 2022 में उत्तराखण्ड सरकार को दे रखी है जिसमें इस पवित्र शहर की कैरीइंग कैपेसिटी को देखते हुये वहां निर्माण कार्यों पर नियंत्रण और जमीन के अंदर जा रहे घरों के पानी तथा ऊपर से आ रहे नालों के पानी के उचित निस्तारण के लिये नालों को चेनलाइज करने तथा नीचे अलकनन्दा से हो रहे भूमिकटाव को रोकने आदि की शिफारिश की गयी है।भूविज्ञानियों के अनुसार यह समस्या 1970 के दशक से चली आ रही है।इस शहर का सामरिक, धार्मिक, पर्यटन और पर्यावरण महत्व बढ़ते जाने के कारण इसकी कैरीइंग कैपेसिटी से कहीं अधिक बढ़ गयी।भारी भरकम अनियंत्रित निर्माणकार्य का बोझ खिसकती ढलानों पर बढ़ता जा रहा है।लगभग 20 से 25 हजार की आबादी का प्रतिदिन उपयोग किया हुआ पानी जमीन के नीचे जाकर दलदल पैदा कर रहा है जोकि शहर को नीचे की ओर ले जा रहा है।अब तक घरों के अन्दर पड़ी दीवारों से भी पानी बाहर निकलने लगा है।पिछले साल 7 फरबरी को धौलीगंगा में आयी बाढ़ का पानी और मलबा भी अलकनन्दा में पहुंचा जिसने जोशीमठ की ओर हो रहे भूकटाव की गति कहीं अधिक बढ़ा दी। विष्णुप्रयाग-तपोवन की सुरंग ने खिसकते शहर को हिला दिया।

प्रख्यात स्विश भूविज्ञानी अर्नाल्डही म एवं उनके सहयोगी आगस्टोगैंसर ने 1936 में अपने मध्य हिमालय के अभियान के दौरान न केवल चमोली में मुख्य केन्द्रीय भंरस या मेनसंट्रल थ्रस्ट (एमसीटी) को चिन्हित किया था अपितु चमोली गढ़वाल के हेलंग से तपोवनतक के क्षेत्र को भूगर्भीय दृष्टि से बेहद संवेदनशील बताया था।इन भूवैज्ञानिकों की इस खोज की बाद में खड़ग सिंह बाल्दिया, एम.पी.एस. बिष्ट और पियूषरौतेला आदि भूविज्ञानियों ने पुष्टि की थी।इसलिये भी जोशीमठ में शहर का इतना बड़ा ढांचा बनने नहीं दिया जाना चाहिये था।भूविज्ञानी प्रो0 महेन्द्रप्रताप सिंह बिष्ट के अनुसार स्थिति काफी गंभीर है।वहां कभी भी कोई बहुत बड़ी घटना हो सकती है इसलिये जोशीमठ के लोगों का तत्काल पुनर्वास किये जाने की जरूरत है।इस शहर की समाप्त हो चुकी कैरीइगि कैपेसिटी की अनदेखी बेहद खतरनाक हो सकती है।

यह कोई साधारण बसावट नहीं है। यह आदिगुरू शंकराचार्य द्वारा सनातन धर्म की रक्षा के लिये देश के चार कोनों में धर्मध्वजा वाहक चार सर्वोच्च धार्मिक पीठों में से एक ज्योतिर्पीठ है। यह उत्तराखण्ड की प्राचीन राजधानी है जहां से कत्यूरीवंश ने शुरू में अपनी सत्ता चलाई थी। यही से सर्वोच्च तीर्थ बदरीनाथ की तीर्थ यात्रा की औपचारिकताएं पूरी होती हैं क्योंकि शंकराचार्य की गद्दी यही बिराजमान रहती है।फूलों की घाटी और नन्दादेवी बायोस्फीयर रिजर्व का बेस भी यही नगर है। हेमकुंड यात्रा भी यहीं से नियंत्रित होती है।नीती-माणादर्रों और बाड़ाहोती पठार पर चीनी हरकतों पर इसी नगर से नजर रखी जाती है।विदित है कि चीनी सेना बार-बार बाड़ाहोती की ओर से घुसपैठ करने का प्रयास करती रहती है। उन पर नजर रखने के लिये भारत तिब्बत पुलिस की बटालियन और उसका माउंटेन ट्रेनिंग सेंटर यहीं है। यहीं पर गढ़वाल स्काउट्स का मुख्यालय और 9 माउंटेन ब्रिगेड का मुख्यालय भी है।

दरअसल 1970 की अलकनन्दा की बाढ़ के बाद उत्तरप्रदेश सरकार ने 1976 में गढ़वाल के तत्कालीन कमिश्नर महेशचन्द्र मिश्रा की अध्यक्षता में वैज्ञानिकों की एक कमेटी का गठन कर जोशीमठ की संवेदनशीलता का अध्ययन कराया था।इस कमेटी में सिंचाई एवं लोकनिर्माण विभाग के इंजिनीयर, रुड़की इंजिनीयरिंग कालेज (अब आइआइटी) तथा भूगर्भ विभाग के विशेषज्ञों के साथ ही पर्यावरणविद् चण्डीप्रसाद भट्टको शामिल किया था। (रौतेला एवं डा0 एम.पी.एस.बिष्टः डिसआस्टर लूम्सलार्ज ओवर जोशीमठः करंट साइंस वाल्यूम 98) इस कमेटी ने अपनी अध्ययन रिपोर्ट में कहा था कि जोशीमठ स्वयं ही एक भूस्खलन पर बसा हुआ है और इसके आसपास किसी भी तरह का भारी निर्माण करना बेहद जोखिमपूर्ण है।कमेटी ने ओली की ढलानों पर भी छेड़छाड़ न करने का सुझाव दिया था ताकि जोशीमठ के ऊपर कोई भूस्खलन या नालों में त्वरित बाढ़ न आ सके।जोशीमठ के ऊपर औली की तरफ से 5 नाले आते हैं। ये नाले भूक्षरण और भूस्खलन से बिकराल रूप लेकर जोशीमठ के ऊपर वर्ष 2013 की केदारनाथ की जैसी आपदा ला सकते हैं।

जोशीमठ का समुचित मास्टरप्लान न होने के कारण उसकी ढलानों पर विशालकाय इमारतों का जंगल बेरोकटोक उगता जा रहा है।हजारों की संख्या में बनी इमारतों के भारी बोझ के अलावा लगभग 25 हजार शहरियों के घरों से उपयोग किया गया पानी स्वयं एक बड़े नाले के बराबर होता है जो कि जोशीमठ की जमीन के नीचे दलदल पैदा कर रहा है।उसके ऊपर सेना और आइटीबीपी की छावनियों का निस्तारित पानी भी जमीन के नीचे ही जा रहा है।निरन्तर खतरे के सायरन के बावजूद वहां आइटीबीपी ने भारी भरकम भवन बनाने के साथ ही जलमल शोधन संयंत्र नहीं लगाया।कई क्यूसेक यह अशोधित जलमल भी जोशीमठ के गर्भ में समा रहा है। यही स्थिति सेना के शिविरों की भी है। जोशीमठ के बचाव के बारे में अब सोचा जा रहा है जब इस शहर का अस्तित्व ही संकट में पड़ गया।

-जयसिंह रावत

आज रवि पुष्य संयोग

सर्वार्थसिद्धि योग भी बन रहा है इसलिए खरीदारी के लिए पूरा दिन शुभ रहेगा

2023 में पुष्य नक्षत्र से बनने वाले मुहूर्त

रवि पुष्य

8 जनवरी ▪ 5 फरवरी ▪ 10 सितंबर ▪ 8 अक्टूबर ▪ 5 नवंबर

गुरू पुष्य

27 अप्रैल ▪ 25 मई

रविवार को पुष्य नक्षत्र हो तो रवि पुष्य और गुरुवार को ये नक्षत्र पड़े तो गुरु पुष्य संयोग बनता है। ज्योतिष ग्रंथों में इन्हीं दो वारों से बनने वाले संयोग को मुहूर्त के लिए सबसे अच्छा माना जाता है।

8 जनवरी, रविवार को साल का पहला पुष्य नक्षत्र रहेगा। जिससे रवि पुष्य संयोग बनेगा। इस दिन सर्वार्थसिद्धि योग भी बनेगा। इसलिए खरीदारी और नई शुरुआत के लिए पूरा दिन शुभ रहेगा। इस संयोग को ज्योतिष में सबसे अच्छा मुहूर्त बताया गया है। ज्योतिष के जानकारों का कहना है कि इस संयोग में किए गए कामों में सफलता मिलनी लगभग तय होती है। इसलिए ऐसे ही संयोग में खरीदारी, लेन-देन, निवेश के साथ ही नौकरी और बिजनेस में नई शुरुआत करना फायदेमंद माना जाता है।

इस शुभ मुहूर्त के बारे में पुरी के ज्योतिषाचार्य डॉ. गणेश मिश्र बताते हैं कि रविवार को पुष्य नक्षत्र के साथ ही सर्वार्थसिद्धि, बुधादित्य और श्रीवत्स योग रहेंगे। चंद्रमा पर बृहस्पति की दृष्टि पड़ने से गजकेसरी योग का फल भी मिलेगा। सितारों के इस शुभ संयोग में किए गए कामों में सफलता और फायदा मिलने की संभावना और बढ़ जाएगी। इस साल के पहले पुष्य संयोग की शुरुआत 8 जनवरी को होगी। ये नक्षत्र सुबह तकरीबन 7 बजे शुरू होगा और अगले दिन सुबह 6 बजे तक रहेगा। इस दिन रविवार होने से ये रवि पुष्य माना जाएगा।

काशी विद्वत परिषद के महामंत्री प्रो. रामनारायण द्विवेदी कहते हैं कि 2023 में पांच बार रवि पुष्य और दो बार गुरु पुष्य का संयोग बनेगा। इस तरह पूरे साल में पुष्य नक्षत्र से कुल 7 बड़े शुभ मुहूर्त बनेंगे...

स्थाई होता है पुष्य नक्षत्र

तिरुपति के ज्योतिषाचार्य डॉ. कृष्ण कुमार भार्गव का कहना है कि पुष्य नक्षत्र को शास्त्रों में अमरेज्य भी कहते हैं। यानी वो नक्षत्र जो जीवन में स्थिरता और अमरता लाता है। इसका स्वामी शनि होता है लेकिन प्रकृति गुरु के जैसी होती है। जब भी गुरुवार को पुष्य नक्षत्र पड़ता है तो इससे बनने वाला गुरु पुष्य योग सुख-समृद्धि और सफलता देने वाला होता है। वहीं, रविवार को पुष्य नक्षत्र होने से रवि पुष्य संयोग बनता है।
इस नक्षत्र में किए गए कामों में स्थायित्व का भाव होता है। इसलिए पुष्य नक्षत्र में ऐसे काम करने चाहिए जो लंबे समय तक चल जिनमें बदलाव करने की इच्छा न हो। यानी जिनकी स्थिरता चाहते हैं।

पुष्य नक्षत्र की धातु है सोना

पुष्य नक्षत्र में की गई खरीदी समृद्धि देने वाली होती है। इस नक्षत्र की धातु सोना है इसलिए इस योग में सोना और सोने के आभूषण खरीदने से समृद्धि बनी रहती है।
गुरु पुष्य नक्षत्र में रियल एस्टेट के साथ ही भूमि, भवन, वाहन और अन्य स्थायी संपत्ति में किया गया निवेश लंबे समय तक फायदा देता है। इस दिन चांदी, कपड़ा, बर्तन, इलेक्ट्रॉनिक चीजों की खरीदी भी शुभ रहती है। इस शुभ योग में खरीदा गया व्हीकल कई दिनों तक चलता है और उससे फायदा मिलता है। शुभ संयोग में नया बिजनेस और नौकरी की शुरुआत करना भी फलदायी माना गया है।

माघ मास में प्रयाग में स्नान करने की है परंपरा

हिन्दी पंचांग का 11वां महीना माघ शुरू हो गया है। ये महीना धर्म-कर्म के नजरिए से बहुत खास है। इस महीने में किए गए पूजन, तीर्थ दर्शन और नदी स्नान से धर्म लाभ के साथ ही स्वास्थ्य लाभ भी मिलते हैं। इस महीने में तिल-गुड़ का सेवन खासतौर पर करना चाहिए।

माघ मास में प्रयाग राज में स्नान करने का महत्व काफी अधिक है। जो लोग इस माह में प्रयाग में स्नान करते हैं, उन्हें अश्वमेघ यज्ञ के समान पुण्य फल मिलता है। इस शुभ काम से भगवान विष्णु की भी विशेष कृपा मिलती है। ऐसी मान्यता है कि माघ मास में नदी स्नान करने से भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं और जीवन में सुख-शांति बनी रहती है।

माघ मास में तिल-गुड़ के तीज-त्योहार

इस महीने में तिल चतुर्थी (10 जनवरी और 25 जनवरी), मकर संक्रांति (14 जनवरी), षट्तिला एकादशी (18 जनवरी) को है। ये सभी तीज-त्योहार तिल-गुड़ से जुड़े हैं। इन दिनों तिल-गुड़ का दान भी करना चाहिए।

माघ मास करें ये शुभ काम

माघ महीने में श्रीमद् भगवद् गीता और रामायण का पाठ करना चाहिए।
इस माह में रोज सुबह स्नान के बाद घर के मंदिर में धूप-दीप जलाएं, पूजा करें। ग्रंथों का पाठ करें। मंत्र जप करें।
माघ माह में प्रयाग में स्नान करने नहीं जा पा रहे हैं तो अपने शहर में या शहर के आसपास किसी नदी में स्नान कर सकते हैं।
इस महीने में प्रयागराज के साथ ही हरिद्वार, काशी, मथुरा, उज्जैन जैसे धार्मिक शहरों में काफी भक्त पहुंचते हैं।
इस माह में तीर्थ दर्शन करने की भी परंपरा है। किसी ज्योतिर्लिंग, शक्तिपीठ, चारधाम या किसी अन्य प्राचीन मंदिर में दर्शन किए जा सकते हैं।
पूजा-पाठ के साथ ही इस महीने में जरूरतमंद लोगों को धन और अनाज का दान जरूर करें।
अभी ठंड का समय है तो इन दिनों में कंबल, तिल-गुड़ का दान जरूर करें। किसी गौशाला में पैसों के साथ ही हरी घास भी दान करनी चाहिए।
इस माह में रोज सुबह जल्दी उठें और स्नान के बाद सूर्य को तांबे के लोटे से जल चढ़ाएं। भगवान गणेश, विष्णु जी, श्रीकृष्ण, शिवजी, देवी मां की पूजा करें।

14 या 15 जनवरी में किस दिन मनाई जाएगी मकर संक्रांति

खरमास के एक माह के अंतराल के बाद जब सूर्य देव जब मकर राशि में प्रवेश करते हैं तो मकर संक्रांति का त्योहार मनाया जाता है। इसे उत्तरायण, पोंगल और खिचड़ी आदि अन्य नामों से भी जाना जाता है।

इस बार मकर संक्रांति के दिन को लेकर लोगों में संशय है। किसी के अनुसार यह 14 जनवरी को है तो कोई इसकी तारीख 15 जनवरी को बता रहा है। आइए जानते हैं मकर संक्रांति की सही तिथि और शुभ मुहूर्त क्या है।

इस दिन है मकर संक्रांति

हिंदू पंचांग और ज्योतिष के जानकारों के अनुसार इस साल 14 जनवरी शनिवार के दिन सूर्य देव रात में 8 बजकर 14 मिनट पर मकर राशि में अपना राशि परिवर्तन करेंगे। चूंकि सूर्य देव रात्रि में मकर राशि में प्रवेश करेंगे, इसलिए इस दौरान स्नान, दान, और अन्य धार्मिक कार्य संपन्न नहीं हो सकेंगे। इन्हीं कारणों को देखते हुए 14 जनवरी को मकर संक्रांति का पर्व मनाना सही नहीं माना जा रहा है। जानकारों के अनुसार उदिया तिथि के चलते 15 जनवरी को ही मकर संक्रांति का पर्व मनाना चाहिए।

मकर संक्रांति के दिन के शुभ मुहूर्त

ज्योतिष के अनुसार मकर संक्रांति के दिन के शुभ मुहूर्त की चर्चा की जाए तो 15 जनवरी को सुबह 07 बजकर 15 मिनट से लेकर इसी दिन शाम 05 बजकर 46 मिनट तक मकर संक्रांति का पुण्यकाल रहेगा। इस दौरान स्नान, दान और अन्य धार्मिक कार्यों को करना अत्यंत शुभ माना गया है।
जनवरी 2023 की 15 तारीख को रविवार होने के कारण इस दिन त्योहार का महत्व और भी ज्यादा बढ़ जाता है, क्योंकि रविवार का दिन सूर्य देव का दिन माना जाता है।
15 जनवरी 2023 को दोपहर में 12 बजकर 9 मिनट से लेकर दोपहर में ही 12 बजकर 52 मिनट तक अभिजीत मुहूर्त रहेगा और दोपहर में 2 बजकर 16 मिनट से लेकर दोपहर के ही 2 बजकर 58 मिनट तक विजय मुहूर्त रहेगा। मकर संक्रांति के दिन स्नान और दान की परंपरा है। इसके अलावा इस दिन सूर्य देव की पूजा से विशेष लाभ मिलता है।

शुरु हो जाएंगे मांगलिक कार्य

खरमास के चलते पिछले एक महीने से शादी-विवाह, जनेऊ और मुंडन जैसे मांगलिक कार्यों पर रोक लगी थी। मकर संक्रांति के बाद एक बार फिर से शुभ और मांगलिक कार्यों को किया जा सकेगा।

कुंती ने श्रीकृष्ण से वरदान में दुख क्यों मांगे ?

महाभारत का युद्ध समाप्त खत्म हो गया था। पांडव जीत गए थे और युधिष्ठिर राजा बन चुके थे। जब पांडवों के परिवार में सब ठीक हो गया तो श्रीकृष्ण ने निर्णय लिया कि अब मुझे द्वारिका लौट जाना चाहिए। श्रीकृष्ण ने पांडवों को ये बात बताई तो सभी दुखी हो गए, लेकिन श्रीकृष्ण द्वारिका लौटने का निर्णय ले चुके थे। सारी तैयारियां हो गईं। श्रीकृष्ण रथ पर चढ़े और आगे बढ़ने लगे, उस समय कुंती उनके सामने खड़ी हो गईं।
श्रीकृष्ण अपनी बुआ यानी कुंती को देखकर रुके और रथ से उतरकर उनके पास पहुंचे। श्रीकृष्ण प्रणाम करते, उससे पहले कुंती ने श्रीकृष्ण को प्रणाम किया।
श्रीकृष्ण बोले कि आप मेरी बुआ हैं, मुझसे बड़ी हैं, माता की तरह हैं। मुझे प्रणाम करना चाहिए, लेकिन आप मुझे क्यों प्रणाम कर रही हैं? कुंती ने कहा कि कृष्ण मैं जानती हूं कि तुम भगवान हो। अब मैं चाहती हूं कि मैं तुम्हारी भक्ति करूं। तुम जा रहे हो तो मुझे भक्ति करने दो।

श्रीकृष्ण बोले कि ठीक आप मुझे भगवान कह रही हैं तो आप मुझसे कुछ कुछ मांग लीजिए।
कुंती ने कहा कि मुझे तुम वरदान में दुख दे दो।
ये सुनकर श्रीकृष्ण हैरान हुए और बोले कि आपके जीवन में तो वैसे ही कभी सुख नहीं आया है और आप फिर से दुख ही मांग रही हैं, ऐसा क्यों?
कुंती बोली कि जब जीवन में आता है तो तुम याद आते हो, मन तुम्हारी भक्ति में लग रहता है। सुख रहेगा तो मन भक्ति से हट जाएगा, इसलिए तुम मुझे दुख दे दो।

प्रसंग की सीख

इस प्रसंग की सीख यह है कि हमारे जीवन में सुख-दुख का आना-जाना लगा रहता है। हमें हर परिस्थिति के लिए तैयार रहना चाहिए। दुख के दिनों में भक्ति करेंगे तो मन मजबूत रहेगा और दुखों से लड़ने का साहस बना रहेगा, निराशा हावी नहीं होगी।

घड़ी के आकार और रंग का है किस्मत कनेक्शन

घड़ी को लेकर वास्तु शास्त्र के कई नियम भी जुड़े हुए हैं। इनका पालन नहीं करने पर कई तरह के नुकसान उठाना पड़ सकता है। हालांकि लोग इस बारे में नहीं जानते कि समय बताने वाले इस यंत्र का वास्तु में बहुत ही महत्व है।
इसलिए वास्तु के अनुसार घड़ी का सही दिशा में होना बेहद जरूरी है। घड़ी को लेकर आइए देखते हैं वास्तु से जुड़े कुछ खास नियम।
जानें घड़ी को लगाने की सही दिशा क्या है
वास्तु के अनुसार घर में घड़ी को लगाने के लिए पूर्व दिशा को उत्तम माना गया है। वहीं पश्चिम और उत्तर दिशा में भी घड़ी को लगाया जा सकता है। बताया जाता है कि दक्षिण दिशा में घड़ी को

लगाने से नुकसान हो सकता है।
इससे घर के लोगों के संबंधों में दरार पड़ सकती है। घर की बालकनी या बरामदे में भी घड़ी को नहीं लगाया जाना चाहिए। वहीं घर के किसी भी दरवाजे के ऊपर भी घड़ी को लगाना शुभ नहीं माना जाता है।

घड़ी के लिए इन रंगों को माना गया है शुभ

बात करें घड़ी के रंग की तो घर के लिए पीला, सफेद और हल्के भूरे रंग की घड़ियों को शुभ माना गया है।
घड़ी के आकार का सही होना है जरूरी
वास्तु के अनुसार घड़ी का आकार भी बहुत मायने रखता है। माना गया है कि 8 भुजाओं वाली घड़ी शुभ नहीं होती है। इसके लगाने पर घर के लोगों में आपसी मतभेद होने की संभावना है। अगर लगाना हो तो 6 भुजाओं वाली घड़ी को घर में लगाया जा सकता है, इसे शुभ माना जाता है।
वैसे ज्यादातर लोग घर में गोल आकार वाली घड़ी लगाते हैं, इसके अलावा कुछ घरों में पेंडुलम वाली घड़ी भी शौक के कारण लगाई जाती है। माना जाता है कि इन्हें लगाने से घर में धन संपत्ति की बरकत होती है। अगर बात करें सबसे शुभ आकार की तो वास्तु के अनुसार ओवल आकार वाली घड़ी सबसे उत्तम है।

नोरा नहीं बल्कि पाकिस्तानी एक्ट्रेस को डेट कर रहे आर्यन?

बॉलीवुड एक्टर शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान इन दिनों अपनी लव लाइफ की वजह से सुर्खियों में हैं। हाल ही में खबर आई थी कि वो इन दिनों मॉडल और डांसर नोरा फतेही को डेट कर रहे हैं। हालांकि इन सब के बीच अब कहा जा रहा है कि वो पाकिस्तानीएक्ट्रेस सादिया खान को डेट कर रहे हैं। दरअसल दोनों की साथ में एक फोटो सामने आई है, जिसे देख फैंस कयास लगा रहे हैं कि उनका अफेयर नोरा के साथ नहीं बल्कि सादिया से है।

सादिया ने खुद आर्यन के साथ शेयर की है फोटो

आर्यन और सादिया की जो फोटो सामने आई है, उसमें आर्यन रेड टी-शर्ट और व्हाइट कोट में नजर आ रहे हैं। वहीं सादिया खान ब्लैक आउटफिट में दिखाई दे रही हैं। इस तस्वीर में आर्यन और सादिया कैमरे के सामने पोज दे रहे हैं। सादिया ने इस फोटो को अपनी सोशल मीडिया स्टोरी पर शेयर करते हुए लिखा, 'थ्रोबैक टू न्यू ईयर ईव'।

यूजर्स कर रहे रिएक्ट

सोशल मीडिया यूजर्स इन फोटोज को देखने के बाद तरह-तरह का रिएक्शन दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'नोरा नहीं बल्कि सादिया है आर्यन की गर्लफ्रेंड।' वहीं कुछ यूजर्स ने आर्यन और सादिया का बचाव करते हुए लिखा, 'दोनों की साथ में फोटो होने का ये मतलब बिल्कुल नहीं कि है दोनों एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं।'

आर्यन और नोरा के रिलेशनशिप की आई थीं अफवाहें

कुछ दिन पहले आर्यन और नोरा की डेटिंग की खबरें सामने आई थीं। दरअसल दोनों की कुछ कॉमन लोगों के साथ की फोटोज वायरल हो रही थीं। इन फोटोज को देखने के बाद फैंस कयास लगा रहे हैं कि दोनों एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं और साथ में वक्त बिताने के लिए दुबई गए थे। हालांकि इन बातों की अभी तक किसी की ओर से भी पुष्टि नहीं हुई थी।

आर्यन डायरेक्ट करने जा रहे हैं फिल्म

शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान ने हाल ही में अपने पहले प्रोजेक्ट की अनाउंसमेंट की है। उन्होंने खुद सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करते हुए इस बात की जानकारी दी थी। इस प्रोजेक्ट के जरिए आर्यन बतौर डायरेक्टर अपने करियर की शुरुआत करेंगे। पोस्ट के जरिए आर्यन ने बताया कि राइटिंग का काम लगभग पूरा हो चुका है और वो जल्द ही रेड चिलीज प्रोडक्शन के बैनर तले फिल्म की शूटिंग शुरू कर देंगे।

वेब सीरीज को शूट करते वक्त घायल हुए रोहित शेट्टी

फिल्म मेकर रोहित शेट्टी 7 जनवरी यानी शनिवार को घायल हो गए। उन्हें हैदराबाद के एक हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक वो अपनी वेब सीरीज इंडियन पुलिस फोर्स की शूटिंग कर रहे थे। एक कार सीक्वेंस की शूटिंग करते वक्त उनके हाथ में चोट लग गई। ये हादसा हैदराबाद के फेमस रामोजी फिल्म सिटी में हुआ।

रोहित शेट्टी एक्शन फिल्में करने के लिए जाने जाते हैं। रोहित शेट्टी की फिल्मों में अक्सर दो कारों को भिड़ते हुए दिखाया जाता है। उनकी सिंघम, दिलवाले और सूर्यवंशी जैसी फिल्मों में दमदार एक्शन देखने को मिला है। रोहित खुद भी एक्शन करने के शौकीन हैं। उन्हें रियालिटी शो खतरों के खिलाड़ी में खतरनाक स्टंट भी करते देखा जाता है।

डाक्टर्स ने की सर्जरी

रोहित शेट्टी को ये चोट 'इंडियन पुलिस फोर्स' वेब सीरीज की शूटिंग के वक्त लगी। रोहित को तुरंत प्रोडक्शन टीम ने लोकल के कामिनेनी हॉस्पिटल में भर्ती कराया। डॉक्टर्स की टीम ने उनके हाथ की एक मामूली सर्जरी की। रोहित शेट्टी के स्पोकपर्सन ने एक ऑफिशियल बयान जारी किया है।

उन्होंने कहा- 'रोहित शेट्टी कल रात अपनी अपकमिंग वेब सीरीज इंडियन पुलिस फोर्स के एक एक्शन सीक्वेंस की शूटिंग कर रहे थे। इसी दौरान उनकी उंगलियों पर कुछ मामूली चोट लगी है। चोट का तुरंत इलाज किया गया जिसके बाद उन्होंने दोबारा शूटिंग शुरू कर दी है।

पहली बार कर रहे हैं सीरीज का डायरेक्शन

इंडियन पुलिस फोर्स रोहित की एक मेगा बजट वेब सीरीज है। इसके जरिए वो पहली बार किसी वेब सीरीज का डायरेक्शन कर रहे हैं। इस सीरीज में सिद्धार्थ मल्होत्रा लीड एक्टर के तौर पर दिखाई देंगे। इसके अलावा इसमें शिल्पा शेट्टी और विवेक ओबरॉय भी नजर आएंगे। ये ओटीटी फ्लेटफॉर्म 'अमेजन प्राइम' पर रिलीज होगी।

रोहित की लेटेस्ट फिल्म सर्कस डिजास्टर साबित हुई

रोहित शेट्टी की फिल्में बॉक्स ऑफिस पर तगड़ा कलेक्शन करने के लिए जानी जाती हैं। वो बॉलीवुड के चुनिंदा डायरेक्टर्स में से एक हैं जिन्होंने शायद ही कोई फ्लॉप दी हो, लेकिन उनकी हाल ही में आई फिल्म सर्कस बहुत बड़ी डिजास्टर साबित हुई है। फिल्म 23 दिसंबर को रिलीज हुई थी। इसने अब तक सिर्फ 31.25 करोड़ का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन किया है।

फिल्म में एक लंबी चौड़ी स्टारकास्ट देखने को मिली है बावजूद इसके फिल्म कुछ खास कमाल नहीं कर पाई। फिल्म में रणवीर सिंह, जैकलीन फर्नांडीज, पूजा हेगड़े और वरुण शर्मा जैसे एक्टर्स नजर आए थे।

2023 में रोहित करेंगे धमाका

रोहित शेट्टी के लिए 2022 कुछ खास नहीं रहा लेकिन 2023 में अपनी फिल्मों और सीरीज के जरिए वो धमाकेदार वापसी करने को तैयार हैं। 2023 में उनकी सिंघम 3, गोलमाल 5 और सूर्यवंशी 2 जैसी दमदार एक्शन पैक्ड फिल्में रिलीज होंगी। इसके अलावा वो वेब सीरीज इंडियन पुलिस फोर्स के साथ ओटीटी फ्लेटफॉर्म पर शानदार एंट्री करने को तैयार हैं।

इब्राहिम संग डेटिंग की खबरों के बीच दिखीं पलक तिवारी:स्टाइलिश लुक में नजर आईं बिजली गर्ल

श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी ने बहुत ही काम समय में ही अपनी खास पहचान हासिल कर ली है। पलक अक्सर ही अपने लुक्स को लेकर सुर्खियों में बनी रहती हैं। अब हाल ही में पलक मुंबई के बांद्रा में स्पॉट हुई हैं, जिसका एक वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में वह बेहद ग्लैमरस लुक में दिखाई दीं। इस दौरान वह वाइन कोर्सेट टॉप और ब्राउन लैदर पैंट्स में नजर आईं। इस बीच उन्होंने पैपराजी को जमकर पोज भी दिए। वहीं , आज कल वह अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी चर्चा में है। दरअसल, कुछ समय पहले पलक सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम के साथ कार में नजर आई थीं। इस दौरान उन्होंने पैपराजी को देख अपना चेहरा छुपा लिया था। इसके बाद दोनों की डेटिंग की खबरें उड़ने लगीं। हालांकि, पलक और इब्राहिम ने रिलेशनशिप को लेकर कोई ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं की है।

सलमान खान की फिल्म में आएंगी नजर

बता दें, पलक तिवारी जल्द ही बॉलीवुड डेब्यू करने जा रही हैं। इस साल वह सलमान खान की फिल्म किसी का भाई किसी का जान में नजर आएंगी। इसके अलावा पलक तिवारी का गाना बिजली-बिजली भी बहुत पॉपुलर हुआ था। इस वीडियो के सामने आते ही सोशल मीडिया पर फैंस उनकी जमकर तारीफ कर रहे हैं।

पत्नी संगीता से अलग हो रहे सुपरस्टार थलापति विजय!

23 साल बाद ले रहे तलाक का फैसला,फैंस को हुई स्टार कपल की चिंता

सुपरस्टार थलापति विजय इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म वरिसू को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच उनकी निजी जिंदगी को लेकर भी सोशल मीडिया पर खूब हलचल देखने को मिल रही है। दरअसल, इन दिनों खबरें आ रही हैं कि विजय अपनी पत्नी संगीता से तलाक लेने जा रहे हैं। शादी के 23 साल बाद अलग होने का फैसला ले रहा है।

ट्रेलर लॉन्च में नहीं दिखीं संगीता

तलाक को लेकर खबर तब आई जब संगीता फिल्म मेकर एटली की पत्नी के बेबी शॉवर से नदारद थीं। इसके बाद उन्हें वरिसू के ट्रेलर लॉन्च इवेंट पर भी नहीं देखा गया, जिससे तलाक की खबरों को हवा मिल गई। हालांकि अभी तक कपल ने तलाक को लेकर अपनी तरफ से कुछ भी नहीं कहा है।

तलाक की खबर सुन परेशान हुए फैंस

तलाक की खबर सामने आने के बाद से ही विजय के फैंस बेहद परेशान हैं। कई मीडिया चैनल की रिपोर्ट तलाक की खबरों को महज अफवाह बता रहे हैं। पिंकविला के एक सोर्स ने दावा करते हुए कहा- विजय और संगीता के अलग होने की खबरें पूरी तरह से बेसलेस हैं। हमें नहीं पता है कि ये खबरें कहां से शुरू हुईं।'

मीडिया चैनल ने ये भी दावा किया कि संगीता अपने बच्चों के साथ वेकेशन पर गई हैं, जिस वजह से वो बेबी शॉवर और वीरसू ट्रेलर लॉन्च का हिस्सा नहीं रह पाईं। माना जा रहा है कि जल्द ही विजय भी पत्नी और फैमिली के पास वेकेशन मनाने जाएंगे।

विजय थलपति और संगीता ने 1999 में की थी शादी

बता दें की विजय और संगीता की शादी को करीब 23 साल

हो चुके हैं। 25 अगस्त 1999 को कपल शादी के बंधन में बंधे थे। जल्द ही दोनों को एक-दूसरे से प्यार हो गया और दोनों ने शादी का फैसला कर लिया। दोनों ने उस दौर में हिंदू और ईसाई दोनों धर्मों से शादी की थी। 2000 में कपल ने अपने पहले बच्चे को जन्म दिया जिसका नाम जेसन संजय है, वहीं 2005 में उनके घर बेटी का जन्म हुआ।

अपने बर्थडे पर बिपाशा बसु ने शेयर किया बेटी देवी का क्यूट वीडियो

बॉलीवुड एक्ट्रेस बिपाशा बसु आज यानी 7 जनवरी को अपना 44वां बर्थडे सेलिब्रेट कर रही हैं। इस खास मौके पर फैंस उन्हें जन्मदिन की बधाइयां और शुभकामनाएं दे रहे हैं। इसी बीच एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर अपनी बेटी देवी के साथ एक क्यूट शेयर किया है, जिस पर फैंस जमकर प्यार लुटा रहे हैं।

बेटी को बताया भगवान का खास तोहफा

बिपाशा बसु ने जो वीडियो इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है, इसमें वह देवी के पैर चूमते नजर आ रही हैं। हालांकि इस वीडियो में देवी का चेहरा नजर नही आ रहा है। इस दौरान बिपाशा पिंक कलर के आउटफिट में नजर आ रही है। वहीं, देवी ब्लू कलर के कपड़ों में दिख रही हैं।

इसी के साथ उन्होंने वीडियो के कैप्शन में एक प्यारा सा नोट भी लिखा है। उन्होंने लिखा, 'भगवान ने मुझे सबसे अच्छा गिफ्ट दिया- मेरी बेटी देवी। मेरे पहले सबसे अच्छे गिफ्ट के बाद, मेरे लाइफ का प्यार- मेरे हसबैंड करण सिंह ग्रोवर। दुनिया की सबसे लकी लड़की'।

सब रोल में नजर आ चुकी हूं, बस अब भूत का किरदार निभाना है : रीना रॉय:

70 और 80 के दशक की पॉपुलर एक्ट्रेस रीना रॉय आज यानी 7 जनवरी को अपना 66वां बर्थडे सेलिब्रेट कर रही हैं। रीना की पर्सनल लाइफ में काफी उतार-चढ़ाव रहे। छोटी थीं तो मां-बाप का तलाक हो गया। घर की माली हालत ठीक नहीं थी तो रीना ने क्लब में डांस करना शुरू किया। फिल्मों में आईं तो 11 साल बड़े शत्रुघ्न सिन्हा से अफेयर रहा, लेकिन 7 साल में दोनों का रिश्ता टूट गया। फिर कुछ समय बाद उन्होंने पाकिस्तानी क्रिकेटर मोहसिन खान से शादी कर ली, लेकिन ये शादी ज्यादा समय तक नहीं चली और उनका तलाक हो गया।

बर्थडे पर मैं भगवान को फिट और फाइन रखने के लिए धन्यवाद देती हूं। परमात्मा को याद करते हुए थोड़ा दान-पुण्य करती हूं, जिस तरह से पूरी जिंदगी मेरी मां करती रही हैं। वे हमें भी सिखाती रहीं कि जन्मदिन पर आश्रमों में खाना और जरूरत की चीजें भेजो। गुरुद्वारा और मंदिरों में फल भेजो। जरूरतमंद बच्चों को खाना खिलाओ। ये सिलसिला लगा रहा और अब तक वही करती आ रही हूं।

बर्थडे पर मेरी फैमिली मुझसे मिलने आती है। हम सबके साथ मिल-बैठकर खाना खाते हैं और बातें करते हैं। एक-दो सहेलियां आ जाती हैं, उनके साथ यहां-वहां की बातें, हंसी-मजाक होती है। अब देखिए, बचपन में जब जन्मदिन होता था न उसमें बहुत धमाल होता था। अब तो ये ठहराव वाला जन्मदिन है। बचपन में स्कूल में चॉकलेट बांटती थी, फिर सहेलियों के साथ फिल्म देखने जाती थी, पर अब घर में सहेलियां आती हैं।

मेरी पूरी जिंदगी में शूटिंग करते हुए ही जन्मदिन मने हैं। जब से होश संभाला है, सेट पर ही रही हूं। लोगों ने केक लाए और खिलाए। करियर में ज्यादा बिजी होने के चलते गाड़ी के ऊपर भी केक रखकर काटे और लोगों को खिलाए हैं। बिजी लाइफ में बर्थडे स्पेशल डे नहीं होता है। अभी सलमान खान को देखा कि उन्होंने सड़क पर ही केक काटकर लोगों को खिलाया, उसमें से थोड़ा खुद भी खाया। कभी ट्रैवलिंग कर रहे हैं, तो कभी तीन-तीन शिफ्ट काम करने में बिजी रहती थी। सरप्राइज के तौर पर कुछ मिला हो तो याद नहीं आ रहा है। माता की कृपा है कि सरप्राइज के तौर हमारे पास एक बिटिया है। ये गिफ्ट हमें परमात्मा से मिला है। बिटिया ने अभी-अभी पढ़ाई खत्म की है। आगे बिजनेस मैनेजमेंट का कोर्स वगैरह कर रही है।

पुरानी एक्ट्रेस मुमताज जी के टच में हूं। वे ज्यादातर लंदन में रहती हैं, लेकिन जब मुंबई में होती हैं, तब हम एक-दूसरे के घर आते-जाते हैं। डिंपल जी से हमारी हैलो-हाय है। उनसे महीने-दो महीने में मुलाकात होती है। जरीना वहाब, हनी आदि हम कुछ कलाकार हैं, जो एक-दूसरे से मिल लेते हैं, हमारा आपस में हंसी-मजाक चलता है। हां, कुछ ऐसे फैन हैं, जो आज भी बुके और मिठाइयां भेजते हैं। दुनिया कहां से कहां चली गई, पर वे आज भी वैसे ही विश करते हैं। घर वालों का विश करना, वो तो हक की बात हो जाती है।

हां, कई ऐसे मिले। कुछ खुदकुशी करना चाहते थे। वे घर पर भी आए, तब हमारी माताजी ने प्यार-मोहब्बत से समझाकर उन्हें वापस भेज दिया। फिल्में देखकर कुछ सीधे-सादे लोग गांव से आ जाते थे। उनका कहना होता था कि अब हम आए हैं, आपके घर में रहेंगे, आपकी सेवा करेंगे और आपसे ही शादी करेंगे।

ऐसे सीधे-सादे लोगों को उन्हें खिला-पिलाकर, उनका ट्रेन टिकट करवाकर, उनकी जेब में कुछ पैसे डालकर वापस भेजती थी। मां ऐसे लोगों को समझाती थीं कि ऐसा नहीं होता है। अभी मेरी बेटी मुंबई में नहीं है। वो बाहर शूट करने गई है। कई महीने बाद आएगी। ऐसे बहुत लोग आते थे। यहां तक कि छोटी-छोटी लड़कियां भी भागकर आ जाती थीं। उनका कहना होता था कि मुझे भी रीना मैडम जैसा बनना है।

फराह खान के स्वागत के लिए खाली कराया पूरा रेस्टोरेंट:डायरेक्टर बोलीं- वाह, लेकिन बिल कौन भरेगा?

बॉलीवुड डायरेक्टर फराह खान अक्सर सोशल मीडिया पर बच्चों और सेलेब्स के साथ अपना फनी वीडियो और फोटो शेयर करती रहती हैं। इसी बीच एक फराह ने सोशल मीडिया पर एक मजेदार वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह राजस्थान वेकेशन पर पहुंची हैं। इसमें वह बता रही हैं कि खास उनके स्वागत के लिए पूरा रेस्टोरेंट खाली कराया गया है। वीडियो की शुरुआत में फराह जयपुर के रामबाग पैलेस के रेस्टोरेंट के अंदर जाती हुई नजर आ रही हैं। इसके बाद होटल के कर्मचारी फराह का वेलकम करते हुए कहते हैं, ₹नमस्ते, नमस्ते। फराह कहती हैं,' वाह, इतना बड़ा स्वागत है।

ये रेस्टोरेंट इतना खाली क्यों है आज?' इस सवाल के जवाब में रेस्टोरेंट के होस्ट कहते हैं, मैम ये आज आप के लिए खोला है यह खासतौर पर आपके लिए है, इस बात को सुनकर फराह हैरान होते हुए कहती हैं, ये पूरा रेस्टोरेंट मेरे लिए खोला है? वाह, लेकिन बिल कौन भरेगा।'

फराह के वीडियो पर फैंस ने दिए रिएक्शन

फराह के इस पर फैंस अपने मजेदार रिएक्शन देते हुए नजर आए। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, 'पैसा बोलता है, वीवीआईपी ट्रीटमेंट बेशक हर किसी के लिए नहीं है तो इसका लुत्फ उठाने के बजाय डर क्यों रहे हो?" दूसरे यूजर ने लिखा, 'हाहाहा आप कमाल की हैं और फनी भी'। डायरेक्टर के इस वीडियो पर ऐसे ही तमाम फैंस फनी रिएक्शन देते हुए नजर आ रहे हैं।

एयरपोर्ट पर रश्मिका मंदाना ने फैन के साथ ली सेल्फी

पुष्पा एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना इन दिनों एक्टर विजय देवरकोंडा संग अपने रिलेशनशिप की खबरों को लेकर सुर्खियों में छाई हुई हैं। इसी बीच एक्ट्रेस को आज मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया, जिसका एक वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में रश्मिका बेहद सिंपल लुक में नजर आईं। एयरपोर्ट पर रश्मिका मंदाना व्हाइट टी शर्ट और ब्लैक जैगिंग में सिंपल अंदाज में पहुंची, जिसके बाद फैंस उनके साथ फोटो क्लिक करवाते हुए नजर आए। सलमान के भाई और बॉलीवुड एक्टर अरबाज खान को भी मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया। इस दौरान अरबाज ब्लैक टीशर्ट और जैकेट में काफी हैंडसम लग रहे हैं। वहीं, फिल्म 'मैंने प्यार किया' से हिट होने वाली एक्ट्रेस भाग्यश्री भी मुंबई एयरपोर्ट पर नजर आईं। इस दौरान वह कैजुअल लुक में बेहद खूबसूरत लग रही हैं। भाग्यश्री ने मुस्कुराते हुए पैपराजी को पोज भी दिए। इनके अलावा रकुल प्रीत सिंह, अमायरा दस्तूर और सिंगर शर्ली सेटिया और टीवी एक्ट्रेस दीपिका सिंह भी मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट हुईं।

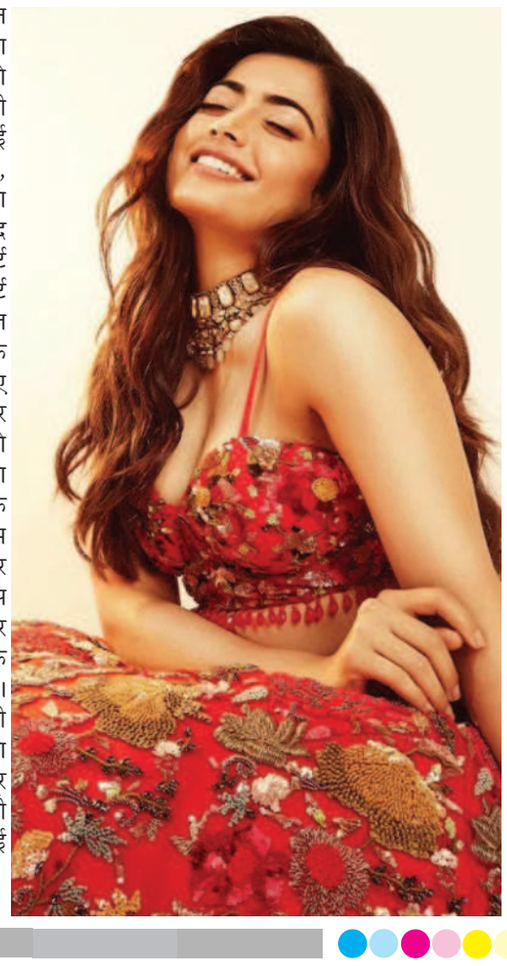

पेट्रोल पर 10 रुपये लीटर मुनाफा कमा रही हैं तेल कंपनियां

नई दिल्ली, 7 जनवरी (एजेंसियां)। तेल कंपनियां इस समय हर लीटर पेट्रोल पर 10 रुपये का मुनाफा कमा रही हैं। बावजूद इसके ग्राहकों को इसका कोई फायदा नहीं हुआ है क्योंकि कंपनियों ने कीमतों को लंबे समय से स्थिर रखा है। दूसरी ओर, डीजल पर इनको 6.5 रुपये प्रति लीटर का घाटा हो रहा है। सरकारी कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी), भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लि (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन (एचपीसीएल) ने अप्रैल से पेट्रोल

और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। इन्हें 24 जून, 2022 वाले हफ्ते में पेट्रोल पर 17.4 रुपये लीटर और डीजल पर 27.7 रुपये लीटर का घाटा हो रहा था।हालांकि, अक्तूबर-दिसंबर तिमाही में इन कंपनियों को पेट्रोल पर फायदा तो हुआ पर डीजल पर घाटा हो रहा है। अप्रैल-मई में जब कच्चे तेल की कीमतें 103 डॉलर तक पहुंच गई थीं, तब भी इन कंपनियों ने कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया। इससे उनको उस समय भारी घाटा हुआ था। जून में कच्चे तेल की कीमत 116 डॉलर से गिरकर अब 78-79 डॉलर पर आ गई हैं। कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के कारण अप्रैल से सितंबर तिमाही में इन तीनों कंपनियों को 21,201 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था।

बजट तैयार करने में इस 'नवरत्न' की भूमिका सबसे अहम

तय करेंगे देश का आर्थिक भविष्य

नई दिल्ली, 7 जनवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार की ओर से 1 फरबरी, 2023 को 2024 के आम चुनावों से पहले अपना अंतिम पूर्ण केंद्रीय बजट पेश करेगी। यह बजट घरेलू स्तर पर कई खुशनुमा खबरों के बीच आएगा। भारत जी-20 की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था में से एक है। मुद्रास्फीति में गिरावट दर्ज की गई है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ओर से ब्याज दरों में बढ़ोतरी पर रोक लगाने की उम्मीद भी जा रही है। हालांकि इस सबके बीच वैश्विक बाजार में अनिश्चितता बनी हुई है। ऐसे में इस साल पेश होने वाला बजट अहम है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और नॉर्थ ब्लॉक में उनके साथ बजट की बरीकियों को अंतिम रूप देने में जुटी टीम के सामने चुनावी साल से पहले देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती के साथ चलाने का जिम्मा है। ऐसे तो वित्त मंत्री का बजट भाषण ऐसे तो 1 फरबरी 2023 को तय है पर इसे तैयार करने के लिए महीनों पहले से कुछ लोग दिन-रात एक किए हुए हैं। बजट 2023-24 को तैयार करने में नौ लोगों की भूमिका सबसे अहम है, आइए जानते हैं उन 'नवरत्नों' के बारे में-

निर्मला सीतारमण

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एक फरवरी को वर्ष 2023-24 का केद्रीय बजट पेश करेंगी। इस बार वे लगातार पांचवीं बार पेश करेंगी। वित्त मंत्री के रूप में देश का केंद्रीय बजट तैयार करने की प्रक्रिया में उनका सबसे अहम योगदाना होगा। वित्त मंत्री ने दिल्ली के प्रतिष्ठित जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय से पढ़ाई की है।

पीयूष गोयल

देश के वाणिज्य मंत्री के तौर पर पीयूष गोयल का बजट तैयार होने की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण योगदान रहेगा। हाल के दिनों में विभिन्न देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते को मुकाम तक पहुंचाने में वे बहुत सक्रिय रहे हैं।

उनके पास सीमित समय के लिए ही सही पूर्व में वित्त मंत्रालय संभालने का अनुभव भी है। ऐसे में वर्ष 2023-24 का बजट तैयार करने के दौरान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण उनके अनुभव का इस्तेमाल जरूर करेंगी। इस तरह उनकी भूमिका बजट तैयार करने की प्रक्रिया के दौरान अहम होगी।

टीवी सोमनाथन

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के बाद बजट तैयार करने वालों में दूसरा प्रमुख चेहरा वित्त सचिव टीवी सोमनाथन का होगा। सोमनाथन तमिलनाडु कैडर के 1987 बैच के आइएएस अधिकारी हैं। उनके नेतृत्व में देश के पूंजी खर्च रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचा है।

अजय सेठ

बजट तैयार करने वालों में एक अहम नाम वित्त मंत्रालय के इकोनॉमिक अफेयर्स विभाग के प्रभारी सचिव अजय सेठ का है। बजट डिविजन का जिम्मा वही देखते हैं। बजट से जुड़े इनपुट्स और अलग-अलग तरह के वित्तीय विवरण तैयार करने में उनका अहम योगदान होता है।

तुहीन कांत पांडेय

तुहीन कांत पांडेय वित्त मंत्रालय के तहत आअने वाले विनिवेश और सार्वजनिक संपत्ति प्रबंधन विभाग के सचिव हैं। हाल के दिनों ने सरकार ने विनिवेश के क्षेत्र में जो उपलब्धि हासिल की है उनमें तुहीन का बहुत अहम योगदान रहा है। एलआईसी का आईपीओ लाने और एयर इंडिया के निजीकरण में भी उनकी अहम भूमिका रही है।

संजय मल्होत्रा

हाल ही में नियुक्त हुए राजस्व सचिव संजय मल्होत्रा 1990 बैच के राजस्थान कैडर के आइएएस अधिकारी हैं। उनके ऊपर यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी होगी कि बजट में की गई घोषणाएं सरकार की पॉलिसी और महत्वकांक्षाओं के अनुरूप हों। उन्हें ये सुनिश्चित करना होगा कि बजट में की गई घोषणाएं धरातल से बहुत दूर ना हों।

विवेक जोशी

2022 के अक्तूबर महीने की 19 तारीख को वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग के सचिव चुने गए विवेक जोशी पर भी बजट तैयार करने की प्रक्रिया में अहम योगदान होगा।

इस भूमिका में आने से पहले जोशी गृह विभाग के तहत जनगणना के रजिस्ट्रार जनरल और निदेशक थे।

वी अनंत नागेश्वरन

वी अनंत नागेश्वरण को वर्ष 2022 के बजट के पहले चीफ इकोनॉमिक ऑफिसर चुना गया था। इस बार जब बजट तैयार किया जा रहा है उस पूरी प्रक्रिया में नागेश्वरण भी अहम भूमिका में हैं। उनके ऊपर वर्ष 2022-23 के लिए आर्थिक सर्वे का ड्राफ्ट करने की भी जिम्मेदारी है।

शक्तिकांत दास

वर्ष 1980 बैच के तमिलनाडु कैडर के रिटायर्ड आईएएस अधिकारी शक्तिकांत दास 12 दिसंबर 2018 से भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर का पद संभाल रहे हैं। देश में महंगाई को काबू करने के लिए कोशिशें करना हो या सरकार की आर्थिक नीतियों का बचाव करना उन्होंने हमेशा अपनी भूमिका के साथ न्याय किया है। ऐसे में आने वाले वित्तीय वर्ष का बजट तैयार करने में उनकी भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होगी इसे नकारा नहीं जा सकता है।

एलन मस्क वादा करके मुकरे! पहले छीनी नौकरी और अब हर्जाना देने में भी देरी, खाली हाथ मायूस कर्मचारी

नई दिल्ली, 7 जनवरी (एजेंसियां)। ट्विटर के सीईओ एलन मस्क कुछ समय पहले कड़ी आलोचना का सामना कर रहे थे जब उन्होंने ट्विटर के अधिग्रहण के बाद कई कर्मचारियों को कंपनी से बाहर का रास्ता दिखा दिया था, उस वक्त इन एम्पलाइज को हर्जाने के तौर पर बड़ी रकम देने का वादा किया गया था लेकिन खबर है कि कई कर्मचारियों को अब तक यह पैसा नहीं मिला है। न्यूज एजेंसी ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट में यह बात सामने आई है। नवंबर की शुरुआत में ट्विटर ने अपने 7,500 कर्मचारियों की टीम में से लगभग आधे लोगों को नौकरी से निकाल दिया था। नौकरी से निकाले गए कैलिफोर्निया में रहने वाले लगभग 1,000 लोगों ने राज्य के पास इस संबंध में दस्तावेज दिए हैं।

ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट में कहा गया है कि इन श्रमिकों को राज्य और संघीय कानून के तहत दो महीने बाद नियमित पे चेक मिलने थे। लेकिन 60 दिनों की अवधि 4 जनवरी को समाप्त हो गई, लेकिन अब तक यह रकम नहीं मिली है। निकाले गए 3 कर्मचारियों के हवाले से रिपोर्ट में बताया गया कि, बर्खास्त कर्मचारियों ने अभी तक अतिरिक्त पैकेज या स्वास्थ्य कवरेज को जारी रखने को लेकर किसी जानकारी के बारे में पता नहीं चला है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		
सूर्य-	धनु	में
चंद्र-	कर्क	में
मंगल	वृष	में
बुध-	धनु	में
गुरु-	मीन	में
शुक्र-	मकर	में
शनि-	मकर	में
राहु-	मेष	में
केतु-	तुला	में

लग्नारंभ समय		
धनु---	05-12	बजे
मकर-	07-14	बजे
कुंभ -	09-15	बजे
मीन...	10-39	बजे
मेष--	12-18	बजे
वृष--	14-04	बजे
मिथुन..	16-05	बजे
कर्क...	18-16	बजे
सिंह...	20-29	बजे
कन्या..	21-39	बजे
तुला	00-45	बजे
वृश्चिक	02-56	बजे

विक्रम श्री नल नाम संवत्- **2079**
शक संवत् **-1944,** कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426878**
कलियुग संवत् **-5123** वर्ष सूर्य-उत्तरायणे
कल्पारंभ संवत् **-1972949123**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885123**
महावीर निर्वाण संवत् **-2549,**हिजरी सन् **-1443**
ऋतु-शिशिरदिशाशूल- पश्चिम •पान खाकर घर से निकले
तिथि- प्रतिपदा- **07 -07** तक उपरान्त द्वितीया
मास • माघ कृष्ण पक्ष , रविवार **Jan 08**
नक्षत्र •पुष्य • **03 -07** अहोरात्र तक
योग • वैधृति • **09 - 41** • तक उप विष्कुंभ
करण- कौलव **-07 - 07** • तक उप- तैतिल
विशेष:-
व्रत •त्योहार • रवि पुष्य योग-**07-31** से

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 16:33 से 17:56 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
उत्पात	06:52 - 08:13	अशुभ	शुभ.	17:53 - 19:33	शुभ
चंचल	08:13 - 09:36	शुभ	अमृत.	19:33 - 21:09	शुभ
लाभ	09:36 - 10:59	शुभ	चंचल.	21:09 - 22:46	शुभ
अमृत	10:59 - 12:23	शुभ	रोग.	22:46 - 00:23	अशुभ
काल.	12:23 - 13:46	अशुभ	काल.	00:23 - 01:59	अशुभ
शुभ.	13:46 - 15:09	शुभ	लाभ	01:59 - 03:36	शुभ
रोग	15:09 - 16:33	अशुभ	उत्पात	03:36 - 05:13	अशुभ
उत्पात	16:33 - 17:53	अशुभ	शुभ	05:13 - 06:52	शुभ

आपका राशिफल

मेष (धू धे धो ला ली लू ले लो अ) — आज आप अपने संपर्क में आने वाले हर व्यक्ति के साथ प्रेमपूर्ण व्यवहार करेंगे। कोई आपकी उदारता से प्रभावित होकर दिन के अंत तक आपसे अपनी भावना का इजहार कर सकता है हालाँकि अभी भी आपके मन में कडवे अनुभव भरे हुए हैं । लेकिन अब समय आ गया है की आप सारी नकारात्मकता को दूर करके एक नयी शुरुआत करें ।

वृष (ई उ ए जो वा वी वू वे वो) — आज आपको कुछ चौंकाने वाली बातें पता चलेंगी । लेकिन चिंता ना करें,सब अच्छी खबरें होंगी । जिन कई चीजों के लिए आप लम्बे समय से कोशिश कर रहे थे,वे आज पूरी होने वाली हैं । जिन कोशशों को आप अपनी और से व्यर्थ मान चुके थे,वे अंतत आज सफल होंगी ।इसीलिए आज दोस्तों और परिजनों के साथ खुशियाँ मनाएं ।

मिथुन (का की कू घ ड झ के को हा) — आज का दिन बहुत अच्छा रहेगा और बहुत से लोग आपको आपकी दयनीय स्थिति से निकालने के लिए हाथ बढ़ाएंगे । लेकिन आप इस स्थिति में किसी और की गलती की वजह से फंसे हैं,अबकी बार ऐसे लोगों से सावधान रहें । आज आपको अपनी जीत का जश्न मनाना चाहिए । अगर आप अपनी खान-पान सम्बन्धी दैनिक आदतों का ध्यान रखें।

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो) — नकारात्मकता से भरे छली लोगों से दूर रहें । ये आपको भी नकारात्मक बनाकर असफल कर देने की कोशिश में हैं जबकि आप अपनी मंजिल के बहुत करीब हो । शांति के लिए आज अपना अधिकतर समय परिवार के साथ घर पर बिताएं और सारा बाकी काम पूरा कर लें । कुछ मीठी यादें सहेजने के लिए अपने कमरे में उनका फोटो लगा दें ।

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे) — आपसे सामजिक संपर्कों पर और ध्यान देने की अपेक्षा है। आपके आकर्षक व्यक्तित्व का सबपर प्रभाव पड़ेगा । इसके अलावे आपको उन लोगो पर भी ध्यान दें जो आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा को नुक्सान पहुंचा रहे हैं । अपनी व्यस्त कार्यशैली के बावजूद सेहत का ध्यान रखें । वाहन चलाते समय सावधान रहें

कन्या (टो पा पी पू ष ण ट पे पो) — दिन की शुरुआत अच्छी खबर से होगी । आप काफी समय से जिस योजना पर काम कर रहे थे ,वह आज फलीभूत होगी । सहकर्मियों के साथ कहीं बाहर जा सकते हैं । आपको अच्छा लगेगा । आज वित्त सम्बन्धी कोई फैसला लेंगे जो भविष्य में लाभकारी साबित होगा । आज किसी तीर्थ की यात्रा भी कर सकते हैं ।

तुला (स री रु रे से ता तू ते) — आप पिछले कुछ दिनों से कोई बड़ी योजना बना रहे हैं । वास्तव में आज आपको यह बात महसूस होगी कि आप क्या करने जा रहे हैं और इसका आप पर काफी प्रभाव पड़ेगा लेकिन अब आपके पास पीछे हटने का विकल्प मौजूद नही है । आपको इसी दिशा में विशवास से आगे बढना होगा

वृश्चिक (तो मा मी मू मे मो य यी यू) — अनुभव सबसे बड़ा अध्यापक है और अभी आपको इसी से सीखना है । भूतकाल से ली हुई सीख की उपेक्षा ना करें ताकि भविष्य की परेशानियों से बच सकें । जरुरतमंदों ,चाहे बच्चे हों या बूढ़े,उनकी मदद करें । ऐसे करने से ही आप सही रास्ते पर चल पायेंगे चाहे आपको अभी इस पर चलने में कोई भी परेशानी आ रही हो ।

धनु (ये यो भा भी मू धा फा ढा भे) — आज आप घर और ऑफिस दोनों स्थानों पर शान्तिपूर्ण माहौल बनाने की कोशिश करेंगे । आपका यह अनुभव मजेदार रहेगा और आप इससे प्रेरित भी होंगे । हालंकि अपनी निजी बातें किसी के साथ भी ना बाँटें ,और कोई भी कडवा पाठ सीखने के लिए भी खुद को तैयार रखें अंतर्मुखी सा महसूस करेंगे

मकर (भे जे जी खी खू खो मा मी) — आपके मन में कुछ ऐसा चल रहा है जिससे आप परेशानी महसूस कर रहे हैं,आप पिछली कुछ बातों के बारे में सोचकर परेशान हैं । अपने किसी करीबी दोस्त या सम्बन्धी के साथ अपनी भावनाएं बांटिये,आपको काफी अच्छा महसूस होगा । ये सारी घटनाएँ आपको मजबूत बनाने के लिए हैं ।

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा) — यह समय मजे और स्वतन्त्रता दोनों में से किसी एक को चुनने का है । अगर आप जिम्मेदार हैं तो आपको स्वतंत्रता भी मिल ही जायेगी । हालाँकि अत्यधिक परिश्रम के बाद भी आप अपनी मंजिल पर तो नही पहुंच पायेंगे लेकिन बाद में आपको इसका फल जरुर मिलेगा इसलिए परिश्रम करते रहें ।

मीन (ढी दू ध झ ञ दे दो च ची) — आज आप अनुभव करेंगे कि आप सामान्य से कुछ अधिक बोल रहे हैं । आप पिछले कुछ समय से चालाकी भरा व्यवहार कर रहे हैं लेकिन आज आप इससे खुद ही परेशानी अनुभव करेंगे । आज आप वह सच्चाई नही उगलना चाहते जो शायद कईयों को अच्छी नही लगेगी । आज के लिए किसी एकान्त कार्यकलाप की योजना बनाएं

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

दिग्गज कारोबारी जैक मा का अब नहीं रहेगा 'एंट ग्रुप' पर नियंत्रण, कंपनी ने की ये बड़ी घोषणा

नई दिल्ली, 7 जनवरी (एजेंसियां)। चीन की दिग्गज ई-कॉमर्स कंपनी अलीबाबा की सहयोगी एंट ग्रुप ने शनिवार को कहा कि उसके संस्थापक जैक मा अब चीन की फिनटेक दिग्गज कंपनी पर नियंत्रण नहीं रखेंगे। माना जा रहा है कि दो साल पहले शेयर बाजार में कदम रखने के तुरंत बाद शुरू की गई नियामकीय कार्रवाई के कारण यह कदम उठाया जा रहा है। बता दें कि एंट का 37 अरब डॉलर का आईपीओ 2020 में अंतिम समय में रद्द कर दिया गया था। उसके बाद दिग्गज कंपनी का जबरन पुनर्गठन कर दिया। उसी समय से अटकलें लग रही थीं कि चीनी के अरबपति जैक मा अब अपना नियंत्रण छोड़ देंगे। हालांकि कुछ विश्लेषकों ने कहा है कि मा के नियंत्रण छोड़ने से कंपनी

के लिए अपने आईपीओ को फिर से लाने का रास्ता साफ हो सकता है। हालांकि, इस बदलाव के परिणामस्वरूप लिस्टिंग नियमों के कारण आईपीओ आने में और देरी होने की संभावना है। चीन के घरेलू शेयर बाजार में कंपनियों को नियंत्रण में बदलाव के बाद लिस्टिंग के लिए तीन साल इंतजार करना पड़ता है। कंपनियों को शंघाई के नैस्डैक शैली के बाजार में लिस्टिंग के लिए दो साल और हांगकांग में एक साल इंतजार करना पड़ता है।

2020 में एक्सचेंजों के साथ दायर एंट के आईपीओ प्रॉस्पेक्टस के अनुसार, मा के पास ई-कॉमर्स दिग्गज अलीबाबा ग्रुप होल्डिंग लिमिटेड की सहयोगी एंट में केवल 10% हिस्सेदारी है, लेकिन उनका संबंधित संस्थाओं के माध्यम से कंपनी पर है। प्रोस्पेक्टस से पता चला है कि मा निवेश फर्म हांग्जो युनबो का दो अन्य ऐसे संस्थाओं पर नियंत्रण था जिनके पास एंट की संयुक्त 50.5% हिस्सेदारी है। इस मा के पास कंपनी का नियंत्रण था। एंट ने अब कहा है कि मा और उसके नौ अन्य प्रमुख शेयरधारकों ने अपने मतदान अधिकारों का प्रयोग एक साथ नहीं करने पर सहमति व्यक्त की है। वे अब स्वतंत्र रूप से मतदान करेंगे। हालांकि यह भी कहा गया है कि इससे एंट में शेयरधारकों के आर्थिक हित नहीं बदलेंगे।

भारत की नजर निष्पक्ष व न्यायपूर्ण मुक्त व्यापार समझौतों पर

पीयूष गोयल बोले- बातचीत सही दिशा में

नई दिल्ली, 7 जनवरी (एजेंसियां)। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को कहा कि कई देशों के साथ द्विपक्षीय मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) करने के लिए बातचीत सही दिशा में चल रही है। कुछ 'निष्पक्ष और न्यायपूर्ण' बहुपक्षीय समझौतों पर भी भारत की नजर है। भारत ने वर्ष 2022 में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और ऑस्ट्रेलिया के साथ एफटीए को लागू कर इन देशों के साथ द्विपक्षीय व्यापार व निवेश को बढ़ाने की दिशा में कदम बढ़ाए हैं। इसके अलावा ब्रिटेन, कनाडा और यूरोपीय संघ के साथ भी एफटीए पर बातचीत हो रही है। गोयल ने '27वें व्हार्टन इंडिया इकोनॉमिक फोरम' को ऑनलाइन संबोधित करते हुए कहा कि कई देशों के साथ द्विपक्षीय मुक्त व्यापार समझौता संपन्न करने के लिए बातचीत हो रही है। उन्होंने कहा, इसके अलावा भारत की नजर एक या दो बहुपक्षीय व्यापार समझौतों पर भी है। हमें उम्मीद है कि इनसे हमें लाभ हो सकता है। किसी मुक्त व्यापार समझौते के तहत दोनों पक्ष एक-दूसरे के अधिकांश उत्पादों और सेवाओं को शुल्क-मुक्त या न्यूनतम शुल्क पर पहुंच देते हैं। इससे उनके बीच व्यापार और निवेश को बढ़ावा मिलता है। गोयल ने कहा कि द्विपक्षीय मुक्त व्यापार समझौतों का हिस्सा बनना भारत के हित में है। उन्होंने कहा, यह जरूरी है कि समझौते संतुलित हों और वे दोनों ही देशों के हित में हों। वे दोनों देशों के संवेदनशील पहलुओं का ध्यान रखते हैं और कुछ खास क्षेत्रों को संरक्षण देने में भी मदद करते हैं। उन्होंने कहा कि भारत हरेक उत्पाद को सक्षम ढंग से नहीं बना सकता है और ऐसी स्थिति में उन उत्पादों का आयात करना महत्वपूर्ण हो जाता है। वहीं कपड़ा, चमड़ा, फुटवेयर और दवा जैसे कुछ ऐसे उत्पाद हैं जिनमें भारत प्रतिस्पर्द्धी है और इनके निर्यात में व्यापार समझौते कारगर साबित हो सकते हैं।

रेहड़ी-पटरी वालों को लोन देने वाली स्वनिधि योजना पर कैबिनेट मंत्री अश्विनी वैष्णव ने किया ये एलान, सुनकर उछल पड़ेंगे

नई दिल्ली, 7 जनवरी (एजेंसियां)। में डिजिटल टेक्नोलॉजी की मदद से रेहड़ी-पटरी वालों को 5,000 रुपये तक की माइक्रो लोन फैसिलिटी देने पर खास जोर देगी। अश्विनी वैष्णव ने डिजिटल इंडिया पुरस्कार वितरण समारोह में कहा, 2023 में रेहड़ी-पटरी वालों की 3,000 रुपये से 5,000 रुपये तक माइक्रो लोन की जरूरतों को पूरा करने के लिए सरल तरीके से लोन फैसलिटी मुहैया करने पर खास ध्यान दिया जाएगा।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रत्येक नागरिक को डिजिटल रूप से जोड़ने के लिए देश के सभी हिस्सों तक 4जी और 5जी टेलीकॉम सेवाएं पहुंचाने को लगभग 52,000 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। रेल मंत्री ने कहा कि देश इस साल स्वदेशी रूप से विकसित 4जी और 5जी टेक्नॉलॉजी को लागू होते देखेगा। उन्होंने कहा कि टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए

प्रधानमंत्री मोदी के विजन के अनुसार देश में बहुत जल्द एक इलेक्ट्रॉनिक चिप मैन्यूफैक्चरिंग प्लांट की स्थापना की जाएगी।अभी पिछले महीने दिसंबर में ही प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना को दिसबंर 2024 तक बढ़ा दिया गया है। पहले इसकी आखिरी तारीख 31 मार्च 2023 तक थी। इस योजना के तहत छोटा व्यवसाय करने वाले और स्ट्रीट वेंडरों को लोन दिया जाता है। वित्त मंत्रालय ने ट्विटर पर इसकी जानकारी दी थी। प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि (स्वनिधि) योजना को माइक्रो लोन फैसिलिटी के रूप में जून 2020 में शुरू किया गया था।

सालों से इंतजार कर रहे घर खरीदारों को राहत

ग्रेटर नोएडा अथॉरिटी ने 2215 फ्लैट्स के रजिस्ट्रेशन को दी मंजूरी

नई दिल्ली, 7 जनवरी (एजेंसियां)। ग्रेटर नोएडा इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी ने 2 हजार 200 से अधिक फ्लैट को रजिस्ट्रेशन की अनुमति दे दी है। यह अनुमति ग्रेटर नोएडा के सेक्टर 1 और सेक्टर 16 के तीन हाउसिंग प्रोजेक्ट को दी गई है। अथॉरिटी इन फ्लैट्स के रजिस्ट्री के लिए कैंप भी लगाएगा, जिससे हजारों घर खरीदारों को फायदा पहुंचेगा। जीएनआईडीए के अधिकारियों के अनुसार, बिल्डरों ने इससे पहले अथॉरिटी के बकाये पैसों का भुगतान नहीं किया था। हालांकि अब बिल्डरों की ओर से पैसों का भुगतान कर दिया गया है, जिसके बाद इन फ्लैटों की रजिस्ट्री की अनुमति दी गई है। ऐसे में अगर आपने यहां कोई घर लिया हुआ है तो सिर्फ रजिस्ट्री के लिए आपका काम नहीं रुकने वाला है। एक अधिकारी ने इसके बारे में जानकारी देते हुए बताया कि बिल्डरों की ओर से अथॉरिटी को किया गया भुगतान कोई नया नियम नहीं है। उन्होंने बताया कि जीएनआईडीए की सीईओ रितु माहेश्वरी के निर्देश पर तीन बिल्डरों के 2215 फ्लैटों की रजिस्ट्री की अनुमति दी गई है। हालांकि बिल्डरों से वसूल की गई राशि के बारे में अथॉरिटी की ओर से कोई जानकारी नहीं दी गई है।

पीटीसी इंडिया पर बड़ा दांव लगाने के मूड में गौतम अडानी

हिस्सेदारी खरीदने के लिए लगा सकते हैं बोली

नई दिल्ली, 7 जनवरी (एजेंसियां)। पावर ट्रेडिंग कंपनी पीटीसी इंडिया पिछले एक साल से भारी दबाव से गुजर रही हैं। ऐसे में अब गौतम अडानी की कंपनी ने इसमें हिस्सेदारी खरीदने की दिलचस्पी दिखाई है। अडानी के साथ ही इसे खरीदने के लिए कई और कंपनियां भी विचार कर रही हैं। माना जा रहा है कि इसकी बोली इस महीने के अंत तक आ सकती है। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के अनुसार अडानी ग्रुप इसे खरीदने के लिए एक बड़ा दांव लगा सकता है। राज्य के स्वामित्व वाली संस्थाएं एनटीपीसी लिमिटेड, एनएचपीसी लिमिटेड,

पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया और पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन की पीटीसी इंडिया की प्रमोटर्स कंपनियां हैं और प्रत्येक 4 फीसदी हिस्सेदारी को बेचने की तैयारी कर रही हैं। हालांकि इन कंपनियों की ओर से कोई अधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है।वहीं पीटीसी इंडिया के प्रतिनिधि ने प्रमोटरों की हिस्सेदारी बेचने की ऐसी कोई भी जानकारी नहीं दी गई है। अगर अडानी ग्रुप इस कंपनी में हिस्सेदारी खरीदता है तो भारत में अडानी समूह की एनर्जी सेक्टर में और मजबूती होगी। अडानी ग्रुप की कोल माइनिंग और ट्रेडिंग बिजनेस के साथ एनर्जी सेक्टर में दबदबा है और कंपनी ट्रांसमिशन एंड डिस्ट्रीब्यूशन के कारोबार में भी सक्रिय है। अडानी ग्रुप ने इसके बारे में मेल को लेकर कोई जानकारी नहीं दी है। हालांकि कंपनी के प्रतिनिधि का कहना है कि ग्रुप अपने बिजनेस को विस्तार देने के रूप में देख रही है। वहीं पीटीसी इंडिया के प्रतिनिधि का कहना है कि इसके बारे में फर्म को कोई जानकारी नहीं है। इसके अलावा, प्रमोटर्स कंपनियों के प्रवक्ता की ओर से भी कोई टिप्पणी नहीं की गई है। पीटीसी के शेयर 12 महीने से 23.1 प्रतिशत गिर चुके हैं। ब्लूमवर्ग की एक रिपोर्ट के अनुसार इसका मार्केट वैल्यू 301 मिलियन डॉलर के करीब है। पीटीसी को 1999 में एक सार्वजनिक-निजी भागीदारी के रूप में शुरू किया गया था। इसे पावर ट्रेडिंग कार्पोरेशन भारत की के नाम से भी जाना जाता है। वेबसाइट के अनुसार, 2001 में ऊर्जा का व्यापार शुरू किया। इसकी देश में सबसे बड़ी बाजार हिस्सेदारी है और इसके ग्राहकों में भारत की सभी राज्य उपयोगिताओं के साथ-साथ कुछ पड़ोसी देशों में भी शामिल हैं।

रिचर्ड वर्मा अमेरिकी विदेश उपमंत्री नामित

बाइडन के फैसले का भारतवंशियों ने किया स्वागत

वॉशिंगटन, 7 जनवरी (एजेंसियां)। यदि सीनेट द्वारा रिचर्ड वर्मा की नियुक्ति की पुष्टि कर दी जाती है, तो वे अमेरिकी विदेश विभाग में सर्वोच्च रैंकिंग पाने वाले भारतीय-अमेरिकी होंगे। रिचर्ड वर्मा भारत में अमेरिकी राजदूत भी रह चुके हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने वकील और राजनयिक रिचर्ड वर्मा को विदेश उपमंत्री नामित किया है। सीनेट की मुहर के बाद वर्मा विधिवत पदभार संभालेंगे। बाइडन के फैसले का भारतीय-अमेरिकी निकाय ने स्वागत किया है।

यदि सीनेट द्वारा रिचर्ड वर्मा की नियुक्ति की पुष्टि कर दी जाती है, तो वे अमेरिकी विदेश विभाग में सर्वोच्च रैंकिंग पाने वाले भारतीय-अमेरिकी होंगे। रिचर्ड वर्मा भारत में अमेरिकी राजदूत भी रह चुके हैं। इससे पहले दिसंबर में व्हाइट हाउस ने एलान किया था कि राष्ट्रपति बाइडन ने 54 वर्षीय वर्मा को अमेरिकी विदेश मंत्रालय में प्रबंधन व संसाधन मामलों के

उपमंत्री के तौर पर मनोनीत करने का फैसला किया है।

इंडियन-अमेरिकन इंपैक्ट फंड ने एक बयान जारी कर कहा कि यह मनोनयन मौजूदा अमेरिकी प्रशासन को और विविधिकृत करने के राष्ट्रपति बाइडन के संकल्प की दिशा में एक और ऐतिहासिक कदम है। भारतवंशियों के इस संगठन ने कहा कि वर्मा का अमेरिकी विदेश विभाग में शामिल होना उनके लंबे सार्वजनिक जीवन और शानदार करियर का नतीजा है।

वर्मा के मनोनयन से भारतवंशी रोमांचित

इंडियन अमेरिकन इंपैक्ट फंड के कार्यकारी निदेशक नील माखीजा ने कहा कि हम एक और दूरदर्शी दक्षिण एशियाई नेता के मनोनयन से रोमांचित हैं और स्वागत करते हैं। वर्मा लंबे समय से हमारे समुदाय के एक अनुकरणीय और अभिन्न सदस्य रहे हैं। हम राष्ट्रपति बाइडन द्वारा उन्हें अमेरिका के विदेश उपमंत्री के रूप में नामित करने के फैसले से उत्साहित हैं। उम्मीद है कि अमेरिकी सीनेट जल्द ही उनके नामांकन की पुष्टि करेगी। वर्तमान में मास्टरकार्ड के मुख्य कानूनी अधिकारी और कंपनी की वैश्विक सार्वजनिक नीति के प्रमुख रिचर्ड वर्मा ने 16 जनवरी, 2015 से 20 जनवरी, 2017 तक भारत में अमेरिकी राजदूत के रूप में कार्य किया।

आधा दर्जन भारतीयों का मनोनयन

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने पिछले दिनों कम से कम आधा दर्जन भारतीय अमेरिकियों को प्रमुख प्रशासनिक पदों पर फिर से नामित किया था।

इनमें रिचर्ड वर्मा के अलावा डॉ. विवेक हालेगेरे मूर्ति, अंजलि चतुर्वेदी, रवि चौधरी, गीता राव गुप्ता, राधा अयंगर प्लंब को नामित किया है।

एरिक गार्सेटी बने भारत में अमेरिकी राजदूत

इसके अलावा अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने एरिक गार्सेटी को एक बार फिर भारत में अगले राजदूत के तौर पर नामित किया है।

व्हाइट हाउस ने उम्मीद जताई है कि इस बार अमेरिकी सीनेट की उनके नाम की पुष्टि की जाएगी। व्हाइट हाउस ने उनका नाम सीनेट के पास भेजने के बाद एक बयान में कहा, कैलिफोर्निया के एरिक एम. गार्सेटी भारत में अमेरिका के राजदूत हो सकते हैं। भारत में अमेरिकी राजदूत का पद पिछले करीब दो साल से खाली है।

यूक्रेन ने पुतिन पर सीजफायर उल्लंघन का आरोप लगाया

बोला- ऐलान के बावजूद सैनिकों ने रॉकेट दागे, रूस ने दावे गलत ठहराए

कीव, 7 जनवरी (एजेंसियां)। यूक्रेन ने रूस पर सीजफायर का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है। दरअसल, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने गुरुवार रात को ऐलान किया था कि उनकी फौज 6 और 7 जनवरी को यूक्रेन पर हमले नहीं करेगी। पुतिन ने यह फैसला रूस के 76 साल के ईसाई धर्मगुरु पेट्रिआर्क किरिल की अपील के बाद किया है। हालांकि अब यूक्रेन ने दावा किया कि रूसी सैनिक रॉकेट के जरिए उनपर हमला कर रहे हैं। वहीं, रूस ने इस दावे को गलत ठहराया है। रूस का कहना है कि वह सीजफायर का सम्मान करता है। हमले यूक्रेन की तरफ से किए जा रहे हैं, वह बस जवाब दे रहा है।

रूस ने यूक्रेन के आबादी वाले इलाकों पर तोपों और रॉकेट से हमले किए। इसके जवाब में यूक्रेनी सैनिकों ने आर्मी टैंक से फायरिंग की। इस वक्त यूक्रेन में बर्फ गिरने के कारण मौसम खराब है। इससे सैनिकों को ड्रोन उड़ाने और निशाना

साधने में मुश्किल हो रही है। एक यूक्रेनी सैनिक ने रॉयटर्स को बताया- आज के दिन के हालात भी वैसे ही हैं, जो एक दिन पहले, उसके पहले, पिछले हफ्ते और पिछले महीने थे। रूस से बात करने का कोई मतलब नहीं है। उसके वादों और फरमानों पर भरोसा नहीं करना चाहिए।

रूस चर्च पर हमले प्लान कर रहा: यूक्रेन मंत्री

रूस के कब्जे वाले इलाकों पर नजर रखने वाली यूक्रेन की मंत्री इरीना वीरेशचुक ने चेतावनी जारी की है। एक फेसबुक पोस्ट में उन्होंने कहा- रूस टेंपररी कब्जे वाली जगहों के चर्च पर हमले की प्लानिंग कर रहा है। मैं सभी लोगों को सुरक्षित जगह रहने की अपील करती हूं। आप सभी भीड़ में जाने से बचें और अपनों का ख्याल रखें।

यूक्रेन बोला- सीजफायर रूस की एक चाल

यूक्रेन ने इस सीजफायर को रूस का प्रोपेगैंडा, दोगलापन और एक सोची-समझी चाल बताया है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के सलाहकार मायखेलो पोडोलीक ने ट्विटर पर लिखा- रूस को कब्जे वाले इलाकों को छोड़ना होगा, तभी अस्थायी युद्धविराम लग सकता है। पूरी खबर पढ़ें...

रूस ने पहली बार किया फुल सीजफायर का ऐलान

पिछले साल फरवरी में यूक्रेन पर हमले के बाद ऐसा पहली बार है, जब रूस ने सीजफायर का ऐलान किया है। रूस और यूक्रेन दोनों देश ऑर्थोडॉक्स क्रिसमस मनाते हैं। यह 7 जनवरी को मनाया जाता है। ऑर्थोडॉक्स क्रिसमस पूर्वी यूरोप के देशों जैसे रूस, ग्रीस, इथियोपिया और इजिप्ट में भी मनाया जाता है।

यूक्रेन और रूस दोनों ही रशियन ऑर्थोडॉक्स चर्च के अनुयायी हैं, लेकिन यूक्रेनी चर्च को सोवियत युग में कम्युनिस्ट सरकारों के दमन की यादें ताजा हैं। उन्हें धार्मिक स्वतंत्रता नहीं थी। अब रूसी हमला उन्हें बीते वक्त की याद दिलाता है।

यूक्रेन के ऑर्थोडॉक्स चर्च ने 2019 में रूसी ऑर्थोडॉक्स चर्च से अलग होकर अपने को आजाद कर लिया था।

ट्रम्प को एक वोट मिला तो हंस पड़े सांसद

हाउस स्पीकर चुनाव में पूर्व राष्ट्रपति को केवल प्रस्तावक ने वोट दिया, केविन मैकार्थी जीते

वॉशिंगटन, 7 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के निचले सदन यानी हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में स्पीकर को चुनने के लिए लगातार 15 बार वोटिंग हुई। जिसके बाद केविन मैकार्थी को स्पीकर चुन लिया गया है। अमेरिका के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है जब लगातार इतने दिनों तक स्पीकर को चुनने के लिए वोटिंग की गई हो।

इसी बीच सदन के एक सदस्य मैट गैट्ज ने स्पीकर के लिए डोनाल्ड ट्रंप का नाम आगे बढ़ा दिया। वो इकलौते ऐसे व्यक्ति थे जिन्होने ट्रंप को वोट किया। जब इसकी घोषणा सदन में हुई तो सदस्य अपनी हंसी नहीं रोक पाए और ठहाके लगाने लगे।

जीत के बाद बाइडेन ने दी बधाई

रिपब्लिकन पार्टी के केविन मैकार्थी को स्पीकर चुनने के लिए चार दिन तक 15 राउंड की वोटिंग हुई। इसमें उन्हें 428 में से 216 वोट मिले, जबकि डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार हकीम जेफरीज को 212 सदस्यों ने वोट किया। मैकार्थी के स्पीकर चुने जाने के बाद राष्ट्रपति जो बाइडेन ने उन्हें बधाई दी है।

पार्टी में नहीं थी मैकार्थी के नाम पर एकजुटता

अमेरिका के हाउस ऑफ

रिप्रेजेंटेटिव्स में हाल ही में हुए मिडटर्म चुनावों में डोनाल्ड ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी को बहुमत मिला था। 435 सीटों में से 222 सीटें रिपब्लिकन पार्टी को मिली थीं, जबकि डेमोक्रेटिक को केवल 213 सीट ही मिल पाई थी। ऐसे में माना जा रहा था कि रिपब्लिकन पार्टी आसानी से अपना स्पीकर चुन लेगी। हालांकि ऐसा नहीं हो पा रहा था। खुद पार्टी ही अपने उम्मीदवार केविन मैकार्थी के स्पीकर चुने जाने पर एकजुट नहीं थी। 14 बार हुई वोटिंग में उन्हें बहुमत नहीं मिल पा रहा था।

डेमोक्रेट्स की हार के बाद नैंसी पेलोसी ने स्पीकर पद से दिया था इस्तीफा

अमेरिकी संसद की स्पीकर नैंसी पेलोसी हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में डेमोक्रेट्स की हार के बाद स्पीकर और अपनी पार्टी की लीडरशिप से हट गई थीं।

82 साल की पेलोसी ने कहा था- मैं डेमोक्रेटिक पार्टी के युवा नेताओं को मौका देना चाहती हूं। मैं किसी भी दावेदार का समर्थन नहीं करूंगी। सभी दावेदारों का अपना प्लान होगा, अपना विजन होगा।

पेलोसी ने ताइवान विजिट कर खींचा था दुनिया का ध्यान

नैंसी पेलोसी ने अमेरिका में मिड टर्म इलेक्शन से पहले ताइवान जाकर पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा था।

चीन की चेतावनी के बावजूद की गई इस विजिट से दोनों देशों में काफी तनाव पैदा हो गया था। माना जा रहा था कि पेलोसी ने ताइवान विजिट अमेरिका में वोटर्स को रिझाने के लिए की थी।

बम की धमकी के बाद जापान के विमान की आपात लैंडिंग

क्रू मेंबर समेत 142 यात्री थे सवार

टोक्यो, 7 जनवरी (एजेंसियां)। जापान में एक विमान को आनन-फानन में लैंड करवाया गया जब एक अंतरराष्ट्रीय कॉलर ने विमान में बम रखने की सूचना दी।

जापान में एक विमान को उस समय आनन-फानन में लैंड करवाया गया जब एक अंतरराष्ट्रीय कॉलर ने विमान में बम रखने की सूचना दी। जापान प्रसारण निगम एनएचके ने घटना की जानकारी देते हुए कहा कि विमान शनिवार को टोक्यो के नरीता हवाईअड्डे से फुकुओका जा रहा था और इसी दौरान किसी शख्स ने विमान में बम रखने की सूचना दे दी। बम की सूचना मिलने के बाद विमान में

अफरातफरी का माहौल पैदा हो गया। इसके बाद विमान को चुबु हवाईअड्डे की ओर मोड़ दिया गया। इसके बाद सभी 136 यात्रियों और चालक दल के छह सदस्यों को बाहर निकाल लिया गया।

आरोपी ने प्रबंधक से बात करने की मांग की

वहीं एनएचके ने पुलिस सूत्रों का हवाला देते हुए कहा कि आरोपी व्यक्ति ने विमान के कार्गो होल्ड में 100 किलोग्राम (220 पाउंड) प्लास्टिक विस्फोटक रखने का दावा किया और प्रबंधक से बात करने की मांग की। शख्स ने कहा कि अगर प्रबंधक से बात नहीं कराई गई तो वह उन्हें विस्फोट कर देगा।

विमान में कोई विस्फोटक नहीं: एनएचके

हालांकि, एनएचके ने कहा कि विमान में कोई विस्फोटक नहीं मिला है। एनएचके के अनुसार विमान से उतरते समय एक व्यक्ति मामूली रूप से घायल हो गया था, जिसने यात्रियों के आपातकालीन निकास द्वार से विमान को निकालने का फुटेज प्रसारित किया।

कोरोना में वर्क-लाइफ बैलेंस बिगड़ा

एक तिहाई लोगों ने हर हफ्ते 48 घंटे से ज्यादा, 20% ने 35 घंटे से कम काम किया

एशिया-प्रशांत में हर हफ्ते काम के सबसे ज्यादा औसत घंटे

क्षेत्र	48 घंटे से ज्यादा	35 घंटे से कम
अफ्रीका	27.2%	37.5%
अमेरिका	17.3%	26.7%
अरब देश	25.1%	14.0%
एशिया-प्रशांत	46.7%	14.5%
यूरोप, सेंट्रल एशिया	11.0%	22.8%
पूरी दुनिया	35.4%	20.3%

जिनेवा, 7 जनवरी (एजेंसियां)। सुबह 9 से शाम 5 बजे तक यानी 8 घंटे का काम सामान्य माना जाता है, लेकिन दुनिया की करीब एक तिहाई कामकाजी आबादी के लिए ऐसा नहीं है। इंटरनेशनल श्रम संगठन (आईएलओ) की एक रिपोर्ट से ये जानकारी सामने आई है।

'वर्क-लाइफ बैलेंस' के मुताबिक, कोरोना महामारी से पहले पूरी दुनिया में काम के घंटे औसतन 43.9 प्रति हफ्ते थे। ये करीब-करीब आदर्श स्थिति है, लेकिन करीब एक तिहाई लोगों ने हर हफ्ते 48 घंटे से ज्यादा काम किया। वहीं, करीब 20% ने हर हफ्ते 35 घंटे से भी कम काम किया। दुनिया के कई देशों ने वर्क कल्चर बदला है। कहीं 4 दिन का वर्क वीक तो कहीं 5 दिन का वर्क वीक का कल्चर है। आईएलओ ने अपनी रिपोर्ट में कहा- महामारी में लंबे समय तक काम के घंटे थोड़े कम हो गए। कम लंबे काम के घंटे कुछ हद तक बढ़ गए, लेकिन 2020 के अंत तक हालात करीब-करीब प्री-कोविड की स्थिति जैस हो गए।

अमेरिका में 6 साल के बच्चे ने फायरिंग की

स्कूल में महिला टीचर को गोली मारी, क्लास में हुए विवाद से नाराज था

वर्जीनिया, 7 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के वर्जीनिया राज्य से गोलीबारी का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक 6 साल के बच्चे ने क्लास के अंदर टीचर को गोली मार दी। टीचर एक महिला है और उसकी उम्र 30 साल के आसपास है। फिलहाल उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बच्चे को पुलिस कस्टडी में भेजा गया है।

भरी क्लास में विवाद होने पर गोली चलाई

यह घटना शनिवार को रिकनेक एलिमेंट्री स्कूल में हुई। उस वक्त क्लास में टीचर और बच्चा अकेले थे। पुलिस चीफ स्टीव ड्यू ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि यह कोई एक्सीडेंट का मामला नहीं है। बच्चे ने जानबूझकर महिला पर गोली चलाई। ऐसा उसने पूरी क्लास के सामने टीचर से हुए विवाद की वजह

से किया। फिलहाल केस को हैंडल करने के लिए वकीलों की सलाह ली जा रही है।

टीचर की हालत नाजुक

ड्यू ने बताया कि महिला की हालत नाजुक है। गोली लगने के कारण उसे जो चोट आई है, वो जानलेवा साबित हो सकती है। हालांकि, उसकी स्थिति में सुधार आने की संभावना है। ड्यू ने बताया- हमें मिले पिछले अपडेट से पता चलता है कि महिला की हालत सुधर रही है। फायरिंग में कोई बच्चा चोटिल नहीं हुआ है।

स्कूल के बच्चों में फैली दहशत

गोलीबारी के बाद स्कूल में दहशत का माहौल है। पुलिस ने बताया कि घटना में और कोई बच्चे शामिल नहीं थे। अभी इस मामले की जांच की जा रही है। इन्वेस्टिगेशन खत्म होने के बाद ही बताया जा सकेगा कि बच्चे के पास बंदूक कहां से आई और वह उसे स्कूल में कैसे लेकर आया। रिकनेक एलिमेंट्री स्कूल को सोमवार तक के लिए बंद रखा जाएगा।

सेफ्टी के लिए बच्चों को जागरूक करना जरूरी

ड्यू ने कहा- इस समय सबसे बड़ी बात यह है कि सभी बच्चे सुरक्षित हैं। यही हमारी प्राथमिकता है। न्यूपोर्ट न्यूज पब्लिक स्कूल सुपरिटेंडेंट डॉ. जॉर्ज पार्कर ने कहा- मैं इस घटना से स्तब्ध हूं। हमें ये सुनिश्चित करना होगा कि बच्चों और युवाओं के हाथ हथियार न लगें।

अमेरिकी स्कूलों में फायरिंग के मामले बढ़े

अमेरिका में खुलेआम फायरिंग के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। इससे पहले अक्टूबर 2022 में ओहायो स्टेट में एक स्कूल फुटबॉल मैच के दौरान फायरिंग हुई थी। इसमें 3 लोगों की मौत हुई थी। यह मुकाबला 2 स्कूल टीमों के बीच खेला जा रहा था।

वहीं, मई 2022 में टेक्सास के युवाल्डे में रॉब एलिमेंट्री स्कूल में एक 18 साल के युवक ने अंधाधुंध फायरिंग की थी। इस हमले में 19 स्टूडेंट और 2 टीचर की मौत हुई थी। फायरिंग में 13 बच्चे, स्कूल के स्टाफ मेंबर्स और कुछ पुलिसवाले भी घायल हुए थे। हमलावर ने स्कूल में फायरिंग से पहले अपनी दादी को भी गोली मारी थी।

मोस्ट वॉन्टेड ह्यूमन स्मगलर गिरफ्तार

हजारों अफ्रीकी माइग्रेंट्स को किडनैप किया, महिलाओं को रेप के बाद टॉर्चर करता था

खार्तूम, 7 जनवरी (एजेंसियां)। हजारों अफ्रीकी माइग्रेंट्स के अपहरणकर्ता और दुष्कर्म के बाद महिलाओं को प्रताड़ित करने वाला किडाने जेकारियास हाबतेमरियम को सूडान में पकड़ लिया गया। दुनिया का मोस्ट वांटेड मानव तस्कर इरीट्रिया का किडाने की गिरफ्तारी एक जनवरी को हुई थी। उसे पकड़ने के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पुलिस ऑपरेशन चलाया गया था, जिसका संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने नेतृत्व किया।

किडाने दुनिया के खूंखार मानव तस्करों में से एक है। जिस पर लिबिया समेत कई पूर्वी अफ्रीकी देशों के हजारों प्रवासियों को अपहरण कर उनके साथ दुष्कर्म करने और प्रताड़ित करने के आरोप हैं। किडाने की गिरफ्तारी के बाद यूएई के एंटी नार्कोटिक्स डायरेक्ट्रेट के मंत्री ब्रिग सईद अब्दुल्लाह अल

सुआदी ने कहा कि किडाने की गिरफ्तारी के बाद मानव तस्करी का एक बड़ा रूट खत्म हो जाएगा। उन्होंने बताया कि यूएई काफी समय से मनी लॉन्ड्रिंग के मामलों में किडाने और उसके भाई की तलाश कर रहा था। उसे पकड़ने के लिए नौ महीनों से योजना पर काम हो रहा था। दिसंबर के अंत में इंटरपोल की प्रवासी मानव तस्करी यूनिट ने उसकी लोकेशन से जुड़े कुछ इनपुट्स दिए। इनके साथ-साथ यूएई को एक अवैध फाइनेंशियल ट्रांजेक्शन का पता चला। इसने यूएई को किडाने के भाई तक पहुंचा दिया।

अमेरिका में प्लंबर-कारपेंटर 60 लाख रुपए तक कमा रहे

फिर भी युवाओं में ग्रेजुएशन के बाद व्हाइट कॉलर जॉब की चाहत

वॉशिंगटन, 7 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका में इन दिनों प्लंबर, कारपेंटर, इलेक्ट्रीशियन जैसे स्किल वाले काम के लिए युवा नहीं मिल पा रहे हैं। इतना ही नहीं, पारंपरिक तौर पर जो लोग पहले से ही यह काम कर रहे हैं, उनके बच्चे अब ग्रेजुएशन के बाद व्हाइट कॉलर जॉब करना चाहते हैं। लिहाजा इस तरह के पद खाली बने हुए हैं।

ऐसी जॉब्स के लिए 60 लाख रुपए सालाना का ऑफर

यह स्थिति तब है, जब 2021 में इन पदों के लिए 40 से 60 लाख रुपए सालाना वेतन का ऑफर दिया जा चुका है। ऑनलाइन रिक्रूटिंग प्लेटफॉर्म हैंडशेक के आंकड़ों के अनुसार, 2020 की तुलना में 2022 में तकनीकी नौकरियों जैसे प्लंबिंग, बिल्डिंग और इलेक्ट्रिकल वर्क की मांग करने वाले युवाओं के लिए आवेदन दर में 49% की गिरावट आई है।

पदों के लिए लोगों की रुचि नहीं

ऑटोमोटिव टेकनीशियन, डिवाइस इंस्टॉलर और श्वसन चिकित्सक जैसे पदों के लिए 2020 में औसतन 10 आवेदन आए, जो कि 2022 में घटकर महज पांच ही रह गए हैं। कंपनी के मुख्य शिक्षा रणनीति अधिकारी क्रिस्टीन क्रूजवर्गारा के अनुसार हर काम के लिए महज 19 आवेदन ही आए हैं। जबकि दिनों दिन नए तकनीकी पद बढ़ना जारी है, लेकिन आवेदन करने में रुचि रखने वाले छात्रों की संख्या नहीं बढ़ रही है।

वृद्ध कार्यबल वाले ऑटो टेकनीशियन जैसे व्यवसायों में यूएस चैंबर ऑफ कॉमर्स ने 2023 में कुशल श्रमिकों की भारी कमी की चेतावनी दी है। क्रूजवर्गारा ने कहा कि लंबे समय से हमने अपने बच्चों को स्किल सीखने के बजाय कॉलेज जाने के लिए प्रोत्साहित किया। जो कॉलेज से स्नातक होते हैं, वे व्हाइट कॉलर जॉब में जाना ज्यादा पसंद करते हैं।

ट्रांजिट सिस्टम अपग्रेड कर रही सरकार, नहीं मिल रहे लोग

खुले पदों को भरने की तत्काल जरूरत है, क्योंकि अमेरिकी सरकार देश में सड़कों और ट्रांजिट सिस्टम को अपग्रेड करने के लिए परियोजनाओं में अरबों खर्च कर रही है। इसके बावजूद लोग नहीं मिल रहे हैं।

तालिबान शासन को मिला पहला अंतरराष्ट्रीय करार

तेल उत्पादन में चीनी कंपनी से अनुबंध

काबुल, 7 जनवरी (एजेंसियां)। तालिबानी शासन को 25 साल के इस अनुबंध से 15% रॉयल्टी फीस हासिल होगी. इससे तेल उत्पादन रोजाना 200 टन से शुरू होगा और धीरे-धीरे बढ़कर 1,000 टन हो जाएगा. साथ ही यदि सालभर में सभी अनुबंध दायित्वों को पूरा नहीं किया गया तो करार रद्द कर दिया जाएगा. आर्थिक संकट से जूझ रहे तालिबान की अगुवाई वाले अफगानिस्तान को थोड़ी राहत मिलने के आसार हैं क्योंकि उसने अपना पहला अंतरराष्ट्रीय करार एक चीनी कंपनी के साथ कर लिया है. तालिबान शासन ने नॉर्दर्न अमु दरिया बेसिन से तेल निकालने के लिए गुरुवार को अपने पहले अंतरराष्ट्रीय करार पर हस्ताक्षर कर दिए क्योंकि उसकी कोशिश अपने देश में राजस्व को बढ़ाना है. हालांकि चीन की ओर से अभी इस शासन को मान्यता नहीं दी गई है. चाइना नेशनल पेट्रोलियम कॉरपोरेशन की एक सहायक कंपनी के साथ समझौते पर काबुल में अफगानिस्तान में चीनी राजदूत वांग यू और तालिबान के आर्थिक मामलों के उप प्रधानमंत्री मुल्ला अब्दुल गनी बरादर की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए. बरादर ने पहले अंतरराष्ट्रीय करार पर कहा, "यह समझौता अफगानिस्तान की अर्थव्यवस्था को मजबूत करेगा और तेल आजादी के स्तर को आगे बढ़ाएगा." वांग, जिनके देश चीन ने अभी तक तालिबान सरकार को मान्यता नहीं दी है, ने कहा कि 25 साल का यह अनुबंध अफगानिस्तान को आत्मनिर्भरता हासल करने की कोशिश में मदद करेगा. माइंस और पेट्रोलियम के कार्यवाहक मंत्री शहाबुद्दीन देलावर ने कहा कि झिंजियांग मध्य एशिया पेट्रोलियम और गैस कंपनी पांच तेल और गैस ब्लॉकों का पता लगाने के लिए पहले साल में 150 मिलियन डॉलर (करीब 12,394,403,700 भारतीय रुपये) और बाद के तीन सालों में 540 मिलियन डॉलर (करीब 44,67,04,47,000.00 भारतीय रुपये) तक का निवेश करेगी. ये ब्लॉक्स उत्तरी अफगानिस्तान में 4,500 वर्ग किलोमीटर (1,737.5 वर्ग मील) क्षेत्र में स्थित हैं.

टीटीपी के अड्डों पर पाकिस्तान ने किया हमला तो तालिबान से उसका छिड़ेगा युद्ध?

काबुल, 7 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान की राष्ट्रीय सुरक्षा समिति (एनएससी) ने 30 दिसंबर को हुई बैठक के बाद से इस्लामाबाद में अधिकारियों यह संकेत दिया है कि पाकिस्तानी सेना बिना सीमा की परवाह किए टीटीपी के अफगानिस्तान स्थित अड्डों पर हमला कर सकती है...

आतंकवादी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के अड्डों पर हमला करने की शहबाज शरीफ सरकार की धमकी के बाद अफगानिस्तान में पाकिस्तान के खिलाफ गुस्सा बढ़ गया है। पाकिस्तान की राष्ट्रीय सुरक्षा समिति (एनएससी) ने 30 दिसंबर को हुई बैठक के बाद से इस्लामाबाद में अधिकारियों यह संकेत दिया है कि पाकिस्तानी सेना बिना सीमा की परवाह किए टीटीपी के अफगानिस्तान स्थित अड्डों पर हमला कर सकती है। एनएससी की बैठक में प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और पाकिस्तान के सेनाध्यक्ष जनरल असीम मुनीर ने भी भाग लिया था। बैठक के बाद जारी बयान में कहा गया था कि पाकिस्तान के लिए खतरा पैदा करने वाले आतंकवादियों को पनाह देने की इजाजत किसी देश को नहीं दी जाएगी। इस बैठक से ठीक पहले पाकिस्तान के गृह मंत्री राना सनाउल्लाह ने कहा था कि अगर काबुल स्थित तालिबान सरकार ने टीटीपी को पनाह देना जारी रखा, तो पाकिस्तान की सेना अफगानिस्तान के अंदर जाकर इस आंतकवादी संगठन के अड्डों पर हमला करेगी। तब तालिबान सरकार ने सनाउल्लाह के बयान को 'भड़काऊ' बताया था और कहा था कि वह अपनी प्रादेशिक अखंडता की रक्षा करेगी। तमाम ऐसे संकेत हैं कि टीटीपी के हाल में बढ़े हमलों के कारण पाकिस्तान सरकार गहरे दबाव में है। शुक्रवार को दक्षिणी वजीरीस्तान प्रांत के वाना में हजारों लोगों ने आतंकवादियों के खिलाफ तुरंत कार्रवाई की मांग करते हुए जुलूस निकाला। कुछ विश्लेषकों ने कहा है कि पाकिस्तान सरकार देश की अंदरूनी अस्थिरता और आर्थिक संकट के बीच अफगानिस्तान के खिलाफ एक नया मोर्चा नहीं खोलना चाहती है, लेकिन उसके हाथ बंधते जा रहे हैं।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के एक ताजा आकलन में कहा गया है कि अफगानिस्तान में पनाह लिए समूहों के बीच टीटीपी अब सबसे बड़ा आतंकवादी गुट बन गया है। इससे जुड़े दहशतगर्दों की संख्या तीन से चार हजार तक पहुंच गई है।

कौन है वो कम्युनिटी, जिसका इंदौर में स्वागत करेंगे पीएम

भारत में भेजते हैं सबसे ज्यादा पैसे, तीन देशों में सत्ता के शीर्ष पर

एक्सक्लूसिव डेस्क, 7 जनवरी। एक कम्युनिटी जो भारत में सबसे ज्यादा पैसा भेजती है। तीन देशों में उसके प्रधानमंत्री हैं, दो देशों में राष्ट्रपति और एक देश में उप-राष्ट्रपति। दुनिया की टॉप कंपनियों में उसके सीईओ हैं। हम बात कर रहे हैं प्रवासी भारतीयों की।

इनका कद इस बात से समझ सकते हैं कि भारत के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, विदेश मंत्री और कई ताकतवर कैबिनेट मंत्री इनके स्वागत के लिए 9 जनवरी को इंदौर आ रहे हैं। मौका है 17वें प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन का।

प्रवासी भारतीयों में विदेश जाकर कमाने वाले भारतीय ही शामिल हैं या कोई और भी होता है?

डायस्पोरा ग्रीक शब्द है। ग्रीक में इसका मतलब बीजों को बिखेरना होता है। बाद में डायस्पोरा शब्द का यूज ज्यू समुदाय के लोगों के लिए होने लगा, जिन्हें विभिन्न देशों से बाहर निकाल दिया गया और दूसरे देश में बस गए। आज डायस्पोरा यानी प्रवासी शब्द आम तौर पर उन्हीं लोगों के लिए उपयोग किया जाता है जो किन्हीं वजहों से अपने मूल देश से बाहर रह रहे हों।

यानी भारत से जो लोग दूसरे देशों में चले गए उन्हें ही इंडियन डायस्पोरा या प्रवासी भारतीय कहते हैं। ब्रिटिश शासन के दौरान बड़ी संख्या में भारतीय फिजी, केन्या और मलेशिया जैसे देशों में गए जो खुद भी ब्रिटिश कॉलोनी थे। यह आजादी के बाद विभिन्न सामाजिक स्तरों पर जारी है। अब भारतीय ब्रिटेन, अमेरिका और खाड़ी देशों में जाना पसंद करते हैं।

नॉन रेजिडेंट इंडियन यानी एनआरआई : ऐसे भारतीय नागरिक जो रोजगार या शिक्षा के लिए अस्थायी रूप से 6 महीने के लिए दूसरे देश में चले गए गए हों। इनमें से कुछ भारतीय नागरिक विदेश में ही बस जाते है और उस देश की नागरिकता प्राप्त कर लेते है, ऐसे लोगो को एनआरआई कहा जाता है।

पर्सन ऑफ इंडियन ओरिजिन यानी पीआईओ : एक ऐसा शख्स जो जन्म से या वंश से तो भारतीय है, परंतु वह भारत में रहता नहीं है।

ओवरसीज सिटीजन ऑफ इंडिया यानी ओसीआई : ऐसे शख्स जो 26 जनवरी 1950 को या उसके बाद भारत के नागरिक थे या उस तारीख पर भारत का नागरिक बनने योग्य थे या 15 अगस्त, 1947 के बाद भारत का हिस्सा बने किसी क्षेत्र से संबंधित थे या ऐसे व्यक्ति का बच्चा या पोता, जो अन्य मानदंड पूरे करता हो।

भारतीय मूल के विदेशी नागरिकों के लिए पहली बार साल 2002 में पीआईओ कार्ड को लॉन्च किया गया था। इसका उद्देश्य विदेशों में रह रहे भारतीयों को उनकी थर्ड जेनरेशन से जोड़ना था। ओसीआई कार्ड को 2005 में लागू किया गया था। इसमें पीआईओ कार्ड की तुलना में ज्यादा बेनिफिट दिए गए थे। यह कार्ड जीवनभर के लिए वैलिड था। 2015 में पीआईओ कार्ड स्कीम को भारत सरकार ने वापस ले लिया और इसे ओसीआई में मर्ज कर दिया।

दुनियाभर में प्रवासी भारतीयों की संख्या कितनी है और कौन-कौन से अहम पदों पर हैं?

भारतीय विदेश मंत्रालय की रिपोर्ट के मुताबिक, दुनियाभर के 100 से ज्यादा देशों में 3.2 करोड़ इंडियन डायस्पोरा हैं। देश के बाहर रहने भारतीयों की संख्या पिछले 28 साल में 346% बढ़ी है। 1990 में विदेश में रहने वाले भारतीयों की संख्या 90 लाख थी।

अप्रैल 2022 में लोकसभा में एक सवाल का जवाब देते हुए केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने बताया था कि 1 जनवरी 2015 से 30 सितंबर 2021 के बीच करीब 9 लाख लोगों ने भारतीय नागरिकता छोड़ दी है। यानी हर रोज करीब 350 भारतीय देश की नागरिकता छोड़ रहे हैं।

3 बड़े देशों में भारतीय मूल के प्रधानमंत्री, अमेरिका में उपराष्ट्रपति

इस दुनिया के 3 देशों में ब्रिटेन, पुर्तगाल और आयरलैंड में भारतीय मूल के प्रधानमंत्री हैं। ब्रिटेन में ऋषि सुनक, आयरलैंड में लियो वराडकर और पुर्तगाल में एंटोनियो कोस्टा प्रधानमंत्री हैं। इसके साथ ही अमेरिका की उप राष्ट्रपति कमला हैरिस भी इंडियन इंडियन डायस्पोरा में आती हैं। गुयाना के राष्ट्रपति मो. इरफान अली व सूरीनाम के राष्ट्रपति चंद्रिकाप्रसाद संतोखी भी भारतीय मूल के हैं। वहीं लगभग 30 देशों में 285 से ज्यादा सांसद भारतीय मूल के हैं।

टॉप फॉर्च्यून 500 कंपनियों में 12% भारतीय मूल के सीईओ

दुनियाभर की टॉप फॉर्च्यून 500 कंपनियों में 12% सीईओ भारतीय मूल के ही हैं। इनमें गूगल से लेकर माइक्रोसॉफ्ट जैसी कंपनियां शामिल हैं।

किन वजहों से भारतीय प्रवासियों को इतना महत्व दिया जाता है?

प्रवासी भारतीय यानी इंडियन डायस्पोरा अपने मूल देश के हितों को विदेशों में आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभा सकते हैं यानी वे एक ब्रिज की तरह काम करते हैं। प्रवासियों के लिए अपने मूल देश के विकास में मदद करने का सबसे आसान तरीका है कमाई का एक हिस्सा वहां भेजना।

इकोनॉमिक बेनिफिट

प्रवासियों की ओर से घर भेजे जाने वाली कमाई के लिहाज से साल 2022 सबसे अच्छा रहा है। इस दौरान प्रवासियों ने 100 अरब डॉलर यानी 826 करोड़ रुपए भेजे। प्रवासियों ने 2008 के भारत-अमेरिका परमाणु समझौता कराने में सबसे बड़ी भूमिका निभाई थी। उस वक्त इस समझौते का अमेरिकी कांग्रेस में काफी विरोध हो रहा था। लेकिन अमेरिका में प्रवासी भारतीय एक समूह बनकर सरकार के लिए आगे आते हैं। एक-एक करके विरोध करने वाले अमेरिकी सांसदों से मिलकर उन्हें कन्विंस करते हैं। इसके बाद यह समझौता होता है।

भारतीय प्रवासी दिवस मनाने का उद्देश्य क्या है?

प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन आयोजित करने का प्रमुख उद्देश्य प्रवासी भारतीय समुदाय की उपलब्धियों को मंच प्रदान कर उनको दुनिया के सामने लाना है। प्रवासी भारतीयों की भारत के प्रति सोच, भावना की अभिव्यक्ति, देशवासियों के साथ सकारात्मक बातचीत के लिये एक मंच उपलब्ध कराना।

विश्व के सभी देशों में प्रवासी भारतीयों का नेटवर्क बनाना। युवा पीढ़ी को प्रवासियों से जोड़ना तथा विदेशों में रह रहे भारतीय कामगारों की कठिनाइयां जानना तथा उन्हें दूर करने के प्रयास करना हैं।

9 जनवरी को ही क्यों मनाया जाता है प्रवासी भारतीय दिवस?

भारत सरकार हर साल 9 जनवरी को प्रवासी भारतीय दिवस का आयोजन करती है। दरअसल, महात्मा गांधी इसी दनि साउथ अफ्रीका से साल 1915 में भारत वापस लौटे थे।

महात्मा गांधी को सबसे बड़ा प्रवासी माना जाता है, जिन्होंने न सिर्फ भारत के स्वतंत्रता संग्राम का नेतृत्व किया बल्कि भारतीयों के जीवन को हमेशा के लिए बदल कर रख दिया।

गार्ड की हत्या कर एटीएम वैन से 14 लाख लूटा

लुटेरों ने आंख में मिर्च पाउडर फेंका, गोली चलाई कैश छीनकर भागे

कैमूर, 7 जनवरी (एजेंसियां)। कैमूर में एटीएम में रुपए डालने आए कैश वैन से 14 लाख रुपए की लूट हुई। बाइक सवार 3 लुटेरों पहले वैन के गार्ड की आंखों में मिर्च पाउडर झोंका। फिर सीने में गोली दाग दी। इसके बाद एटीएम के अंदर घुसकर कैश से भरा झोला लेकर फायरिंग करते हुए फरार हो गए। घटना भभुआ शहर के पूरब पोखरा के पास पीएनबी के एटीएम की है। मृत गार्ड की पहचान कैमूर जिले के बेलावं थाना क्षेत्र के कटरा गांव निवासी स्वर्गीय बबन चौबे के पुत्र भानु कुमार चौबे के रूप में हुई है। शनिवार की दोपहर 1:30 बजे कैश डालने कैश वैन पहुंचा था। पीएनबी के गार्ड प्रेम राम ने बताया कि एक गार्ड गाड़ी में बैठा था दूसरा गार्ड एटीएम के पास कुर्सी लगाकर बैठ गया और 2 लोग कैश लेकर अंदर गए। इतने में तीन की संख्या में लड़के ब्लू रंग की अपाचे बाइक से आए जो बिना नंबर प्लेट की थी। कुर्सी पर बैठे गार्ड के आंख में मिर्ची पाउडर डालकर उसके सीने में गोली मार दी। इसके बाद तीन राउंड हवाई फायरिंग करते हुए एटीएम के अंदर घुस गए। कैश वाला झोला ले लिया और गार्ड का हथियार छीनकर फरार हो गए।

गोली से घायल भानु कुमार को लोगों ने अस्पताल में भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल से 100 मीटर पूरब गार्डों से लूटी गई दो राइफल को बरामद कर लिया। वही कैश वैन में कहीं से भी सीसीटीवी कैमरा नहीं दिखा जो कि अमूमन हर गाड़ियों में लगा रहता है।

नारायणपुर उपद्रव के 6 और आरोपी गिरफ्तार

चर्च में तोड़फोड़, एसपी और पुलिस जवानों पर किए थे हमला, पुलिस खंगाल रही वायरल वीडियो

नारायणपुर, 7 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर में चर्च में तोड़फोड़ समेत एसपी और पुलिस जवानों पर हमला करने वाले 6 और आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। जिन्हें न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है। इससे पहले इसी मामले में भाजपा के जिला अध्यक्ष समेत 5 लोगों को जेल भेजा जा चुका है। सिर्फ नारायणपुर में ही हुए उपद्रव के मामले में पुलिस ने अब तक 11 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। दरअसल, नारायणपुर में हुई हिंसक घटना के बाद पुलिस सख्त हो गई है।

लगातार सीसीटीवी फुटेज और इस घटना के जीतने भी वीडियो सामने आए हैं। पुलिस उसे खंगाल रही है। इन्हीं आधार पर पुलिस ने निरंजन करंगा (22), रमेश पोटाई (35), सुकमन नेताम (22), लहरू राम नेताम (33), मंगउ राम कावड़े (32) और राजु राम दुग्गा (32) को गिरफ्तार किया है। सभी की पहचान कर उन्हें एक-एक कर इनके घर से उठाया गया है। इधर, पुलिस अफसरों का कहना है कि, इस मामले में शामिल और भी कई आरोपी हैं जिन्हें जल्द ही पकड़ा जाएगा। नारायणपुर जिले में हुए उपद्रव की शुरुआत ऐड़का थाना के गोर्रा गांव से हुई थी। 1 जनवरी को इस गांव में दो पक्षों के बीच जमकर विवाद हुआ। जिसके बाद पुलिस मामले को शांत करवाने पहुंची तो कुछ लोगों ने पुलिस पर ही हमला कर दिया था। अगले दिन 2 जनवरी को नारायणपुर में जमकर तोड़फोड़ हुई। हालांकि, ये उपद्रव फैलाने वाले किस संगठन, गुट, या फिर पार्टी के थे ये अब तक स्पष्ट नहीं हो पाया है। गोर्रा गांव की घटना में शामिल अब तक कुल 6 लोगों की गिरफ्तारी की जा चुकी है।

छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में तनावपूर्ण माहौल के बीच शांति स्थापित करने आईजी, कलेक्टर ने जिले के जनप्रतिनिधि, व्यापारी समेत विभिन्न वर्गों के साथ बैठक की है। इस बैठक में अफसरों ने कहा कि, नारायणपुर की घटना को लेकर यदि कोई भी व्यक्ति सोशल मीडिया में भ्रामक पोस्ट शेयर करता है तो उस पर सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। नारायणपुर में शांति स्थापित करने का प्रयास किया जा रहा है। अफसरों का दावा है कि, अभी जिले में स्थित कंट्रोल में है।

नारायणपुर में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। चप्पे चप्पे में जवानों की तैनाती की गई है। बॉर्डर इलाकों में जवान आने-जाने वाले वाहनों की तलाशी ले रहे हैं। डीआरजी, आईटीबीपी, एसटीएफ, सीएएफ समेत अन्य बटालियन के जवानों की तैनाती की गई है। इसके साथ ही कोंडागांव, कांकेर समेत अन्य जिलों से भी पुलिस फोर्स को बुलाया गया है। ऐसा बताया जा रहा है कि, अंदरूनी इलाकों में पुलिस फोर्स को भी भेजा गया है। पुलिस शहर में भीड़ इकट्ठा होने नहीं दे रही है।

भगवान राम की 25 फीट ऊंची प्रतिमा

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने किया अनावरण, राम वन गमन पर्यटन परिपथ पर ऐसी तीसरी प्रतिमा

राजिम/रायपुर, 7 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के पवित्र तीर्थ राजिम में भगवान राम की 25 फीट ऊंची प्रतिमा लगी है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने शनिवार को एक भव्य समारोह में इस प्रतिमा का अनावरण किया। राज्य सरकार के महत्वाकांक्षी राम वन गमन पर्यटन परिपथ योजना के तहत लगी भगवान राम की यह तीसरी प्रतिमा है। पर्यटन विभाग के अधिकारियों ने बताया, भगवान राम की इस मूर्ति को पांच महीने की अल्पावधि में तैयार किया गया है। इस भव्य मूर्ति को तैयार करने में ओड़िसा के 20 शिल्पकारों ने मुख्य भूमिका निभाई है। इसे हाथ से तराश कर छत्तीसगढ़ के बिल्हा स्टोन से निर्मित किया गया है। मूर्ति को आठ फीट ऊंचे चबूतरे पर स्थापित किया गया है। सरकार की राम वनगमन पर्यटन परिपथ योजना में त्रिवेणी संगम राजिम भी शामिल है। यहां पर विकास के लिए राज्य सरकार ने 13 करोड़ 12 लाख रुपए की स्वीकृति दी है। इससे पहले कौशल्या माता मंदिर चंदखुरी और शिवरीनारायण में भगवान राम की इस तरह की प्रतिमा स्थापित की जा चुकी है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राजिम पहुंचकर श्री राजीव लोचन मंदिर में पूजा-अर्चना की। बाद में भगवान राम की प्रतिमा का अनावरण किया। राजिम-चौबेबांधा-नवागांव मार्ग चौड़ीकरण व सुदृढ़ीकरण और 3.7 किलोमीटर लंबे लक्ष्मण झूला पहुंच मार्ग का भूमिपूजन किया। इस अवसर पर गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू, छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के अध्यक्ष अटल श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष चित्ररेखा साहू, गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष महंत राम सुंदर दास और क्षेत्रीय विधायक अमितेश शुक्ला मौजूद रहे।

'हेमंत भाई, नौकरी देने की हिम्मत नहीं तो कुर्सी खाली कर दो'

रांची, 7 जनवरी (एजेंसियां)। गृहमंत्री अमित शाह ने शनिवार को झारखंड के चाईबासा में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर जमकर निशाना साधा।

उन्होंने कहा, राज्य के सीएम आदिवासी हैं, लेकिन यह सरकार आदिवासी विरोधी है। उनके कार्यकाल में भ्रष्टाचार चरम पर है, आदिवासी जमीन पर बिचौलियों और हड़पने वालों का समय आ गया है। शाह ने कहा, राज्य में युवाओं और माताओं-बहनों को धोखा देने का काम किया जा रहा है। खाद्यान, रोजगार और शिक्षा के नाम पर उन्हें धोखा दिया जा रहा है।

नौकरियां देने की हिम्मत नहीं तो कुर्सी खाली करो

अमित शाह ने कहा, झारखंड में नौकरी के नाम पर युवाओं को ठगा गया। शिक्षा के नाम पर बच्चों को ठगा गया। जनजातीय समुदाय को कल्याणकारी योजनाओं के नाम पर धोखा दिया गया। उन्होंने सोरेन सरकार पर तीखा हमला

करते हुए कहा कि अगर युवाओं को नौकरियां देने की हिम्मत नहीं है तो कुर्सी खाली कर दो, हम झारखंड में नौकरी देने का काम कर देंगे।

अब सब आपको जान गए हैं

शाह ने कहा, झारखंड के घुसपैठियों से आदिवासियों की रक्षा करने की जिम्मेदारी हेमंत सोरेन सरकार की है कि नहीं? हेमंत भाई, अब सब आपको जान गए हैं, अपनी वोट बैंक की राजनीति के लिए आदिवासियों की रक्षा और उनके भविष्य के साथ जो आप छेड़खानी कर रहें इसके लिए यहां के लोग आपको माफ नहीं करेंगे।

उन्होंने आगे कहा, जब रघुबर दास को पूर्ण बहुमत मिला, तब हमारी सरकार ने शिक्षा, सड़क और बिजली के लिए परियोजनाएं शुरू कीं। लेकिन फिर एक ऐसी सरकार आई जिसने झारखंड को बर्बाद कर दिया। क्या हेमंत सरकार अटल जी द्वारा बिहार से अलग राज्य के कल्याण के लिए काम कर रही है? लंबित मांग को पूरा कर रही है?

जिला प्रशासन की वेबसाइट को राष्ट्रपति ने दिया नेशनल अवार्ड

बिलासपुर, 7 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिला प्रशासन की वेबसाइट को नवाचार के लिए राष्ट्रीय प्लेटिनम अवार्ड से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान शनिवार को नई दिल्ली में राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने बिलासपुर कलेक्टर सौरभ कुमार को प्रदान किया। जिला प्रशासन की वेबसाइड में साफ्टवेयर की मदद से दिव्यांगों के लिए भी विशेष सुविधा दी गई है। अवार्ड मिलने पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने जिला प्रशासन बिलासपुर की टीम को बधाई दी है। विज्ञान भवन में हुए समारोह में बिलासपुर जिला प्रशासन के नवाचार को राष्ट्रीय स्तर पर सराहना मिली है। यह अवार्ड अलग-अलग कैटेगरी में प्रथम स्थान हासिल करने वाली सरकार के विभिन्न विभागों की वेबसाइट्स को दिया जाता है। बिलासपुर जिला प्रशासन की वेबसाइट को बेस्ट वेब एंड मोबाइल इनिशिएटिव कांम्पलांइथ विथ जीआइजीडब्ल्यू एंड एससीबिलिटी गाइडलाइन की श्रेणी के अंतर्गत यह पुरस्कार दिया गया है।

एनआईसी (राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र) की ओर से तैयार वेबसाइट में केंद्र व राज्य शासन की योजनाओं की जानकारी अपलोड करने के साथ ही दिव्यांगों के लिए भी इसमें विशेष सुविधा दी गई है। दृष्टिबाधित भी सॉफ्टवेयर के जरिए इस वेबसाइट में दी गई सूचनाओं को सुन सकते हैं। जहां माउस का कर्सर जाएगा, वहां लिखी जानकारी अंग्रेजी में सुनाई देगी। हालांकि आने वाले दिनों में हिंदी में भी यह सुविधा दी जाएगी।

सीएम ने राज्यपाल को याद दिलाई संवैधानिक मर्यादा

भूपेश बघेल बोले – राज्यपाल यहां राजनीति करती हैं, जिलों में निर्देश देना उनका काम नहीं

रायपुर, 7 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ की राज्यपाल अनुसूईया उइके अपनी भूमिका का विस्तार कर रही हैं। राज्यपाल ने अब जिलों का दौरा कर समस्याएं सुनने की घोषणा की है। इसकी वजह से सरकार और राजभवन के बीच टकराव गंभीर होता जा रहा है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राज्यपाल को संवैधानिक मर्यादाओं की याद दिलाते हुए बड़ा हमला बोला।

गरियाबंद के सिरकिट्टी रवाना होने से पहले रायपुर हेलीपैड पर पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा, संविधानिक पदों पर बैठे व्यक्तियों को अपने अधिकार और कर्त्तव्य का ध्यान रखना चाहिए। उसका अतिक्रमण नहीं करना चाहिए। अभी राज्यपाल जी ने अतिक्रमण किया। राज्य सरकार से 10 सवाल पूछ रही हैं। यह उनके अधिकार क्षेत्र से बाहर है। विधानसभा से जो बिल पारित हुआ है। उस पर हस्ताक्षर करना चाहिए अथवा वापस लौटाना चाहिए। कर्नाटक में अभी 61% आरक्षण की बात सुनाई दे रही है। 56% तो पहले था अभी 61% करने वाले हैं। वहां राज्यपाल दस्तखत कर रहे हैं, यहां राज्यपाल राजनीति कर रही हैं। राजभवन के माध्यम से राजनीति कर रही हैं।

मुख्यमंत्री ने राज्यपाल के दौरे से जुड़े सवाल पर कहा, अब आप दौरा करेंगी। समस्याओं का निदान करेंगी। मंत्रिमंडल आपको सलाह देने के लिए है। आपके पास कोई समस्या आती है, कोई जानकारी आती है तो उसे आप सरकार को सौंप दें। सरकार से जानकारी लें। यह उनका कार्य है। वे फील्ड में जाकर सीधा काम नहीं करेंगी। उसको यहां मनोनीत किया गया है, वह निर्वाचित नहीं है। यह निर्वाचित जनप्रतिनिधियों का दायित्व है कि जनता की समस्याओं का निदान करने का काम करें। कार्यपालिका अलग है, विधायिका अलग है। न्यायपालिका का भी कार्य बंटा हुआ है। संविधान के दायरे में रहकर सबको काम करना है। ये राष्ट्रपति की प्रतिनिधि के रूप में यहां हैं।

आरक्षण विधेयक अटकने से युवाओं का अधिकार प्रभावित

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा, युवाओं को अपने अधिकार के प्रति सजग रहना चाहिए। उन्हीं के लिए हम लोग ये योजनाएं लाएं हैं। लगातार भर्तियां कर रहे हैं। पहले भी स्वास्थ्य, शिक्षा, गृह विभाग सहित सभी विभागों में भर्तियां कीं। आगे भी करना चाहते हैं। आरक्षण विधेयक अटकने से न केवल सरकारी नौकरी, अब तो कॉलेज का एडमिशन भी प्रभावित हो रहा है। राज्य सरकार इसे लेकर पूरी तरह सजग है। इसलिए हमने तत्काल विशेष सत्र बुलाया। इसमें भाजपा नहीं चाहती कि लोगों को उनका अधिकार मिले। पीछे दरवाजे से जो राजनीति भाजपा कर रही है, उसका नुकसान युवाओं को हो रहा है।

खनिज के पैसे से भाजपा ने ठेकेदारों को फायदा पहुंचाया

प्रदेश में खनन तेज होने से जुड़े एक सवाल पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा, जो राज्य की संपदा है उस पर आम जनता का अधिकार है। पिछले समय भी खदान था। छत्तीसगढ जब बना उसके पहले भी खदाने थीं। कोल ब्लॉक था, आयरन थे, बॉक्साइट-डोलोमाइट था। छत्तीसगढ़ में मिनरल की कोई कमी नहीं है। उसी राजस्व को लेकर पिछली सरकार ने बड़ी-बड़ी बिल्डिंग बनाए। ठेकेदारों के लिए बड़े लोगों के लिए काम करते रहे।

रांची में तापमान सबसे निचले स्तर पर पहुंचा

रांची, 7 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड में ठंड बढ़ने से सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ है। राज्य के विभिन्न हिस्सों में अगले पांच दिनों तक ठंड का कहर बढ़ने की संभावना है।

रांची स्थित भारतीय मौसम विज्ञान विभाग कार्यालय के अनुसार राज्य में अगले दो दिनों के दौरान रात के तापमान में किसी बड़े बदलाव की संभावना नहीं है। इसके बाद अगले 2 दिनों में इसमें धीरे-धीरे 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट हो सकती है। राज्य में अगले दो दिनों तक कुछ स्थानों पर हल्के से मध्यम दर्जे का कोहरा भी छाए रहने की संभावना है।

मौसम विभाग के अनुसार राज्य में पिछले 24 घंटे में मौसम शुष्क रहा। राज्य में कहीं-कहीं पर हल्के दर्जे का कोहरा छाया रहा। सबसे अधिक उच्चतम तापमान 23.8 डिग्री जमशेदपुर और सबसे कम खूंटी का न्यूनतम तापमान 6.0 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। 6 जनवरी की सुबह रांची का न्यूनतम तापमान 6.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो इस साल का सबसे कम रहा। जमशेदपुर का न्यूनतम तापमान 10.0 डिग्री, डालटनगंज का 8.5 डिग्री, बोकारो का 6.6, चाईबासा का 8.8, देवघर का 6.9, गिरिडीह का 7.0, रामगढ़ का 7.1 और सिमडेगा का न्यूनतम तापमान 7.0 डिग्री सेल्यिसस रिकॉर्ड किया गया। इस दौरान इन जिलों का अधिकतम तापमान भी 23 से 16 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। दिन के अधिकतम तापमान में गिरावट दर्ज होने से लोगों को अधिक ठंड महसूस हो रही है।

राजस्थान में आज से 5G, तीन शहरों से शुरुआत

सीएम ने जयपुर में लॉन्च की जियो सर्विस, बोले-इंटरनेट अफीम हो गया है

जयपुर, 7 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में 5G का इंतजार खत्म हो गया है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने आज जयपुर से तीन शहरों में रिलायंस जियो की सर्विस को लॉन्च किया। भामाशाह टेक्नो हब में गहलोत ने बटन दबाकर हाईस्पीड इंटरनेट सेवा की शुरुआत की। कंपनी आज से राजस्थान के जयपुर, जोधपुर और उदयपुर में इस सर्विस को स्टार्ट कर रही है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान में सबसे ज्यादा डेटा यूज हो रहा है, इसके अपने मायने हैं। अब आपको चाहिए कि एक टारगेट सेटकर गांव-गांव तक 5जी सर्विस पहुंचाई जाए। गहलोत ने कहा कि गहलोत बोले- इंटरनेट अफीम हो गया है। 5 लोग जब साथ बैठते हैं तो वो खुद से बात नहीं करते। केवल इंटरनेट पर खोये रहते हैं। फोन में डूबे रहते हैं। जियो राजस्थान में 18 हजार टावर लगा चुका है। उन्होंने कहा कि इस महीने के लास्ट तक कोटा में भी 5जी सर्विस शुरू की जाएगी। इसके बाद फरवरी में बीकानेर और अजमेर में भी यूजर्स को 5G सर्विस का फायदा मिलेगा। इसमें फास्ट स्पीड से इंटरनेट मिलेगा, जिससे यूजर्स 4जीबी तक की मूवी या फाइल को महज 5 सेकेंड में डाउनलोड कर सकेंगे। कंपनी का दावा है कि इन शहरों में आज से मोबाइल यूजर्स को इंटरनेट की 1000 MBPS की स्पीड मिलेगी। हालांकि, इस सर्विस को ऑफिशियल तौर पर कंपनी पिछले दिनों राजसमंद के नाथद्वारा से शुरू कर चुकी है।

गहलोत बोले-आउट ऑफ टर्म दी अनुमति

गहलोत ने कहा कि-जियो ने टेलीफोन सेक्टर में क्रांति ला दी है। हमने ही सबसे पहले जियो को फाइबर ऑप्टिकल लाइन बिछाने के लिए आउट ऑफ टर्म जाकर अनुमति दी थी। उन्होंने कहा कि लोग राजीव गांधी जी के समय बोलते थे कि इंटरनेट और कम्प्यूटर क्रांति से लोग बेरोजगार हो जाएंगे, लेकिन आज क्या इसका फायदा मिल रहा है ये आप सब देख रहे हैं।

कम होगी लेटेंसी की शिकायत

कंपनी का दावा है कि 5जी शुरू करने के बाद लेटेंसी की शिकायत बिल्कुल कम या कहें न के बराबर हो जाएगी। टेली कम्युनिकेशन की भाषा में लेटेंसी वो समय है जो डाटा (सूचना) को एक बिंदु से दूसरे बिंदु तक पहुंचाने में समय लगता है। आम आदमी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग और डाटा कॉलिंग के समय लेटेंसी या कहें होने वाले देरी से परेशान रहता है।

दूर बैठे व्यक्ति से वीडियो कॉलिंग या इंटरनेट कॉलिंग में डेटा स्पीड कम आने के कारण आवाज या वीडियो थोड़ा देरी से सामने वाले तक पहुंचते हैं, लेकिन कंपनी का दावा है कि 5जी के शुरू होने के बाद लेटेंसी की समस्या बहुत कम हो जाएगी। सामान्य शब्दों में कहें तो लेटेंसी का टाइम पीरियड 1 सेकेंड से भी कम का रह जाएगा।

फोन में जियो एप के जरिए लेनी होगी सर्विस

जानकारों के मुताबिक इस योजना का लाभ लेने के लिए जियो के उपभोक्ताओं को अपनी सिम और फोन को 5जी वर्जन में अपग्रेड करना है। जियो के एप के जरिए उपभोक्ता अपनी सिम को 5जी में अपडेट कर सकेंगे। इससे उनको नई सिम भी खरीदने की जरूरत नहीं पड़ेगी। बशर्ते उनका सेल फोन 5जी सपोर्ट वाला होना जरूरी है। वर्तमान में अधिकांश कंपनी अपने फोन में 4जी के साथ 5जी टेक्नोलॉजी को सपोर्ट सिस्टम दे रही है।

दूसरी कंपनी भी जल्द शुरू कर सकती है सर्विस

टेलीकॉम सूत्रों के मुताबिक पिछले दिनों एयरटेल कंपनी ने भी जयपुर के कुछ एरिया में अपनी 5जी सर्विस का ट्रायल किया था। सिविल लाइन्स, सी-स्कीम में चुनिंदा एरिया में 5जी की सर्विस को चैक किया गया था, जहां उन्हें 1 हजार MBPS से ज्यादा की स्पीड दर्ज की थी।

वेतन के लिए तरस रहे राजस्थान के विद्युत कर्मचारी गहलोत सरकार को ठहराया वित्तीय प्रबंधन के लिए दोषी

जयपुर, 7 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में कोयले की आपूर्ति सही से नहीं होने से बिजली संकट से जूझना पड़ता है। वहीं राजस्थान राज्य विद्युत कर्मचारी संघ के महामंत्री अमित मल्होत्रा ने विद्युत विभाग के कर्मचारियों की तनख्वाह रोकने पर रोष जताया है। इसके साथ ही उन्होंने गहलोत सरकार को वित्तीय प्रबंधन के लिए दोषी करार दिया। राजस्थान राज्य विद्युत कर्मचारी संघ के महामंत्री अमित मल्होत्रा ने सवाल उठाए कि क्या सरकार को पिछले एक साल से नहीं पता था कि कोयले की अपूर्ति ठीक प्रकार से नहीं हो रही है। विद्युत प्रशासन की लापरवाही की सजा कर्मचारियों क्यों मिल रही है। अमित मल्होत्रा ने विद्युत प्रशासन के वित्तीय प्रबंधन को लेकर सवाल उठाते हुए कहा कि जब विद्युत प्रशासन 12 रुपये और 20 रुपये के दर से बिजली खरीद कर रहा है। ऐसे में जो वित्तीय घाटा हो रहा है, उससे कर्मचारियों क्या लेना-देना है। इसका पैसा सरकार को देना चाहिए। बता दें कि साल जुलाई 2000 में सरकार ने राजस्थान स्टेट इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड को भंग करते हुए पांच नई कंपनी बनाई थी। जिसमें से राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड का काम सिर्फ ऊर्जा का उत्पादन करना और और उसको बेचने और उपयोग के लिए आगे देना है।

राजनीति से संन्यास पर बोले सीएम गहलोत

अभी रिटायरमेंट नहीं, घर बैठ गया तो बीमार हो जाऊंगा

जयपुर, 7 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने एक बार फिर बयान देकर साफ कर दिया कि वे अभी राजनीति से संन्यास नहीं लेने वाले हैं। सीएम अशोक गहलोत ने कहा कि मैं अभी रिटायर नहीं होने वाला हूं। मैं घर बैठा तो बीमार हो जाऊंगा।

सीएम अशोक गहलोत ने जोधपुर के रावण का चबूतरा मैदान में पश्चिमी राजस्थान उद्योग हस्तशिल्प उत्सव का उद्घाटन किया।

इस दौरान उन्होंने कहा कि मेवाड़ ने मुझे बहुत प्यार दिया है। अब और मांगना संकोच देता है। मुख्यमंत्री ने 1973 में पहली बार छात्र संघ चुनाव से लेकर अपने 50 साल के राजनीतिक करियर के अनुभव भी बताया। उन्होंने कहा कि तीन बार अपने मुझे मुख्यमंत्री बनाया।

आपका बहुत प्यार मिला। यहां के लोगों के लिए मैं घर का जोगी जोगना जैसा हूं। तीन बार आप लोगों ने सीएम बनाया। कई बार स्थिति होती है, जैसे घर का जोगी जोगना है। जोधपुर मारवाड़ ने मुझे बचपन से बहुत प्यार दिया है। इसलिए अब मांगते हुए संकोच होता है। सीएम ने आगे कहा कि रिटायर होकर घर बैठने का मतलब है बीमार होना। बचपन से जो व्यक्ति सेवा के कार्यों में लगा हो, उसे यदि घर बैठा दिया जाए तो वह बीमार ही होगा, लेकिन मैं बीमार होना नहीं चाहता।

मुख्यमंत्री गहलोत का यह बयान राजनीतिक जानकारों की नजर में उनके विरोधियों के लिए एक सीधा संदेश है कि वो अभी राजस्थान की राजनीति से दूर नहीं जाने वाले हैं। अशोक गहलोत का अपने गृह जिले में यह एलान करना इसका परिचायक है कि अशोक गहलोत अगले चुनाव की तैयारी में जुट गए हैं और अपने चाहने वालों को भी संदेश दे दिया है कि पिक्चर अभी बाकी है।

7वीं मंजिल पर बैठा एलएलबी स्टूडेंट बोला-रुक मैं आया

बिल्डिंग से नीचे कूदा, सुसाइड नोट में लिखा-गर्लफ्रेंड कर रही परेशान

सिर फटने से हुई मौत

जयपुर, 7 जनवरी (एजेंसियां)। जयपुर में निर्माणाधीन बिल्डिंग की 7वीं मंजिल से एलएलबी स्टूडेंट ने छलांग लगाकर सुसाइड कर लिया। सुसाइड से पहले उसने अपने दोस्त को कॉल कर बुलाया था। दोस्त नीचे ही खड़ा था। स्टूडेंट फोन पर उससे बोला- तू रुक मैं आता हूं। फिर छलांग लगा दी। दोस्त के सामने स्टूडेंट बिल्डिंग से नीचे आ गिरा। शिवदासपुरा थाना पुलिस ने शुक्रवार को स्टूडेंट का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने फॉरेंसिक टीम की मदद से मौके से सबूत जुटाए है। मृतक के पास सुसाइड नोट मिला है। इस सुसाइड नोट में एक महिला दोस्त और कुछ दोस्तों के परेशान करने की बात लिखी है। पुलिस ने सुसाइड नोट के आधार पर आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया है।

एडिशनल डीसीपी साउथ भरत लाल मीणा ने बताया- चांदपोल माली कॉलोनी निवासी कार्तिकेय कुमावत (20) पुत्र दीपचन्द कुमावत ने सुसाइड किया है। वह एलएलबी फर्स्ट ईयर का स्टूडेंट था। जेपी फाटक अंडरपास स्थित कोचिंग सेंटर में पढ़ता था। बुधवार दोपहर कार्तिकेय अपनी बाइक से सीतापुरा स्थित जेईसीआरसी कॉलेज के पास पहुंचा। दोपहर करीब 2:30 बजे वह निर्माणाधीन बिल्डिंग की 7वीं मंजिल पर चढ़ गया। मिलने के लिए उसने अपने दोस्त विशाल पारीक को कॉल कर बुलाया। दोस्त विशाल के आने पर उसकी आंखों के सामने बिल्डिंग की छत से छलांग लगा दी। नीचे जमीन पर आकर गिरने से कार्तिकेय का सिर फट गया। लोगों की मदद से विशाल को टैक्सी से महात्मा गांधी हॉस्पिटल पहुंचाया। जहां डॉक्टर्स ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मृतक के चचेरे भाई सौरभ ने पुलिस को बताया कि कार्तिकेय ने सुबह घर पर बताया कि कॉमस कॉलेज से कॉल आया था। कोशन मनी के पैसे देने के लिए बुला रहे है। मैं कोशन मनी के पैसे लेने कॉलेज जा रहा हूं। सुबह करीब 10:30 बजे घर से यामाहा फैजर बाइक लेकर निकल गया।

कलेक्टर-एसपी कांफ्रेंस को भूली सरकार!

जयपुर, 7 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में कांग्रेस सरकार को चार साल पूरे हो चुके हैं। अब भी ब्यूरोक्रेसी के स्तर पर एक सबसे महत्वपूर्ण काम सरकार ने भुला रखा है। जिलों में आखिरी छोर तक प्रशासनिक ढांचे को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाने वाली 'कलेक्टर-एसपी कॉन्फ्रेंस' चार साल में एक बार भी नहीं हो पाई है।

इससे पहले चाहे कांग्रेस की सरकार रही हो या भाजपा की दोनों के कार्यकाल में कलेक्टर-एसपी कॉन्फ्रेंस होती रही है। लेकिन इन चार सालों में कॉन्फ्रेंस नहीं होने के कई गंभीर नतीजे भी देखने पड़े। करौली, उदयपुर, जोधपुर में हुई सांप्रदायिक घटनाओं में कलेक्टर-एसपी के बीच कम्युनिकेशन गैप देखा गया।

अब सरकार 16-17 जनवरी को जयपुर के ओटीएस में चिंतन शिविर करेगी, जिसमें सीएम के साथ सभी मंत्री मौजूद रहेंगे। प्रदेश के सभी विभाग अपना प्रजेंटेशन देंगे। मंत्रियों और विभाग प्रमुखों के साथ वर्तमान सरकार के कार्यकाल में यह पहला चिंतन शिविर है। लेकिन कलेक्टर एसपी-कॉन्फ्रेंस अब तक नहीं हो पाई है।

सम्मेद शिखर अभी भी पूरी तरह से सुरक्षित नहीं आगे भी संघर्ष की जरूरत : जैन समाज

जयपुर, 7 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने भले ही जैन धर्मावलंबियों के प्रसिद्ध तीर्थ स्थल पारसनाथ में पर्यटन और इको टूरिज्म की गतिविधियों पर रोक लगा दी है। लेकिन, जैन धमार्वलंबियों का मानना है कि इससे खुश होने की बात नहीं है। यह पवित्र स्थल पूरी तरह से सुरक्षित नहीं हुआ है। अभी भी सरकार उस क्षेत्र में 67 प्रतिशत हिस्सा ही जैन समाज का मानती है, बाकी 33 प्रतिशत क्षेत्र में वह कुछ भी गतिविधि लागू कर सकती है। यह जरूरी है कि पारसनाथ पर्वत को पूरी तरह सुरक्षित किया जाए। इसकी सुरक्षा का जिम्मा जैन समाज को ही मिलना चाहिए।

दरअसल सम्मेद शिखरजी को पर्यटन स्थल घोषित करने के झारखंड सरकार के फैसले के बाद देशभर में जैन समाज के लोगों ने आक्रोश व्यक्त करते हुए आंदोलन शुरू किया था। जयपुर में कुछ जैन मुनियों ने आमरण अनशन किया। इनमें एक जैन मुनि का देवलोक गमन हो गया। इसके बाद केंद्र सरकार ने जैन धर्मावलंबियों के प्रसिद्ध तीर्थस्थल पारसनाथ में पर्यटन और इको टूरिज्म की गतिविधियों पर रोक लगा दी है।

अब जैन समाज यह आवाज उठा रहा है कि सम्मेद शिखर अभी भी पूरी तरह से सुरक्षित नहीं है। उनका कहना है कि गिरनार, कैलाश पर्वत आदि जगहों पर भी बड़े जैन मंदिर थे। जहां मंदिर कैंपस में किसी तरह की गतिविधि नहीं थी। लेकिन आसपास का इलाका इतना अपवित्र हो गया कि अब जैन समाज के लोगों ने वहां जाना ही छोड़ दिया। सम्मेद शिखर को भी पूरी तरह से सुरक्षित नहीं किया गया तो जैन समाज के लोग एक दिन खुद ब खुद वहां जाना छोड़ देंगे और अन्य लोगों का कब्जा हो जाएगा।

जैन समाज का मानना है कि इसका स्थायी समाधान यह है कि सम्मेद शिखरजी के पूरे पर्वत को ही सुरक्षित किया जाए। यहां की सुरक्षा का जिम्मा भी जैन समाज को ही सौंपा जाए। सोशल मीडिया पर चल रहे जैन धर्म बचाव आंदोलन में यह सब सवाल उठाए गए हैं। उनका कहना है कि इस सम्मेद शिखर तीर्थ स्थल समिति के पास पैसों की कोई कमी नहीं है। हमें सरकार का भी मुंह देखने की जरूरत नहीं है। रिटायर्ड सैन्यकर्मियों के जरिये हम इस पूरे क्षेत्र की सुरक्षा का जिम्मा ले सकते हैं। जैन समाज के आंदोलनकारियों का दावा है कि अभी भी सरकार सम्मेद शिखर पर्वत के एक हिस्से को ही जैन समाज का तीर्थ स्थल मानती है। यह गलत है। लड़ाई इसके लिए ही करनी है।

केंद्र सरकार ने वन संपदा और पशु-पक्षियों से छेड़छाड़ पर रोक लगाने को कहा

भारत सरकार के वन महानिरीक्षक (वन्य जीव) रोहित तिवारी ने झारखंड के वन एवं पर्यावरण विभाग के अपर मुख्य सचिव एल खियांगते को भेजे गए पत्र में कहा है कि सम्मेद शिखरजी में पर्वत, वन संपदा और पशु-पक्षियों से छेड़छाड़ पर रोक लगाई जाए। पारसनाथ पर्वत पर अनावश्यक कैंपिंग, ट्रैकिंग आदि गतिविधियों पर पूरी तरह रोक को सुनिश्चित किया जाय। इसके साथ ही राज्य सरकार ने भी 21 दिसंबर को जारी प्रतिबंधों को कड़ाई से लागू करने का जैन समाज को भरोसा दिलाया है।

सिंगल साइन से पट्टे नहीं हो सकेंगे जारी

सरकार-बीकानेर नगर निगम कमिश्नर के आदेश पर हाईकोर्ट की रोक

जयपुर, 7 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान की गहलोत सरकार ने प्रशासन शहरों के संग अभियान में 9 सितंबर 2022 को आदेश जारी कर फ्री होल्ड पट्टों पर डिप्टी कमिश्नर रैंक के अफसर के सिंगल साइन से पट्टे जारी करने के आदेश दिए थे। जिसे आधार बनाकर बीकानेर नगर निगम के तत्कालीन कमिश्नर गोपालराम विरदा ने 16 नवंबर 2022 को आदेश जारी कर नगर निगम सचिव हंसा मीणा ऑथोराइज कर एकल हस्ताक्षर से पट्टे जारी करने के निर्देश दिए थे। जिसे अधिकारियों की मनमानी बताते हुए बीकानेर नगर निगम मेयर सुशीला ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर दोनों आदेशों को चुनौती दी थी। याचिका पर हाईकोर्ट ने यह फैसला दिया है।

राज्य सरकार और बीकानेर निगम कमिश्नर के आदेश पर रोक

हाईकोर्ट के जस्टिस अरुण भंसाली की बेंच ने सुनवाई कर राज्य सरकार, नगर निगम बीकानेर और बीकानेर मेयर सभी पक्षों को सुना। कोर्ट ने आदेश में राज्य सरकार और बीकानेर नगर निगम के तत्कालीन आयुक्त के आदेश पर रोक लगाते हुए कहा कि बोर्ड की शक्तियों को अधिकारी

बदल नहीं सकते हैं।

जन प्रतिनिधियों की शक्तियां कमजोर हो रही थीं

प्रदेश के कई नगर निगम,नगर पालिकाओं, परिषदों ने राज्य सरकार को शिकायतें भी की थीं, कि अधिशासी अधिकारी या डिप्टी कमिश्नर, सचिव सिंगल साइन कर पट्टे जारी कर रहे हैं। इससे मेयर, नगर पालिका अध्यक्ष और नगर परिषद सभापति की शक्तियां कमजोर हो रही हैं। यह उनके अधिकार क्षेत्र में एक तरह से अतिक्रमण है।

सरकार ने गलत परंपरा डाली थी

बीकानेर की मेयर सुशीला कंवर राजपुरोहित ने कोर्ट के फैसले पर खुशी जताते हुए कहा- 'मुझे पूरा भरोसा था कोर्ट जरूर इंसाफ करेगा। राज्य सरकार जो गलत परंपरा डाली, उस पर रोक लग गई है। एकल हस्ताक्षर से पट्टे देकर अधिकारी बोर्ड की शक्तियों को कमजोर कर रहे थे। बीकानेर में निगम कमिश्नर जो आईएएस होता है और निर्वाचित मेयर की शक्तियां एक राजस्व अधिकारी को ही दे दी गई थी। जो ना केवल लीज से फ्री होल्ड पट्टे बना रही थी, बल्कि 69-ए के भी पट्टे बना रही थी।'

करोड़पति बॉस को ब्लैकमेल करने को युवती ने जॉब छोड़ी

बॉयफ्रेंड ने धमकाया-एक क्लिक तेरी जिंदगी खत्म कर देगी; 26 लाख ठग चुके थे

जयपुर, 7 जनवरी (एजेंसियां)। जयपुर के बिजनेसमैन को ब्लैकमेल करने के मामले में पूरी प्लानिंग के साथ साजिश रची गई। ब्लैकमेलिंग के लिए अकाउंटेंट गर्लफ्रेंड ने अपनी जॉब भी छोड़ दी। युवती बिजनेसमैन की कंपनी में ही जॉब करती थी। उसी ने सीए कर रहे अपने बॉयफ्रेंड के साथ मिलकर ठगी का प्लान बनाया था।

दोनों अपने प्लान के तहत कुछ हद तक कामयाब भी रहे, लेकिन ज्यादा लालच ने उनको पकड़वा दिया।युवती के बॉयफ्रेंड ने बिजनेसमैन को धमकी दी, 'मेरे मोबाइल का एक क्लिक तेरी जिंदगी खत्म कर देगा। तेरी प्राइवेट इंफॉर्मेशन को शेयर कर बदनाम कर कंपनी तक को बंद करवा देंगे।' डीसीपी (वेस्ट) वंदिता राणा ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी राहुल बोहरा और उसकी गर्लफ्रेंड प्रियंका ने ब्लैकमेलिंग के लिए कई मूवी और वेब सीरिज देखकर प्लान बनाया था। करीब 2 साल पहले तक पीड़ित कारोबारी की कंपनी में प्रियंका काम करती थी। राहुल से मुलाकात होने के बाद प्रियंका ने अपने ही बॉस की पर्सनल और ऑफिशियल जानकारी शेयर करने लगी। प्रियंका-राहुल ने बिजनेसमैन दीपक माहेश्वरी को बदनाम कर रुपए ऐंठने की साजिश रची। प्रियंका ने राहुल का साथ देते हुए कहा- इस तरह मुझे भी नौकरी करने की जरूरत नहीं होगी। बिना नौकरी के ही अपने पास काफी पैसे आ जाएंगे।

कंपनी से जॉब छोड़कर प्लानिंग में जुटे

अक्टूबर-2021 में जॉब छोड़ने के बाद राहुल के साथ बैठकर प्रियंका ने ब्लैकमेलिंग से जुड़ीं मूवी और वेब सीरीज देखना शुरू किया। इसके बाद दोनों ने प्लान बनाया गया। प्लानिंग के तहत ही लेटर भेजने और रुपए मंगवाने का भी सिस्टम रखा गया। बदनाम करने की धमकाने देने के साथ ही बिजनेसमैन को गैंग में कई सदस्यों के होने के बारे में भी बताया गया। विश्वकर्मा थाने के एसएचओ रमेश सैनी ने बताया कि दोनों आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। पूछताछ में राहुल ने बताया कि 1 नवंबर को उसने 10 लाख रुपए की डिमांड का लेटर लिखा।

हत्या के दो आरोपियों को आजीवन कारावास

कोटा, 7 जनवरी (एजेंसियां)। शहर की एक अदालत ने हत्या के दो आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अलग-अलग धाराओं में 25-25 हजार रुपए जुर्माना भी लगाया गया है। दरअसल यह मामला सीमलिय थाना क्षेत्र में साल 2018 का है। चाकू के वार से एक एक युवक की हत्या कर दी गई थी। दोनों पक्षों की ओर से पेश बहस और दलीलों को सुनने के बाद अदालत के समक्ष आरोप साबित हुए।

अदालत ने दोनों आरोपियों को उम्रकैद की सजा सुनाई। अपर जिला जज क्रम 5 ने कोटा पुलिस थानाक्षेत्र सीमलिया के ग्राम माल मोजा कराड़िया में सत्यनारायण की हत्या के आरोप में आरोपी जगन्नाथ व हीरालाल का सजा सुनाई गई है। अपर लोक अभियोजक अख्तर खान अकेला ने बताया कि माल मोजा कराड़िया पुलिस थाना सिमलिया निवासी कालू लाल आत्मज जोधा बैरवा ने 29 सितम्बर 2018 को एक लिखित रिपोर्ट लिखाई थी। इसके मुताबिक वो सूरजमल शर्मा की चबूतरी पर बैठा हुआ था। उसी वक्त वहां हीरालाल बैरवा आत्मज जगन्नाथ बैरवा आया और आते ही मेरे साथ थप्पड़ व मुक्कों से मारपीट की और खेत की तरफ भाग गया। कालू लाल ने बताया की घर से मैं और मेरा लड़का सत्यनारायण, दिनेश तीनों ही हमारे खेत की तरफ जाने लगे। इस दौरान रास्ते में देवीलाल जी मीणा के बाढ़े में हीरालाल , उसके पिता जगन्नाथ, पत्नी सुमित्रा, पुत्रियां मनीषा, धन्नी, मधु, ने रोक लिया और गाली गलौज की।

पुष्कर में पूर्व पार्षद के सिर में मारी गोली, मौत

अजमेर, 7 जनवरी (एजेंसियां)। अजमेर के पुष्कर में पूर्व पार्षद व उसके दोस्त को सरेआम गोली मार दी गई। घायलों को स्थानीय हॉस्पिटल में ले जाया गया। वहां से अजमेर के जेएलएन हॉस्पिटल रेफर किया गया। पूर्व पार्षद सवाई सिंह (70) की हॉस्पिटल में मौत हो गई। वहीं, उनके दोस्त राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड कर्मचारी संघ के पूर्व अध्यक्ष दिनेश तिवाड़ी (68) का इलाज चल रहा है। दोनों ही अजमेर के पलटन बाजार के रहने वाले हैं।

पूर्व पार्षद पर पुरानी रंजिश में फायरिंग की बात सामने आ रही है। जानकारी के अनुसार, शनिवार दोपहर करीब 1.45 बजे पूर्व पार्षद सवाई सिंह, उनके दोस्त दिनेश तिवाड़ी और खलील पुष्कर के बांसेली गांव स्थित युवराज फोर्ट रिसॉर्ट में बैठे थे। इस बीच तीन बदमाश वहां पहुंचे और फायरिंग करने लगे। पूर्व पार्षद के सिर में गोली लगी है। उनके दोस्त के पेट पर गोली लगी है।

प्राचीन मंदिर जीर्णोद्धार कमेटी ने की मंत्री हरीश राव से मुलाक़ात

हैदराबाद, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आल इंडिया टेम्पल रेनोवेशन ट्रस्ट की राष्ट्रीय एवं तेलंगाना कमेटी के सदस्यों ने वित्त मंत्री टी. हरीश राव से मुलाकात की तथा कई मुद्दों पर विचार-विमर्श किया। बैठक के दौरान ट्रस्ट के वाइस चेयरमैन जसमत पटेल ने प्राचीन मंदिर के जीर्णोद्धार के साथ साथ प्रत्येक मंदिर के पास एक गौशाला प्रारम्भ करने का प्रस्ताव रखा और स्वामीनारायण संस्था द्वारा चल रहे गुरुकुल के बारे मे जानकारी दी। ट्रस्ट के वाइस चेयरमैन अशोक जैन वजावत ने पब्लिक गार्डन स्थित जैन म्युजीयम के हालत की जानकारी देते हुए उसके जीर्णोद्धार हेतु निवेदन किया। ट्रस्ट के अध्यक्ष मुकेश चौहान ने मंत्री को बताया कि शास्त्र के अनुसार प्राचीन मंदिरों के जीर्णोद्धार में कई गुना अधिक पुण्य प्राप्त होता है। नये मंदिर के निर्माण से भी अधिक ध्यान जीर्णोद्धार मे देने की जरूरत है। कमेटी के सदस्य धनंजय ने मंत्री को सिद्दीपेट पालमाकुल के हजार वर्ष प्राचीन शिव मंदिर के भूमी पूजन के कार्यक्रम मे पधारने हेतु निवेदन किया। मंत्री ने इस पर सकरात्मक आश्वासन दिया। इस अवसर पर महेश बैंक के पूर्व डायरेक्टर, श्याम मंदिर काचीगुडा के देवेंद्र झवर, अग्रवाल समाज अत्तापुर के अध्यक्ष नवीन अग्रवाल, सेक्रेटरी वीरेंद्र अग्रवाल, चिंतपल्ली साईबाबा मंदिर के चेयरमैन धनंजय ने अभिनन्दन किया। इस अवसर पर ट्रस्ट के चेयरमैन आरके जैन, वाइस चेयरमैन अशोक वजावत आदि भी उपस्थित रहे।

श्री आईजी क्षत्रिय सीरवी विकास सेवा समिति का पाँचवां महाधिवेशन आज

हैदराबाद, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। श्री आईजी क्षत्रिय सीरवी विकास सेवा समिति का पाँचवा महाधिवेशन रविवार 8 जनवरी 2023 को प्रात: 9 बजे से कर्नाटक मैसूर प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्यों एवं भामाशाओं के तत्वावधान मे कर्नाटक सीरवी समाज मैसूर बडेर हल्लदकेरी महावीरनगर में आयोजित किया जाएगा। जारी प्रेस विज्ञप्ति मे महासचिव जगदीश सोलंकी ने बताया कि मैसूर की पावन धरा पर श्री आईजी क्षत्रिय सीरवी विकास सेवा समिति का पाँचवा महाधिवेशन, वार्षिक उत्सव, सम्मान समारोह एवं स्नेह मिलन कार्यक्रम भव्यरुप से आयोजित किया जाएगा। रविवार 8 जनवरी प्रात: वेला मे महाधिवेशन के लिए भव्य पंडाल को सजाकर प्रात: 9 बजे पूजा-अर्चना व श्री आईमाँ की महाआरती के पश्चात् पाँचवे महाधिवेशन का शुभारम्भ बत्तौर मुख्यअतिथि हेमराज सैंणचा वहिनी पाईप लिमिटेड तुमकूर व पधारे सम्मानित अतिथियों, समाज बन्धुओं, संरक्षक रामलाल सैंणचा गाँधीधाम, बाबुलाल चोयल हैदराबाद, इन्द्रलाल सोलंकी बैंगलोर के करकमलों द्वारा किया जाएगा।

कार्यक्रम में प्रमुखरुप से हेमराज सैंणचा, गुरुदेव भंवर महाराज नारलाई, तेजानन्दजी महाराज चेन्नई, भाजपा युवा नेता सुनिल सीरवी सोजत रोड़ व देश के विभिन्न प्रांतों से समाज के भामाशाह व सम्मानित अतिथि उपस्थित रहेंगे। सेवा समिति के संरक्षक रामलाल सैंणचा, बाबुलाल चोयल, इन्द्रलाल सोलंकी ने श्री आईजी क्षत्रिय सीरवी विकास सेवा समिति के पाँचवे वार्षिक उत्सव, स्नेह मिलन व महाधिवेशन की समाज बन्धुओं को शुभकामनाएँ देते हुए बताया कि सेवा समिति का एक ही नारा, शिक्षा क्षेत्र मे कोई पीछे न रहे हमारा के उद्देश्य को मद्देनजर रखते हुए समाज के भामाशाहों से छोटी-छोटी सहयोग राशी एकत्रितकर समाज के जरूरतमंद परिवारों, एवं समाज की उभरती हुई प्रतिभाओं जो आर्थिक परेशानी के कारण शिक्षा व खेल-कूद से वंचित रह रहे है उनका सहयोग करना सेवा समिति की प्रथम प्राथमिकता है। कार्यक्रम के सफल आयोजन मे श्री आईजी क्षत्रिय सीरवी विकास सेवा समिति के राष्ट्रीय पदाधिकारी, कार्यकारिणी मेम्बर, कर्नाटक मैसूर प्रांतीय कार्यकारिणी, पदाधिकारी, सदस्यगण एवं गुढड़राम, कर्माराम, महेन्द्र, भेराराम, बुधाराम, समाज बन्धु व सभी कार्यकर्ताओं का विशेष सहयोग रहेगा।

भारत ने 91 रन से जीता तीसरा टी-20

श्रीलंका से लगातार 5वीं होम सीरीज जीती, सर्यकुमार का तीसरा शतक

राजकोट, 7 जनवरी (एजेंसियां)। टीम इंडिया ने श्रीलंका के खिलाफ टी-20 सीरीज का तीसरा और निर्णायक मुकाबला 91 रनों से जीत लिया है। इस जीत के साथ ही भारत ने तीन मैचों की सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली। भारतीय टीम ने श्रीलंका से लगातार 5वीं होम सीरीज जीती है। दोनों टीमों के बीच अब तक 6 सीरीज हो चुकी हैं। इनमें से सिर्फ ड्रॉ रही है। जो 2009 में खेली गई थी। राजकोट के सौराष्ट्र क्रिकेट स्टेडियम में टीम इंडिया ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए 228 रनों का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया। उसके बाद श्रीलंकाई बल्लेबाजों को 16.4 ओवर में 137 रन पर आउट कर दिया। भारत की ओर से अर्शदीप सिंह ने 3 विकेट चटकाए। जबकि हार्दिक पंड्या, उमरान मलिक और युजवेंद्र चहल ने दो-दो विकेट लिए। वहीं, श्रीलंका की ओर कप्तान दसुन शनाका और कुसल मेंडिस ने 23-23 रन बनाए। धनंजया डी सिल्वा ने 22 रन जोड़े। शेष बल्लेबाज कुछ खास नहीं कर सके। इससे पहले भारतीय पारी में सूर्यकुमार यादव का बल्ला जमकर चला। उन्होंने 51 गेंद पर 112 रन बनाए। सूर्या के अलावा शुभमन गिल ने 46 और राहुल त्रिपाठी ने 35 रन बनाए। श्रीलंका के लिए दिलशान मदुशंका ने दो विकेट लिए। कसुन रजिथा, चमिका करुणारत्ने और वनिंदु हसरंगा के हिस्से एक-एक विकेट आए।

विद्यार्थियों में तांबे के जवा का वितरण

आसिफाबाद, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कुमरम भीम आसिफाबाद जिला कलेक्टर राहुल राज ने कहा कि सद्गुरु श्री मधुसूदन साईं के सौजन्य से सत्य अन्नपूर्णा ट्रस्ट कर्नाटक द्वारा जिले के सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों को रागी जवा का नि:शुल्क वितरण प्रशंसनीय है। अशोक, जिला शिक्षा अधिकारी श्री सत्य साईं अन्नपूर्णा ट्रस्ट-कर्नाटक के सचिव आनंद कादरी ने शनिवार को जिले के बूरुगुड़ा जिला परिषद उच्च विद्यालय में आयोजित तांबे का जवा वितरण कार्यक्रम में शिरकत की और कार्यक्रम की शुरुआत की। इस अवसर पर जिला कलेक्टर ने कहा कि श्री सत्य साईं अन्नपूर्णा ट्रस्ट के तत्वावधान में जिले के सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों को ताम्र जवा वितरण का कार्य सराहनीय है। ट्रस्ट के सचिव ने कहा कि पूरे तेलंगाना राज्य के सरकारी स्कूलों में छात्रों के लिए कॉपर जावा वितरण कार्यक्रम चलाया गया है और उन्होंने कहा कि पढ़ने वाले जिले के 720 स्कूलों में 42 हजार छात्रों के लिए कॉपर जावा वितरण कार्यक्रम आयोजित करने का प्रयास किया जाएगा। इस अवसर पर मंडल विद्याधिकारी मन कुमार, स्कूल के प्राचार्य मारियाला उदय बाबू, जेड पी टी सी अरिगेला नागेश्वर राव, मंडल अध्यक्ष अरिगाला मल्लिकार्जुन, ग्राम सरपंच माधवी, एमपीटीसी रमेश, उप सरपंच कुमार, सत्य साई वर्किंग ग्रुप, स्कूल के शिक्षकों और छात्रों ने भाग लिया।

साहित्य हमारी विरासत : डॉक्टर यदुवंशी

विशिष्ट साहित्यकार का नगर में हुआ स्वागत

हैदराबाद, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। यूपी के चर्चित पूर्व छात्र नेता और प्रख्यात हिंदी साहित्यकार डॉ. बृजेश यदुवंशी ने कहा कि साहित्य हमारी विरासत हैं। इनसे हमारी संस्कृति और सभ्यता के बारे में जानकारी मिलती है। भारत विविधता का देश है। यहां कई भाषाओं के साहित्यकार हैं, जो अपनी प्राचीन सभ्यता और संस्कृति को अपनी कलम के माध्यम से संजोने का अथक प्रयास करते रहे हैं। हिंदी साहित्य के संदर्भ में साहित्यकारों और हिंदी सेवियों से मिलने हैदराबाद पहुंचे डॉ. बृजेश यदुवंशी का मल्काजगिरी स्थित समाजसेवी श्याम मोहन यादव के आवास पर स्वागत किया गया। स्वागत करने वालों में प्रमुख रूप से बिहार सहयोग समिति तेलंगाना के अध्यक्ष बिनय कुमार यादव, संपतराव, श्याम मोहन यादव आदि रहे। इस मौके पर डॉ. यदुवंशी ने कहा कि तेलुगु साहित्य अपने आप में समृद्ध है और देश को एकीकरण में बांधने की क्षमता भी रखता है। सभी साहित्य की अपनी एक विशेषता होती है और मिठास होती है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में हिंदी वासियों की संख्या काफी है। यहां हिंदी के प्रचार प्रसार के क्षेत्र में काफी काम हो रहा है। हिंदी भाषा देश को एक माला में पिरोने का काम करती है। सभी भाषाओं का अपना महत्व है। उन्होंने कहा कि हिंदी भाषी लोगों को दक्षिण भारत की भाषा तेलुगु ,तमिल ,कन्नड़, मलयाली भाषा को सीखना चाहिए। इन भाषाओं को सीखने के बाद ही दक्षिण भारत की सभ्यता संस्कृति को बारीकी से जाना जा सकेगा। तभी जाकर हम देश की एकता व अखंडता को और बलशाली बना सकेंगे। गौरतलब है कि डॉक्टर बृजेश यदुवंशी उत्तर प्रदेश में भोजपुरी भाषा को आठवीं अनुसूची में शामिल कराने के लिए प्रयासरत हैं। वे हिंदी साहित्य और भाषा के प्रचार-प्रसार के सिलसिले में मारीशस, दुबई, नेपाल, भूटान, बांग्लादेश, म्यांमार आदि देशों का दौरा कर चुके हैं। डॉ. ब्रजेश यदुवंशी की मारीशस के हिन्दी सेवी प्रह्लाद राम शरण, नाम की पुस्तक मारीशस विश्वविद्यालय में भी पढ़ाई जाती है। डॉक्टर यदुवंशी देश के कई राज्यों का भ्रमण कर चुके हैं तथा कई पुस्तक भी लिख चुके हैं। इन्हें कई पुरस्कार और सम्मान से नवाजा जा चुका है। डॉ. यदुवंशी ने तेलंगाना भ्रमण के दौरान कई हिंदी साहित्यकारों और हिंदी के प्रचार प्रसार में जुटे संस्थानों के लोगों से मुलाकात कर विभिन्न प्रकार की जानकारी ली।

कुमावत क्रिकेट एसोसिएशन, तेलंगाना के तत्वावधान में जारी कुमावत प्रीमियर लीग 2022-23 के फाइनल टुर्नामेंट में बतौर मुख्य अतिथि भाग लेते हुए धर्मीचन्द कुलदीप कुमावत, नारायणलाल धोडावड, राकेश मावर, थानादाम हिन्दड, धर्माराम बाकरेचा, सुरेश बोडावड, थानाराम चांदोरा, गणपत मानणिया, भँवरलाल अलोदिया, शंकरलाल हरीश हिन्दड, रामचन्द्र रेणवाला, रामकिशोर भडलीवाल, पारस शिवरामपल्ली एवं अन्य।

गांजा बेचने के आरोप में तीन गिरफ्तार

हैदराबाद, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा स्पेशल ऑपरेशंस टीम (एलबी नगर) ने गांजा रखने और बेचने के आरोप में तीन लोगों को पकड़ा है। पुलिस ने 950 ग्राम गांजा और रुपये बरामद किया है। गिरफ्तार लोगों की पहचान जलपल्ली निवासी मोहम्मद रशीद खान (57), मीरपेट निवासी शेख फैसल (22) और शाहीननगर बालापुर के शेख जफर (22) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, तीनों व्यक्ति अलग-अलग स्रोतों से गांजा खरीद रहे थे।

दो घंटे में चेन स्नेचिंग के छह मामले, पुलिस हाई अलर्ट पर

हैदराबाद, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद, साइबराबाद और राचकोंडा के ट्राई कमिश्नरेट में दो घंटे के अंतराल में शनिवार सुबह चेन स्नेचिंग के छह मामले सामने आने के बाद पुलिस हाई अलर्ट पर आ गई। उप्पल में दो और नाचाराम, चिकलगुड़ा, रामगोपालपेट और उस्मानिया विश्वविद्यालय में एक-एक चेन स्नेचिंग की सूचना मिली है। पुलिस को संदेह है कि दिल्ली का एक अंतरराज्यीय गिरोह इन अपराधों के पीछे था और चोरी की मोटरसाइकिलों का इस्तेमाल करता था। पुलिस सभी रेलवे स्टेशनों और आरजीआई हवाई अड्डे पर निगरानी रख रही है कि गिरोह के सदस्य शहर से भागने का प्रयास कर सकते हैं। गिरोह के सदस्यों की पहचान करने और उन्हें पकड़ने के लिए विशेष टीमें प्रयास कर रही हैं।

श्री लक्ष्मी गणेश हवनम् कार्यक्रम आज

हैदराबाद, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मानवता के कल्याण एवं संसार में शांति की स्थापना हेतु रविवार, 8 जनवरी को नाचारम स्थित श्री पातालेश्वर हनुमान मंदिर समिति के तत्वावधान में श्री लक्ष्मी गणेश हवनम् का आयोजन किया जाएगा। इस आशय की जानकारी देते हुए राजेश सिंह वर्मा ने बताया कि श्री पातालेश्वर हनुमान मंदिर, नाचारम के परिसर में प्रात: 10 बजे से वैदिक पद्धति के अनुसार हवन किया जाएगा, जिसको विद्वान ब्राह्मण संपन् न करायेंगे। हवन के उपरांत सामूहिक अन्नदान की व्यवस्था रहेगी। राजेश सिंह वर्मा, लक्ष्मा रेड्डी और नागेंद्र कार्यक्रम की व्यवस्था में अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह करेंगे। सभी भक्तजनों से हवन में भाग लेकर पुण्य अर्जित करने की प्रार्थना की गयी है।

सनातन धर्म सर्वपंथ समिति का त्यौहार मिलन व एकता दिवस कार्यक्रम आज

हैदराबाद, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सनातन धर्म सर्वपंथ समिति के तत्वावधान में आज रविवार, 8 जनवरी को प्रात: 11.30 बजे से विद्यानगर, उस्मानिया विश्वविद्यालय रोड हैदराबाद स्थित हिंदी महाविद्यालय के सभागृह में त्यौहार मिलन व एकता कार्यक्रम का आयोजन संपन्न होगा। समिति के प्रवीण कुमार द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार विभिन्न पंथों के धर्म गुरुओं इस कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे। जैन, बौद्ध, सिख और हिंदू धर्म के संतों के विचारों से अवगत होने का एक सुअवसर प्राप्त होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता हाईकोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जी. यतिराजुलु करेंगे। नल्लाकुंटा की पार्षद श्रीमती अमृता याकारा बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहेंगी। गणेश वंदना नृत्य कुमारी के जसोधरा द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा। इस्कॉन मंदिर आबिड्स द्वारा भजनकीर्तनों का कार्यक्रम संपन्न होगा। समिति के समस्त पदाधिकारियों ने कार्यक्रम में उपस्थित होकर कार्यक्रम को गौरवान्वित करने का निवेदन किया है।

अंतरराष्ट्रीय हिंदी अधिवेशन के लिए हैदराबाद से कई प्रतिनिधि आमंत्रित

हैदराबाद, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मारीशस और भारत के सौजन्य से भाषा सहोदरी न्यास के तत्वावधान में 9 से 15 जनवरी तक मारीशस में आयोजित होने वाले 9वीं अंतरराष्ट्रीय हिंदी अधिवेशन में हैदराबाद से कई प्रतिनिधि भाग लेंगे।

इससे भारत और मारीशस में मैत्री संबंधों के साथ-साथ हिंदी विकास को बढ़ावा मिलेगा। इस कार्यक्रम के लिए हैदराबाद से डॉ. सुरभि दत्त, प्रदीप कुमार दत्त, सुनील दुबे, डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव, डॉ. अपर्णा चतुर्वेदी मॉरिशस में 10 व 11 जनवरी को होने वाले "विश्व हिन्दी सम्मेलन" में दक्षिण भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए 8 जनवरी को प्रस्थान कर रहे हैं।

तेलंगाना राज्य खेल प्राधिकरण के अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाले डॉ. अंजनेयालु गौड़ से मुलाकात कर उनका अभिनंदन करते हुए बीआरएस नेता एम. आनंद कुमार गौड़, नरेश गौड़, युसूफ, अहमद व अन्य।

ईसीआईएल में प्रशासनिक लेखन कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल), परमाणु ऊर्जा विभाग का उद्यम, हैदराबाद में पांच दिवसीय प्रशासनिक लेखन कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में मानव संसाधन विभाग के अधिकारियों तथा नव नियुक्त प्रशासनिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया गया। नव वर्ष- 023 के स्वागत में महाप्रबंधक (मानव संसाधन) अनुराग मालवीया ने प्रशिक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए निदेश दिया था कि इस वर्ष ईसीआईएल एवं विकास को सर्वाधिक प्रमुखता दी जाएगी। इसी क्रम में वरिष्ठ अधिकारी (राजभाषा), डॉ. राजनारायण अवस्थी के संचालन में प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रशासनिक शब्दावली, नोटिंग, प्रस्ताव लेखन, सारांश लेखन, प्रशासनिक सतर्कता तथा संसदीय कार्यविधि एवं विभिन्न संसदीय समितियों के विषय में गहन प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के अंत में "ईसीआईएल में मेरा पहला दिन' विषय पर सभी प्रतिभागियों ने एक आलेख लिखा तथा प्रत्येक ने प्रशिक्षण के महत्व पर अपने-अपने विचार रखे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान से हुआ। कार्यक्रम के सफल आयोजन में वी. कनकाश्री महालक्ष्मी, कनि. अनुवादक (राजभाषा), डॉ. सीएच. अंबेडकर, कनि. अनुवादक (राजभाषा) तथा अजहर सुल्तान, प्रश्रेलि (राजभाषा) ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।

श्री नरसिंह मंदिर चौक, तगारी का नाका में मिंगसर की थाली का आयोजन किया गया। इस अवसर पर दर्शन का लाभ लेते हुए भाजपा नेता सतीश कुमार जाजू, सुनील शर्मा, राजू महाराज, गोपाल महाराज, बजरंग लाल अग्रवाल एवं अन्य।

किशन रेड्डी ने भाजपा कार्यकर्ताओं से विस चुनाव की तैयारी करने को कहा

हैदराबाद, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय पर्यटन मंत्री जी. किशन रेड्डी ने पार्टी पदाधिकारियों से लोगों को यह समझाने के लिए कहा है कि बीआरएस सरकार विफल रही है और राज्य में भाजपा सरकार होने से फायदा होगा। शनिवार को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा द्वारा बूथ स्तर के आभासी संबोधन में भाग लेने के बाद बोलते हुए, किशन रेड्डी ने पार्टी कार्यकर्ताओं से आगामी विधानसभा चुनावों के लिए अपनी कमर कसने को कहा। तेलंगाना में सत्ता विरोधी हवा बह रही है। लोग बीआरएस के खिलाफ हो रहे हैं। राज्य में पार्टी को सत्ता में लाने के लिए हमें इस स्थिति का उपयोग करना चाहिए। भाजपा के वरिष्ठ नेता ने पार्टी नेताओं और पदाधिकारियों से लोगों तक पहुंचने और जमीनी स्तर पर पार्टी को मजबूत करने का आह्वान किया।

कामारेड्डी का दौरा करेंगे किसान कांग्रेस के नेता

हैदराबाद, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अखिल भारतीय किसान कांग्रेस के नेता कामारेड्डी जिले का दौरा करेंगे, ताकि आंदोलनकारी किसानों में विश्वास पैदा किया जा सके, जो राज्य सरकार से कामारेड्डी नगरपालिका के विवादास्पद मास्टर प्लान को संशोधित करने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

आज यहां मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, किसान कांग्रेस प्रकोष्ठ के उपाध्यक्ष और पूर्व विधायक एम. कोडंडा रेड्डी ने कहा कि कामारेड्डी के किसानों ने पुलिस द्वारा कई समस्याओं के निर्माण के बावजूद अपना विरोध प्रदर्शन किया और कहा कि किसानों का विरोध बिना किसी राजनीतिक संघ के आयोजित किया गया था . उन्होंने कहा कि सीएम केसीआर के मुख्यमंत्री बनने के बाद किसानों ने पहली बार इतना बड़ा धरना दिया है।

सब-जूनियर इंटर-डिस्ट्रिक्ट फ़िस्टबॉल चैंपियनशिप का शुभारंभ

हैदराबाद, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना फ़िस्टबॉल एसोसिएशन के तत्वावधान में श्री वेंकटेश्वर वेदांत वर्धिनी संस्कृत पाठशाला ग्राउंड, न्यू बोइनपल्ली पर दसवीं सब-जूनियर इंटर-डिस्ट्रिक्ट फ़िस्टबॉल चैंपियनशिप का शुभारंभ किया गया। इस प्रतियोगिता के मौके पर मुख्य अतिथि प्रगति भवन के डीएसपी कृष्णा रहे। फिस्टबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष जम्पना प्रताप ने अन्य अतिथियों का गर्मजोशी से स्वागत किया। प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह से पूर्व छात्र-छात्राओं ने मार्च निकाला और अतिथियों ने सलामी ली। तेलंगाना फिस्टबॉल एसोसिएशन के उपाध्यक्ष सुधीर और फिल्म निदेशक एम. वामसी राव, डॉ. बनोत सुरेंद्र, एसवीवीएस हेड मास्टर जी. किशन, विजय व फिस्टबॉल एसोसिएशन के सचिव वेंकट कोमू उपस्थित थे। इस प्रतियोगिता में हैदराबाद, मेडचल, रंगारेड्डी, सिद्दीपेट, वरंगल, नलगोंडा, विकाराबाद व खम्मम से अलग अलग रूप में लड़के व लड़कियों की टीमों ने भाग लिया। पहले मैच में यदाद्री बॉयज टीम हैदराबाद बॉयज टीम ने 6-11, 11-6, 11-8 से जीत हासिल की। बालिका वर्ग में रंगा रेड्डी की टीम ने करीमनगर की टीम को 11-6, 11-5 से हराया।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

देश के बाहर ...

अवनी की बैचमेट स्काड्रन लीडर भावना कंड ने एसयू-30एमकेआई को भारतीय हथियारों से लैस सबसे घातक और बेहरतीन प्लेटफार्म करार दिया।

16 जनवरी से शुरू होगा युद्धाभ्यास :

वायु सेना की ओर से मिली जानकारी के मुताबिक 'वीर गार्जियन 2023' 10 दिवसीय युद्धाभ्यास 16 जनवरी से 26 जनवरी तक ओमिटामा में हयाकुरी एयर बेस और इसके आसपास के हवाई क्षेत्र व सयामा में इरुमा एयर बेस पर आयोजित किया जाएगा।

राहुल ने कबड्डी ...

आज उनके ग्रुप में शामिल सभी बच्चों से ना केवल राहुल गांधी ने मुलाकात की, बल्कि टॉफी भी दी और उनका हालचाल जाना।

पानीपत रैली के बाद राहुल गांधी की सोशल मीडिया पोस्ट :

अब तक 3000 कि.मी से ज्यादा की यात्रा के दौरान एक खूबसूरत सामंजस्य बन गया है। भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भारतवासियों की समस्याओं को जानने का मौका मिल रहा है, और साथ ही, कई लोग बेहतरीन सुझावों और समाधानों के साथ भी आगे आ रहे हैं। ऐसे ही साथ जुड़ने से देश की तरक्की होती है, हर आवाज को ध्यान से सुनकर, सही मुद्दों पर अमल कर। यही प्रगति की नींव है, और यही जनता की उम्मीद भी है।

दूसरे दिन की यात्रा ने 8 किलोमीटर का सफर तय कर लिया है। दोपहर 12 बजे यात्रा का कुटैल टोल प्लाजा पर लंच ब्रैक किया।राहुल गांधी ने यात्रा के दूसरे दिन सबसे पहले बच्चों से मुलाकात की। दीक्षा नाम की एक छात्रा तो उनसे राजस्थान के कोटा में भी मिलने पहुंची थी, लेकिन मुलाकात नहीं हुई।

बीएसएफ टीम पर ...

बदमाशों ने बीएसएफ की संपति के साथ की तोड़फोड़ :

पकड़े गए तस्कर के साथियों ने पहले बीएसएफ के जवानों पर हमला किया। फिर सीमा निगरानी में लगे सीसीटीवी कैमरे, रिकॉर्डर, कंप्यूटर और कंट्रोल रूम के साथ तोड़फोड़ कर बीएसएफ की संपति को भारी हानि पहुंचाई। घायलों में से एक जवान की हालत गंभीर होने के कारण उसे कोलकाता रेफर किया गया। इस दौरान उत्तेजित भीड़ ने तस्कर को छुड़वाने के लिए सीमा चौकी मामाभगिना का भी घेराव किया।

पूछताछ में तस्कर ने उगला की वह पिछले छह साल से इस तरह की तस्करी में लिप्त है। तस्कर एनसीबी की लिस्ट में भी है। पकड़े गए तस्कर और जब्त सामान को एनसीबी, कोलकाता को सौंपा जा रहा है।

तस्करों को जल्द पकड़ लिया जाएगा :

संजय कुमार, डीआईजी क्षेत्रीय मुख्यालय, कृष्णानगर ने कहा, तस्कर और उनके परिवार के लोग बीएसएफ द्वारा लगातार की जाने वाली कार्रवाई से बौखला गए हैं। हमारी खुफिया टीम तस्कर का साथ देने वालों का पता लगा रही है और उन्हें जल्द ही पकड़ लिया जाएगा।

पंत के घुटने की सर्जरी सफल

सेहत में तेजी से हो रहा सुधार, मेडिकल टीम रख रही निगरानी

मुंबई, 7 जनवरी (एजेंसियां)। सड़क हादसे का शिकार हुए ऋषभ पंत का मुंबई के एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। शुक्रवार को उनके घुटने की सफलतापूर्वक सर्जरी हुई। सूत्रों ने न्यूज एजेंसी एएनआई से इसकी पुष्टि की है। फिलहाल पंत मेडिकल टीम की निगरानी में हैं और उनकी सेहत में तेजी से सुधार हो रहा है। रुड़की के पास कार एक्सीडेंट में उन्हें गंभीर चोटें आई थीं। भारत के स्टार क्रिकेटर ऋषभ पंत 30 दिसंबर को सड़क हादसे का शिकार हुए थे। रुड़की के पास उनकी कार दुर्घटनाग्रस्त हुई। पंत को इस हादसे में गंभीर चोटें आईं। वह दिल्ली से अपनी निजी कार में रुड़की जा रहे थे और खुद ड्राइव कर रहे थे। 25 साल के इस बल्लेबाज ने मैदान की तरह इस घटना में भी जुझारूपन दिखाते हुए खुद विंड स्क्रीन तोड़ा और कार से बाहर निकलने में कामयाब रहे। इसके बाद कार में आग लग गई। सोशल मीडिया पर इस हादसे की कई तस्वीरें वायरल हुईं और वीडियो भी सामने आए।

सानिया मिर्जा के फैंस को बड़ा झटका टेनिस करियर से किया संन्यास का ऐलान

इस टूर्नामेंट में आखिरी बार खेलेंगी

नई दिल्ली, 7 जनवरी (एजेंसियां)। भारत की स्टार महिला टेनिस खिलाड़ी सानिया मिर्जा ने संन्यास की घोषणा कर दी है। ऑस्ट्रेलियन ओपन खेलने पहुंचीं सानिया ने कहा है कि इस साल ऑस्ट्रेलियन ओपन और दुबई टेनिस चैंपियनशिप के बाद वह टेनिस को अलविदा कह देंगी। यानी अगले कुछ महीनों में वह आखिरी बार कोर्ट पर दिखेंगी। सानिया मिर्जा ने कहा है कि वह अगले महीने दुबई टेनिस चैंपियनशिप के बाद 36 साल की उम्र में अपने करियर को अलविदा कह देंगी। चोट के कारण उनकी 2022 की रिटायरमेंट योजनाओं में देरी हुई थी। यूएस ओपन में चोट की वजह से नहीं खेलने के बाद सानिया ने इसकी घोषणा की थी।

ऑस्ट्रेलियन ओपन के रूप में आखिरी ग्रैंडस्लैम खेलेंगी सानिया

36 वर्षीय इस महीने कजाकिस्तान की एना डेनिलिना के साथ ऑस्ट्रेलियन ओपन में महिला डबल्स में खेलेंगी, जो किसी भी ग्रैंड स्लैम में उनकी आखिरी उपस्थिति होगी। कोहनी की चोट के कारण पिछले साल यूएस ओपन में वह नहीं खेल पाई थीं। अन्य फिटनेस समस्याओं ने भी उन्हें हाल के दिनों में परेशान किया है। सानिया ने कहा- ईमानदारी से कहूं तो मैं जो इंसान हूं, मुझे अपनी शर्तों पर काम करना पसंद है। इसलिए मैं चोट के कारण बाहर नहीं होना चाहती। इसलिए मैं ट्रेनिंग ले रही हूं। मेरा प्लान दुबई में दुबई ड्यूटी फ्री टेनिस चैंपियनशिप के दौरान रिटायरमेंट का है।

पिता ने क्या कहा था?

सानिया के पिता इमरान ने विम्बलडन में उनकी अंतिम उपस्थिति के बाद पिछले साल बताया था कि डब्ल्यूटीए फाइनल में करियर को अलविदा कहना, वह भी दुनिया के सर्वश्रेष्ठ के साथ मैच करके, करियर समाप्त करने का एक उपयुक्त तरीका है। हालांकि, चोटों ने उस योजना को पटरी से उतार दिया। विम्बलडन में वह मिक्स्ड डबल्स के फाइनल से चूक गई थीं।

डबल्स में भारतीय टेनिस की स्टार रहीं सानिया

सानिया मिर्जा एक ऐसी पीढ़ी में भारतीय टेनिस की चमकती रोशनी में से एक रही हैं, जिन्हें डबल्स सर्किट के बाहर ज्यादा सफलता नहीं मिली। छह ग्रैंड स्लैम जीतने और विश्व नंबर एक डबल्स खिलाड़ी बनने से पहले, उनका एक उल्लेखनीय सिंगल्स करियर भी था, जो विश्व नंबर 27 की करियर बेस्ट रैंकिंग तक पहुंच गया वह 2005 में यूएस ओपन के चौथे राउंड तक पहुंची थीं।

अब सानिया की प्राथमिकताएं बदल चुकी हैं

36 साल की उम्र में कई गंभीर चोटों की समस्याओं के कारण सानिया की प्राथमिकताएं बदल गई हैं। उन्होंने कहा- मेरे पास सच में भावनात्मक रूप से खुद को और आगे बढ़ाने की क्षमता नहीं है। मैं 2003 में प्रोफेशनल टेनिस में आ गई थी। प्राथमिकताएं बदल जाती हैं और अब मेरी प्राथमिकता अपने शरीर को हर दिन सीमित करने की नहीं है।

रिटायरमेंट के बाद क्या करेंगी सानिया?

रिटायरमेंट के बाद सानिया मिर्जा ने दुबई में अपनी एकेडमी पर ध्यान केंद्रित करने की योजना बनाई है, जो एक दशक से अधिक समय तक उनके निवास का शहर रहा है। इसके अलावा उन्होंने हैदराबाद में भी टेनिस एकेडमी शुरुआत की थी। उन्होंने कहा- मेरे लिए उन जगहों पर अपने अनुभव का साझा करना महत्वपूर्ण है जहां मैं रहती हूं। इसलिए मेरे पास एक एकेडमी हैदराबाद में और एक दुबई में है।

उनका आखिरी प्रोफेशनल टूर्नामेंट दुबई टेनिस चैंपियनशिप 19 फरवरी से शुरू होगा।

सीडब्ल्यूजी मेडलिस्ट वेटलिफ्टर संजीता चानू

डोप टेस्ट में फेल लग सकता है 4 साल का बैन

कॉमनवेल्थ गेम्स में 2 गोल्ड जीत चुकी हैं चानू

संजीता 2 बार कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड मेडल जीत चुकी हैं। उन्होंने कॉमनवेल्थ गेम्स-2014 में 48 केजी वेट कैटेगरी में पहला गोल्ड में जीता था, जबकि दूसरा गोल्ड उन्होंने 2018 में 53 किलो वेट में जीता था। उन्होंने स्नैच इवेंट में 84 किलो वेट उठाकर कॉमनवेल्थ गेम्स में रिकॉर्ड बनाया था।

संजीता 2018 में भी प्रतिबंधित दवा लेने की दोषी पाई गईं। बाद में उन्हें इस आरोप से 2020 में क्लीन चिट मिल गई थी।

संजीता चानू ने पिछले साल गुजरात में हुए नेशनल गेम्स में 49 किलो वेट में सिल्वर जीता था।

नई दिल्ली, 7 जनवरी (एजेंसियां)। कॉमनवेल्थ गेम्स में 2 बार स्वर्ण पदक जीत चुकीं देश की जानी-मानी वेटलिफ्टर संजीता चानू एक बार फरि डोप टेस्ट में फंस गई हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, नेशनल एंटी डोपिंग एजेंसी ने गुजरात नेशनल गेम्स में उनके सैंपल लिए थे, जिसमें स्टेरायड ड्रास्टेनोलॉन पाया गया है। इसके बाद संजीता पर अस्थायी प्रतिबंध लगा दिया गया है। अब संजीता को नाडा के सुनवाई पैनल के सामने अपनी बेगुनाही साबित करनी होगी वरना उन पर 4 साल का बैन लगेगा। 2014 के ग्लासगो और 2018 के गोल्डकोस्ट कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड मेडल जीतने वाली संजीता ने 30 सिंतबर 2022 को अहमदाबाद में हुए नेशनल गेम्स में 49 किलो भारवर्ग में शिरकत की थी। इसमें मीराबाई चानू ने 191 किलो वजन के साथ स्वर्ण और संजीता ने 187 किलो वजन के साथ रजत पदक जीता था। इसी दौरान नाडा ने उनका सैंपल लिया था, जिसमें स्टेरायड पाया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, संजीता का बी सैंपल भी हो गया है और उसका नतीजा ए सैंपल जैसा ही आया है।

पहले भी लगा आरोप, हो गई थीं बरी

संजीता चानू पर इससे पहले मई 2018 में डोपिंग का आरोप लगा था। हालांकि, तब इंटरनेशनल वेटलिफ्टिंग फेडरेशन (आईडब्ल्यूएफ) ने अपनी गलती मानते हुए 2020 में उन्हें आरोपों से बरी कर दिया था। इससे संजीता के करियर को 2 साल का नुकसान हुआ। दरअसल, आईडब्ल्यूएफ ने 2017 में अमेरिका में विश्व चैंपियनशिप के दौरान उनका सैंपल लिया। इसकी जांच के बाद कहा गया कि उनका टेस्टोस्टोरोन लेवल ज्यादा है। हालांकि, बाद में आईडब्ल्यूएफ ने माना कि उससे सैंपल नंबर में गलती हो गई और संजीता से इसका संबंध नहीं है। वहीं, संजीता के अलावा गुजरात नेशनल गेम्स में 55 किलो भारवर्ग में सिल्वर मेडल जीतने वाली वीरजीत कौर भी डोप पॉजिटिव पाई गई हैं।

2023 विश्वकप के पहले कोहली को मिली नयी जिम्मेदारी

बदला दिखेगा उनका रोल

नई दिल्ली, 7 जनवरी (एजेंसियां)। विराट कोहली को अब तक उनके फैंस ने सिर्फ उन्हें शानदार बल्लेबाजी करते देखा होगा। लेकिन अब विराट कोहली टीम इंडिया के साथ एक नए रोल में नजर आएंगे। वह अपनी परफॉर्मेंस सुधारने के अलावा खिलाड़ियों की नए तरीके से मदद करेंगे और टीम में उनके रोल को बेहतर करने के लिए मदद भी करेंगे। या यूं कहे वे खिलाड़ियों को अच्छी परफॉर्मेंस के लिए गाइड करने की जिम्मेदारी संभाल सकते हैं। अगर ऐसा हुआ तो टीम इंडिया एक नए रूप में दिखेगी। पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज और चयन समिति के पूर्व अध्यक्ष कृष्णामाचारी श्रीकांत ने बयान जारी किया था। उन्होंने बताया था कि भारत में अक्टूबर-नवंबर में होने वाले 2023 वनडे विश्व कप का आयोजन होगा। इसमें बेहतरीन बल्लेबाज विराट कोहली टीम में अन्य खिलाड़ियों को उनकी भूमिका में मदद करेंगे।विराट कोहली करेंगे खिलाड़ियों को मोटिवेट कृष्णामाचारी श्रीकांत ने इसके साथ ही ईशान किशन की तारीफ करते हुए कहा था कि हम उन्हें क्या भूमिका दे सकते हैं। ईशान किस तरह बॉल पर प्रहार करते हैं। अभी हाल ही में ईशान ने दोहरा शतक भी बनाया है। इन खिलाड़ियों को कहिये कि वे मैदान में जाएं और अपना खेल खेलें। उन पर कोई रोक नहीं होगी। विराट कोहली ऐसे खिलाड़ियों को प्रेरित करेंगे।

खिलाड़ियों होनी चाहिए आजादी

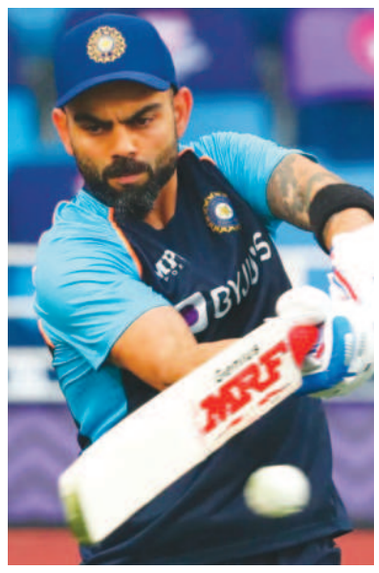

ईशान किशन की तरह ही दो या तीन ऐसे खिलाड़ी चाहिए जो खुद को व्यक्त करने से घबराते नहीं हों। बल्लेबाजी, आलराउंडर हों या गेंदबाजी आलराउंडर, की इस लाइनअप में जरूरत है। टीम में ऐसे खिलाड़ियों का तालमेल होना जरूरी है। पूर्व में गौतम गंभीर एंकर की भूमिका निभा चुके हैं और वही बात इस बार विराट कोहली के लिए कही जा सकती है, जो इस बार वैसी ही भूमिका निभाएंगे। वह ईशान किशन जैसे खिलाड़ियों की मदद करेंगे। जब किशन ने दोहरा शतक बनाया था तो विराट ने शतक बनाया था।1983 के विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य श्रीकांत ने एक टीवी शो में बयान दिया था कि खिलाड़ियों को इतनी आजादी होनी चाहिए कि आप अपना खेल खेलें चाहे आप आउट क्यों ना हो जाएं। टीम की ऐसी सोच होनी चाहिए। विराट इस साल विश्व कप 2023 में बल्लेबाजी चार्ट में टॉप पर रहेंगे। इसके साथ ही हार्दिक पांड्या, रवींद्र जडेजा और जसप्रीत बुमराह की भी इस विश्व कप में भारतीय टीम के लिए अहम भूमिका रहेगी, जबकि दीपक हुड्डा रिजर्व के तौर पर रहेंगे। उन्होंने कहा कि हमें दीपक को तैयार करने की जरूरत है। हमें उनसे 10 ओवर की जरूरत नहीं है हम उनसे तीन या चार ओवर चाहते हैं। वह बल्लेबाजी आलराउंडर हो सकते हैं।

क्या अब टी20 टीम में नजर नहीं आएंगे रोहित और विराट?

हेड कोच राहुल द्रविड़ ने दिया ये जवाब

नई दिल्ली, 7 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट टीम के हेड कोच राहुल द्रविड़ ने संकेत दिए हैं कि रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे वरिष्ठ खिलाड़ी टी20 टीम से बाहर हो सकते हैं। मुख्य कोच के मुताबिक, अगले टी20 विश्व कप के लिए टीम बनाई जा रही है। बता दें कि साल 2024 में टी20 विश्व कप का आयोजन वेस्टइंडीज और अमेरिका में होगा।

सीनियर खिलाड़ियों से आगे बढ़ने की योजना

पुणे में खेले गए दूसरे टी20 में श्रीलंका के खिलाफ मिली हार के बाद मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने कहा, टीम इंडिया 2024 में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप के पुनर्गठन से गुजर रही है। द्रविड़ के मुताबिक, हमारी टीम काफी प्रतिभाशाली है। इसलिए युवाओं को धैर्य से काम लेने की जरूरत है। हेड कोच से मिले इन संकेतों से स्पष्ट है कि टीम मैनेजमेंट टी20 इंटरनेशनल में रोहित शर्मा, विराट कोहली और केएल राहुल से आगे बढ़ने के बारे में सोच रहा है।

श्रीलंका के विरुद्ध दूसरे टी20 में भारतीय पेसर अर्शदीप काफी महंगे रहे थे। उन्होंने अपने दो ओवर में 37 रन लुटाए। इस दौरान अर्शदीप ने नो बॉल की हैट्रिक लगाते हुए कुल पांच नो गेंद फेंकी। हालांकि मैच के बाद राहुल द्रविड़ ने उनका बचाव किया। हेड कोच ने कहा, कोई भी गेंदबाज जानबूझकर नो बॉल या वाइड बॉल नहीं फेंकता है। दूसरे टी20 में भारत की तरफ से कुल 7 नो और 4 वाइड बॉल डाली गई थीं। जिसके चलते भारत ने श्रीलंका की पारी में 15 ओवर की अतिरिक्त गेंदबाजी की।

ट्रॉफी पर भारत की नजर

भारत और श्रीलंका के बीच तीन टी20 मैचों की सीरीज का तीसरा और अंतिम मुकाबला 7 जनवरी को राजकोट में खेला जाएगा। सीरीज जीतने के लिए यह मुकबला दोनों टीमों के लिए अहम है। लेकिन तीसरे मैच में भारतीय टीम की नजर ट्रॉफी पर होगी। मौजूदा समय में भारत और श्रीलंका एक-एक मुकाबला जीतकर बराबरी पर हैं। श्रीलंका की टीम आज तक भारतीय सरजमीं पर टी20 सीरीज जीतने में नाकाम रही है।

वीमंस आईपीएल 2023

ऑक्शन के लिए खिलाड़ियों का रजिस्ट्रेशन, आखिरी तारीख आई सामने

नई दिल्ली, 7 जनवरी (एजेंसियां)। आईपीएल का रोमांच तो सालों से देखा जा रहा है, अब बारी है वीमंस आईपीएल की, जिसका इस साल डेब्यू सीजन है। पूरी दुनिया वीमंस आईपीएल के लिए बेताब हैं। बीसीसीआई भी इस तैयारियां जोरो शोरों से कर रहा है। वीमंस आईपीएल 2023 के लिए अगले महीने खिलाड़ियों की नीलामी होगी, मगर इससे पहले खिलाड़ियों को अपना रजिस्ट्रेशन करवाना होगा, जिसकी आखिरी तारीख 26 जनवरी शाम 5 बजे तक है। बोर्ड ने आखिरी तारीख का ऐलान कर दिया है। बोर्ड ने कैप्ड, अनकैप्ड सभी क्रिकेटर्स को ऑनलाइन अपना रजिस्ट्रेशन करवाने के लिए कहा है। कैप्ड प्लेयर्स के लिए 50 लाख, 40 लाख और 30 लाख रुपये की 3 बेस प्राइस वाली कैटेगरी रखी गई है।

चेतन शर्मा फिर बने चीफ सेलेक्टर

बीसीसीआई ने नई सेलेक्शन कमेटी घोषित की; शिवसुंदर दास, सलिल अंकोला सहित चार और मेंबर्स

मुंबई, 7 जनवरी (एजेंसियां)। चेतन शर्मा दूसरी बार ऑल इंडिया सेलेक्शन कमेटी के चेयरमैन बने हैं। वे 2 साल पहले भी चीफ सेलेक्टर बने थे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने नई सीनियर सेलेक्शन कमेटी की घोषणा कर दी है।

पूर्व तेज गेंदबाज चेतन शर्मा फिर से कमेटी के चेयरमैन यानी चीफ सेलेक्टर बनाए गए हैं। उनके अलावा शिवसुंदर दास, सलिल अंकोला, सुब्रतो बनर्जी और श्रीधरन शरत कमेटी के अन्य चार मेंबर्स हैं। ऑस्ट्रेलिया में हुए पिछले टी-20 वर्ल्ड कप में खराब प्रदर्शन के बाद बोर्ड ने तत्कालीन सेलेक्शन कमेटी को बर्खास्त कर दिया था। चेतन शर्मा उस कमेटी के भी चेयरमैन थे। पूरी खबर पढ़ने के लिए क्लिक करें। टीम इंडिया सेमीफाइनल में इंग्लैंड से 10 विकेट से हारकर वर्ल्ड कप से बाहर हो गई थी। बोर्ड ने रविवार को जारी बयान में बताया कि, 'क्रिकेट एडवाजरी कमेटी को करीब 600 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से 11 को इंटरव्यू के लिए बुलाए गया। इंटरव्यू के बाद शशिकला नायक, अशोक मल्होत्रा, जतिन परांजपे की एडवाजरी कमेटी ने 5 नाम रिकमेंड किए हैं।

नए मेडिकल कॉलेजों के काम में तेजी लाएं : हरीश राव

समीक्षा बैठक में मंत्री ने जल्द टेंडर प्रक्रिया पूरी करने को कहा

हैदराबाद, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। स्वास्थ्य मंत्री टी. हरीश राव ने शनिवार को चिकित्सा और स्वास्थ्य अधिकारियों को राज्य में स्थापित किए जा रहे नौ नए मेडिकल कॉलेजों के काम में तेजी लाने का निर्देश दिया। यहां हुई समीक्षा बैठक में मंत्री ने अधिकारियों से टेंडर प्रक्रिया पूरी कर काम शुरू करने को कहा। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के मार्गदर्शन में पिछले साल एक बार में आठ नए मेडिकल कॉलेज शुरू करके एक रिकॉर्ड बनाया गया था। उन्होंने कहा कि इसी भावना के साथ करीमनगर, खम्मम, कामारेड्डी, विकाराबाद, जनगांव, निर्मल, भूपालपल्ली, सिरसिला और आसिफाबाद जिलों में इस साल एमबीबीएस कक्षाएं शुरू करने के लिए कदम उठाए जाने की जरूरत है।

हरीश राव ने अधिकारियों से कहा कि राष्ट्रीय चिकित्सा परिषद की टीम के निरीक्षण के लिए आने तक सभी व्यवस्थाएं कर ली जानी चाहिए थीं। मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य (एमसीएच) केंद्रों का काम जल्द पूरा करने और निजाम के आयुर्विज्ञान संस्थान (एनआईएमएस) में एमसीएच केंद्र को जल्द से जल्द तैयार करने के निर्देश भी जारी किए गए। बैठक में विभिन्न जिलों में 23 सीएचसी, 13 तेलंगाना डायग्नोस्टिक केंद्रों, मुर्दाघरों और केंद्रीय दवा भंडारों के कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की गई। मंत्री ने कहा कि नौ क्रिटिकल केयर सेंटर उन क्षेत्रों के पास स्थापित किए जा रहे हैं जहां अधिक सड़क दुर्घटनाएं होती हैं और अधिकारियों को दुर्घटना पीड़ितों की देखभाल के लिए इन सुविधाओं को जल्द से जल्द तैयार करने के लिए कहा। सभी अस्पतालों में दवा की उपलब्धता सुनिश्चित करने और तीन महीने का बफर बनाए रखने के निर्देश दिए। हरीश राव ने अधिकारियों से यह भी कहा कि वे सरकारी अस्पतालों में उपकरणों की निगरानी करें और उन्हें सही स्थिति में रखें और इसके लिए अस्पताल अधीक्षक जिम्मेदार होंगे।

कोकीन बेचने के आरोप में नाइजीरियाई नागरिक अंदर

हैदराबाद, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। निषेध और उत्पाद शुल्क विभाग के अधिकारियों ने शनिवार को कोकीन बेचने वाले एक नाइजीरियाई नागरिक को गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने उसके पास से 178 ग्राम कोकीन जब्त किया।

हयातनगर पी एंड ई स्टेशन के एसएचओ टी. लक्ष्मण गौड़ के अनुसार, नाइजीरिया के गॉडविन इफेनी (32) और शहर के वनस्थलीपुरम में रहकर, बेंगलुरु में कुछ व्यक्तियों से कोकीन खरीदा और इसे ग्राहकों को 10,000 प्रति ग्राम रुपये में बेच रहा था। पूछताछ में पता चला कि वह अधिक रह रहा था और उसने अपनी अवैध गतिविधियों को अंजाम देने के लिए पिछले तीन महीनों में धोखाधड़ी के तरीकों से लगभग 400 सिम कार्ड प्राप्त किए थे। विशेष सूचना पर, स्टेट टास्क फोर्स के साथ हयातनगर पी एंड ई के अधिकारियों ने उसे वनस्थलीपुरम में पकड़ा, जबकि वह दवा के कब्जे में था और कुछ ग्राहकों को सौंपने का इरादा था। उन्हें पहले धूलपेट निषेध और

केंद्रीय सहायता पर लोगों को गुमराह कर रहे हैं बीआरएस नेता : बंडी

तेलंगाना को केंद्रीय सहायता पर बहस करने की दी चुनौती

हैदराबाद, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति पर राज्य को केंद्रीय सहायता पर लोगों को गुमराह करने का आरोप लगाते हुए, तेलंगाना भाजपा के अध्यक्ष बंडी संजय कुमार ने शनिवार को सत्ताधारी दल के नेताओं को इस मुद्दे पर खुली बहस की चुनौती दी। संजय ने यहां राज्य पार्टी कार्यालय में भाजपा बूथ समिति के पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा इस बात पर बहस के लिए तैयार है कि केंद्र ने पिछले आठ वर्षों में राज्य को कितना पैसा जारी किया है। संजय ने बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव को सुझाव दिया कि इस संबंध में आप जो भी सबूत चाहते हैं, हम पेश कर सकते हैं। संजय ने आरोप लगाया कि बीआरएस सरकार वास्तव में केंद्रीय धन को अपने उद्देश्यों के लिए डायवर्ट कर रही है। उन्होंने कहा कि इसने ग्राम पंचायतों को जारी केंद्रीय फंड और राष्ट्रीय

ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत भी डायवर्ट किया है। यह कहते हुए कि लोग गंभीर संकट में हैं, तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि बीआरएस सरकार ने उनके लिए पेंशन देने के अलावा कुछ नहीं किया। उन्होंने खेद व्यक्त किया कि यहां तक कि तथाकथित रायतु बंधु सहायता लाभार्थियों तक नहीं पहुंच रही थी, क्योंकि बैंक फसल ऋण के पुराने बकाये के लिए राशि को समायोजित कर रहे हैं।

संजय ने कहा कि राज्य सरकार शराब की बिक्री से 40,000 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित कर रही है। पेंशन और अन्य कल्याणकारी योजनाओं पर पैसा खर्च करने के बाद भी सरकार के पास 10,000 करोड़ रुपये बचे हैं। उन्होंने आलोचना की, "पैसा कहां जा रहा है? सरकार राजस्व और व्यय के विवरण का खुलासा क्यों नहीं कर रही है? इसके बजाय, यह केंद्र को दोष देने की कोशिश कर रही है।"

संजय ने बूथ कमेटी सदस्यों से पार्टी को मजबूत करने और सत्ता में लाने का बीड़ा उठाने का आह्वान किया। बीआरएस नेतृत्व द्वारा अपने 12 विधायकों के कथित अवैध शिकार पर तेलंगाना कांग्रेस द्वारा पुलिस को दर्ज शिकायत पर प्रतिक्रिया देते हुए, संजय ने उपहास किया कि यह चोरी होने के छह महीने बाद कुत्तों के भौंकने जैसा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेता पिछले चार साल से क्या कर रहे हैं? अब नाटक करने के लिए लोग उन पर हंस रहे हैं। तथ्य यह है कि बीआरएस और कांग्रेस के बीच गुप्त समझ है। वे एक साथ चुनाव लड़ने जा रहे हैं।

जबरन वसूली के आरोप में एआर इंस्पेक्टर गिरफ्तार

वरंगल, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। वरंगल पुलिस आयुक्तालय के एक सशस्त्र आरक्षी (एआर) निरीक्षक सतीश को सूबेदारी पुलिस ने यहां गिरफ्तार कर लिया। उसने कथित तौर पर एक रत्न व्यापारी को धमकी दी और 2 जनवरी को 50,000 रुपये की मांग की, जब व्यापारी हनमकोंडा में सूबेदारी पुलिस थाना क्षेत्र के तहत एक लॉज में था। गुंटूर के व्यापारी बालाजी द्वारा उन्हें 25,000 रुपये देने के बाद ही उन्होंने लॉज छोड़ा। बालाजी की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर सिपाही को गिरफ्तार कर लिया, जिसे अदालत में पेश कर 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

कड़ाके की ठंड से बेहाल हैदराबाद, 11 जनवरी तक अलर्ट जारी

हैदराबाद, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। ठंड की रातों के लिए तैयार रहें, क्योंकि राज्य की राजधानी में कड़ाके की ठंड ने अभी तक बैग पैक नहीं किया है। मौसम विभाग ने 11 जनवरी तक कड़ाके की ठंड रहने का अनुमान जताया है।

और इस सीज़न में पहली बार, हैदराबादके अधिकांश क्षेत्रों में एक अंक का न्यूनतम तापमान देखा जा सकता है। भारत मौसम विज्ञान विभागका अनुमान है कि पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से शहर में भीषण ठंड होगी। कोहरे की चेतावनी भी लागू है।

जबकि लगभग सभी इलाकों में, न्यूनतम तापमान 13 डिग्री सेल्सियस से नीचे गिरने की संभावना है, एलबी नगर, राजेंद्रनगर, हयातनगर, और

करवान क्षेत्र अलर्ट पर हैं क्योंकि रात का तापमान सोमवार को यहां एक अंक को छू सकता है। इस अवधि के दौरान शहर में अधिकतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस से 28 डिग्री सेल्सियस के बीच हो सकता है। अगले तीन दिनों के दौरान राज्य के अन्य जिलों में शीत लहर चलने की संभावना है क्योंकि न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे गिरने की उम्मीद है।

कुमुराम भीम आसिफाबाद, आदिलाबाद, जयशंकर भूपलपल्ली, मुलुगु, जगतियाल, कामारेड्डी, मनचेरियल, निर्मल, पेद्दापल्ली, निजामाबाद, राजन्ना सिरसिला, करीमनगर और वारंगल के लिए नारंगी कोड वाली चेतावनी जारी की गई है। शहर में शनिवार को न्यूनतम तापमान 18.7 डिग्री सेल्सियस रहा। कुछ जिलों में कड़ाके की ठंड जारी है क्योंकि पारा नीचे की ओर जारी है।

विचाराधीन कैदी की हार्ट अटैक से मौत

निर्मल, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। उप जेल के एक विचाराधीन कैदी की शनिवार को यहां एक अस्पताल में इलाज के दौरान दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। निर्मल उप-जेल अधीक्षक सी चिरंजीवी ने कहा कि लक्ष्मणचंदा के पीछरा गांव निवासी सतीश (27) 24 दिसंबर को लक्ष्मणचंदा थाने में दर्ज बिजली के एक मामले में जेल में बंद था। सतीश को रात करीब 2 बजे कार्डियक अरेस्ट आया और उन्हें निर्मल के एक अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। इलाज के दौरान सुबह साढ़े चार बजे उसकी मौत हो गई। शव को पोस्टमार्टम के लिए निर्मल जिला मुख्यालय अस्पताल भेज दिया गया। शाम तक इसे बंदी के परिजनों को सौंप दिया जाएगा।

आरपीएफ जवानों का रहा बेहतर प्रदर्शन, 52 लोगों की जान बचाई

हैदराबाद, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवेके रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने मिशन जीवन रक्षक के तहत वर्ष 2022 में 52 (23 महिला और 29 पुरुष) लोगों की जान बचाई।

आरपीएफ ने ज्यादातर मामलों में उन यात्रियों की जान बचाई, जिनकी चलती ट्रेनों में चढ़ते या उतरते समय लापरवाही बरतने जान जा सकती थी। कुछ को आत्महत्या का प्रयास करने के दौरान भी बचाया गया। दक्षिण मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सीएच राकेश कुमार ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि इसमें आरपीएफ कर्मियों के प्रदर्शन पर प्रकाश डाला गया है।

ऑपरेशन एएएचटी के तहत आरपीएफ ने 2022 में 46 बच्चों, 34 लड़कों और 12 लड़कियों को तस्करों के चंगुल से छुड़ाया। मानव तस्करी में शामिल आठ लोगों को आरपीएफ ने गिरफ्तार किया।

आरपीएफ कर्मियों ने सीसीटीवी फुटेज की जांच कर 48 लोगों को गिरफ्तार किया और 2022 में 97,97,07,130 रुपये बरामद किए। ऑपरेशन अमानत के एक हिस्से के रूप में, आरपीएफ कर्मियों ने यात्रियों से 2,060 से अधिक बचे हुए सामानों को पुनः प्राप्त किया, जिनकी कीमत 4.99 करोड़ रुपये से अधिक थी, और उन्हें 2022 में सही मालिकों को सौंप दिया। ऑपरेशन नार्कोस के तहत सुरक्षा बल ने 8.26 करोड़ रुपये का गांजा जब्त किया है और प्रतिबंधित उत्पाद की बिक्री में शामिल 78 लोगों को गिरफ्तार किया है। 2022 में, आरपीएफ ने 448 लोगों को 4.4 करोड़ रुपये की चोरी की संपत्ति बरामद करने के लिए पकड़ा। इसके अलावा, भारतीय रेलवे के स्वामित्व वाले सुरक्षा बलों ने सोने की चोरी और अवैध नशीली दवाओं के व्यापार में शामिल लोगों को भी पकड़ा।

जुआ खेलते 10 धरे गये

कुमराम भीम आसिफाबाद, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दहेगांव मंडल के हत्तिनी गांव के बाहरी इलाके में शुक्रवार रात जुआ खेलने के आरोप में दस लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने इनके पास से 2.48 लाख रुपये बरामद किए हैं। दहेगांव के सब-इंस्पेक्टर सनत कुमार ने कहा कि आरोपी व्यक्तियों में जरपुला कुमार, धारावत तिरुपति, सुनकारी श्रवण कुमार, पेद्दला सुरेश, चप्पीदे रवि, करुणाथम अंजना, सोमशेट्टी विग्नेश, पुप्पला नवीन, रेड्डी श्रीनु और मोरले पुन्नम थे, जबकि श्रवण एक ट्रैक्टर चालक था, नौ कृषि क्षेत्र से थे और दहेगांव मंडल के विभिन्न हिस्सों के निवासी थे।

पब्लिक हेल्थकेयर कमजोर वर्गों तक पहुंचना चाहिए : हरिचंदन

राज्यपाल ने एएपीआई ग्लोबल हेल्थ समिट-सीईओ फोरम का किया शुभारंभ

विजयवाड़ा, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन ने शनिवार को यहां राजभवन से विशाखापट्टणम में आयोजित अमेरिकन एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इंडियन ओरिजिन (एएपीआई) ग्लोबल हेल्थ समिट-सीईओ फोरम के उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। इस अवसर पर बोलते हुए राज्यपाल हरिचंदन ने कहा कि सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा तक समान पहुंच को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए, क्योंकि सार्वजनिक स्वास्थ्य का उद्देश्य समाज के सबसे कमजोर और सबसे कमजोर वर्ग के कल्याण को पूरा करना है। ग्लोबल हेल्थ समिट-सीईओ फोरम का आयोजन अमेरिकन एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इंडियन ओरिजिन (एएपीआई) द्वारा किया गया था, जो सबसे बड़ा जातीय चिकित्सा संघ है। यह संयुक्त राज्य अमेरिका में भारतीय मूल के 120,000 से अधिक चिकित्सकों के हितों का प्रतिनिधित्व करता है और एक मंच के रूप में कार्य करता है। 40,000 से अधिक मेडिकल छात्र, निवासी और अध्येता, उनकी शोध गतिविधियों का समर्थन कर रहे हैं। एएपीआई हर साल ग्लोबल हेल्थ केयर समिट भी आयोजित कर रहा है, जो भारतीय मूल के चिकित्सकों को एक साथ आने और भारत और दुनिया भर में अपने साथी चिकित्सकों के साथ अपने ज्ञान, विशेषज्ञता और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने और एक से सीखने के लिए एक अनूठा मंच प्रदान करता है। राज्यपाल ने फाउंडेशन इंडिया के माध्यम से एएपीआई की गतिविधियों की सराहना की, भारत में रोगी स्वास्थ्य सेवा में योगदान दिया, मुफ्त क्लीनिक स्थापित करके और महिलाओं के लिए कैंसर की जांच के लिए मुफ्त स्वास्थ्य शिविर आयोजित करके, लक्षित आबादी को एचपीवी टीकाकरण, रेडियोलॉजिकल और डायग्नोस्टिक की पेशकश की।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.